प्रश्न बैंक-सह-उत्तर पुस्तक

Question Bank–Cum–Answer Book

2023

Class-10

सामाजिक विज्ञान
(SOCIAL SCIENCE)

- ✓ इतिहास
- ✓ भूगोल
- ✓ नागरिक शास्त्र
- ✓ अर्थशास्त्र

Jharkhandlab.com

झारखण्ड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची
Jharkhand Council of Educational Research and Training, Ranchi

प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक
Question Bank-Cum-Answer Book

Class - 10

सामाजिक विज्ञान
Social Science

- इतिहास
- भूगोल
- नागरिक शास्त्र
- अर्थशास्त्र

2023

झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची
Jharkhand Council of Educational Research and Training, Ranchi

Jharkhandlab.com

प्रथम संस्करण : माह अगस्त 2023, श्रावण विक्रम संवत् 2080

© झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची, झारखंड

jharkhandlab.com

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, छायाप्रतिलिपि अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण या जिल्द के साथ अथवा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।

- **क्रय–विक्रय दण्डनीय अपराध**

झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची, झारखंड द्वारा प्रकाशित

प्राक्कथन

बच्चों के लिए निर्धारित अधिगम प्रतिफल प्राप्त करने का मार्ग सरल एवं सुगम होना आवश्यक है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची, झारखंड के द्वारा कक्षा 10 के सभी विषयों के लिए प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक का निर्माण बच्चों के अधिगम कौशल को सुगमतापूर्वक विकसित करने एवं झारखंड अधिविद्य परिषद् द्वारा आयोजित वार्षिक माध्यमिक बोर्ड की परीक्षा के लिए उन्हें तैयार करने के उद्देश्य से किया गया है। इस प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक में सरल भाषा एवं रुचिकर ढंग से विषय–वस्तु को स्पष्ट करते हुए प्रश्नोत्तर दिए गए हैं। इस प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक के माध्यम से बच्चों में न केवल ज्ञानजन्य प्रतिभा का विकास होगा बल्कि आज के इस प्रतियोगिता के दौर में भी वे अनुकूल सफलता पाएंगे। हमारे प्रयत्न की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि विद्यालय के शिक्षकवृन्द बच्चों की कल्पनाओं के साथ कितना जुड़ पाते हैं और विभिन्न प्रकार के प्रश्नोत्तरों को सीखने–सिखाने के दौरान अपने अनुभवों के साथ–साथ बच्चों के विचारों के साथ कैसे सामंजस्य बनाते हैं।

इस प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक में झारखंड अधिविद्य परिषद् द्वारा आयोजित वार्षिक माध्यमिक बोर्ड की परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों के विविध प्रकारों यथा– बहुवैकल्पिक, अतिलघु उत्तरीय, लघु उत्तरीय एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न आदि के अंतर्गत पर्याप्त मात्रा में प्रश्नोत्तर समाहित किए गए हैं ताकि इसके अध्ययन से छात्रों में ना केवल विषय–वस्तु की समझ विकसित हो बल्कि उन्हें सीखने के प्रतिफल की भी प्राप्ति हो, साथ ही वार्षिक माध्यमिक बोर्ड की परीक्षा के लिए उनकी अच्छी तैयारी हो सके और वे परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करते हुए सफलता प्राप्त कर सकें।

अंत में मैं इन पुस्तकों के लेखकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ।

शुभकामनाओं के साथ।

के० रवि कुमार भा.प्र.से.
सचिव
स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड

jharkhandlab.com

भूमिका

प्रिय शिक्षक एवं विद्यार्थी,

जोहार !

हमें कक्षा 10 के विभिन्न विषयों के प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक से आपका परिचय कराने में प्रसन्नता हो रही है। इस प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक में झारखण्ड शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची द्वारा प्रकाशित पाठ्यपुस्तकों के विषयवार एवं अध्यायवार अधिगम बिन्दुओं को समायोजित करते हुए झारखण्ड अधिविद्य परिषद् द्वारा आयोजित वार्षिक माध्यमिक परीक्षा में पूछे जानेवाले प्रश्नों के विविध प्रकारों के अंतर्गत पर्याप्त मात्रा में प्रश्नों का समावेश किया गया है। इस विषय आधारित प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक के निर्माण का उद्देश्य शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को और अधिक रुचिकर, सरल एवं प्रभावशाली बनाना तथा विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा की तैयारियों में सहयोग प्रदान करना है, जिससे सकारात्मक रूप से छात्रों को सीखने के प्रतिफल प्राप्त हों और बोर्ड परीक्षा में वे बेहतर प्रदर्शन कर सकें। राज्य के विभिन्न जिलों से चयनित अनुभवी शिक्षकों के द्वारा इस प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक का निर्माण किया गया है।

इस प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक की प्रमुख विशेषताएँ यह है कि इनमें प्रश्नों के उत्तर को सरल भाषा में प्रस्तुत करते हुए वैचारिक समझ (Conceptual Understanding) विकसित करने पर जोर दिया गया है। साथ ही इन पुस्तकों में झारखण्ड अधिविद्य परिषद् द्वारा आयोजित वार्षिक माध्यमिक बोर्ड परीक्षा – 2023 के प्रश्नोत्तर को भी समाहित किया गया है। इन पुस्तकों के माध्यम से न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा में निखार आएगा बल्कि वर्तमान समय के प्रतियोगिताओं के इस दौर में वे अनुकूल एवं अपेक्षित सफलता प्राप्त करने में भी सक्षम हो सकेंगे। आशा है कि यह प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक आपको पसंद आएगी एवं आपके लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

शुभकामनाओं के साथ।

किरण कुमारी पासी भा.प्र.से.
निदेशक
झारखण्ड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्
राँची, झारखण्ड

jharkhandlab.com

पाठकों से अनुरोध

इस प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक के निर्माण में काफी सावधानियाँ बरती गई है। इसके बावजूद यदि किसी प्रकार की अशुद्धियाँ मिले या कोई सुझाव हो तो इस email ID :- jcertquestionbank@gmail.com पर सूचित करें, ताकि अगले मुद्रण में इसे शुद्ध रूप से प्रस्तुत किया जा सके।

Jharkhandlab.com

प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक निर्माण समिति

मुख्य संरक्षक

श्री के० रवि कुमार (भा.प्र.से.)
सचिव
स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड

संरक्षक

श्रीमती किरण कुमारी पासी (भा.प्र.से.)
निदेशक
झारखण्ड शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची

अवधारणा एवं मार्गदर्शन

श्री मुकुंद दास उपनिदेशक (प्र.) झारखण्ड शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची	**श्री बाँके बिहारी सिंह** सहायक निदेशक (अ.) झारखण्ड शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची	**श्री मसुदी टुडू** सहायक निदेशक (अ.) झारखण्ड शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची

समन्वय एवं निर्देशन

डॉ0 नीलम रानी
संकाय सदस्य, जे.सी.ई.आर.टी., राँची
(टी.जी.टी., सामाजिक विज्ञान, राजकीयकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय पैतानो, जलडेगा, सिमडेगा)

सहयोग

श्री मणिलाल साव
संकाय सदस्य, जे.सी.ई.आर.टी., राँची
(पी.जी.टी. जीव विज्ञान, के. एन. +2 उच्च विद्यालय हरनाद, कसमार, बोकारो)

Jharkhandlab.com

प्रश्न बैंक निर्माण कार्य समिति

रजनी एक्का
TGT (इतिहास)
राजकीयकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय गेतलसूद अनगड़ा, राँची

डॉ. नीलम रानी
TGT (सामाजिक विज्ञान)
राजकीयकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय पैतानो, जलडेगा, सिमडेगा

अमरेन्द्र कुमार मिश्रा
TGT (इतिहास)
बीआईटी उच्च विद्यालय मेसरा, राँची

रोशनी टोप्पो
TGT (नागरिक शास्त्र)
बाल कृष्ण +2 उच्च विद्यालय, राँची

चिन्तामणि कुमारी
TGT (अर्थशास्त्र)
राजकीयकृत जनता +2 उच्च विद्यालय खलारी, राँची

प्रतिमा कुमारी
TGT (अर्थशास्त्र)
राजकीयकृत +2 उच्च विद्यालय पिस्का नगड़ी, राँची

दिलीप कुमार साहू
TGT (अर्थशास्त्र)
प्रोजेक्ट बालिका +2 उच्च विद्यालय ओपा, राँची

jharkhandlab.com

Jharkhandlab.com

विषय–सूची

इतिहास	**भारत और समकालीन विश्व – 2**	**1**
अध्याय – 1	यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय	3–8
अध्याय – 2	भारत में राष्ट्रवाद	9–14
अध्याय – 3	भूमंडलीकृत विश्व का बनना	15–20
अध्याय – 4	औद्योगीकरण का युग	21–25
अध्याय – 5	मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया	26–31
भूगोल	**समकालीन भारत – 2**	**33**
अध्याय – 1	संसाधन और विकास	35–36
अध्याय – 2	वन एवं वन्य जीव संसाधन	37–41
अध्याय – 3	जल संसाधन	42–46
अध्याय – 4	कृषि	47–49
अध्याय – 5	खनिज तथा उर्जा संसाधन	50–52
अध्याय – 6	विनिर्माण उद्योग	53–55
अध्याय – 7	राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ	56–61
नागरिक शास्त्र	**लोकतांत्रिक राजनीति–2**	**63**
अध्याय – 1	सत्ता की साझेदारी	65–67
अध्याय – 2	संघवाद	68–71
अध्याय – 3	लोकतंत्र और विविधता	72–74
अध्याय – 4	जाति, धर्म और लैंगिक मसले	75–78
अध्याय – 5	जन–संघर्ष और आंदोलन	79–82
अध्याय – 6	राजनीतिक दल	83–86
अध्याय – 7	लोकतंत्र के परिणाम	87–90
अध्याय – 8	लोकतंत्र के चुनौतियाँ	91–93
अर्थशास्त्र	**आर्थिक विकास की समझ**	**95**
अध्याय – 1	विकास	97–100
अध्याय – 2	भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक	101–105
अध्याय – 3	मुद्रा और साख	106–111
अध्याय – 4	वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था	112–117
अध्याय – 5	उपभोक्ता अधिकार	118–124
	मॉडल सेट प्रश्न पत्र प्रारूप	125–129
	JAC वार्षिक माध्यमिक परीक्षा, 2023 - प्रश्नोत्तर	130–135

Jharkhandlab.com

Jharkhandlab.com

इतिहास
HISTORY

भारत और समकालीन विश्व-2

jharkhandlab.com

Jharkhandlab.com

अध्याय - 1 यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

1) किसी राष्ट्र की सामूहिक पहचान को क्या कहते हैं?
(a) निरंकुशवाद (b) राष्ट्रवाद
(c) रूढ़िवाद (d) उदारवाद

उत्तर - (b) राष्ट्रवाद

2) वह राज्य जहां की राजनीतिक सत्ता उसकी सांस्कृतिक सत्ता से मिलकर बनती है, उसे कहते हैं।
(a) कल्याणकारी राज्य (b) गणराज्य
(c) राष्ट्र राज्य (d) राजतंत्र

उत्तर - (c) राष्ट्र- राज्य

3) चार चित्रों की श्रृंखला किस कलाकार ने बनाई, जिसमें उन्होंने अपने सपनों का संसार रचा?
(a) कार्लकैस्पर (b) फेड्रिकसॉरयू
(c) देलाक्रोआ (d) गिआकोमो

उत्तर -(b) फेड्रिकसॉरयू

4) अर्न्स्ट रेनन कौन था?
(a) फ्रांसीसी दार्शनिक (b) जर्मन दार्शनिक
(c) रूसी दार्शनिक (d) ब्रिटिश चित्रकार

उत्तर - (a) फ्रांसीसी दार्शनिक

5) निम्न में से किसे मैटरनिख ने "हमारी सामाजिक व्यवस्था का सबसे खतरनाक दुश्मन बताया "।
(a) लुई फिलिप (b) कैरोल कुर्पिस्की
(c) मैजिनी (d) योहान गॉटफ्रीड

उत्तर - (c) मैजिनी

6) निम्न में से किन देशों ने मिलकर नेपोलियन को पराजित किया था?
(a) ब्रिटेन, रूस, फ्रांस, ऑस्ट्रिया
(b) ब्रिटेन, रूस , प्रशा, अमेरिका
(c) ब्रिटेन, जर्मनी, इटली, फ्रांस
(d) ब्रिटेन, रूस , प्रशा, ऑस्ट्रिया

उत्तर - (d) ब्रिटेन, रूस, प्रशा, ऑस्ट्रिया

7) राष्ट्रवाद की पहली अभिव्यक्ति किस क्रांति के साथ हुई?
(a) फ्रांसीसी क्रांति (b) रूसी क्रांति
(c) यूनानी स्वतंत्रता संग्राम (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (a) फ्रांसीसी क्रांति

8) एकीकरण के बाद जर्मनी का सम्राट किसे घोषित किया गया?
(a) रूस के राजा निकोलस
(b) प्रशा के राजा विलियम प्रथम
(c) ऑटो वान बिस्मार्क
(d) काउंट कैमिलो दे कावूर

उत्तर - (b) प्रशा के राजा विलियम प्रथम

9) 19वीं सदी के मध्य इटली कितने राज्यों में विभक्त था?
(a) 2 (b) 5
(c) 7 (d) 8

उत्तर - (c) 7

10) जर्मन वीरता का प्रतीक किसे माना जाता है?
(a) देवदार (b) बलूत
(c) ओक (d) अशोक

उत्तर -(b) बलूत

11) कुस्तुनतुनिया की संधि कब हुई?
(a) 1829 (b) 1830
(c) 1831 (d) 1832

उत्तर - (d) 1832

12) किसकी छवि सिक्कों और डाक टिकट पर अंकित की गई थी?
(a) मारिआन (b) जर्मेनिया
(c) भारत माता (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (b) मारिआन

13) इंग्लैंड और ------- के बीच एक्ट ऑफ यूनियन से यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन का गठन हुआ।
(a) रूस (b) फ्रांस
(c) स्कॉटलैंड (d) जर्मनी

उत्तर - (c) स्कॉटलैंड

14) जर्मनी के एकीकरण में प्रमुख भूमिका निभाने वाले बिस्मार्क कहां के चांसलर थे?
(a) ऑस्ट्रिया (b) बर्लिन
(c) प्रशा (d) म्युनिख

उत्तर - (c) प्रशा

15) राष्ट्रवाद में एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में रहने वाली जनता इनमें से किसके द्वारा जुड़ी होती है?
(a) समान संस्कृति
(b) समान इतिहास
(c) भाषा और लोक परंपरा
(d) उपरोक्त सभी

उत्तर -(d) उपरोक्त सभी

16) बुर्बो राजवंश का शासन किस देश में था?
(a) रूस (b) जर्मनी
(c) फ्रांस (d) ब्रिटेन

उत्तर - (c) फ्रांस

17) वह विचारधारा जो स्त्री पुरुष की सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक समानता पर आधारित हो उसे कहते हैं।
(a) नारीवाद (b) विकासवाद
(c) समाजवाद (d) महिला सशक्तिकरण

उत्तर - (a) नारीवाद

Jharkhandlab.com

18) मार्सिले किस देश की राष्ट्रीय भक्ति गीत है?
(a) इटली (b) जर्मनी
(c) रूस (d) फ्रांस

उत्तर -(d) फ्रांस

19) "रक्त और लौह" की नीति का अवलंबन किसने किया?
(a) मैजिनी (b) बिस्मार्क
(c) हिटलर (d) काबूर

उत्तर- (b) बिस्मार्क

20) फ्रांस की क्रांति का अग्रदूत किसे कहा जाता है?
(a) दिदरो (b) नेपोलियन
(c) रूसो (d) जॉन लॉक

उत्तर -(c) रूसो

21) 'यंग इटली' और 'यंग यूरोप' नामक दो भूमिगत संगठनों की स्थापना किसने की थी?
(a) काबूर (b) बिस्मार्क
(c) गैरीबाल्डी (d) मैजिनी

उत्तर - (d) मैजिनी

22) वियना की संधि कब हुई थी?
(a) 1804 (b) 1805
(c) 1815 (d) 1830

उत्तर - (c) 1815

23) "जब फ्रांस छींकता है तो बाकी यूरोप को सर्दी जुकाम हो जाता है " यह किसका कथन है?
(a) बिस्मार्क (b) मैटरनिख
(c) नेपोलियन (d) मैजिनी

उत्तर - (b) मैटरनिख

24) काबूर को राजा विक्टर एमैनुएल द्वितीय ने किस पद पर नियुक्त किया था?
(a) सेनापति (b) राजदूत
(c) गृह मंत्री (d) प्रधानमंत्री

उत्तर - (d) प्रधानमंत्री

25) 18 71 के बाद यूरोप में राष्ट्रवादी तनाव का एक गंभीर स्रोत था –
(a) जर्मनी क्षेत्र (b) एशियाई क्षेत्र
(c) बाल्कन क्षेत्र (d) ऑस्ट्रिया

उत्तर - (c) बाल्कन क्षेत्र

26) कवियों और कलाकारों ने यूरोपीय सभ्यता का पालना किस देश को बताया?
(a) यूनान (b) फ्रांस
(c) रूस (d) इंग्लैंड

उत्तर - (a) यूनान

27) जर्मनी का एकीकरण कब पूरा हुआ?
(a) 1870 (b) 1871
(c) 1861 (d) 1860

उत्तर - (b) 1871

28) इटली का एकीकरण कब पूरा हुआ?
(a) 1861 (b) 1862
(c) 1871 (d) 1870

उत्तर - (a) 18 61

29) जर्मन राइन महासंघ की स्थापना किसने की?
(a) नेपोलियन (b) हिटलर
(c) बिस्मार्क (d) काबूर

उत्तर - (a) नेपोलियन

30) चार्टिस्ट आंदोलन किस देश में हुआ?
(a) भारत (b) इंग्लैंड
(c) रूस (d) जर्मनी

उत्तर - (b) इंग्लैंड

31) "सामाजिक उपबंध" नामक पुस्तक के लेखक कौन थे?
(a) रूसो (b) मोंटेस्कयू
(c) दिदरो (d) वॉल्टेयर

उत्तर - (a) रूसो

32) शुल्क संघ जॉलवेराइन की स्थापना किस की पहल पर की गई?
(a) प्रशा (b) फ्रांस
(c) ऑस्ट्रिया (d) रूस

उत्तर - (a) प्रशा

33) बिस्मार्क जर्मनी का चांसलर कब बना?
(a) 1848 (b) 1856
(c) 1860 (d) 1871

उत्तर - (d) 1871

34) "पहले तुम मनुष्य हो, उसके बाद किसी देश के नागरिक या अन्य कुछ" यह कथन किसका है?
(a) मैत्सिनी (b) वॉल्टेयर
(c) रूसो (d) दिदरो

उत्तर- (a) मैत्सिनी

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1) राष्ट्रवाद से आप क्या समझते हैं?

उत्तर- राष्ट्रवाद किसी राष्ट्र की सामूहिक पहचान होती है जो लोगों को एक समूह , इतिहास ,परंपरा, भाषा, जातीयता और संस्कृति के आधार पर स्वयं को एकीकृत करती है ।

2) निरंकुशवाद से आप क्या समझते हैं?

उत्तर- ऐसी शासन व्यवस्था और सरकार जिस पर किसी का कोई नियंत्रण नहीं रहता इतिहास में ऐसी राजशाही सरकार को निरंकुश सरकार कहते हैं जो अत्यंत केंद्रीकृत, सैन्य बल पर आधारित और दमनकारी सरकारें होती हैं।

3) कल्पना दर्श (यूटोपिया) क्या है?

उत्तर- एक ऐसे समाज की कल्पना करना , जो इतना आदर्श है कि उसका साकार होना लगभग असंभव प्रतीत होता है।

4) फ्रेड्रिक सॉरयू कौन था?

उत्तर- फ्रेड्रिक सॉरयू एक फ्रांसीसी चित्रकार था जिसने 1848 ईस्वी में 4 चित्रों की एक श्रृंखला बनाई जिसमें उन्होंने अपने सपनों का संसार रचा जिसके माध्यम से उसने गणतंत्र, स्वतंत्रता, ज्ञानोदय, राष्ट्रीयता को एक आदर्श के रूप में प्रस्तुत किया।

Jharkhandlab.com

5) राष्ट्र क्या है?

उत्तर- फ्रांसीसी दार्शनिक अर्न्स्ट रेनन के अनुसार राष्ट्र-समान नस्लें ,धर्म या क्षेत्र से बना है एक राष्ट्र लंबे प्रयास त्याग और निष्ठा का चरम बिंदु होता है राष्ट्र एक बड़ी और व्यापक एकता होता है उसका अस्तित्व रोज होने वाला जनमत संग्रह है।

6) जनमत संग्रह क्या है?

उत्तर- एक प्रत्यक्ष मतदान, जिसके जरिए एक क्षेत्र के सभी लोगों से एक प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार करने के लिए पूछा जाता है।

7) रूढ़िवाद से आप क्या समझते हैं?

उत्तर- ऐसा राजनीतिक दर्शन जो परंपरा ,स्थापित संस्थाओं और रिवाजों पर जोर देता है और तेज बदलाव की जगह क्रमिक और धीरे-धीरे विकास को प्राथमिकता देता है।

8) उदारवाद से आप क्या समझते हैं?

उत्तर- उदारवाद शब्द लातिन भाषा के मूल liber पर आधारित है जिसका अर्थ है 'आजाद' । नए मध्य वर्गों के लिए उदारवाद का मतलब था - व्यक्ति के लिए आजादी और कानून के समक्ष सबकी बराबरी। उदारवाद एक ऐसी सरकार के पक्ष में था जो सबकी सहमति पर बना हो । उदारवाद निरंकुश शासक और पादरी वर्ग के विशेष अधिकारों की समाप्ति , संविधान तथा संसदीय प्रतिनिधि सरकार का पक्षधर था।

9) 1815 की वियना संधि के क्या उद्देश्य थे?

उत्तर- 1815 की वियना संधि के निम्नलिखित उद्देश्य थे

1. उन कई सारे बदलाव को खत्म करना जो नेपोलियाई युद्धों के दौरान हुए थे।
2. बुर्बो वंश को पुनः सत्ता में बहाल करना।
3. फ्रांस की सीमाओं पर कई राज्य कायम करना ताकि भविष्य में फ्रांस विस्तार ना कर सके।

10) जॉलवेराइन क्या है?

उत्तर- जॉलवेराइन प्रशा की पहल पर 1834 में स्थापित एक व्यापारी शुल्क संघ था जिसमें लगभग सभी जर्मन राज्य शामिल हुए। जॉलवेराइन का लक्ष्य जर्मन लोगों को आर्थिक रूप में एक राष्ट्रीयता में बांध देना था इस संघ ने बहुत से शुल्क अवरोधों को समाप्त कर दिया।

11) मैजिनी कौन था?

उत्तर- मैजिनी इटली का एक क्रांतिकारी राष्ट्रवादी व्यक्ति था जिसका जन्म 22 जून 1807 में जेनेवा में हुआ था वह कार्बोनारी नामक गुप्त क्रांतिकारी संगठन का सदस्य था तथा 1831 में उसने यंग इटली और यंग यूरोप नामक दो भूमिगत संगठनों की स्थापना की थी।

12) मैटरनिख युग क्या था?

उत्तर- मैटरनिख ऑस्ट्रिया का चांसलर था जो घोर प्रतिक्रियावादी था वह अपने राज्य में किसी भी प्रकार के सुधार के पक्ष में नहीं था। उसकी नीति थी कि शासन करो लेकिन कोई परिवर्तन नहीं होने दो ।1815 से 1848 तक का काल यूरोप के इतिहास में मैटरनिख युग के नाम से जाना जाता है।

13) जर्मनी के एकीकरण में क्या बाधाएं थी?

उत्तर- जर्मनी के एकीकरण में अनेक बाधाएं थी।19वीं शताब्दी में जर्मनी 300 से ज्यादा टुकड़ों में बटाँ हुआ था जिसे एकीकृत करना एक बड़ी समस्या थी। सभी छोटे-बड़े सम्राट अपने स्वार्थवश अपनी गद्दी छोड़ने को तैयार नहीं थे दूसरी ओर जर्मनी ऑस्ट्रिया के अधीन होगा या प्रशा के अधीन यह भी एक बहुत बड़ी समस्या थी।

14) वियना सम्मेलन की मेजबानी किसने की थी?

उत्तर- सन 1815 में रूस ब्रिटेन प्रशा और ऑस्ट्रिया जैसे यूरोपीय शक्तियों ने मिलकर नेपोलियन को वाटर लू के युद्ध में हराया था तब इन देशों के प्रतिनिधि यूरोप के लिए एक समझौता तैयार करने के लिए वियना में मिले और इस सम्मेलन की मेजबानी ऑस्ट्रिया के चांसलर ड्यूक मेटरनिख ने की।

15) 'रूपक' से आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तर- जब किसी अमूर्त विचार जैसे (स्वतंत्रता, मुक्ति, ईर्ष्या, लालच आदि) को किसी व्यक्ति या किसी चीज द्वारा इंगित किया जाता है तो उसे रूपक कहा जाता है।

16) नृजातीय से आप क्या समझते हैं?

उत्तर- एक साझा नस्ली जनजातीय या सांस्कृतिक उद्गम अथवा पृष्ठभूमि जिसे कोई समुदाय अपनी पहचान मानता है।

17) नेपोलियन बोनापार्ट कौन था?

उत्तर- नेपोलियन बोनापार्ट फ्रांस का एक महान सेनानायक था जिसके नेतृत्व में फ्रांस ने अनेक विजय प्राप्त की। बाद में उसे 1804 में फ्रांस का सम्राट घोषित किया गया। उसके द्वारा उदारवादी शासन व्यवस्था के लिए बनाई गई आचार संहिता प्रसिद्ध है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1) 1848 ईस्वी के फ्रांसीसी क्रांति के क्या कारण थे?

उत्तर- सन 18 48 ईस्वी के फ्रांसीसी क्रांति के प्रमुख कारण निम्नलिखित थे-

1) मध्यम वर्ग के शासन का प्रभाव

2) राजनीतिक दलों में संगठन का अभाव

3) समाजवाद का प्रसार

4) लुई फिलिप की नीति

इस क्रांति का सबसे प्रमुख कारण लुई फिलिप की नीति और जनता में उसके प्रति असंतोष था। वह जनता की तत्कालीन समस्याओं को सुलझाने में असमर्थ था।

लुई फिलिप के निरंकुशवाद से वहां मध्यवर्ग का प्रभाव बढ़ता जा रहा था ।उदारवादी मध्य वर्ग के लोगों ने संविधानवाद की मांग को राष्ट्रीय एकीकरण की मांग से जोड़ दिया।

2) इटली और जर्मनी के एकीकरण में ऑस्ट्रिया की क्या भूमिका थी?

उत्तर- इटली और जर्मनी के एकीकरण में ऑस्ट्रिया की काफी महत्वपूर्ण भूमिका थी। इटली और जर्मनी के एकीकरण में सबसे बड़ी बाधा ऑस्ट्रिया ही था। ऑस्ट्रिया कभी नहीं चाहता था कि इटली और जर्मनी का एकीकरण संभव हो दूसरी ओर एकीकरण के पूर्व जर्मनी 300 से ज्यादा भागों में बंटा हुआ था , जिसके 2 सबसे बड़े भाग ऑस्ट्रिया और प्रशा थे ,ऑस्ट्रिया चाहता था कि जर्मनी उसके अधीन रहे जबकि प्रशा जर्मनी को अपना करना चाहता था क्योंकि जर्मनी की अधिकतर जनता प्रशा के अधीन होना चाहती थी जिससे स्पष्ट है, कि इटली और जर्मनी के एकीकरण में सबसे बड़ी बाधा ऑस्ट्रिया था।

3) यूरोप में राष्ट्रवाद को फैलाने में नेपोलियन बोनापार्ट किस तरह सहायक हुआ?

उत्तर- यूरोप में राष्ट्रीयता की भावना के विकास में फ्रांस की राज्यक्रांति के पश्चात नेपोलियन के आक्रमणों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। फ्रांसीसी क्रांति ने राजनीति को अभिजात्य वर्ग या परिवेश से बाहर कर उसे अखबारों सड़कों और सर्वसाधारण की वस्तु बना दिया। यूरोप के कई राज्यों में नेपोलियन के अभियानों द्वारा नवयुग का संदेश पहुंचा नेपोलियन ने जर्मनी और इटली के राज्यों

Jharkhandiah.com

को भौगोलिक नाम की परिधि से बाहर कर उसे राजनीति और वास्तविक रूप रेखा प्रदान की। जिससे इटलीऔर जर्मनी के एकीकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ दूसरी तरफ नेपोलियन की सुधारवादी नीतियों के कारण फ्रांसीसी प्रभुता और आधिपत्य के विरुद्ध यूरोप में देशभक्ति की भावना प्रबल हुई।

4) गैरीबाल्डी के कार्यो की चर्चा करें।

उत्तर- गैरीबाल्डी इटली के महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक था उनका संबंध एक ऐसे परिवार से था जो तटीय व्यापार में संलग्न था और स्वयं व्यापारिक नौसेना में एक नाविक था। 1833 में वह यंग इटली आंदोलन से जुड़ा और 1834 में पीडमॉण्ट के गणतंत्र विरोध में उस ने भाग लिया । गैरीबाल्डी मैजिनी के विचारों का समर्थक था तथा इटली के एकीकरण के लिए 'लाल कुर्ती' के नाम से एक सेना का गठन भी किया । 18 60 में गैरीबाल्डी ने दक्षिण इटली की तरफ हजारों लोगों का अभियान का नेतृत्व किया, इस अभियान में नए स्वयंसेवक जुड़ते चले गए और उनकी संख्या लगभग 30,000 तक पहुंच गई।

5) निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखें।

(क) ज्युसेपे मैजिनी - ज्युसेपे मैजिनी इटली का महान क्रांतिकारी था ,उसका जन्म 1807 में जिनेवा में हुआ था और वह कार्बोनारी के गुप्त संगठन का सदस्य भी था 24 साल की अवस्था में लिगुरिया में क्रांति के लिए उसे बहिष्कृत कर दिया गया तत्पश्चात उसने दो और भूमिगत संगठनों की स्थापना की पहला मार्सेई में "यंग इटली" "और दूसरा बर्न में "यंग यूरोप" जिसके सदस्य समान विचारों को रखने वाले युवा थे। मैजिनी का विश्वास था कि ईश्वर की मर्जी के अनुसार राष्ट्र ही मनुष्यों की प्राकृतिक इकाई थी वह इटली के प्रदेशों को एकत्रित कर गणतंत्र की स्थापना करना चाहता था। वह राजतंत्र का घोर विरोध करता था, इसलिए मेटरनिख ने उसे "हमारी सामाजिक व्यवस्था का सबसे खतरनाक दुश्मन बताया।"

(ख) काउंट कैमिलो दे कावूर - काउंट कैमिलो दे कावूर इटली के सार्डिनीया पीडमॉण्ट का प्रमुख मंत्री था उसने इटली के प्रदेशों को एकीकृत करने के लिए आंदोलन का नेतृत्व किया ।वह ना तो क्रांतिकारी था ना ही जनतंत्र में विश्वास रखता था वह इतालवी की अपेक्षा फ्रेंच भाषा को अधिक बेहतर ढंग से बोलता था। फ्रांस से उसके गहरे कूटनीतिक संबंध थे जिनकी सहायता से 1859 में उसने ऑस्ट्रिया को पराजित किया था इस प्रकार काबुर के प्रयासों के परिणाम स्वरुप 1 8 61 में इटली का एकीकरण हुआ और सार्डिनीया के शासक विक्टर एमैनुएल द्वितीय को एकीकृत इटली का शासक घोषित किया गया।

(ग) यूनानी स्वतंत्रता युदध - 15 वीं सदी से यूनान ऑटोमन साम्राज्य का हिस्सा था। यूरोप में क्रांतिकारी राष्ट्रवाद की प्रगति से यूनानियों का आजादी के लिए संघर्ष 1821 से आरंभ हो गया यूनान में राष्ट्रीय वादियों को निर्वासन में रह रहे यूनानियों के साथ पश्चिमी यूरोप के अन्य लोगों का समर्थन मिला, जो प्राचीन यूनानी संस्कृति के प्रति सहानुभूति रखते थे। कवियों और कलाकारों ने यूनान को यूरोपीय सभ्यता का पालना बताकर प्रशंसा की और मुस्लिम साम्राज्य के विरुद्ध यूनान के संघर्ष के लिए जनमत जुटाया । अंग्रेज कवि लॉर्ड वायरन ने धन इकट्ठा किया और बाद में युद्ध में लड़ने गए जहां 1824 में बुखार से उनकी मृत्यु हो गई। अंततः 1832 की कुस्तुनतुनिया की संधि ने यूनान को एक स्वतंत्र राष्ट्र की मान्यता दी।

(घ) राष्ट्रवादी संघर्षों में महिलाओं की भूमिका पर टिप्पणी लिखें।

उत्तर- राष्ट्रवादी संघर्षों में सारी दुनिया में महिलाओं ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। राष्ट्रवादी संघर्षो में यद्यपि महिलाओं ने बढ़ - चढ़कर भाग लिया फिर भी उदारवादी आंदोलन के अंदर महिलाओं को राजनीतिक अधिकार प्रदान करने का मुद्दा विवादास्पद था।

महिलाओं ने अपने राजनीतिक संगठन स्थापित किए, अखबार शुरू किए और राजनीतिक बैठकों और प्रदर्शनों में शिरकत की, परिणाम यह हुआ कि महिला अधिकारों के प्रति उदारवादियों तथा शासकों के विचारों में परिवर्तन हुआ तथा महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक अधिकारों का मार्ग प्रशस्त हुआ।

(ड़) फ्रैंकफर्ट संसद पर टिप्पणी लिखें।

उत्तर-
1) यूरोप के राष्ट्रों में स्वतंत्रता हेतु 19वीं सदी के मध्य में संघर्ष तेजी से शुरू हो गया इसका परिणाम यह हुआ कि जर्मनी में फ्रैंकफर्ट शहर में बड़ी संख्या में मिलकर एक सर्व जर्मन नेशनल असेंबली के पक्ष में मतदान का फैसला किया।
2) 18 मई 1848 को 831 निर्वाचित प्रतिनिधियों ने एक सजे- धजे जुलूस में जाकर फ्रैंकफर्ट संसद में अपना स्थान ग्रहण किया यह संसद सेंट पॉल चर्च में आयोजित हुई।
3) एक जर्मन राष्ट्र के लिए एक संविधान का प्रारूप तैयार किया इस राज्य की अध्यक्षता एक ऐसे राज्य को सौंपी गई जिसे संसद के अधीन रहना था।
4) प्रशा के राजा फ्रेडरिक विल्हेम चतुर्थ को ताज पहनाने की पेशकश की तो उसने अस्वीकार कर दिया और उन राजाओं का समर्थन किया जो निर्वाचित सभा के विरोधी थे।
5) संसद में मध्यवर्ग का प्रभाव बढ़ता ही चला गया उन्होंने मजदूरों और कारीगरों की मांग का विरोध किया, जिससे वे समर्थन खो बैठे। अंततः सैनिकों को बुलाकर असेंबली भंग कर दी गई।

6) मारीआन और जर्मेनिया कौन थे? जिस तरह उन्हें चित्रित किया गया उसका क्या महत्व था?

उत्तर- फ्रांसीसी क्रांति के दौरान कलाकारों ने स्वतंत्रता ,न्याय और गणतंत्र जैसे विचारों को व्यक्त करने के लिए नारी रूपको का प्रयोग किया।

फ्रांस में उसे लोकप्रिय ईसाई नाम मारिआन दिया गया जिसे स्वतंत्रता और गणतंत्र के प्रतीक लाल टोपी, तिरंगा और कलगी के साथ दर्शाया गया और उसकी प्रतिमाएं सार्वजनिक चौकों पर लगाई गई, मारीआन की छवि को सिक्के और डाक टिकटों परअंकित की गई ताकि लोगों को एकता के राष्ट्रीय प्रतीक की याद आती रहे।

इसी तरह जर्मेनिया जर्मन राष्ट्र का रूपक बन गई जर्मेनिया बलूत वृक्ष के पत्तों का मुकुट पहनती है, क्योंकि जर्मन बलूत वीरता का प्रतीक है।

7) अपने शासन वाले क्षेत्रों में शासन व्यवस्था को ज्यादा कुशल बनाने के लिए नेपोलियन ने क्या बदलाव किए?

उत्तर- अपने शासन वाले क्षेत्रों में शासन व्यवस्था को ज्यादा कुशल बनाने के लिए नेपोलियन ने निम्नलिखित प्रमुख सुधार किए–

क) जन्म पर आधारित विशेषाधिकार समाप्त कर दिए गए और कानून के समक्ष सबकी बराबरी के नियम लागू किए।

ख) संपत्ति के अधिकार को सुरक्षित बनाया।

ग) प्रशासनिक विभाजनो को सरल बनाया, सामंती व्यवस्था को खत्म किया और किसानों को भू - दासत्व और जागीरदार शुल्क से मुक्ति दिलाई।

घ) यातायात और संचार व्यवस्था में सुधार किया गया।

ड़) शहरों में कारीगरों के श्रेणी संघो के विभिन्न नियंत्रणों को समाप्त कर दिया गया।

च) किसानों ,मजदूरों ,कारीगरों और उद्योगपतियों को स्वतंत्रता प्रदान की गई।

च) मानक नापतौल के एक समान पैमाने चलाई गई और एक राष्ट्रीय मुद्रा चलाई ।

jharkhandlab.com

8) बाल्कन प्रदेशों में राष्ट्रवादी तनाव क्यों पनपा?

उत्तर- 1) बाल्कन प्रदेशों में अनेक जातीय समूह निवास करते थे।

2) बाल्कन क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा ऑटोमन साम्राज्य के अधीन था जो अपने पतन के कगार पर था।

3) स्लाव बाल्कन के जातीय समूह उदारवादी और राष्ट्रवादी विचारों से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके। अतः ये सभी जातीय समूह राष्ट्र- राज्य की मांग करने लगे।

4) बाल्कन राज्य एक दूसरे से भारी ईर्ष्या करते थे और हर एक राज्य अपने लिए ज्यादा से ज्यादा इलाका हथियाना चाहता था।

5) रूस, जर्मनी, इंग्लैंड ऑस्ट्रो- हंगरी की हर ताकत बाल्कन पर अन्य शक्तियों की पकड़ को कमजोर कर के क्षेत्र में अपने प्रभाव को बढ़ाना चाहती थी।

अतः इन सभी कारणों से बाल्कन में राष्ट्रवादी तनाव पनपा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–

1) जर्मनी एकीकरण की प्रक्रिया का संक्षेप में वर्णन करें।

जर्मनी एकीकरण की प्रक्रिया–

उत्तर- क) राष्ट्रवादी भावनाएं मध्यवर्गीय जर्मन लोगों में काफी व्याप्त थी और उन्होंने 1848 में जर्मन महासंघ के विभिन्न इलाकों को जोड़कर एक निर्वाचित संसद द्वारा शासित राष्ट्र- राज्य बनाने का प्रयास किया था ।

ख) लेकिन राष्ट्र निर्माण की यह उदारवादी पहल को राजशाही और फौज की ताकत ने मिलकर दबा दी। उनका प्रशा के बड़े भू - स्वामियों ने भी समर्थन किया।

ग) तत्पश्चात प्रशा के राष्ट्रीय एकीकरण के लिए प्रशा के प्रमुख मंत्री बिस्मार्क ने आंदोलन का नेतृत्व किया।

घ) आटो वॉन बिस्मार्क ने इस आंदोलन में प्रशा की सेना और नौकरशाही की मदद ली।

ड़) 7 वर्ष के दौरान ऑस्ट्रिया ,डेनमार्क और फ्रांस से 3 युद्धों में प्रशा की जीत हुई और एकीकरण की प्रक्रिया पूरी हुई।

च) जनवरी 1 8 71 में वायसराय में हुए एक समारोह में प्रशा के राजा विलियम प्रथम को जर्मनी का सम्राट घोषित किया गया।

2) इटली एकीकरण की प्रक्रिया का संक्षेप में वर्णन करें।

अथवा

इटली के एकीकरण में शासक विक्टर एमैनुएल, मंत्री प्रमुख काबूर, और गैरीबाॅल्डी की क्या भूमिका थी?

उत्तर- इटली एकीकरण में विक्टर एमैनुएल द्वितीय वित्त मंत्री प्रमुख काबुर और गैरीबाल्डी की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण थी क्योंकि इन्हीं के प्रयासों से इटली का एकीकरण संभव हो पाया

इटली एकीकरण की प्रक्रिया–

क) इटली अनेक वंशानुगत राज्य तथा बहुराष्ट्रीय हैब्सबर्ग साम्राज्य में बिखरा हुआ था ।19वीं सदी के मध्य इटली 7 राज्यों में बंटा हुआ था।

ख) युद्ध के जरिए इतालवी राज्यों को जोड़ने की जिम्मेदारी सार्डिनीया पीडमॉण्ट के शासक विक्टर इमैनुवेल द्वितीय को सौंप दी गई।

ग) शासक विक्टर एमैनुएल द्वितीय ने यह जिम्मेदारी सार्डिनिया पीडमॉण्ट के प्रमुख मंत्री काबूर को दे दी। मंत्री प्रमुख काबूर ने इटली के प्रदेशों को एकीकृत करने वाले आंदोलन का नेतृत्व किया।

घ) काबूर ने फ्रांस से सार्डिनीया पीडमॉण्ट की एक चतुर कूटनीति संधि की और फ्रांस की मदद से 18 59 में ऑस्ट्रेलियाई बलों को हरा पाने में कामयाब हुआ।

ड़) गैरीबाल्डी के नेतृत्व में भारी संख्या में सशस्त्र स्वयंसेवकों ने इस युद्ध में हिस्सा लिया ।1860 में वे दक्षिण इटली और दो सीसिलियों के राज्य में प्रवेश कर गए और स्पेनी शासकों को हटाने के लिए स्थानीय किसानों का समर्थन पाने में सफल रहे।

च) इस प्रकार इटली का एकीकरण पूरा हो गया और 18 61में विक्टर एमैनुएल द्वितीय को एकीकृत इटली का राजा घोषित किया गया।

3) राष्ट्रवाद के विकास में भाषा और लोक परंपराओं के महत्व की चर्चा करें।

उत्तर- राष्ट्रवाद का विकास केवल युद्ध और क्षेत्रीय विस्तार से नहीं हुआ, बल्कि राष्ट्र के विचार के निर्माण में संस्कृति ने एक अहम भूमिका निभाई जो निम्नवत है–

क) कला- काव्य ,कहानियां ,किस्से और संगीत ने राष्ट्रवादी भावनाओं को गढ़ने और व्यक्त करने में सहयोग दिया।

ख) रूमानी कलाकारों और कवियों ने तर्क - वितर्क और विज्ञान के महिमामंडन और आलोचना की और उसकी जगह भावनाओं, अंतर्दृष्टि और रहस्यवादी भावनाओं पर जोर दिया।

ग) एक साझा -संस्कृति और एक साझा -सामूहिक विरासत को राष्ट्र का आधार बनाया गया।

घ) लोकगीतों, जन -काव्य और लोक नृत्य के माध्यम से लोक-संस्कृति के इन स्वरूपों को एकत्र करना राष्ट्र के निर्माण में बहुत आवश्यक था।

ड़) स्थानीय बोलियों पर बल और स्थानीय लोक साहित्य को एकत्र करने का उद्देश्य आधुनिक राष्ट्रीय संदेश को ज्यादा लोगों तक पहुंचाना था।

च) भाषा ने भी राष्ट्रीय भावनाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । पोलिश भाषा रूसी प्रभुत्व के विरुद्ध संघर्ष के प्रतीक के रूप में देखी जाने लगी।

4) फ्रांसीसी लोगों के बीच सामूहिक पहचान का भाव पैदा करने के लिए फ्रांसीसी क्रांतिकारियों ने क्या कदम उठाए?

उत्तर- राष्ट्रवाद की पहली स्पष्ट अभिव्यक्ति 1789 में फ्रांसीसी क्रांति की साथ हुई शीघ्र ही फ्रांसीसी लोगों ने सत्ता अपने हाथों में ले ली, तत्पश्चात फ्रांसीसी क्रांतिकारियों ने ऐसे अनेक कदम उठाए जिससे फ्रांसीसी लोगों में एक सामूहिक पहचान की भावना पैदा हो सकती थी जो निम्नलिखित है--

क) सर्वप्रथम पितृभूमि और नागरिक जैसे विचारों ने एक संयुक्त समुदाय के विचार पर बल दिया।

ख) एक नया फ्रांसीसी झंडा तिरंगा चुना गया जिसने पहले के राज्य ध्वज की जगह ले ली।

ग) इस्टेट जनरल का चुनाव सक्रिय नागरिकों के समूह द्वारा किया जाने लगा जिसका नाम बदलकर नेशनल असेंबली कर दिया गया।

घ) राष्ट्र के नाम पर नई स्तुतियां रची गई, शपथे ली गई शहीदों का गुणगान हुआ।

ड़) एक केंद्रीय प्रशासनिक व्यवस्था लागू की गई जिसमें सभी नागरिकों के लिए समान कानून बनाएं।

च) आंतरिक आयात -निर्यात शुल्क समाप्त कर दिए गए और भार तथा नापने की एक समान व्यवस्था लागू की गई।

छ) क्षेत्रीय बोलियों को हतोत्साहित किया गया और पेरिस में बोली जाने वाली फ्रेंच को राष्ट्रीय भाषा के रूप में चुना गया।

Jharkhandlab.com

5) उदारवादियों की 1848 की क्रांति का क्या अर्थ लगाया जाता है? उदारवादियों ने किन राजनीतिक सामाजिक एवं आर्थिक विचारों को बढ़ावा दिया?

उत्तर- 1848 में जब अनेक यूरोपीय देशों में गरीबी बेरोजगारी और भुखमरी से ग्रस्त किसान, मजदूर विद्रोह कर रहे थे तब उसके समानांतर पढ़े-लिखे मध्यवर्ग उनकी भी एक क्रांति हो रही थी। उदारवादियों की क्रांति का मतलब था कि वे स्वतंत्र राष्ट्र - राज्य की स्थापना करना चाहते थे जहां क्रांति की स्वतंत्रता और सभी लोगों के लिए समान कानून और स्वतंत्रता हो।

राजनीतिक विचार–

क) उदारवादियों ने राष्ट्रीय विचार के निर्माण की मांगों को आगे बढ़ाया । यह राष्ट्र- राज्य संविधान प्रेस की स्वतंत्रता और संगठन बनाने की आजादी जैसे संसदीय सिद्धांतों पर आधारित था।

ख) निरंकुश शासन और पादरी वर्ग के विशेष अधिकारों की समाप्ति।

सामाजिक विचार–

क) सभी नागरिकों को सामाजिक समानता प्रदान करना।

ख) महिलाओं को अवयस्क का दर्जा देते हुए उन्हें पिता और पतियों के अधीन कर दिया था ।19वीं सदी में यूरोप में उन्हें मताधिकार प्राप्त नहीं था, जिनके पास निजी संपत्ति नहीं थी।

आर्थिक विचार--

क) उदारवादी बाजारों के मुक्ति के पक्षधर थे।

ख) उदारवादी चीजों तथा पूंजी के आवागमन पर राज्य द्वारा लगाए गए नियंत्रणो को खत्म करने के पक्ष में थे।

6) ब्रिटेन में राष्ट्रवाद का इतिहास शेष यूरोप की तुलना में किस प्रकार भिन्न था?

उत्तर- ब्रिटेन में राष्ट्रवाद का इतिहास शेष यूरोप की तुलना में निम्न प्रकार से भिन्न था-

क) 18 वीं शताब्दी के पहले ब्रितानी राष्ट्र नहीं था। ब्रिटेन में राष्ट्रवाद का निर्माण एक लंबी चलने वाली प्रक्रिया के फल स्वरुप हुआ था, ब्रिटिश द्वीप समूह पर एक साझी नस्ल के अंग्रेज, स्कॉट, वेटश और आयरिश लोग रहते थे इन सभी जातीय समूहों की अपनी सांस्कृतिक और राजनीतिक परंपराएं थी।

ख) लेकिन जैसे-जैसे अंग्रेज राष्ट्र की धन-दौलत, शक्ति और सत्ता में वृद्धि हुई वह द्वीप समूह के अन्य राष्ट्रों पर अपना प्रभुत्व बढ़ाने में कामयाब हुआ।

ग) एक लंबे टकराव और संघर्ष के बाद आंगल संसद ने 1688 में राजतंत्र से ताकत छीन ली थी इस संसद के द्वारा एक राष्ट्रीय राज्य का निर्माण हुआ जिसके केंद्र में इंग्लैंड था।

घ) इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के मध्य एक्ट ऑफ यूनियन 1707 से यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन का गठन हुआ इससे इंग्लैंड का स्कॉटलैंड पर अपना प्रभुत्व व्यवहारिक रूप से स्थापित हो गया।

ड़) 1801 में आयरलैंड को बलपूर्वक यूनाइटेड किंगडम में मिला लिया गया एक नए ब्रितानी राष्ट्र का निर्माण किया गया जिस पर हावी आंगल संस्कृति का प्रचार प्रसार किया गया।

च) नए ब्रिटेन के प्रतीक चिन्हों, ब्रितानी झंडा, यूनियन बैंक और राष्ट्रीय गान(गॉड सेव आवर नोबेल किंग) को खूब बढ़ावा दिया गया और पुराने राष्ट्र इस संघ में केवल सहयोगी के रूप में ही रहे।

jharkhandlab.com

अध्याय - 2 भारत में राष्ट्रवाद

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

1) महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत कब लौटे?
(a) 1913 (b) 1914
(c) 1915 (d) 1916

उत्तर - (c) 1915

2) असहयोग आंदोलन का प्रस्ताव कांग्रेस के किस अधिवेशन में पारित हुआ?
(a) दिसंबर 19 22 सूरत अधिवेशन
(b) दिसंबर 1920 नागपुर अधिवेशन
(c) जनवरी 1921 कोलकाता अधिवेशन
(d) 1920 लाहौर अधिवेशन

उत्तर - (b) दिसंबर 1920 नागपुर अधिवेशन

3) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना कब हुई थी?
(a) 1882 (b) 1883
(c) 1884 (d) 1885

उत्तर - (d) 1885

4) गांधी जी ने किस वर्ष बिहार के चंपारण इलाके का दौरा किया था ?
(a) 1916 (b) 1917
(c) 1918 (d) 1919

उत्तर - (b) 1917

5) असहयोग आंदोलन के दौरान अवध में किसानों का नेतृत्व किसने किया ?
(a) बाबा रामचंद्र (b) जवाहरलाल नेहरू
(c) महात्मा गांधी (d) सरदार वल्लभभाई पटेल

उत्तर - (a) बाबा रामचंद्र

6) जालियांवाला बाग हत्याकांड किस वर्ष हुआ था?
(a) 1918 (b) 1919
(c) 1920 (d) 1921

उत्तर - (b) 1919

7) उस सन्यासी का नाम बताइए जो फिजी में एक गिरमिटिया मजदूर थे ?
(a) अल्लूरी सीताराम राजू (b) बाबा सीतारमण
(c) बाबा जय देव (d) बाबा रामचंद्र

उत्तर - (d) बाबा रामचंद्र

8) असम में बागान श्रमिकों पर असहयोग आंदोलन का क्या प्रभाव पड़ा?
(a) वे हड़ताल पर चले गए।
(b) उन्होंने बागानों को नष्ट कर दिया।
(c) वे बागानों को छोड़कर घर की ओर चले गए
(d) उन्होंने हिंसा का उपयोग शुरू कर दिया।

उत्तर - (c) वे बागानों को छोड़कर घर की ओर चले गए

9) सरदार बल्लभ भाई पटेल ने किस किसान आंदोलन का नेतृत्व किया?
(a) खेड़ा आंदोलन (b) बारदोली आंदोलन
(c) चंपारण आंदोलन (d) सत्याग्रह आंदोलन

उत्तर - (b) बारदोली आंदोलन

10) साइमन कमीशन भारत क्यों आया ?
(a) नई शिक्षा नीति लागू करने
(b) लगान से संबंधित नए कानून बनाने
(c) व्यापार से संबंधित कानून बनाने
(d) भारत में संवैधानिक व्यवस्था की कार्यशैली का अध्ययन करने और उसके बारे में सुझाव देने

उत्तर - (d) भारत में संवैधानिक व्यवस्था की कार्यशैली का अध्ययन करने और उसके बारे में सुझाव देने

11) निम्न में से कौन भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान गठित "स्वराज पार्टी" से जुड़े थे?
(a) जवाहरलाल नेहरू और सीआर दास
(b) मोतीलाल नेहरू और सीआर दास
(c) मोतीलाल नेहरू और सुभाष चंद्र बोस
(d) महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू

उत्तर - (b) मोतीलाल नेहरू और सीआर दास

12) लखनऊ समझौता किस वर्ष हुआ ?
(a) 1916 (b) 1918
(c) 1920 (d) 1922

उत्तर - (a) 1916

13) भारत में खिलाफत आंदोलन कब और किस देश के शासक के समर्थन में शुरू हुआ ?
(a) 1919 अरब (b) 1919 तुर्की
(c) 1920 फ्रांस (d) 1921 ईरान

उत्तर - (b) 1919 तुर्की

14) निम्नलिखित में से किसे 'बादशाह खान' या 'सीमांत गांधी' के नाम से जाना जाता है?
(a) सर सैयद अहमद खान (b) आगा खाँ
(c) खान अब्दुल गफ्फार खान (d) महात्मा गांधी

उत्तर - (c) खान अब्दुल गफ्फार खान

15) गांधी जी को महात्मा की उपाधि किसने दी थी ?
(a) गोपाल कृष्ण गोखले (b) श्रीमती एनी बेसेंट
(c) रविंद्र नाथ टैगोर (d) बाल गंगाधर तिलक

उत्तर -(a) गोपाल कृष्ण गोखले

16) चौरी - चौरा के हिंसात्मक घटना के बाद गांधी जी ने किस आंदोलन को वापस ले लिया?
(a) सत्याग्रह आंदोलन (b) असहयोग आंदोलन
(c) सविनय अवज्ञा आंदोलन (d) भारत छोड़ो आंदोलन

उत्तर - (b) असहयोग आंदोलन

Jharkhandlab.com

17) जालियांवाला बाग हत्याकांड के उपरांत किस समिति का गठन किया गया?

(a) डायर समिति (b) मोंटेग्यू समिति
(c) चेम्सफोर्ड समिति (d) हंटर समिति

उत्तर - (d) हंटर समिति

18) गांधीजी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन का आरंभ किस कार्य से किया ?

(a) आमरण अनशन से
(b) कैसर -ए -हिंद पदक वापस करके
(c) दांडी यात्रा से
(d) स्वाधीनता दिवस मना कर

उत्तर - (c) दांडी यात्रा से

19) राजनीतिक गतिविधियों को कुचलने और बिना मुकदमा चलाए जेल में बंद रखने का प्रावधान किस एक्ट में था ?

(a) रॉलेट एक्ट (b) वर्नाक्यूलर एक्ट
(c) साइमन कमीशन (d) इनलैंड इमीग्रेशन एक्ट

उत्तर - (a) रॉलेट एक्ट

20) गांधी इरविन समझौता कब हुआ ?

(a) 4 मार्च 1929 (b) 5 मार्च 1931
(c) 6 मार्च 1932 (d) 7 मार्च 1930

उत्तर - (b) 5 मार्च 1931

21) महात्मा गांधी ने नमक कानून कब भंग किया?

(a) 31 अक्टूबर 1929 (b) 30 जनवरी 1932
(c) 12 मार्च 1931 (d) 6 अप्रैल 1930

उत्तर - (d) 6 अप्रैल 1930

22) दलितों के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्र की मांग किसने की थी?

(a) डॉ राजेंद्र प्रसाद (b) डॉ भीमराव आंबेडकर
(c) महात्मा गांधी (d) जवाहरलाल नेहरू

उत्तर - (b) डॉ भीमराव आंबेडकर

23) "हिंद स्वराज" नामक पुस्तक की रचना किसने की थी ?

(a) जवाहरलाल नेहरू (b) डॉ भीमराव आंबेडकर
(c) महात्मा गांधी (d) सुभाष चंद्र बोस

उत्तर - (c) महात्मा गांधी

24) "पूर्ण स्वराज" की मांग कांग्रेस के किस अधिवेशन में स्वीकार किया गया?

(a) लाहौर अधिवेशन (b) नागपुर अधिवेशन
(c) लखनऊ अधिवेशन (d) कोलकाता अधिवेशन

उत्तर - (a) लाहौर अधिवेशन

25) प्रथम गोलमेज सम्मेलन का आयोजन कब और कहां हुआ था?

(a) 1928 दिल्ली (b) 1930 मद्रास
(c) 1920 नागपुर (d) 1930 लंदन

उत्तर - (d) 1930 लंदन

26) आंध्र प्रदेश की गुडेम पहाड़ियों में आदिवासी किसानों के विद्रोह का नेतृत्व किसने किया?

(a) बाबा रामचंद्र (b) अल्लूरी सीताराम राजू
(c) सरदार वल्लभभाई पटेल (d) महात्मा गांधी

उत्तर - (b) अल्लूरी सीताराम राजू

27) किस एक्ट के तहत बागानों में काम करने वाले मजदूरों को बगैर इजाजत बागानों से बाहर जाने की छूट नहीं थी?

(a) रॉलेट एक्ट (b) वर्नाक्यूलर एक्ट
(c) इनलैंड इमीग्रेशन एक्ट (d) साइमन कमीशन

उत्तर - (c) इनलैंड इमीग्रेशन एक्ट

28) भारत के लिए डोमिनियन स्टेट का गोलमोल-सा ऐलान किस वायसराय ने किया ?

(a) लॉर्ड रिपन (b) लॉर्ड इरविन
(c) लॉर्ड लिटन (d) लॉर्ड डलहौजी

उत्तर - (b) लॉर्ड इरविन

29) "स्वतंत्रता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, और मैं इसे लेकर रहूंगा" यह नारा किसने दिया था?

(a) सुभाष चंद्र बोस (b) महात्मा गांधी
(c) बाल गंगाधर तिलक (d) गोपाल कृष्ण गोखले

उत्तर - (c) बाल गंगाधर तिलक

30) भारत छोड़ो आंदोलन कब हुआ था?

(a) 1942 (b) 1943
(c) 1944 (d) 1945

उत्तर - (a) 1942

31) "करो या मरो" का नारा किसने दिया था?

(a) सुभाष चंद्र बोस (b) महात्मा गांधी
(c) बाल गंगाधर तिलक (d) जवाहरलाल नेहरू

उत्तर - (b) महात्मा गांधी

अति लघु उत्तरीय प्रश्न –

1) पिकेटिंग क्या है ?

उत्तर - प्रदर्शन या विरोध का एक ऐसा स्वरूप जिसमें लोग किसी दुकान, फैक्ट्री या दफ्तर के भीतर जाने का रास्ता रोक लेते हैं।

2) 'बहिष्कार' शब्द का क्या तात्पर्य है ?

उत्तर - आमतौर पर यह विरोध का एक रूप होता है। बहिष्कार का अर्थ है - किसी के साथ संपर्क रखने और जुड़ने से इन्कार करना , गतिविधियों में हिस्सेदारी से स्वयं को अलग रखना तथा उसकी चीजों को खरीदने तथा इस्तेमाल करने से इनकार करना।

3) रॉलेट एक्ट क्या था ?

उत्तर - रॉलेट एक्ट ब्रिटिश सरकार द्वारा 1919 में पारित किया गया एक काला कानून था। इस कानून के जरिए सरकार को राजनीतिक गतिविधियों को कुचलने और राजनीतिक कैदियों को 2 साल तक बिना मुकदमा चलाए जेल में बंद रखने का अधिकार मिल गया था।

4) भारत आने के बाद गांधी जी द्वारा चलाया गया पहला आंदोलन कौन सा था ?

उत्तर - दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटने के बाद गांधीजी ने 1917 ईस्वी में बिहार के चंपारण से अपने पहले सत्याग्रह आंदोलन की शुरुआत की। गांधीजी ने यहां के दमनकारी बागान व्यवस्था के खिलाफ किसानों को संघर्ष के लिए प्रेरित किया। यहां के किसान नील की खेती का विरोध कर रहे थे।

5) खिलाफत आंदोलन की शुरुआत किसने की ?

उत्तर - खिलाफत आंदोलन की शुरुआत मोहम्मद अली और शौकत अली नामक दो अली बंधुओं ने की। जब उन्हें पता चला कि

jharkhandlab.com

ऑटोमन तुर्की की हार के बाद ऑटोमन सम्राट पर एक सख्त संधि थोपी जाएगी, तब उनकी अधिकारों की रक्षा के लिए उन्होंने 1919 में मुंबई में खिलाफत समिति का गठन कर आंदोलन की शुरुआत की।

6) महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन ही क्यों चलाया?

उत्तर - महात्मा गांधी ने अपनी पुस्तक "हिंद स्वराज" में कहा था, कि भारत में ब्रिटिश शासन की स्थापना भारतीयों के सहयोग से ही हुई थी और यह शासन इसी के सहयोग के कारण चल पा रहा था , यदि भारत के लोग अपना सहयोग वापस ले लें तो साल भर के भीतर ही ब्रिटिश शासन ढह जाएगा और स्वराज की स्थापना हो जाएगी, इसलिए महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन चलाया ।

7) साइमन कमीशन का गठन क्यों किया गया था ?

उत्तर - सर जॉन साइमन के नेतृत्व में एक वैधानिक आयोग का गठन किया गया । राष्ट्रवादी आंदोलन के जवाब में गठित किए गए इस आयोग को भारत की संवैधानिक व्यवस्था की कार्यशैली का अध्ययन करना था और उसके बारे में सुझाव देने थे।

8) असहयोग आंदोलन के दौरान विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार से विदेशी वस्तुओं पर क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तर - असहयोग आंदोलन के दौरान विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया गया और विदेशी कपड़ों की होली जलाई जाने लगी ।1921 से 1922 के बीच विदेशी कपड़ों का आयात आधा रह गया था , उसकी कीमत 102 करोड़ से घटकर 57 करोड़ रह गई । बहुत सारी स्थानों पर व्यापारियों ने विदेशी चीजों के व्यापार करने या विदेशी व्यापार में पैसा लगाने से इनकार कर दिया।

9) गांधी - इरविन समझौता कब हुआ ? इसकी कोई एक शर्त बताइए ।

उत्तर - 5 मार्च 1931 को गांधीजी और इरविन के बीच समझौता हुआ था। इस समझौते में सरकार ने वचन दिया कि हिंसा के आरोप में गिरफ्तार लोगों को छोड़कर सभी राजनीतिक कैदियों को रिहा कर दिया जाएगा।

10) 'स्वराज पार्टी' का गठन किस उद्देश्य से किया गया था ?

उत्तर - स्वराज पार्टी के गठन का उद्देश्य प्रांतीय विधायिका में प्रवेश कर सरकार पर दबाव बनाकर स्वराज की स्थापना के लिए प्रयास करना था।

11) अल्लूरी सीताराम राजू कौन थे ?

उत्तर - अल्लूरी सीताराम राजू जिसने आंध्र प्रदेश की गुड़ेम पहाड़ियों में रहने वाले आदिवासी किसानों के बीच आंदोलन का नेतृत्व किया था । जिन्होंने जंगलों में लगे प्रतिबंध को समाप्त करने के लिए 1920 के दशक में एक उग्र गोरिल्ला आंदोलन चलाया ।

12) लोगों को एकजुट करने में तिरंगे झंडे की क्या भूमिका थी ?

उत्तर - राष्ट्रवादी नेता लोगों को एकजुट करने के लिए बंगाल में स्वदेशी आंदोलन के दौरान एक तिरंगा झंडा (हरा ,पीला ,लाल)तैयार किया । इसमें ब्रिटिश भारत के 8 प्रांतों का प्रतिनिधित्व करते हुए कमल के 8 फूल और हिंदुओं व मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करते एक अर्धचंद्र दर्शाया गया था । 1921 तक गांधी जी ने भी तिरंगा सफेद, हरा और लाल जिस के मध्य चरखा था, तैयार कर लिया था , जिसने लोगों के भीतर राष्ट्रवाद की भावना को जागृत किया।

लघु उत्तरीय प्रश्न -

1) उपनिवेशों में राष्ट्रवाद के उदय की प्रक्रिया उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन से जुड़ी हुई क्यों थी ?

उत्तर - उपनिवेशों में राष्ट्रवाद के उदय की प्रक्रिया उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन से जुड़े हुए थे जिसके कई कारण थे –

क) वियतनाम और दूसरे उपनिवेशों की तरह हमारे देश में भी आधुनिक राष्ट्रवाद के उदय की परिघटना उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन के साथ जुड़ी हुई थी।

ख) औपनिवेशिक शासकों द्वारा उत्पीड़न और दमन के कारण विभिन्न समूह एक - दूसरे के समीप आ गए थे और आपसी एकता का महत्व समझने लगे थे।

ग) उपनिवेशवाद का प्रभाव प्रत्येक समूह और वर्ग पर एक जैसा नहीं था, उनके लिए स्वतंत्रता के मायने भी अलग थे और अनुभव भी भिन्न थे । महात्मा गांधी इन सभी समूहों को एकत्र करके एक विशाल आंदोलन खड़ा करना चाहते थे।

2) पहले विश्वयुद्ध ने भारत में राष्ट्रीय आंदोलन के विकास में किस प्रकार योगदान दिया ?

उत्तर -पहले विश्वयुद्ध ने भारत में राष्ट्रीय आंदोलन के विकास में निम्नलिखित प्रकार से योगदान दिया –

क) प्रथम विश्वयुद्ध के कारण एक नई आर्थिक और राजनीतिक स्थिति पैदा होने से रक्षा - व्यय में काफी वृद्धि हुई।

ख) युद्ध में होने वाले खर्चे को पूरा करने के लिए कर्ज लिए गए, करों में वृद्धि की गई, सीमा शुल्क बढ़ा दिया गया और आय पर भी कर लगा दिया गया।

ग) युद्ध के समय कीमतें तेजी से बढ़ रही थी ।1913 से 1918 के बीच कीमतें दोगुनी हो चुकी थी, जिसके कारण जनसाधारण को मुसीबतों का सामना करना पड़ा।

घ) गांव में युवकों को जबरन सेना में भर्ती किया जा रहा था , जिसके कारण ग्रामीण इलाकों में व्यापक गुस्सा था।

ड़) 1918 - 19 और 19 20- 21 में देश के बहुत सारे भागों में फसल नष्ट हो गई थी, जिसके कारण खाद्य पदार्थों की भारी कमी पैदा हो गई । उसी समय फ्लू की महामारी फैल गई ।1921 की जनगणना के अनुसार इस महामारी और अकाल के कारण लगभग 120- 130 लाख लोग मारे गए।

च) अंग्रेजी सरकार ने भारत में क्रांतिकारी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए 'डिफेंस ऑफ इंडिया एक्ट' 1915 ईस्वी में लागू किया । इसके बाद क्रांतिकारी आंदोलन कम होने के बजाय और तेज हो गया।

3) भारत के लोग रॉलेट एक्ट के विरोध में क्यों थे?

उत्तर - रॉलेट एक्ट ब्रिटिश सरकार द्वारा सन 1919 में लागू किया गया एक कानून था भारत के लोगों द्वारा रॉलेक्ट एक्ट के विरोध करने के निम्न कारण थे-

क) गांधीजी ने 1919 में रॉलेट एक्ट के विरुद्ध सत्याग्रह आंदोलन चलाया।

ख) भारतीय सदस्यों के भारी विरोध के बावजूद इस कानून को इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल ने बहुत जल्दबाजी में पारित कर दिया था । इस कानून के जरिए सरकार को राजनीतिक गतिविधियों को कुचलने और राजनीतिक कैदियों को 2 साल तक बिना मुकदमा चलाए जेल में बंद रखने का अधिकार मिल गया था।

ग) महात्मा गांधी ऐसे अन्याय पूर्ण कानूनों के विरुद्ध अहिंसक तरीके से नागरिक अवज्ञा चाहते थे। जिसे 6 अप्रैल को एक हड़ताल के साथ शुरू होना था ।

4) गांधी जी ने असहयोग आंदोलन को वापस लेने का फैसला क्यों किया ?

उत्तर - असहयोग आंदोलन अपने पूरे जोरों पर चल रहा था जब महात्मा गांधी ने 1922 ईस्वी को उसे वापस ले लिया इस आंदोलन के वापस लिए जाने के निम्नांकित कारण थे–

Jharkhandeb.com

क) महात्मा गांधी अहिंसक ढंग से आंदोलन चलाना चाहते थे लेकिन उनकी आशा के विपरीत यह आंदोलन हिंसक होता जा रहा था और सत्याग्रहियों को व्यापक प्रशिक्षण की आवश्यकता थी इसलिए महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन को वापस लेना ही उचित समझा।

ख) 1922 में गोरखपुर में स्थित चौरी - चौरा में बाजार से गुजर रहे एक शांतिपूर्ण जुलूस पुलिस के साथ हिंसक टकराव में बदल गया ,इस हिंसात्मक घटना के बारे में सुनते ही महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन रोकने का आह्वान किया ।

ग) वे सोचने लगे कि यदि लोग हिंसक हो जाएंगे तो अंग्रेजी सरकार भी उत्तेजित हो उठेगी और आतंक का राज्य स्थापित हो जाएगा और अनेक निर्दोष लोग मारे जाएंगे। महात्मा गांधी जालियांवाला बाग जैसे हत्याकांड की पुनरावृत्ति नहीं करना चाहते थे।

5) 'सत्याग्रह' के विचार का क्या मतलब है?

उत्तर- क) सत्याग्रह एक ऐसा विचार है, जिसमें सत्य की शक्ति पर आग्रह और सत्य की खोज पर जोर दिया जाता है । इसका अभिप्राय यह है, कि यदि आप का उद्देश्य सच्चा है यदि आप का संघर्ष अन्याय के विरुद्ध है ,तो उत्पीड़क का मुकाबला करने के लिए आपको किसी शारीरिक बल की आवश्यकता नहीं है।

ख) सत्याग्रह के विचार में प्रतिशोध या बदले की भावना लिए बिना सत्याग्रही केवल अहिंसा के बल पर ही अपने संघर्ष में सफल हो सकता है।

ग) इसके लिए दमनकारी शत्रु की चेतना को झकझोरना चाहिए। उत्पीड़न शत्रु को ही नहीं अपितु सभी लोगों को हिंसा के जरिए सत्य को स्वीकार करने की बजाय सच्चाई को देखने और सहज भाव को स्वीकार करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। इस संघर्ष में अंततः सत्य की ही जीत होती है।

6) जालियांवाला बाग हत्याकांड पर टिप्पणी लिखें ।

उत्तर- क) रॉलेक्ट एक्ट के विरोध में महात्मा गांधी और सत्यपाल किचलू गिरफ्तार हो चुके थे ।अमृतसर में मार्शल लॉ लागू कर दिया गया था । 13 अप्रैल 1919 को बैसाखी पर्व के दिन अमृतसर के जलियांवाला बाग में मेले का आयोजन किया गया था अमृतसर के सैनिक प्रशासन जनरल डायर ने इस सभा को अवैध घोषित कर दिया काफी लोग तो सरकार द्वारा लागू किए गए दमनकारी कानून का विरोध करने के लिए भी एकत्रित हुए थे।

ख) तब जनरल डायर ने बाग को चारों ओर से घेर कर सैनिकों को गोलियां चलाने का आदेश दिया, इसमें सैकड़ों लोगों की मौत हो गई।

ग) इस हत्याकांड के पश्चात ब्रिटिश सरकार ने एक हंटर आयोग स्थापित की और उस आयोग की रिपोर्ट के बाद जनरल डायर को सम्मानित किया । इससे महात्मा गांधी असहयोगी हो गए थे और उन्होंने असहयोग आंदोलन चलाने का निश्चय किया था।

घ) जालियांवाला बाग हत्याकांड भारत के इतिहास के सबसे दर्दनाक घटना थी। इससे पूरे भारत में रोष की लहर फूट पड़ी।

7) साइमन कमीशन पर टिप्पणी लिखें।

उत्तर- क) 19 29 की आर्थिक मंदी का असर भारत पर भी पड़ा, कृषि उत्पादों की मांग गिरने से ग्रामीण क्षेत्र भारी उथल-पुथल से गुजर रहे थे।

ख) इसी पृष्ठभूमि में ब्रिटेन के नए टोरी सरकार ने सर जॉन साइमन के नेतृत्व में एक वैधानिक आयोग का गठन कर दिया।

ग) राष्ट्रवादी आंदोलन के जवाब में गठित किए गए इस आयोग को भारत में संवैधानिक व्यवस्था की कार्यशैली का अध्ययन करना और उसके बारे में सुझाव देना था। परंतु इस आयोग में एक भी भारतीय सदस्य नहीं थे, सारे अंग्रेज थे।

घ) 1928 में जब साइमन कमीशन भारत आया तो उसका स्वागत "साइमन कमीशन वापस जाओ" के नारों से किया गया । कांग्रेस, मुस्लिम लीग और अन्य सभी पार्टियों ने प्रदर्शनों में हिस्सा लिया।

ड़) पंजाब में लाला लाजपत राय ने इस आयोग के विरुद्ध प्रदर्शन का नेतृत्व किया, पुलिस ने उन पर इतनी लाठियां बरसाई कि उनकी मृत्यु हो गई।

8) भारत माता की छवि और जर्मेनिया की छवि की तुलना करें ।

उत्तर - 1948 ईस्वी में जर्मन चित्रकार फिलिप वेट ने अपने राष्ट्र को जर्मेनिया के रूप में प्रस्तुत किया । वे बलूत वृक्ष के पत्तों का मुकुट पहने दिखाई गई हैं क्योंकि जर्मन बलूत वीरता का प्रतीक है।

भारत में भी अवनींद्र नाथ टैगोर जैसे अनेक कलाकारों ने भारत राष्ट्र को भारत माता के प्रतीक के रूप में दिखाया है। एक चित्र में उन्होंने भारत माता को शिक्षा, भोजन और कपड़े देती हुई दिखाया है।

एक अन्य चित्र में भारत माता को अन्य ढंग से दिखाया गया है अबनींद्रनाथ टैगोर के चित्र से बिल्कुल भिन्न है। इस चित्र में भारत माता को शेर और हाथी के बीच खड़ी दिखाया गया और उसके हाथ में त्रिशूल है।

9) खिलाफत आंदोलन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उत्तर - प्रथम विश्वयुद्ध में ऑटोमन तुर्की की हार हो चुकी थी । अंग्रेजों ने यह घोषणा की, कि मुस्लिम जगत के आध्यात्मिक नेता खलीफा की शक्ति और पद को समाप्त कर दिया जाएगा और ओटोमन सम्राट पर एक सख्त संधि थोपी जाएगी। दुनिया भर के मुस्लिम संप्रदाय ने इसका तीव्र विरोध किया।

खलीफा के पद को बनाए रखने के लिए और उनकी शक्तियों की रक्षा के लिए मार्च 1919 में मुंबई में मोहम्मद अली और शौकत अली नामक दो अली बंधुओं ने खिलाफत समिति का गठन किया । मोहम्मद अली और शौकत अली बंधुओं के साथ - साथ कई युवा मुस्लिम नेताओं ने इस मुद्दे पर संयुक्त कार्रवाई की संभावना तलाशने के लिए महात्मा गांधी के साथ वार्तालाप की।

सितंबर 1920 के कोलकाता अधिवेशन में महात्मा गांधी सहित दूसरे अन्य नेताओं ने यह बात मान ली, कि खिलाफत आंदोलन के जनसमर्थन अथवा स्वराज के लिए एक असहयोग आंदोलन शुरू किया जाना चाहिए।

10) पूना पैक्ट पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उत्तर- क) डॉ० अंबेडकर ने 1930 में दमित वर्ग एसोसिएशन की स्थापना की । उनका मानना था कि दलित वर्ग की समस्याओं का समाधान तथा उनकी सामाजिक अपंगता का निवारण केवल राजनीतिक सशक्तिकरण के द्वारा ही किया जा सकता है, अतः उन्होंने दलितों के लिए पृथक निर्वाचन क्षेत्र का जोर शोर से समर्थन किया।

ख) इस विषय पर गांधीजी से उनका गंभीर विवाद हुआ इसी बीच सरकार ने अंबेडकर की बात मान ली इसके विरोध में गांधीजी ने पुणे की यवर्धा जेल में ही आमरण अनशन प्रारंभ कर दिया।

ग) अन्य राष्ट्रवादी नेताओं की मध्यस्थता से गांधीजी और अंबेडकर के बीच सितंबर 1932 में एक समझौता हुआ, जिसे पूना पैक्ट के नाम से जाना जाता है।

घ) इस समझौते के अनुसार दलित वर्ग को प्रांतीय एवं केंद्रीय विद्यायी परिषदों में आरक्षित सीटें मिल गई, परंतु निर्वाचन सामान्य प्रणाली के आधार पर किया जाएगा। दलितों को

jharkhandjeb.com

शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता देने के लिए भी पूना पैक्ट में शर्तें रखी गई।

11) राजनीतिक नेता पृथक निर्वाचन के सवाल पर क्यों बंटे हुए थे? चर्चा करें।

उत्तर- क) राजनीतिक नेता भारतीय समाज में विभिन्न वर्गों समुदायों का प्रतिनिधित्व करते थे।

ख) डॉ भीमराव अंबेडकर दलित वर्गों या दलितों का नेतृत्व करते थे जबकि मोहम्मद अली जिन्ना भारत के मुस्लिम समुदायों का प्रतिनिधित्व करते थे।

ग) यह नेतागण विशेष राजनीतिक अधिकारों और अलग निर्वाचन क्षेत्र मांग कर अपने वर्गों और समुदायों का जीवन स्तर ऊंचा उठाना चाहते थे।

घ) सभी समुदाय अपने - अपने वर्गों के हितों की रक्षा करना चाहते थे।

ङ) गांधीजी पृथक निर्वाचन का विरोध कर रहे थे, क्योंकि उनका मानना था, कि पृथक निर्वाचन क्षेत्र भारत की एकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

यह एकीकरण के मार्ग में रोड़ा बन कर अटक सकता था।

12) शहरों में असहयोग आंदोलन धीरे-धीरे धीमा पड़ने लगा। क्यों?

उत्तर - असहयोग आंदोलन का संचालन स्वराज् की मांग को लेकर किया गया था इसका उद्देश्य सरकार के साथ सहयोग नहीं करना था। इसकी शुरुआत शहरी मध्यम वर्ग की हिस्सेदारी से हुई लेकिन कुछ समय बाद शहरों में यह आंदोलन धीमा पड़ने लगा इसके निम्नांकित कारण थे-

क) इस आंदोलन में विदेशी कपड़ों का बहिष्कार किया गया था लेकिन खादी का कपड़ा मिलों में बनने वाले कपड़ों के मुकाबले प्रायः महंगा होता था। जिसे गरीब खरीदने में सक्षम नहीं थे।

ख) ब्रिटिश संस्थानों के बहिष्कार से भी समस्या पैदा हो गई। वैकल्पिक भारतीय संस्थानों की स्थापना की प्रक्रिया बहुत धीमी थी। जिससे विद्यार्थी और शिक्षक ब्रिटिश संस्थानों में लौटने लगे।

ग) वकीलों ने भी दोबारा सरकारी अदालतों में योगदान देना शुरू किया क्योंकि दूसरी ऐसी अदालत नहीं थी जिसमें वकील काम कर सकें।

13) स्वराज दल का गठन क्यों किया गया था? इसका कार्य क्या था?

उत्तर- क) स्वराज दल का गठन 1923 ईस्वी में कांग्रेस के स्पेशल अधिवेशन दिल्ली में अबुल कलाम आजाद की अध्यक्षता में हुआ था। कांग्रेस ने स्वराज वादियों को अनुमति दे दी, कि वे चुनाव में भाग ले सकते हैं, उन्होंने केंद्रीय और प्रांतीय विधानसभाओं में बहुत अधिक सीटें पाई।

ख) इससे अंग्रेजों को परेशानी हुई, कि वे अपनी नीतियों और प्रस्तावों को आसानी से पास ना करवा पाएंगे।

ग) स्वराज्य वादियों ने अंग्रेज विरोधी भावना बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

14) सविनय अवज्ञा आंदोलन में विभिन्न वर्गों और समूहों ने क्यों हिस्सा लिया?

उत्तर - सविनय अवज्ञा आंदोलन में विभिन्न वर्गों और समूहों ने हिस्सा लिया, क्योंकि स्वराज के मायने सभी के लिए अलग-अलग थे-

क) ज्यादातर व्यवसायी स्वराज को एक ऐसे युग के रूप में देखते थे, जहां कारोबार पर वैश्विक पाबंदियां नहीं होंगी और व्यापार और उद्योग निर्बाध ढंग से फल फूल सकेंगे।

ख) धनी किसानों के लिए स्वराज की लड़ाई भारी लगान के खिलाफ लड़ाई थी, वे चाहते थे कि लगान में कमी की जाए।

ग) गरीब किसानों के लिए स्वराज का अर्थ था कि उनके पास स्वयं की जमीन हो, क्योंकि उनमें से बहुत सारे किसान जमींदारों से पट्टे पर जमीन लेकर खेती कर रहे थे। वे चाहते थे कि उन्हें जमींदारों को जो किराया चुकाना था, उसे माफ कर दिया जाए।

घ) महिलाओं के लिए स्वराज का अर्थ था, भारतीय समाज में पुरुषों के साथ बराबरी और स्तरीय जीवन की प्राप्ति हो सके।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1) असहयोग आंदोलन में भारतीय द्वारा अपनाए गए विभिन्न तरीकों का उल्लेख करें।

उत्तर - असहयोग आंदोलन की शुरुआत महात्मा गांधी के नेतृत्व में 1920 में हुई जो 1922 तक चली।

असहयोग आंदोलन में भारतीयों द्वारा अपनाए गए विभिन्न तरीके-

क) गांधीजी असहयोग आंदोलन को योजनाबद्ध तरीके से प्रारंभ करना चाहते थे, उनका विचार था कि सर्वप्रथम सरकार द्वारा दी गई पदवियों को लौटा दिया जाए तथा इसके बाद सरकारी नौकरियों तथा विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार कर दिया जाए।

ख) असहयोग आंदोलन का प्रारंभ शहरी मध्यम वर्ग की हिस्सेदारी से प्रारंभ हुआ। विद्यार्थियों ने स्कूल- कॉलेज छोड़ दिए, शिक्षकों ने त्यागपत्र दे दिया, वकीलों ने मुकदमे लड़ने बंद कर दिए तथा मद्रास के अतिरिक्त प्रायः सभी प्रांतों में परिषद चुनाव का बहिष्कार किया गया।

ग) विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया गया, शराब की दुकानों की पिकेटिंग की गई तथा विदेशी कपड़ों की होली जलाई गई।

घ) व्यापारियों ने विदेशी व्यापार में पैसा लगाने से इंकार कर दिया। देश में खादी का प्रचलन और उत्पादन बढ़ा।

ङ) ग्रामीण इलाकों में जमींदारों को नाई- धोबी की सुविधाओं से वंचित करने के लिए पंचायतों ने 'नाई -धोबी' बंद का फैसला किया।

2) अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में असहयोग आंदोलन कहां तक सफल रहा।

अथवा

असहयोग आंदोलन असफल क्यों हुआ?

उत्तर – महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन पूरे जोर - शोर से चल रहा था किंतु 1922 के आते-आते आंदोलन धीमा पड़ने लगा। असहयोग आंदोलन की असफलता के कई कारण थे –

क) योग्य नेतृत्व का अभाव - आंदोलन की शुरुआत गांधी जी ने की तथा शीघ्र ही यह आंदोलन देश के कोने- कोने में फैल गया। लोगों ने अति उत्साह से इस आंदोलन में भाग लिया लेकिन देश के अन्य भागों में योग्य नेतृत्व के अभाव में आंदोलन को सही दिशा नहीं मिल पाई।

ख) आर्थिक कारण – विदेशी कपड़ों का बहिष्कार बड़े पैमाने पर किया गया तथा लोगों को खादी का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया, लेकिन खादी का कपड़ा मिलों में भारी पैमाने पर बनने वाले कपड़ों के अपेक्षा काफी महंगा था गरीब इसे खरीद नहीं सकते थे। अतः जल्दी ही बहिष्कार की उमंग फीकी पड़ गई।

ग) वैकल्पिक व्यवस्था का अभाव - ब्रिटिश संस्थानों के बहिष्कार से नई समस्याएं पैदा हुई। स्कूलों ,कॉलेजों, अदालतों का बहिष्कार तो कर दिया गया लेकिन वैकल्पिक भारतीय

Jharkhandlab.com

संस्थानों की स्थापना नहीं हुई इसके परिणाम स्वरूप शिक्षक और विद्यार्थी पुनः स्कूलों में लौटने लगे तथा वकील दुबारा अदालतों में दिखाई देने लगे।

घ) हिंसा का मार्ग अपनाना - यद्यपि आंदोलन का प्रारंभ शांतिपूर्ण प्रदर्शनों तथा विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार से हुआ लेकिन शीघ्र ही आंदोलन ने हिंसा का मार्ग पकड़ लिया। हिंसा की चरम परिणीति चौरी- चौरा कांड के रूप में हुई, जब उग्र आंदोलनकारियों ने एक थाने में आग लगाकर 22 सिपाहियों की हत्या कर दी। इस घटना के बाद महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन को वापस ले लिया।

3) दांडी मार्च अभूतपूर्व घटना साबित हुई, जिसने ब्रिटिश साम्राज्य को हिला कर रख दिया। स्पष्ट करें।

अथवा,

नमक यात्रा की चर्चा करते हुए स्पष्ट करें, कि यह उपनिवेशवाद के खिलाफ प्रतिरोध का एक असरदार प्रतीक था।

उत्तर- क) देश को एकजुट करने के लिए महात्मा गांधी को नमक एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में दिखाई दिया।12 मार्च 1930 ईस्वी को दांडी यात्रा द्वारा गांधीजी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन का सूत्रपात किया। गांधी जी के अनुयायियों ने दांडी नामक समुद्र तटीय स्थान पर नमक बनाकर नमक कानून तोड़ा यह आंदोलन सरकारी आदेशों को ना मानने का प्रतीक था।

ख) ब्रिटिश कानून को तोड़ना निसंदेह उपनिवेशवाद के विरुद्ध एक जबरदस्त कदम था। देखने को यह समुद्र के पानी से नमक बनाने की प्रक्रिया एक साधारण -सी घटना लगती है परंतु इसके उपनिवेशवाद के सारे ढांचे को ही हिला कर रख दिया।

ग) साबरमती आश्रम से दांडी की कोई 240 मील की यात्रा में महात्मा गांधी और उनके साथियों को अनेक स्थानों पर रुकना पड़ा। हर पड़ाव में ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध नारेबाजी होती रही ,जिससे राष्ट्रीय भावनाएं और उत्तेजित होती गई और लोगों में उपनिवेशवाद के प्रति घृणा पैदा होने लगी।

घ) जैसे ही 6 अप्रैल 1930 को समुद्र के पानी से नमक बनाकर नमक कानून का उल्लघन किया गया। सबको पता चल गया कि ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत हो चुकी है।

ड़) यद्यपि नमक आंदोलन का केंद्रीय उद्देश्य नमक कानून का उल्लंघन करना था लेकिन इस आंदोलन ने अंग्रेजो के खिलाफ भारतीय जनमानस में एक राष्ट्रीय विरोध की भावना को जन्म दिया।

च) इस आंदोलन के जरिए गांधीजी ने समाज के सभी तबकों को प्रभावित किया तथा उन्हें उपनिवेशवाद के खिलाफ प्रतिरोध के लिए प्रेरित कर दिया।

इस प्रकार हम कह सकते हैं, कि नमक यात्रा उपनिवेशवाद के खिलाफ प्रतिरोध का एक असरदार प्रतीक था।

4) भारतीयों में सामूहिक अपनेपन का भाव विकसित करने वाले कारकों का उल्लेख करें।

उत्तर - जब लोग यह महसूस करने लगते हैं कि वे एक ही राष्ट्र के अंग हैं, जब वे एक दूसरे को एकता के सूत्र में बांधने वाली कोई साझा बात ढूंढ लेते हैं। लेकिन राष्ट्र लोगों के मस्तिष्क में एक यथार्थ का रूप कैसे लेता है? विभिन्न समुदायों क्षेत्रों या भाषाओं से संबंध अलग-अलग समूहों ने सामूहिक अपनेपन का भाव कैसे विकसित किया? सामूहिक अपनेपन की यह भावना आंशिक रूप से संयुक्त संघर्षों के चलते पैदा हुई थी। इनके अलावा बहुत सारी संस्कृतिक प्रक्रियाएं भी थी जिनके जरिए राष्ट्रवाद लोगों की कल्पना और दिलो-दिमाग पर छा गया था। इतिहास व साहित्य, लोक कथाएं व गीत, चित्र व प्रतीक सभी ने राष्ट्रवाद को साकार करने में अपना अहम योगदान दिया था।

5) रालेट एक्ट क्या था? गांधीजी ने रालेट एक्ट का विरोध किस प्रकार किया? वर्णन करें।

उत्तर - भारत में ब्रिटिश शासन के हो रहे प्रतिरोधों के खिलाफ ब्रिटेन की इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल ने 1919 ईस्वी में एक कानून पारित किया। जिसे रालेट एक्ट के नाम से जाना जाता है।

क) 1918 ईस्वी में अंग्रेजी सरकार ने रालेट की अध्यक्षता में एक समिति नियुक्त की। इस समिति को यह निर्देश दिया गया, कि भारत में क्रांतिकारी आंदोलन को रोकने के लिए किस तरह के कानून बनाए जाए क्योंकि देश का कानून अपर्याप्त है।

ख) इस कानून के द्वारा सरकार को राजनीतिक गतिविधियों को कुचलने और राजनीतिक कैदियों को 2 साल तक बिना मुकदमा चलाए जेल में बंद रखने का अधिकार मिल गया। इसी कारण भारतीयों ने रॉलेक्ट एक्ट का विरोध किया।

ग) गांधी जी ने इस अन्याय पूर्ण कानून के खिलाफ अहिंसक ढंग से नागरिक अवज्ञा करने की घोषणा की।

घ) इस नागरिक अवज्ञा को 6 अप्रैल 1919 से एक हड़ताल के साथ प्रारंभ होना निश्चित किया गया।

ड़) रॉलेक्ट एक्ट के खिलाफ विभिन्न शहरों में रैलियों एवं जुलूसों का आयोजन किया गया। रेलवे कामगार हड़ताल पर चले गए, दुकाने बंद हो गई, टेलीग्राफ सेवा बाधित कर दी गई। इस प्रकार देश में अव्यवस्था का माहौल हो गया।

च) अमृतसर में बहुत सारी स्थानीय नेताओं को हिरासत में ले लिया गया। गांधी जी के दिल्ली में प्रवेश करने पर पाबंदी लगा दी गई।

छ) 10 अप्रैल 1919 को पुलिस ने अमृतसर में एक शांतिपूर्ण जुलूस पर गोली चला दी। इससे लोग उग्र हो उठे तथा बैंक, डाकघरों तथा रेलवे स्टेशनों पर हमले करने लगे।

अध्याय - 3 भूमंडलीकृत विश्व का बनना

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

1) 1923 में विश्व को पूंजी देने वाला और विश्व का सबसे बड़ा कर्ज़दाता राष्ट्र कौन था?
(a) अमेरिका (b) अफ्रीका
(c) इंग्लैंड (d) फ्रांस

उत्तर - (a) अमेरिका

2) वैश्वीकरण आज मुख्य रूप से संदर्भित करता है-
(a) व्यापार काम की तलाश में लोगों का प्रवास
(b) पूंजी का संचालन
(c) एक आर्थिक प्रणाली जो पिछले 50 वर्षों में उभरी है
(d) वैश्विक समाजों के बीच सांस्कृतिक संबंध

उत्तर- (c) एक आर्थिक प्रणाली जो पिछले 50 वर्षों में उभरी है।

3) कॉर्न कानून किस देश में पारित किया गया था?
(a) फ्रांस (b) जर्मनी
(c) रूस (d) ब्रिटेन

उत्तर - (d) ब्रिटेन

4) सन् 1800 के आसपास निर्यात में सूती कपड़े का प्रतिशत कितना था?
(a) 30% (b) 15%
(c) 10% (d) 3%

उत्तर- (a) 30%

5) निम्न में से कौन - कौन से देश मित्र राष्ट्र थे?
(a) ब्रिटेन ,फ्रांस ,रूस (b) ब्रिटेन, जापान ,रूस
(c) ब्रिटेन, भारत ,रूस (d) जापान, रूस, इटली

उत्तर- (a) ब्रिटेन, फ्रांस, रूस

6) भारत में कैनाल कॉलोनी किस प्रांत में बनाई गई?
(a) **उत्तर** प्रदेश (b) पंजाब
(c) मध्य प्रदेश (d) राजस्थान

उत्तर- (b) पंजाब

7) एशिया को यूरोप और उत्तरी अफ्रीका से जोड़ने वाले मार्ग को क्या कहा जाता था?
(a) सूती मार्ग (b) सिल्क मार्ग
(c) **उत्तर**ा पथ (d) दक्षिणापथ

उत्तर- (b) सिल्क मार्ग

8) बृहद उत्पादन पद्धति से बनी पहली कार का नाम क्या था?
(a) बी - मॉडल (b) सी - मॉडल
(c) ए - मॉडल (d) टी - मॉडल

उत्तर - (d) टी - मॉडल

9) 1928 से 1934 के बीच भारत में गेहूं की कीमत कितने प्रतिशत तक गिर गई?
(a) 50% (b) 60%
(c) 40% (d) 25%

उत्तर - (a) 50%

10) निम्न में से किस फसल की शुरुआत से यूरोपीय गरीब बेहतर खाने और अधिक समय तक जीवित रहने में सफल हुए?
(a) स्पेगेटी (b) टमाटर
(c) आलू (d) सोया

उत्तर - (c)आलू

11) होसे मेला का आयोजन कहां किया जाता था?
(a) गुयाना (b) मॉरीशस
(c) त्रिनिदाद (d) सूरीनाम

उत्तर - (c)त्रिनिदाद

12) निम्न में से कौन ब्रेटन वुड्स के जुड़वा संताने हैं-
(a) संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत रूस
(b) दोअंतर्राष्ट्रीय बैंक आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक
(c) संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद
(d) जी 77 और जी 8

उत्तर - (b) दो अंतर्राष्ट्रीय बैंक आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक

13) बृहद उत्पादन व्यवस्था किस देश में आरंभ की गई?
(a) ब्रिटेन (b) रूस
(c) अमेरिका (d) जर्मनी

उत्तर - (c)अमेरिका

14) निम्न में से किसने पूर्व आधुनिक दुनिया में रेशम मार्ग के द्वारा यात्रा नहीं की?
(a) ईसाई मिशनरी (b) व्यापारी
(c) मुस्लिम प्रचारक (d) पर्यटक

उत्तर - (d) पर्यटक

15) गिरमिटिया मजदूर बिहार के किस क्षेत्र से भेजे जाते थे?
(a) पूर्वी क्षेत्र (b) पश्चिमी क्षेत्र
(c) **उत्तर**ी क्षेत्र (d) दक्षिणी क्षेत्र

उत्तर- (b) पश्चिमी क्षेत्र

16) ऑटोमोबाइल्स का उत्पादन करने के लिए असेंबली लाइन की अवधारणा को किसने अपनाया?
(a) हेनरी फोर्ड (b) एडिशन
(c) फिलिप्स (d) रुजवेल्ट

उत्तर- (a) हेनरी फोर्ड

17) पास्ता सिसिली (इटली) में किनके द्वारा ले जाया गया?
(a) चीनियों द्वारा (b) अरबो द्वारा
(c) भारतीयों द्वारा (d) पुर्तगालियों द्वारा

उत्तर - (b) अरबो द्वारा

18) द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान निम्नलिखित देशों में से किसे धुरी शक्तियां माना गया?
(a) जर्मनी ,जापान ,इटली (b) ब्रिटेन, जर्मनी ,रूस
(c) फ्रांस ,जर्मनी, इटली (d) ब्रिटेन, फ्रांस ,रूस, अमेरिका

उत्तर - (a) जर्मनी, जापान , इटली

Jharkhandlab.com

19) सिल्क रूट का अर्थ है–

(a) चीन और रोम को जोड़ने वाले मार्गों का नेटवर्क
(b) भारत और अमेरिका को जोड़ने वाली मार्गों का नेटवर्क
(c) चीन और भारत को जोड़ने वाले मार्गों का नेटवर्क
(d) एशिया को यूरोप और **उत्तर**ी अफ्रीका से जोड़ने वाले मार्गों का नेटवर्क

उत्तर- (d) एशिया को यूरोप और **उत्तर**ी अफ्रीका से जोड़ने वाले मार्गों का नेटवर्क

20) दक्षिण अमेरिका में एल्डोराडो क्या है?

(a) वह स्थान जहां कोलंबस उतरा था
(b) जहां चांदी की खाने थी
(c) सोने का एक सक्षम शहर
(d) एक प्रसिद्ध दास बाजार

उत्तर- (c) सोने का एक सक्षम शहर

21) 'आलू अकाल' किस देश में हुआ था?

(a) इंग्लैंड (b) आयरलैंड
(c) स्पेन (d) अमेरिका

उत्तर - (b) आयरलैंड

22) ब्रेटन वुड्स सम्मेलन किस वर्ष आयोजित हुआ था?

(a) 1945 (b) 1947
(c) 1944 (d) 1952

उत्तर- (c)1944

23) आलू, सोया, मूंग फली, मक्का, टमाटर, मिर्च, शकरकंद जैसे खाद्य पदार्थ लगभग कितने साल पहले हमारे पूर्वजों के पास नहीं थे?

(a) 500 वर्ष पहले (b) 400 वर्ष पहले
(c) 300 वर्ष पहले (d) 200 वर्ष पहले

उत्तर - (a) 500 वर्ष पहले

24) निम्नलिखित में से किस कानून ने ब्रिटिश सरकार को मक्का के आयात को प्रतिबंधित करने की अनुमति दी थी?

(a) खाद्य अधिनियम (b) आयात अधिनियम
(c) निर्यात अधिनियम (d) कॉर्न कानून

उत्तर- (d) कॉर्न कानून

25) 1890 के दशक में रिंडरपेस्ट नामक बीमारी किस देश में फैल गई?

(a) न्यूजीलैंड (b) अफ्रीका
(c) अमेरिका (d) जर्मनी

उत्तर- (b) अफ्रीका

26) 19वीं सदी में यूरोप के लगभग कितने लोग अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में जाकर बस गए?

(a) एक करोड़ (b) तीन करोड़
(c) चार करोड़ (d) पांच करोड़

उत्तर - (d) पांच करोड़

27) अधिकांश भारतीय गिरमिटिया मजदूर किन क्षेत्रों से दूसरे देशों में काम करने जाते थे?

(a) **उत्तर** प्रदेश (b) तमिलनाडु
(c) बिहार (d) उपरोक्त सभी

उत्तर - (d) उपरोक्त सभी

28) निम्नलिखित में से कौन सी बीमारी अमेरिका के लोगों के लिए विनाशकारी साबित हुई?

(a) हैजा (b) प्लेग
(c) चेचक (d) निमोनिया

उत्तर - (c) चेचक

29) द्वितीय विश्व युद्ध कितने वर्षों तक चला?

(a) 2 वर्ष (b) 3 वर्ष
(c) 5 वर्ष (d) 6 वर्ष

उत्तर (d) 6 वर्ष

31) विश्व का सबसे बड़ा शेयर बाजार कहां है?

(a) भारत (b) अमेरिका
(c) चीन (d) रूस

उत्तर- (b) अमेरिका

32) निम्न में से आर्थिक महामंदी के क्या कारण थे?

(a) कृषि उपज का अधिक उत्पादन
(b) कृषि उपज का कम उत्पादन
(c) प्रथम विश्वयुद्ध
(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (a) कृषि उपज का अधिक उत्पादन

33) आर्थिक महामंदी की शुरुआत कब हुई थी?

(a) 1933 (b) 1932
(c) 1929 (d) 1931

उत्तर (c) 1929

अति लघु उत्तरीय प्रश्न–

1) वैश्वीकरण क्या है?

उत्तर- वैश्वीकरण का अर्थ अपनी अर्थव्यवस्था का विश्व अर्थव्यवस्था से सामंजस्य स्थापित करना तथा किसी वस्तु, सेवा, विचार पद्धति, पूंजी, बौद्धिक संपदा अथवा सिद्धांत को विश्वव्यापी करना और विश्व के प्रत्येक देश का अन्य देशों के साथ अप्रतिबंधित आदान - प्रदान करना।

2) जी -77 से क्या तात्पर्य है?

उत्तर- 50 और 60 के दशक में विकासशील देशों को पश्चिमी देशों की अर्थव्यवस्था की तेज प्रगति से कोई लाभ नहीं मिला इसलिए उन्होंने अपना एक नया समूह बनाया जो जी -77 के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

3) गिरमिटिया मजदूर से क्या समझते हैं?

उत्तर- औपनिवेशिक शासन के दौरान बहुत सारे लोगों को काम करने के लिए दूसरे देशों में ले जाया जाता था। उन्हें एक एग्रीमेंट के तहत ले जाया जाता था, बाद में इसी एग्रीमेंट को यह मजदूर गिरमिट कहने लगे। जिससे आगे चलकर इन मजदूरों को गिरमिटिया मजदूर कहा जाने लगा।

4) वीटो का क्या अर्थ है?

उत्तर - निषेधाधिकार।इसका यह मतलब है कि अगर किसी प्रस्ताव के पक्ष में सभी देश एकमत हो पर एक देश प्रस्ताव के पक्ष में नहीं है तो वह एक देश अपने शक्ति का इस्तेमाल कर उस प्रस्ताव को खारिज कर सकता है।

Jharkhandlab.com

5) **रिंडरपेस्ट क्या है?**

उत्तर - रिंडरपेस्ट पशुओं में होने वाली एक खतरनाक बीमारी है, जो 18 90 के दशक में पूरे अफ्रीका महाद्वीप में फैल गई जिससे अफ्रीका में हजारों पशुओं की मौत हो गई और वहां के लोगों की आजीविका पर गहरा प्रभाव पड़ा।

6) **भूमंडलीकृत विश्व के बनने की प्रक्रिया में कौन- कौन से कारक उत्तरदायी हैं?**

उत्तर- भूमंडलीकृत विश्व के बनने की प्रक्रिया में मुख्यता तीन कारक उत्तरदायी हैं-

क) व्यापार का

ख) काम की तलाश में एक जगह से दूसरी जगह जाते लोगों का

ग) पूंजी व बहुत सारी चीजों की वैश्विक आवाजाही का

7) **होसे क्या है?**

उत्तर - दक्षिणी अमेरिका की एक देश त्रिनिदाद में मनाए जाने वाले मुहर्रम के मेले (इमाम हुसैन के नाम पर) उसे होसे कहते हैं।

8) **जैविक युद्ध से क्या तात्पर्य है?**

उत्तर- जैविक युद्ध में किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा पौधे को मारने के उद्देश्य से उसमें जीवाणु, विषाणु अथवा फफूंद जैसे जैविक आवेश अथवा संक्रमण कारी तत्वों का उपयोग किया जाता है। जैसे- यूरोपीय सेना ने अमेरिका पर कब्जा करने के लिए चेचक नामक कीटाणु का प्रयोग एक हथियार के रूप में किया।

9) **एन आई ई ओ (NIEO) से क्या तात्पर्य है?**

उत्तर - एन आई ई ओ का अर्थ है- न्यू इंटरनेशनल इकोनामिक ऑर्डर (नई अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक प्रणाली) जिसका आशय है कि विकासशील देशों को इस नई व्यवस्था में अपने साधनों पर सही अर्थों में नियंत्रण मिल सके ।

10) **19वीं सदी में यूरोपीय लोग अमेरिका की तरफ क्यों जाने लगे?**

उत्तर- क) 19वीं सदी तक यूरोप में गरीबी और भूख का साम्राज्य था।

ख) नगरों में जनसंख्या काफी बढ़ गई थी और वहां भयानक रोग व्यापक रूप से फैले हुए थे।

ग) धार्मिक विवाद आम थे और धार्मिक असंतुष्टों को दंडित किया जा रहा था।

अतः लोग यूरोप छोड़कर अमेरिका में प्रवास करने लगे।

11) **युद्धोत्तर अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य क्या था?**

उत्तर - क) औद्योगिक विश्व में आर्थिक स्थिरता को बनाए रखा जाए।

ख) पूर्ण रोजगार के साधनों का विकास करना।

12) **विनिमय दर से आप क्या समझते हैं?**

उत्तर- विनिमय दर किसी देश की मुद्रा को जोड़ना है। जिससे कि इसका प्रयोग दूसरे देशों के साथ व्यापार में किया जा सके। मुख्यतः दो विनिमय दर हैं स्थिर विनिमय दर और दूसरा अस्थिर विनिमय दर।

13) **नहर बस्तियां किन्हे कहा जाता था? इन्हें क्यों और कहां स्थापित किया गया?**

उत्तर - पंजाब के अर्ध रेगिस्तानी जमीनों को उपजाऊ बनाने के लिए नहरों का जाल बिछा दिया गया। देखते ही देखते बंजर भूमियां नहरी बस्तियों में बदल गई । जहां गेहूं और कपास आदि फसलों की खूब खेती होने लगी ।इन्हीं बस्तियों को नहर बस्ती कहा जाता था।

लघु उत्तरीय प्रश्न–

1) **कृषि अर्थव्यवस्था पर प्रथम विश्वयुद्ध के प्रभाव का वर्णन करें।**

उत्तर- प्रथम विश्वयुद्ध का कृषि अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ा युद्ध पूर्व पूर्वी यूरोप विश्व बाजार में गेहूं की आपूर्ति करने वाला एक बड़ा केंद्र था । युद्ध काल में आपूर्ति अस्त-व्यस्त हुई तो कनाडा , अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में गेहूं की उपज में अचानक बढ़ोतरी हो गई। जैसे ही युद्ध समाप्त हुआ यूरोप में गेहूं के उत्पादन में सुधार होने लगा और गेहूं के उत्पादन में आवश्यकता से अधिक वृद्धि हो गई जिसके कारण अनाज के दाम गिर गए ग्रामीणों की आय कम हो गई और किसान गहरे कर्ज में डूब गए।

2) **पहला विश्वयुद्ध आधुनिक औद्योगिक युद्ध था? व्याख्या करें।**

उत्तर - प्रथम विश्वयुद्ध में मशीनगन, टैंक, हवाई जहाजों और रासायनिक हथियारों का भयानक पैमाने पर इस्तेमाल किया गया था । यह सभी चीजें आधुनिक विशाल उद्योगों की देन थी । युद्ध के लिए दुनिया भर में असंख्य सिपाहियों की भर्ती की जानी थी और उन्हें विशाल जलपोत रेलगाड़ियों में भरकर युद्ध मोर्चे पर ले जाया जाना था । इस युद्ध ने मौत और विनाश की ऐसी विभीषिका रची कि उसकी औद्योगिक युग से पहले और औद्योगिक शक्ति के बिना कल्पना नहीं की जा सकती थी ।युद्ध में 90 लाख से ज्यादा लोग मारे गए और दो करोड़ घायल हुए। अतः हम कह सकते हैं कि पहला विश्वयुद्ध आधुनिक औद्योगिक युद्ध था।

3) **ब्रिटेन में औद्योगीकरण का भारतीय अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ा?**

उत्तर- क) औद्योगीकरण के कारण ब्रिटेन में कपास का उत्पादन फैलने लगा और उद्योगपतियों ने सरकार पर दबाव डाला कि वह कपास के आयात पर रोक लगाए और स्थानीय उद्योगों की रक्षा करें । ब्रिटेन में आयातित कपड़ों पर सीमा शुल्क थोप दी गई फलतः वहां भारतीय कपास का आयात कम होने लगा।

ख) 19वीं सदी के आरंभ से ही ब्रिटिश कपड़ा उत्पादक अन्य देशों में भी अपने कपड़े के लिए नए-नए बाजार ढूंढने लगे थे।

ग) ब्रिटिश मशीनों द्वारा बने कपड़ों ने भारतीय कपड़ा उद्योगों को अपने घर में ही भारी प्रतिस्पर्धा में डाल दिया।

अतः सूती कपड़े के निर्यात में लगातार गिरावट आने लगी । सन1800 के आसपास निर्यात में सूती कपड़े का प्रतिशत 30 था जो 1815 में घटकर 15% ही रह गया।

4) **अफ्रीकी मजदूरों को प्रशिक्षित करने तथा कब्जे में रखने के लिए यूरोपीय मालिकों द्वारा क्या तरीके अपनाए जाते थे?**

उत्तर- क) अफ्रीकी मजदूरों को अपने कब्जे में रखने के लिए यूरोपीय मालिकों द्वारा उन पर भारी भरकम टैक्स लगाए जाते थे , ताकि अफ्रीकी लोग उसे चुकाने के लिए बागानों तथा खानों में काम करने के लिए मजबूर हो सके।

ख) काश्तकारी किसानों को उनकी जमीन से हटाने के लिए **उत्तर**ाधिकार कानून भी बदल दिए गए अब परिवार के किसी एक सदस्य को पैतृक संपत्ति मिलेगी ताकि अन्य सदस्यों को श्रम बाजार में धकेला जा सके।

ग) खान कर्मियों को बाड़ों में बंद कर दिया गया और उनके स्वतंत्र घूमने-फिरने पर पाबंदी लगा दी।

5) **नई अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक प्रणाली क्या है?**

उत्तर- यह विकासशील देशों द्वारा 1970 के दशक में प्रस्तुत किए गए प्रस्ताव का एक समुच्चय था। जिसके निम्नलिखित उद्देश्य थे-

Jharkhandlab.com

क) अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर विकासशील देशों के पक्ष में पुनर्विचार।

ख) विकासशील देश एक ऐसी व्यवस्था चाहते थे जो उन्हें उनके प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण दिला सकें।

ग) वे चाहते थे कि उन्हें कच्चे माल के सही दाम मिले और अपने तैयार माल को विकसित देशों के बाजारों में बेचने के लिए बेहतर पहुंच मिले।

घ) विकासशील देशों को बहुराष्ट्रीय निगमों की गतिविधियों को संचालित व नियंत्रित करने का अधिकार मिले।

6) ब्रेटन वुड्स समझौते का क्या अर्थ है?

उत्तर- ब्रेटन वुड्स समझौता युद्धोत्तर अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था के फ्रेमवर्क का समझौता है, जो जुलाई 1944 में अमेरिका स्थित न्यू हैंपशायर के ब्रेटन वुड्स नामक स्थान पर संयुक्त राष्ट्रीय मौद्रिक एवं वित्तीय सम्मेलन में हुआ। युद्धोत्तर अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य औद्योगिक विश्व में आर्थिक स्थिरता तथा पूर्ण रोजगार बनाए रखना था सदस्य देशों के विदेश व्यापार से लाभ और घाटे से निपटने के लिए ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में ही अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना की गई। युद्धोत्तर पुनर्निर्माण के लिए पैसे का इंतजाम करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विश्व बैंक का गठन किया गया।

7) 17 वीं सदी से पहले होने वाले आदान-प्रदान के दो उदाहरण दीजिए। एक उदाहरण एशिया से और एक उदाहरण अमेरिका के बारे में चुने।

उत्तर - 17 वी सदी से पहले होने वाले आदान-प्रदान के दो उदाहरण–

क) चीन - 15 वीं शताब्दी तक बहुत सारे सिल्क मार्ग अस्तित्व में आ चुके थे। इसी रास्ते से चीनी पॉटरी जाती थी और इसी रास्ते से भारत व दक्षिण पूर्व एशिया के कपड़े व मसाले दुनिया के दूसरे भागों में पहुंचते थे। वापसी में सोने चांदी जैसी कीमती धातुएं यूरोप से एशिया पहुंचती थी , इतना ही नहीं यह सिल्क मार्ग केवल व्यापार का केंद्र नहीं था, बल्कि इसी रास्ते से कई देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी होते थे।

ख) अमेरिका– 17 वीं शताब्दी से पूर्व होने वाले आदान-प्रदान कई बार लोगों के लिए विनाश का कारण भी बन गए। जैसे जब स्पेनिश और पुर्तगाली सेना अमेरिका को जीतने के लिए अमेरिका पहुंचे तो वह अपने साथ अनेक बीमारियां विशेषकर चेचक के कीटाणु भी लेकर गए ,जिन्होंने इस बीमारी को पूरे अमेरिका महाद्वीप में फैला दिया जिसने पूरे के पूरे अमेरिकी समुदाय को खत्म कर डाला।

8) बताएं कि पूर्व आधुनिक विश्व में बीमारियों के वैश्विक प्रसार ने अमेरिकी भू-भागों के उपनिवेशीकरण में किस प्रकार मदद दी ?

उत्तर- क) सोलवीं सदी के मध्य तक पुर्तगाली और स्पेनिश सेनाओं की विजय का सिलसिला शुरू हो गया था, उन्होंने अमेरिका को उपनिवेश बनाना शुरू कर दिया था।

ख) यूरोपीय सेनाएं केवल अपनी सैनिक ताकत के दम पर नहीं जीतती थी उनके पास तो कोई परंपरागत किस्म का सैनिक हथियार था ही नहीं, यह हथियार तो चेचक जैसे कीटाणु थे जो स्पेनिश सैनिकों और अफसरों के साथ वहां जा पहुंचे थे।

ग) लाखों सालों से दुनिया से अलग रहने के कारण अमेरिका के लोगों के शरीर में इन बीमारियों से बचने के लिए रोग प्रतिरोधी क्षमता नहीं थी।

घ) परिणाम स्वरूप इस नए स्थान पर चेचक बहुत मारक साबित हुई और देखते ही देखते यह बीमारी पूरे अमेरिका महाद्वीप में फैल गई और इसने पूरे के पूरे समुदाय को खत्म कर डाला।

इस तरह से घुसपैठियों की जीत का रास्ता आसान हो गया और उन्होंने बिना किसी चुनौती के बड़े साम्राज्यो को जीतकर अमेरिका में उपनिवेशों की स्थापना की।

9) खाद्य उपलब्धता पर तकनीक के प्रभाव को दर्शाने के लिए इतिहास से दो उदाहरण दें।

उत्तर- 1890 तक वैश्विक अर्थव्यवस्था सामने आ चुकी थी इससे तकनीक में भी काफी बदलाव आ चुका था खाद्य उपलब्धता पर भी तकनीक का प्रभाव पड़ने लगा जो इस प्रकार है–

1) रेल का विकास- अब भोजन किसी आसपास के गांव या कस्बे से नहीं बल्कि हजारों मील दूर से आने लगा था। खाद्य पदार्थों को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने के लिए रेलवे का इस्तेमाल किया जाने लगा था। बड़े आकार के जल पोतों द्वारा अब खाद्य पदार्थों को दूर-दूर के बाजारों में कम लागत पर और आसानी से पहुंचाना आसान हो गया।

2) रेफ्रिजरेटर की तकनीक युक्त जहाजों के कारण अब अमेरिका से यूरोप भेजे जाने वाली चीजों को जो जल्दी खराब होती थी जैसे - फल, दूध ,मांस आदि को भी लंबी यात्राओं में ले जाया जाना आसान हो गया ।इससे ना केवल समुद्री यात्रा में आने वाला खर्चा कम हुआ बल्कि यूरोप में मांस के दाम गिर गए और वहां के लोगों को एक अच्छी खुराक मिलने लगी।

10) कॉर्न लॉ के समाप्त करने के बारे में ब्रिटिश सरकार के प्रभाव की व्याख्या करते हुए संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उत्तर - ब्रिटिश संसद ने 19वीं शताब्दी में जो कानून अपने भू - स्वामियों के हितों की रक्षा के लिए पास किए उन्हें कॉर्न लॉ कहा जाता है। इन कानून द्वारा विदेशों से आने वाली मक्का के आयात पर पाबंदी लगा दी गई। परिणाम स्वरूप जब खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमतों से परेशान लोगों ने हाहाकार मचा दी तो ब्रिटिश सरकार ने कॉर्न लॉ को फौरन समाप्त कर दिया।

इस कानून को हटाने के बहुत महत्वपूर्ण प्रभाव पड़े–

1) खाद्य सामग्री सस्ती हो गई जिससे साधारण और गरीब जनता को खूब लाभ रहा।

2) जब खाद्य पदार्थ सस्ते दामों में ब्रिटेन आने लगे तो वहां के भूस्वामी बर्बाद हो गए।

3) खेती करने वाले बहुत से किसान बेरोजगार हो गए और लोग नौकरी की तलाश में शहरों की ओर जाने लगे।

11) "अफ्रीका में रिंडरपेस्ट का आना" के प्रभाव की व्याख्या करते हुए संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उत्तर- अफ्रीका में रिंडरपेस्ट का आना- रिंडरपेस्ट मवेशियों में प्लेग की भांति फैलने वाली एक खतरनाक बीमारी थी जो 18 90 के दशक में अफ्रीका में बड़े पैमाने पर फैल गई थी। इस बीमारी ने हजारों लोगों के भाग्य को बदल कर रख दिया। अफ्रीका महादेश के पूर्वी हिस्से से महाद्वीप में प्रवेश करने वाली ब्रिटिश आधिपत्य वाले एशियाई देशों के जानवरों के द्वारा यह बीमारी यहां पहुंची थी ।लगभग 5 वर्षों में अफ्रीका के 90% पशु इस बीमारी से मारे गए पशुओं के मारे जाने पर अपनी सत्ता को मजबूत करने तथा अफ्रीका वासियों को श्रम बाजार में धकेलने के लिए वहां के पूंजीपतियों ने उनके बचे - खुचे पशुओं को भी अपने कब्जे में ले लिया, इस प्रकार अफ्रीकी लोगों को दास अथवा गुलाम बनाने के भरपूर मौके उपलब्ध हो गए।

Jharkhandlab.com

12) भारतीय अर्थव्यवस्था पर महामंदी के प्रभाव पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उत्तर - भारतीय अर्थव्यवस्था पर महामंदी के प्रभाव-

क) महामंदी के कारण भारत के कृषिगत पदार्थों के आयात -निर्यात में अत्याधिक कमी आ गई जो 1928 से 1934 के बीच घटकर लगभग आधे रह गए।

ख) जब अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में कमी आई तो भारत में भी वस्तुओं के दामों में काफी कमी आ गई इस दौरान भारत में गेहूं की कीमत में 50% तक की कमी हो गई।

ग) इस महामंदी का बंगाल के पटसन पैदा करने वाले लोगों पर विशेष रूप से विनाशकारी प्रभाव पड़ा पटसन के मूल्यों में कोई 60% की गिरावट आ गई। जिससे बंगाल के पटसन उत्पादक बर्बाद हो गए और वे कर्ज के बोझ तले दब गए।

घ) छोटे-छोटे किसान भी इस बर्बादी से ना बच सके उनकी आर्थिक दशा खराब होती जा रही थी दूसरी तरफ सरकार द्वारा लगान में किसी प्रकार की छूट नहीं दी जा रही थी।

ड़) 1930 में शुरू होने वाले सिविल अवज्ञा आंदोलन इस आर्थिक मंदी का सीधा परिणाम था ,क्योंकि ग्रामीण क्षेत्र अशांति का क्षेत्र बन चुके थे।

13) 16 वीं सदी में दुनिया सिकुड़ने लगी थी इसका क्या मतलब है व्याख्या करें।

उत्तर- क) संसार के विभिन्न महाद्वीपों के लोगों के बीच पारस्परिक संबंधों में वृद्धि से है।

ख) 16वीं सदी से पहले तक विभिन्न महाद्वीपों के लोगों के बीच अंतर्संबंध व्यापार और व्यवसाय का अभाव था।

ग) परंतु सोलवीं सदी में संसार के विभिन्न लोगों के संबंधों में वृद्धि हुई।

घ) सोलवीं सदी में संसार के महाद्वीपों के बीच व्यापार व्यवसाय, सांस्कृतिक विचारों का आदान-प्रदान और लोगों का आना जाना बढ़ा, इससे लोग एक-दूसरे के नजदीक आए और लोगों को लगा कि दुनिया सिकुड़ने लगी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न--

1) अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक विनिमयो में तीन तरह की गति और प्रभावों की व्याख्या करें। तीनों प्रकार की गतियों के भारत और भारतीयों से संबंधित एक - एक उदाहरण दें और उनके बारे में संक्षेप में लिखें।

उत्तर- अर्थशास्त्रियों ने अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक विनिमय में 3 तरह की घटनाओं या प्रवाहो का उल्लेख किया है–

क) व्यापार का प्रवाह– पहला व्यापार का प्रवाह होता है जो 19वीं सदी में मुख्य रूप से वस्तुओं जैसे कपड़ा या गेहूं आदि के व्यापार तक ही सीमित था।

ख) श्रम का प्रवाह– दूसरा प्रवाह श्रम का होता है इसमें लोग काम और रोजगार की तलाश में एक जगह से दूसरी जगह जाते हैं।

ग) पूंजी का प्रवाह– तीसरा प्रवाह पूंजी का होता है जिसे अल्प या दीर्घ अवधि के लिए दूर-दराज के इलाकों में निवेश कर दिया जाता है।

ये तीनों प्रवाह एक दूसरे से जुड़े होते हैं, और लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं।

भारत से तीन प्रवाहो का उदाहरण- भारत में प्राचीन काल से ही तीनों प्रकार के प्रवाह देखने को मिलते हैं।

1) प्राचीन काल से ही भारतीयों ने अपने पड़ोसी देशों के साथ व्यापारिक संबंध बना रखे थे । भारतीय व्यापारी भारत में मसाले, कपास आदि लेकर विदेशों में जाते थे तथा वहां से जरूरी चीजें लेकर आते थे।

2) बहुत से भारतीय कारीगर और इंजीनियर तथा मजदूर विदेशों में बागानों ,खानों ,सड़क निर्माण और रेल निर्माण का काम करने के लिए जाते रहे हैं।

3) भारत में प्राचीन काल में बहुत से देशों ने पूंजी का निवेश किया। पुर्तगालियों, फ्रांसीसियों तथा अंग्रेजों ने यहां व्यापारिक कंपनियां खोली तथा चाय के बागान स्थापित किए।

2) महामंदी के कारणों की व्याख्या करें।

उत्तर- 1929 में आर्थिक महामंदी की शुरुआत हुई इस मंदी के प्रमुख कारण निम्नलिखित थे–

1) औद्योगिक क्रांति के कारण अमेरिका तथा ब्रिटेन में बड़े पैमाने पर उत्पादन कार्य होने लगा था ।

1930 तक तैयार माल का इतना बड़ा भंडार एकत्र हो गया कि उनका कोई खरीदार ना रहा।

2) कृषि क्षेत्र में अति उत्पादन के कारण कृषि उत्पादों की कीमतें गिरने लगी । किसानों ने अपनी घटती आय को बढ़ाने के लिए अधिक उत्पादन करना शुरू कर दिया किंतु इससे कीमतें और गिरने लगी। खरीदारों के अभाव में कृषि उपज पड़ी-पड़ी सड़ने लगी।

3) संकट से पूर्व बहुत से देशों ने अमेरिका से कर्ज लिया था जो घटकर केवल चौथाई रह गया था । जो देश अमेरिकी कर्ज पर सबसे ज्यादा निर्भर थे उनके सामने गहरा संकट खड़ा हो गया।

4) यूरोप के कई बड़े बैंक धराशायी हो गए । कई देशों की मुद्रा की कीमत बुरी तरह गिर गई ।अमेरिकी सरकार इस महामंदी से अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए आयातित पदार्थों पर दोगुना सीमा शुल्क वसूल करने लगी।

5) अमेरिका के शेयर बाजार में शेयरों की कीमत में गिरावट आ गई इसकी वजह से वहां लाखों व्यापारियों का दिवाला निकल गया।

3) जी -77 देशों से आप क्या समझते हैं ? जी-77 को किस आधार पर ब्रेटन वुड्स की जुड़वा संतानों की प्रतिक्रिया कहा जा सकता है। व्याख्या करें।

उत्तर- वह विकासशील देश जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद स्वतंत्र हुए थे, किंतु 50 व 60 के दशक में पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं की तेज प्रगति से उन्हें कोई लाभ नहीं हुआ ।इस समस्या को देखते हुए उन्होंने एक नए अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक प्रणाली के लिए आवाज उठाई और अपना एक संगठन बनाया जिसे समूह -77 या जी-77 के नाम से जाना जाता है।

ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक का जन्म हुआ था । जिन्हें ब्रेटन वुड्स की जुड़वा संतान कहा जाता है, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक पर केवल कुछ शक्तिशाली विकसित देशों का ही प्रभुत्व था, इसलिए ब्रेटन वुड्स सम्मेलन से विकासशील देशों को कोई लाभ नहीं हुआ इसलिए ब्रेटन वुड्स की जुड़वा संतानों विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रतिक्रिया स्वरूप विकासशील देशों ने समूह 77 नामक संगठन बनाकर नई अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक प्रणाली की मांग की ताकि उनके आर्थिक उद्देश्य पूरे हो सके । अपने संसाधनों पर उनका पूरा

Jharkhandlab.com

नियंत्रण हो सके, कच्चे माल के सही दाम मिले और अपने तैयार माल को विकसित देशों के बाजारों में बेचने के लिए बेहतर पहुंच मिले।

4) प्रथम विश्वयुद्ध यूरोप में लड़ा गया था, परंतु उसके प्रभाव पूरे विश्व में अनुभव किए गए। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- क) विश्वयुद्ध- प्रथम विश्वयुद्ध अपने पूर्ववर्ती युद्ध से पूर्णता भिन्न था। इस लड़ाई में विश्व के अग्रणी औद्योगिक देश परस्पर जूझ रहे थे और शत्रुओं को तबाह करने के लिए उनके पास असीम आधुनिक औद्योगिक शक्ति इकट्ठा हो चुकी थी।

ख) आधुनिक औद्योगिक युद्ध- यह पहला आधुनिक औद्योगिक युद्ध था । इसमें मशीनगनों ,टैंकों , विमानों और रासायनिक अस्त्रों का व्यापक मात्रा में उपयोग हुआ । यह सभी चीजें आधुनिक विशाल उद्योगों की देन थी।

ग) कामकाजी बल में कमी- इस महाविनाश से यूरोप में कामकाज के लायक लोगों की संख्या बहुत कम हो गई। परिवार के सदस्य कम हो जाने से परिवार के पालन- पोषण का सारा बोझ महिलाओं के कंधे पर आ गया।

घ) नयी सामाजिक व्यवस्था - युद्ध समस्त समाज तथा अर्थव्यवस्था के पुनर्गठन के लिए उत्तरदायी था । युद्ध काल में उद्योगों को युद्ध संबंधी वस्तुओं के उत्पादन के लिए पुनर्गठित किया गया। उपभोक्ता वस्तुओं में कमी हो गई । पुरुष मोर्चे पर जाने लगे तो महिलाओं को बाहर काम करने के लिए जाना पड़ा।

ड़) अमेरिका का महाशक्ति के रूप में उदय- युद्धो परांत अमेरिका विश्व की महाशक्ति बन गया । ब्रिटेन को युद्ध के लिए अमेरिकी बैंकों से भारी ऋण लेना पड़ा परिणाम स्वरूप उसका आर्थिक वर्चस्व पूर्णता स्थापित हो चुका था । अतः युद्ध ने अमेरिका को कर्जदाता देश बना दिया।

jharkhandlab.com

अध्याय - 4 औद्योगीकरण का युग

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

1) औद्योगिक क्रांति की शुरुआत सर्वप्रथम किस देश में हुई?
(a) इंग्लैंड (b) जर्मनी
(c) फ्रांस (d) अमेरिका

उत्तर- (a) इंग्लैंड

2) "डॉन ऑफ द सेंचुरी" नामक चित्र में किसका महिमामंडन है?
(a) राष्ट्रवाद (b) प्रजातंत्र
(c) औद्योगीकरण (d) संगीत

उत्तर- (c) औद्योगीकरण

3) स्पिनिंग जेनी मशीन ने किस प्रक्रिया में वृद्धि की?
(a) बुनाई (b) कताई
(c) छपाई (d) रंगाई

उत्तर-(b) कताई

4) निम्न में से किसने इंग्लैंड में कपास मिल का निर्माण किया?
(a) रिचर्ड आर्कराइट (b) जेम्स वाट
(c) मैथ्यू बोल्टन (d) न्यूकमेन

उत्तर- (a) रिचर्ड आर्क राइट

5) निम्नलिखित में से कौन गुमाश्ता से संबंधित है?
(a) व्यापारी
(b) उद्योगपति
(c) अवैतनिक नौकर
(d) कंपनी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक

उत्तर- (d) कंपनी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक

6) भारत में पुराने व्यापार के केंद्र निम्न में से कौन थे?
(a) बंबई, कोलकाता (b) दिल्ली, बंबई
(c) सूरत, हुगली (d) कर्नाटक, चेन्नई

उत्तर- (c)सूरत, हुगली

7) किस पूर्व - औपनिवेशिक बंदरगाह ने भारत को खाड़ी देशों और लाल सागर के बंदरगाहों से जोड़ा?
(a) बंबई (b) हुगली
(c) मछलीपट्टनम (d) सूरत

उत्तर- (d) सूरत

8) निम्नलिखित में से क्या गुमाश्ता का कार्य था?
(a) बुनकरों का पर्यवेक्षण करना
(b) आपूर्ति लेना
(c) कपड़े की गुणवत्ता की जांच करना
(d) उपरोक्त सभी

उत्तर- (d) उपरोक्त सभी

9) भारत में पहली कपास मिल कहां स्थापित की गई थी?
(a) कानपुर (b) बंबई
(c) अहमदाबाद (d) मद्रास

उत्तर- (b) बंबई

10) 19वीं शताब्दी के दौरान ब्रिटेन में सबसे गतिशील उद्योग कौन से थे?
(a) कपास और धातु (b) धातु और चीनी
(c) चाय और कपास (d) कपास और चीनी

उत्तर- (a) कपास और धातु

11) पहली भारतीय जूट मिल कहां स्थापित की गई थी?
(a) बंगाल (b) बंबई
(c) मद्रास (d) बिहार

उत्तर- (a) बंगाल

12) शुरुआती कारखाने कहां और कब आए?
(a) इंग्लैंड में 18वीं शताब्दी की शुरुआत में
(b) 1730 के दशक में इंग्लैंड में
(c) यूरोप में 18वीं शताब्दी के अंत में
(d) 17 वीं शताब्दी में भारत में

उत्तर- (b) 1730 के दशक में इंग्लैंड में

13) निम्न में से कौन औद्योगिक क्रांति का कारण नहीं था?
(a) राजकीय संरक्षण (b) कृषि क्रांति
(c) वैज्ञानिक आविष्कार (d) धर्म सुधार आंदोलन

उत्तर- (d) धर्म सुधार आंदोलन

14) कार्डिंग एक प्रक्रिया है-
(a) कताई में
(b) बुनाई में
(c) जिसमें कपास या उनके रेशे को कताई के लिए तैयार किया जाता है।
(d) जिसमें कपड़े की फीनिसिंग की जाती है।

उत्तर- (c) जिसमें कपास या उनके रेशे को कताई के लिए तैयार किया जाता है।

15) विश्व का सबसे बड़ा उद्योग कौन सा है?
(a) लौह - इस्पात उद्योग (b) सूती वस्त्र उद्योग
(c) रसायन उद्योग (d) चीनी उद्योग

उत्तर- (a) लौह - इस्पात उद्योग

16) बंबई में पहली कपड़ा मिल कब स्थापित हुई?
(a) 1716 ईस्वी में (b) 1854 ईस्वी में
(c) 1955 ईस्वी में (d) 1756 ईस्वी में

उत्तर- (b) 1854 ईस्वी में

17) इंग्लैंड में महिलाएं किस मशीन का विरोध कर रही थी?
(a) स्पिनिंग जेनी (b) फ्लाइंग शटल
(c) स्टीम इंजन (d) भाप इंजन

उत्तर- (a) स्पिनिंग जेनी

18) निम्न में से किसने 1917 में कोलकाता में पहली भारतीय जूट मिल स्थापित की?
(a) जमशेदजी टाटा (b) सेठ हुकुमचंद
(c) जीडी बिरला (d) द्वारकानाथ टैगोर

उत्तर- (b) सेठ हुकुमचंद

Jharkhandlab.com

19) **कोस्टीस कौन थे?**
(a) किसान (b) भूमिहीन मजदूर
(c) बुनकरों का एक समुदाय (d) उद्योगपति
उत्तर- (c) बुनकरों का एक समुदाय

20) **यूरोपीय देशों में किस देश के बने कपड़ों की अत्याधिक मांग थी?**
(a) अमेरिका (b) चीन
(c) रूस (d) भारत
उत्तर- (d) भारत

21) **इंग्लैंड का कौन- सा शहर फिनीशिंग सेंटर के रूप में विकसित हुआ?**
(a) लंदन (b) आईलैंड
(c) हेंपशायर (d) वरमोंट
उत्तर- (a) लंदन

22) **किस मशीन के आने से बुनकरों को बड़े करघे चलाने और चौड़े अरज का कपड़ा बनाने में मदद मिली?**
(a) भांप इंजन (b) स्पिनिंग जेनी
(c) फ्लाई शटल (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (c) फ्लाई शटल

23) **स्पिनिंग जेनी मशीन का आविष्कार किसने किया?**
(a) जेम्स हरग्रीव्स (b) रिचर्ड आर्कराइट
(c) जेम्स वाट (d) निकल्सन
उत्तर - (a) जेम्स हरग्रीव्स

24) **ब्रिटेन के सबसे प्रमुख उद्योग थे -**
(a) धातु और रेशम (b) कपास और धातु
(c) चाय और रेशम (d) कपास और मसाले
उत्तर - (b) कपास और धातु

25) **भारत का पहला लौह एवं इस्पात संयंत्र स्थापित किया गया-**
(a) कोलकाता (b) मुंबई
(c) मद्रास (d) जमशेदपुर
उत्तर - (d) जमशेदपुर

26) **निम्नांकित में से किस स्थान पर 1874 में पहली कताई और बुनाई मिल खुली थी?**
(a) कानपुर (b) मद्रास
(c) बंबई (d) अहमदाबाद
उत्तर - (b) मद्रास

27) **निम्नांकित में से कौन से भारत के पूर्व औपनिवेशिक बंदरगाह थे?**
(a) सूरत और मछलीपट्टनम (b) मद्रास और हुगली
(c) मद्रास और बंबई (d) बंबई और हुगली
उत्तर- (a) सूरत और मछलीपट्टनम

28) **निम्न में से कौन नए युग का प्रतीक था?**
(a) लोहा (b) धातु
(c) कपास (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर - (c) कपास

29) **द्वारकानाथ टैगोर थे-**
(a) चित्रकार (b) लेखक
(c) कवि (d) उद्योगपति
उत्तर- (d) उद्योगपति

30) **निम्न में से किसके माध्यम से स्वदेशी का राष्ट्रवादी संदेश प्रसारित किया गया था?**
(a) मूल्य सूची (b) विज्ञापन
(c) लोकगीत (d) समाचार पत्रों
उत्तर - (b) विज्ञापन

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न–

1) **औद्योगीकरण का युग किसे कहते हैं?**
उत्तर- जिस युग में हस्त निर्मित वस्तुएं बनाना कम हुई और फैक्ट्री मशीन एवं तकनीक का विकास हुआ, उसे औद्योगीकरण का युग कहा जाता है। इसमें खेतिहर समाज औद्योगिक समाज में बदल गई ।1760 से 1840 तक के युग को औद्योगीकरण युग कहा जाता है।

2) **पूर्व औद्योगीकरण किसे कहते हैं?**
उत्तर- यूरोप में औद्योगीकरण के पहले के काल को पूर्व औद्योगीकरण का काल कहते हैं, दूसरे शब्दों में कहा जाए तो यूरोप में सबसे पहले कारखाने लगने के पहले के काल को पूर्व औद्योगीकरण का काल कहते हैं, इस अवधि में गांव में सामान बनते थे, जिसे शहर के व्यापारी खरीदते थे।

3) **स्टीम इंजन का आविष्कार किसने किया और किस ने इस पर सुधार किया?**
उत्तर- पहले स्टीम इंजन का आविष्कार न्यू कॉमेन ने किया और जेम्स वाट ने न्यूकामेन द्वारा उत्पादित स्टीम इंजन में सुधार किया।

4) **स्टेप्लर्स और फुलर्ज किसे कहा जाता है?**
उत्तर- स्टेप्लर्स या स्टेपल यह ऊन को उसके फाइबर के अनुसार काटता है , और फुलर्ज फुल या प्लांटिंग करके कपड़ा इकट्ठा करता है।

5) **हम यह कैसे कह सकते हैं, कि कारखाने प्रणाली का पहला प्रतीक कपास था?**
उत्तर - क) 18 वीं शताब्दी के अंत में कपास का उत्पादन तेजी से बढ़ा।

ख) 1760 में ब्रिटेन अपने कपास उद्योग के लिए 2.5 मिलियन पाउंड कच्चे कपास का आयात कर रहा था।

ग) 1787 तक इसका आयात 22 मिलियन पाउंड तक बढ़ गया। अतः हम कह सकते हैं, कि कारखाने प्रणाली का पहला प्रतीक कपास था।

6) **बुनाई उद्योग का अंततः 19वीं शताब्दी के अंत तक पतन हो गया , कोई एक कारण बताएं।**
उत्तर- बुनाई उद्योग का अंतः 19वीं शताब्दी के अंत तक पतन हो गया , क्योंकि भारतीय कारखाने आ जाने और मशीन से बने सामानों से बाजार पट गया, जिससे बुनाई उद्योग को नुकसान हुआ।

7) **कार्डिंग क्या है?**
उत्तर- कार्डिंग एक प्रक्रिया है, जिसमें कपास या ऊन आदि रेशों को कताई के लिए तैयार किया जाता है।

8) **स्पिनिंग जेनी क्या है?**
उत्तर- स्पिनिंग जेनी जेम्स हरग्रीव्स द्वारा 1764 में बनाई गई एक मशीन है । इस मशीन ने कताई की प्रक्रिया तेज कर दी और मजदूरों की

JharkhandJab.com

मांग घटा दी। एक ही पहिया घुमाने वाला एक मजदूर बहुत सारी तकलियो को घुमा देता था और एक साथ कई धागे बनने लगते थे।

9) औद्योगीकरण की शुरुआत कब और कहां हुई?

उत्तर - औद्योगीकरण की शुरुआत सर्वप्रथम इंग्लैंड में 1730 के दशक में हुई, जब वहां कारखानों का उदय हुआ।

10) 1840 के दशक के बाद शहरों में रोजगार के अवसरों में वृद्धि हुई । कैसे?

उत्तर- 1840 के दशक के बाद शहरों में निर्माण की गतिविधियां तेजी से बढ़ी, लोगों के लिए नए रोजगार पैदा हुए। सड़कों को चौड़ा किया गया, नए रेलवे स्टेशन बने, रेलवे लाइनों का विस्तार किया गया, सुरंग बनाई गई, निकासी और सीवर व्यवस्था बिछाई गई, नदियों के तटबंध बनाए गए। इस प्रकार 1840 के दशक के बाद रोजगार के अवसरों में वृद्धि हुई।

11) औद्योगिक क्रांति से आप क्या समझते हैं?

उत्तर - 18 वीं शताब्दी के **उत्तर**ार्ध में उत्पादन की तकनीक एवं संगठन में हुए व्यापक और क्रांतिकारी परिवर्तन को औद्योगिक क्रांति के नाम से जाना जाता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न –

1) ब्रिटेन की महिला कामगारों ने स्पिनिंग जेनी मशीनों पर हमले किए, व्याख्या करें।

उत्तर- 1764 में जेम्स हरग्रीव्स ने स्पिनिंग जेनी नामक मशीन का आविष्कार किया इस मशीन ने कताई की प्रक्रिया तेज कर दी।

स्पिनिंग जेनी मशीन के आ जाने से मजदूरों की मांग घट गई । एक ही पहिया घुमाने वाला एक मजदूर बहुत सारी तकलियो को घुमा देता था और एक साथ कई धागे बनने लगते थे ,जब इन मशीनों का प्रयोग शुरू हुआ तो हाथ से ऊन कातने वाली औरतें इस तरह की मशीनों पर हमला करने लगी, क्योंकि इस मशीन की वजह से उनका काम छिन गया था, इस मशीन की वजह से शारीरिक श्रम की मांग घटने के कारण बहुत सी महिलाएं बेरोजगार हो गई थी। उनके सामने रोजी-रोटी की समस्या आ खड़ी हुई थी, इसलिए उन्होंने स्पिनिंग जेनी के प्रयोग का विरोध किया।

2) 1 7 वीं शताब्दी में यूरोपीय शहरों के सौदागर गांवों में किसानों और कारीगरों से काम करवाने लगे । व्याख्या करें।

उत्तर– 17 वी शताब्दी में यूरोपीय शहरों के सौदागर गांव में किसानों और कारीगरों से काम करवाने लगे–

क) 17 वी तथा 18 वीं शताब्दी के समय विश्व व्यापार के विस्तार और दुनिया के विभिन्न भागों में वस्तुओं की बढ़ती मांग के कारण यूरोपीय शहरी सौदागरों ने ग्रामीण क्षेत्रों का रुख किया।

ख) शहरों में दस्तकारी और व्यापारिक गिल्डस के ताकतवर होने के कारण वे शहरों में रहते हुए अपने उत्पादन नहीं बढ़ा सकते थे।

ग) जबकि गांव में कॉमन्स की स्थापना के कारण गरीब व छोटे किसान अपनी आमदनी के नए स्रोत ढूंढ रहे थे। जब इन सौदागरों ने उन्हें माल तैयार करने के लिए पेशगी की रकम दी तो ये काम करने के लिए फौरन तैयार हो गए।

घ) ग्रामीण दस्तकार सौदागर उनके लिए काम करते हुए अपने खेतों को भी संभाल सकते थे इससे कुटीर उद्योग को बल मिला।

3) सूरत बंदरगाह 18 वीं सदी के अंत तक हाशिए पर पहुंच गया था । व्याख्या करें।

उत्तर- 18 वीं सदी के अंत से पूर्व तक गुजरात का सूरत बंदरगाह भारत खाड़ी तथा लाल सागर बंदरगाहों से जुड़ा हुआ था । 1750 के दशक के पश्चात इस बंदरगाह पर भारतीय सौदागरों का नियंत्रण ढीला पड़ता गया । जिसके कारण भारत में यूरोपीय कंपनियों के प्रभाव में निरंतर वृद्धि होती जा रही थी । यूरोपीय कंपनियों द्वारा व्यापार पर इजारेदारी अधिकार हासिल कर लेने से सूरत व हुगली दोनों बंदरगाह कमजोर पड़ गए , जिससे इन पर होने वाले व्यापार में नाटकीय ढंग से कमी आई। 1740 के दशक में इस बंदरगाह पर होने वाला व्यापार 1.6 करोड़ रुपए से गिरकर केवल 30 लाख रह गया । दूसरी और बंबई नए बंदरगाह के रूप में उभर आए थे।

अतः सूरत बंदरगाह 18 वीं सदी के अंत तक हाशिए पर पहुंच गया था।

4) ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत में बुनकरों पर निगरानी रखने के लिए गुमाश्तों को नियुक्त किया था । व्याख्या करें।

उत्तर- 1764 के युद्ध के बाद जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने

भारत पर राजनैतिक सत्ता स्थापित कर ली, तब कंपनी ने व्यापार पर एकाधिकार कायम करने के लिए उससे सीधा संबंध स्थापित करना चाहा उसके लिए उसने गुमाश्ता की नियुक्ति की।

इन गुमाश्तों को अनेक प्रकार के काम सौंपा गए-

क) कंपनी ने सर्वप्रथम बुनकरों को सक्रिय व्यापारियों व दलालों से मुक्त करवाने के लिए, इन पर निगरानी रखने, माल इकट्ठा करने और कपड़ों की गुणवत्ता जांचने के लिए वेतन भोगी कर्मचारी नियुक्त किए , जिन्हें गुमाश्ता कहा गया।

ख) यह गुमाश्ते बुनकरों को कर्ज देते थे ताकि वे किसी और व्यापारी को अपना माल तैयार करके ना दे सके।

ग) गुमाश्ते ही बुनकरों से तैयार माल को इकट्ठा कर कंपनी तक पहुंचाते थे।

5) आदि - औद्योगीकरण का मतलब बताएं।

उत्तर- आदि औद्योगीकरण का इतिहास प्रारंभिक फैक्ट्रियों की स्थापना से शुरू होता है। इंग्लैंड और यूरोप में फैक्ट्रियों की स्थापना से भी पहले ही अंतर्राष्ट्रीय बाजार के लिए बड़े पैमाने पर औद्योगिक उत्पादन होने लगा था। यह उत्पादन फैक्ट्रियों में नहीं बल्कि घरों में होता था। बहुत सारे इतिहासकार औद्योगीकरण के इस चरण को पूर्व औद्योगीकरण कहते हैं । इस पूर्व औद्योगीकरण की अवस्था में व्यवसायिक आदान-प्रदान होता था। इस पर सौदागरों का नियंत्रण था और चीजों का उत्पादन कारखानों की बजाए घरों पर होता था । उत्पादन के प्रत्येक चरण में प्रत्येक सौदागर 20 - 25 मजदूरों से काम करवाते थे। इस प्रकार औद्योगीकरण से पहले फैक्ट्रियों के स्थापना से पहले के उत्पादन कार्य को आदि औद्योगीकरण कहा जाता था।

6) मैनचेस्टर में बने कपड़े के आयात से भारत पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर- मैनचेस्टर में बने कपड़े के आयात से भारत पर बड़ा गहरा प्रभाव पड़ा –

क) इस आयात से भारतीय कपड़ा उद्योग को बड़ी हानि हुई, क्योंकि अब भारतीय कपड़े के उपभोक्ता बहुत कम रह गए क्योंकि मैनचेस्टर का कपड़ा सस्ता और चमकदार होता था।

ख) इससे भारत के बहुत से बुनकर बेकार हो गए जिन्हें आसपास के नगरों में जाकर मजदूरी का काम करना पड़ा ।

ग) भारतीय बाजार मैनचेस्टर में बने कपड़ों से भर गए जिससे यहां के भारतीय व्यापारियों को बड़ा नुकसान हुआ।

jharkhandlab.com

7) जॉबर किसे कहते हैं?

उत्तर - मिलों की संख्या बढ़ने के साथ मजदूरों की मांग भी बढ़ रही थी और रोजगार चाहने वालों की संख्या रोजगार के मुकाबले हमेशा अधिक रहने के कारण नौकरी पाना कठिन था। मिलों में प्रवेश भी निषेध था। उद्योगपतियों द्वारा नए मजदूरों की भर्ती के लिए प्रायः एक जॉबर रखते थे । जॉबर प्रायः कोई पुराना और विश्वस्त कर्मचारी होता था, वह अपने गांव से लोगों को लाता था, उन्हें काम का भरोसा देता था, उन्हें शहर में बसने के लिए सहायता करता था और मुसीबत में आर्थिक सहायता भी करता था इस प्रकार जॉबर शक्तिशाली और मजबूत व्यक्ति बन गया था । बाद में जॉबर मदद के बदले पैसे व उपहार मांगने लगे और मजदूरों के जीवन को नियंत्रित करने लगे।

8) भारत में कारखानों के विकास पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उत्तर - भारत में सबसे पहले कपास और पटसन के कारखानों की स्थापना हुई पहली कपड़ा मिल 1854 में बंबई में स्थापित हुई । 1864 में इनकी संख्या 4 हो गई । कपड़ा मिल के बाद 1855 में बंगाल में पटसन मिल स्थापित हुई।

1862 में बंगाल में ही एक और पटसन मिल स्थापित की गई **उत्तरी** भारत में 1 8 60 के दशक में कानपुर में एल्गिन मिल प्रारंभ हुई और 1 वर्ष बाद अहमदाबाद में प्रथम कपड़ा मिल लगाई गई 18 74 तक मद्रास की पहली कताई तथा बुनाई मिल ने उत्पादन शुरू कर दिया।

9) बीसवीं सदी में हथकरघे के कपड़े का उत्पादन बढ़कर 1900 और 1940 के बीच तिगुना हो गया था। कारण बताएं।

उत्तर- क) हथकरघा उत्पादकों ने नई प्रौद्योगिकी का प्रयोग किया , जिससे उत्पादन में सुधार हुआ परंतु मूल लागत में कोई वृद्धि भी नहीं हुई।

ख) बीसवीं सदी के दूसरे दशक तक आते-आते अधिकतर बुनकरों को फ्लाई शटल वाले करघो का प्रयोग करते देखा जा सकता है, इससे प्रति व्यक्ति उत्पादकता बढ़ी ,उत्पादन बढ़ा और श्रम की मांग में कमी आई। 1941 तक भारत में 35% से अधिक हथकरघो में फ्लाई शटल लगे होते थे। त्रावणकोर, मद्रास , मैसूर, कोचीन, बंगाल आदि क्षेत्रों में तो ऐसे करघे 70-80% तक थे।

10) पेशगी की प्रणाली बुनकरों के लिए हानिकारक क्यों सिद्ध हुई?

उत्तर- क) बुनकरों के पास मोलभाव करने का अवसर नहीं बचा था।

ख) अधिकतर बुनकरों ने अपनी जमीन बटाई पर दे दी और वे सारा समय बुनाई में ही लगाते थे ,इस बुनकर कार्य में उनका पूरा परिवार ही लगा रहता था।

ग) अपनी जमीन खोने के बाद अधिकतर बुनकर खाद्यान्न की आपूर्ति के लिए दूसरों पर निर्भर हो गए।

घ) नए गुमाश्ता बाहरी लोग थे और उनके ग्रामीणों से कोई सामाजिक संपर्क नहीं थे, अतः वह आक्रमक होकर काम कराते, पुलिस के साथ गांव में घूमते और आपूर्ति में देरी के लिए बुनकरों को दंड देते थे।

11) बाजार में श्रम की बहुतायत से मजदूरों की जिंदगी कैसे प्रभावित हुई?

उत्तर- बाजार में श्रम की बहुतायत से मजदूरों की जिंदगी कई तरह से प्रभावित हुई –

क) कुल मिलाकर मजदूरों का जीवन बड़ा कष्टमय और दयनीय था।

ख) श्रम की बहुतायत की वजह से नौकरियों की भारी कमी थी।

ग) नौकरी मिलने की संभावना यारी दोस्ती कुनबे कुटुंब के जरिए जान पहचान पर निर्भर करती थी।

घ) बहुत सारी उद्योगों में मौसमी काम की वजह से कामगारों को बीच-बीच में बहुत समय तक खाली बैठना पड़ता था।

ड़) मजदूरों की आय की वास्तविक मूल्य में भारी कमी हो गई थी, जिससे गरीबी बढ़ रही थी।

12) मशीनी युग से पहले भारत का व्यापार कैसा था?

उत्तर- मशीनी युग से पहले भारतीय उद्योग काफी फल-फूल रहे थे–

क) अंतर्राष्ट्रीय कपड़ा बाजार में भारत के रेशमी और सूती उत्पादों का दबदबा था।

ख) उच्च किस्म का कपड़ा भारत से आर्मी नियन और फारसी सौदागर पंजाब से अफगानिस्तान, पूर्वी भारत और मध्य एशिया लेकर जाते थे।

ग) विभिन्न प्रकार के भारतीय व्यापारी तथा बैंकर इस व्यापार नेटवर्क में शामिल थे।

घ) सूरत, हुगली और मछलीपट्टनम प्रमुख बंदरगाह होते थे।

ड़) दो प्रकार के व्यापारी इस उद्योग में लगे थे। एक आपूर्ति सौदागर तथा दूसरा निर्यात सौदागर।

च) बंदरगाहों पर बड़े जहाज मालिक तथा निर्यात व्यापारी दलाल के साथ कीमत पर मोलभाव करते थे और आपूर्ति सौदागर से माल खरीद लेते थे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1) पहले विश्व युद्ध के समय भारत का औद्योगिक उत्पादन क्यों बढ़ा ?

अथवा

भारतीय उद्योगों पर प्रथम विश्वयुद्ध के प्रभावों की चर्चा करें।

उत्तर - पहले विश्व युद्ध के समय भारत के औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि हुई, जिसके कई कारण थे –

क) प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटेन ऐसे उलझ गया कि उसका ध्यान अपने बचाव में लग गया । अब वह भारत में अपने माल को निर्यात ना कर सका ,जिसके कारण भारत के उद्योगों को पनपने का सुअवसर प्राप्त हो गया।

ख) इंग्लैंड के सब कारखाने निर्यात की विभिन्न चीजें बनाने की बजाय सैनिक सामग्री बनाने में लग गए, इसलिए भारतीय उद्योगों को रातों-रात एक विशाल देसी बाजार मिल गया।

ग) एक विशाल देसी बाजार मिलने के अतिरिक्त भारतीय उद्योगों को जब सरकार द्वारा भी अनेक चीजें जैसे - फौज के लिए वर्दियां ,बूट आदि बनाने, टेंट बनाने घोड़ों के लिए अनेक प्रकार का सामान बनाने आदि के आर्डर मिल गए ,तो उन में नई जान आ गई जैसे - जैसे युद्ध आगे बढ़ता गया, भारतीय उद्योग भी प्रगति करते गए।

घ) पुरानी कारखानों के साथ-साथ बहुत सारे नए कारखाने खुल गए । जिससे उद्योगपतियों को ही नहीं वरन मजदूरों और कारीगरों की भी चांदी हो गई।

ड़) प्रथम विश्वयुद्ध में ब्रिटिश सरकार को फंसा देखकर भारतीय नेताओं ने स्वदेशी पर अधिक बल देना शुरू कर दिया।

Jharkhandlab.com

2) 19वीं सदी के यूरोप में कुछ उद्योगपति मशीनों की बजाए हाथ से काम करने वाले श्रमिकों को प्राथमिकता क्यों देते थे?

उत्तर - 19वीं सदी के यूरोप में कुछ उद्योगपति मशीनों की बजाए हाथ से काम करने वाले श्रमिकों को ज्यादा प्राथमिकता देते थे, इसके निम्नलिखित कारण थे –

क) विक्टोरिया कालीन ब्रिटेन में मानव श्रम की कोई कमी नहीं थी। इस दौरान ब्रिटेन में गरीब किसान तथा बेरोजगार लोग कामकाज की तलाश में बड़ी संख्या में शहरों को जाते थे।

ख) सस्ते श्रमिक उपलब्ध होने पर मशीनों की बजाय मानव श्रम को प्राथमिकता दी जाती थी।

ग) कुछ उद्योगपति बड़ी मशीनों पर भारी खर्चा करने से हिचकिचाते थे, क्योंकि मशीनें लगाने से यह जरूरी नहीं था, कि उनको ऐसा करने से लाभ होगा।

घ) कई उद्योग ऐसे थे जहां श्रमिकों की मांग मौसमी आधार पर घटती बढ़ती रहती थी जैसे- गैसघरो, शराबखानों, बंदरगाहों में, जहाजों की मरम्मत और साफ-सफाई ऐसे उद्योगों में उद्योगपति मशीनों की बजाय मजदूरों को ही काम पर रखना पसंद करते थे।

ड़) कुछ उत्पाद जो मशीनों की बजाय केवल हाथ से ही तैयार किए जा सकते थे ऐसे उद्योगों में मजदूरों का प्रयोग अपरिहार्य था।

च) विक्टोरिया कालीन ब्रिटेन में कुलीन और पूंजीपति वर्ग हाथ से तैयार की गई वस्तुओं को ही ज्यादा पसंद करते थे। इस कारण से भी कुछ उद्योगपति मशीनों की बजाए हाथ से काम करने वाले श्रमिकों को ज्यादा महत्व देते थे।

3) ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारतीय बुनकरों से सूती और रेशमी कपड़े की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए क्या किया?

उत्तर - ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारतीय बुनकरों से सूती और रेशमी कपड़े की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए –

क) निर्यात व्यापार में बहुत सारे भारतीय व्यापारी और बैंकर की भूमिका सराहनीय थी।

ख) कंपनी ने बुनकरों से माल तैयार करवाने, बुनकरों को माल उपलब्ध कराने और कपड़ों की गुणवत्ता जांचने के लिए वेतन भोगी कर्मचारी नियुक्त किए, जिन्हें गुमाश्ता कहा जाता था।

ग) कंपनी बुनकरों को कच्चा माल खरीदने के लिए कर्ज उपलब्ध कराने लगी।

घ) कंपनी को माल बेचने वाले बुनकरों को अन्य खरीदारों के साथ कारोबार करने पर पाबंदी लगा दी, इसके लिए उन्हें पेशगी की रकम दी जाती थी।

ड़) महीन कपड़े की मांग बढ़ने के साथ बुनकरों को अधिक कर्ज़ दिया जाने लगा, ज्यादा कमाई की आस में बुनकर पेशगी स्वीकार कर लेते थे।

च) भारत में बने कपड़े को हासिल करने के लिए कंपनी ने अपने अन्य यूरोपीय प्रतिद्वंद्वियों जैसे - फ्रांसीसी, डच और पुर्तगालियों को प्रतियोगिता से बाहर करने की नीति अपनाई।

छ) कंपनी ने प्रतिस्पर्धा समाप्त करने, लागतों पर अंकुश रखने और कपास एवं रेशम से बनी चीजों के नियमित आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए प्रबंधन और नियंत्रण की एक नई व्यवस्था लागू कर दी।

4) "औद्योगीकरण एक मिश्रित वरदान था" उदाहरण देकर स्पष्ट करें।

उत्तर- औद्योगीकरण के सकारात्मक प्रभाव-

क) सस्ती वस्तुएं - मशीनों द्वारा बनी वस्तु सस्ती व उत्तम होती थी। अतः उपनिवेशों के लोग उत्तम तथा विभिन्न प्रकार की वस्तुएं खरीद सकते थे।

ख) नए उद्यमी - औद्योगीकरण की प्रक्रिया ने भारतीय उद्यमियों को कारखानों में अवसर प्रदान किए। यद्यपि ये नए उद्यमी थे, फिर भी वे अच्छी कमाई करने लगे थे।

ग) औद्योगिक क्षेत्र का विकास - विदेशियों के आगमन से पूर्व बहुत से लोग कृषि पर लगे हुए थे, परंतु औद्योगीकरण ने उन्हें दूसरे क्षेत्रों में काम करने के अवसर प्रदान किए।

औद्योगीकरण के नकारात्मक प्रभाव -

घ) श्रमिकों का जीवन - औद्योगीकरण की प्रक्रिया अपने साथ नवोदित औद्योगिक श्रमिकों के लिए कष्ट भी लेकर आई, इनका सबसे बुरा प्रभाव बुनकरों पर पड़ा। बुनकरों पर प्रत्यक्ष नियंत्रण रखने के लिए कंपनी ने पेशगी की व्यवस्था प्रारंभ कर दी।

ड़) निर्यात बाजार का ठप होना - औद्योगीकरण से पूर्व भारतीय व्यापारी विश्व के विभिन्न देशों में अपने उत्पाद निर्यात करते थे , परंतु मशीन से बने कपड़े के आने से उनका विश्व बाजार ठप हो गया।

च) स्थानीय बाजार का सिकुड़ना - मशीन से बने कपड़े उत्तम तथा सस्ते थे। अतः निर्माता उनके साथ प्रतिस्पर्धा करने में असफल रहे, इससे विश्व बाजार के साथ-साथ उनका स्थानीय बाजार भी ठंडा पड़ने लगा।

5) विभिन्न उत्पादों के बाजारों को फैलाने में विज्ञापनों की क्या भूमिका है?

उत्तर- क) ग्राहकों को लुभाने के लिए उत्पादक कई तरीके अपनाते थे। ग्राहक को आकर्षित करने के लिए विज्ञापन एक जाना माना तरीका है

ख) मैनचेस्टर के उत्पादक अपने लेवल पर उत्पादन का स्थान जरूर दिखाते थे। मेड इन मैनचेस्टर का लेबल क्वालिटी का प्रतीक माना जाता था। इन लेबल पर सुंदर चित्र भी होते थे, इन चित्रों में अक्सर भारतीय देवी-देवताओं की तस्वीरें होती थी। स्थानीय लोगों से तारतम्य बनाने का यह एक अच्छा तरीका था।

ग) 19वीं सदी के **उत्तर**ार्द्ध तक उत्पादकों ने अपने उत्पादों को मशहूर बनाने के लिए कैलेंडर बांटने भी शुरू कर दिए थे। किसी अखबार या पत्रिका की तुलना में एक कैलेंडर की सेल्फ लाइफ लंबी होती है, यह पूरे साल तक ब्रांड रिमाइंडर का काम करता था।

घ) भारत के उत्पादक अपने विज्ञापनों में अक्सर राष्ट्रवादी संदेशों को प्रमुखता देते थे, ताकि अपने ग्राहकों से सीधे तौर पर जुड़ सकें।

Jharkhandbah.com

अध्याय - 5 मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

1) 'एक पैसिया' मैगजीन किस देश में प्रकाशित हुआ?
(a) फ्रांस (b) जर्मनी
(c) इंग्लैंड (d) रूस

उत्तर - (c) इंग्लैंड

2) मुद्रण तकनीक सबसे पहले कहां विकसित हुई?
(a) भारत (b) चीन
(c) फ्रांस (d) यूरोप

उत्तर - (b) चीन

3) भारत में पहला प्रिंटिंग प्रेस किन लोगों के द्वारा लाया गया?
(a) पुर्तगालियों द्वारा (b) डचो द्वारा
(c) फ्रांसिसीयो द्वारा (d) अंग्रेजों द्वारा

उत्तर - (a) पुर्तगालियों द्वारा

4) जापान में कब और किसके द्वारा छपाई की तकनीक लाई गई?
(a) आठवीं शताब्दी में अरब यात्रियों द्वारा
(b) चीन के बाद बौद्ध मिशनरियों ने ईसा पूर्व 768-770 के आसपास
(c) छठवीं शताब्दी में चीनी रेशम व्यापारी द्वारा
(d) आठवीं शताब्दी में मिश्रवासियो द्वारा

उत्तर - (b) चीन के बाद बौद्ध मिशनरियों ने ईसा पूर्व 768- 770 के आसपास

5) विश्व में सर्वप्रथम मुद्रण की शुरुआत कहां हुई?
(a) भारत (b) जापान
(c) चीन (d) इंग्लैंड

उत्तर- (c) चीन

6) महात्मा गांधी ने किस पत्रिका का संपादन किया?
(a) कॉमनविल (b) यंग इंडिया
(c) बंगाली (d) बिहारी

उत्तर- (b) यंग इंडिया

7) सुलेखन शब्द का अर्थ है-
(a) सुंदर छपाई की कला
(b) सुंदर हस्तकला की कला
(c) एकार्डियन की किताब छापने की कला
(d) सुंदर और शैलीवद्ध लेखन की कला

उत्तर - (d) सुंदर और शैलीवद्ध लेखन की कला

8) पांडुलिपियों का उत्पादन यूरोप में संभव हो पाया क्योंकि-
(a) यूरोपीय लोगों ने कागज की खोज की
(b) रेशम और मसालों की तरह ही कागज अरब दुनिया से होते हुए यूरोप पहुंचा।
(c) चीनी कागज रेशम और मसालों की तरह रेशम मार्ग से 11 वीं शताब्दी में यूरोप पहुंचा
(d) उपरोक्त सभी

उत्तर- (c) चीनी कागज रेशम और मसालों की तरह रेशम मार्ग से 11 वीं शताब्दी में यूरोप पहुंचा।

9) प्रिंटिंग प्रेस का आविष्कार किसने किया?
(a) गुटेनबर्ग (b) कैकसटन
(c) एम ओ हो (d) किटागावा उटामारो

उत्तर - (a) गुटेनबर्ग

10) कंपोजिटर शब्द का अर्थ है-
(a) वह व्यक्ति जो कविताओं की रचना करता है।
(b) वह व्यक्ति जो एक नाटक के लिए गीत तैयार करता है।
(c) वह व्यक्ति जो मुद्रण के लिए पाठ की रचना करता है।
(d) संगीत की रचना करने वाला व्यक्ति।

उत्तर - (c) वह व्यक्ति जो मुद्रण के लिए पाठ की रचना करता है।

11) निम्न में से "गुलामगिरी" के लेखक कौन थे ?
(a) काशी बाबा (b) श्रीनिवास दास
(c) ज्योतिबा फुले (d) चंदू मैनन

उत्तर- (c) ज्योतिबा फुले

12) वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट किस गवर्नर जनरल के समय में पारित हुआ?
(a) लॉर्ड लिटन (b) लार्ड रिपन
(c) लॉर्ड इरविन (d) लॉर्ड डलहौजी

उत्तर- (a) लॉर्ड लिटन

13) पिकविक पेपर्स उपन्यास किसने लिखा?
(a) सैमुअल रिचर्ड्सन (b) थॉमस हार्डी
(c) जॉन ऑस्टिन (d) चार्ल्स डिकेंस

उत्तर- (d) चार्ल्स डिकेंस

14) मुद्रण की सबसे पहली तकनीक किन तीन राष्ट्रों में आई थी?
(a) कोरिया, जापान, ब्रिटेन (b) चीन, कोरिया, जापान
(c) भारत, अमेरिका, चीन (d) कोरिया, चीन, फ्रांस

उत्तर - (a) चीन, कोरिया, जापान

15) जापान की सबसे पुरानी पुस्तक डायमंड सूत्र कब छपी थी?
(a) 822 ईस्वी में (b) 844 ईस्वी में
(c) 868 ईस्वी में (d) 878 ईस्वी में

उत्तर - (c) 868 ईस्वी में

16) "गीत गोविंद" की रचना किसने की थी?
(a) जयदेव (b) राजा राममोहन राय
(c) शिवानी (d) विवेकानंद

उत्तर- (a) जयदेव

17) सोलहवीं सदी में यूरोप के बाजार में कितनी मुद्रित किताबें आई?
(a) 4 करोड़ (b) 10 करोड़
(c) 15 करोड़ (d) 20 करोड़

उत्तर - (d) 20 करोड़

jharkhandlab.com

18) बंगाल गजट था-

(a) एक सप्ताहिक पत्रिका जो पहली बार एक भारतीय द्वारा संपादित किया गया था।

(b) 1780 में जेम्स हिकी द्वारा संपादित एक सप्ताहिक अंग्रेजी पत्रिका

(c) राजा राममोहन राय द्वारा पहली अंग्रेजी पत्रिका निकाली गई

(d) 1780 में जेम्स हिकी के द्वारा संपादित एक साप्ताहिक पत्रिका जिसे सभी के लिए एक वाणिज्यिक पत्र के रूप में वर्णित किया गया जो किसी से प्रभावित नहीं था।

उत्तर- (d) 1780 में जेम्स हिकी के द्वारा संपादित एक साप्ताहिक पत्रिका जिसे सभी के लिए एक वाणिज्यिक पत्र के रूप में वर्णित किया गया जो किसी से प्रभावित नहीं था।

19) पत्रिकाओं का प्रकाशन किस सदी में शुरू हुआ?

(a) 15 वीं सदी में (b) 17 वी सदी में

(c) 18 वीं सदी में (d) 19वीं सदी में

उत्तर- (c)18 वीं सदी में

20) भारत में प्रकाशित होने वाला पहला सप्ताहिक पत्र था-

(a) बांबे समाचार (b) बंगाल गजट

(c) शमसुल अकबर (d) समाचार चंडिका

उत्तर - (b) बंगाल गजट

21) 18 78 के वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट को प्रत्यारोपित किया गया था-

(a) आइरिश प्रेस कानून (b) अमेरिकन प्रेस कानून

(c) चीनी प्रेस कानून (d) जर्मन प्रेस कानून

उत्तर - (a) आयरिश प्रेस कानून

22) निम्न में से कौन एक प्रमुख विचारक था ,जिसके लेखन के बारे में कहा जाता है कि उसने फ्रांस में एक क्रांति के लिए स्थितियां बनाई थी?

(a) रूसो (b) मेनोचियो

(c) लुई सेबेस्तिएँ मर्सिए (d) गुटेनबर्ग

उत्तर - (c) लुई सेबेस्तिएँ मर्सिए

23) प्रिंट का विकास सबसे पहले कहां से शुरू हुआ?

(a) पूर्वी एशिया (b) भारत

(c) यूरोप (d) अमेरिका

उत्तर - (b) भारत

24) जापान की सबसे पुरानी मुद्रित पुस्तक का क्या नाम था?

(a) बाइबिल (b) उकियाओ

(c) कुरान (d) डायमंड सूत्र

उत्तर - (d) डायमंड सूत्र

25) निम्न में से कौन रशसुंदरी देवी की आत्मकथा है?

(a)आमार जीबन (b)आमार ज्योति

(c)आमार जवान (d)आमार जिंदगी

उत्तर - (a) आमार जीबन

26) चीन में किताबे कैसे छपी?

(a) मुहरो द्वारा मुद्रण

(b) कागज को रगड़ कर लकड़ी के गोले की स्याही वाली सतह के खिलाफ

(c) मशीन की छपाई

(d) जंग मुद्रण

उत्तर - (c) मशीन की छपाई

27) राजा राममोहन राय ने 1821 में कौन सा सप्ताहिक समाचार पत्र निकालना शुरू किया?

(a) संवाद कौमुदी (b) आमार जवान

(c) बॉम्बे समाचार (d) बंगाल गजट

उत्तर - (a) संवाद कौमुदी

28) वेलम क्या है

(a) पांडुलिपि (b) ताम्रपत्र

(c) धातुई फ्रेम (d) चर्म पत्र

उत्तर - (d) चर्म पत्र

29) गैली क्या है?

(a) पांडुलिपि (b) ताम्रपत्र

(c) धातुई फ्रेम (d) चर्म पत्र

उत्तर - (c) धातुई फ्रेम

30) वुडब्लॉक के खिलाफ रगड़ पेपर की कला का आविष्कार कहां किया गया था?

(a) भारत (b) चीन

(c) कोरिया (d) जापान

उत्तर - (b) चीन

31) योहान गुटेनबर्ग द्वारा छापी गई पहली पुस्तक का नाम क्या था?

(a) बाइबिल (b) डायमंड सूत्र

(c) यूकीयो (d) कुरान

उत्तर - (a) बाइबिल

32) भारत में प्रेस का जनक किसे कहा जाता है?

(a) राजा राममोहन राय (b) हिकी

(c) इरास्मुस (d) गोविंद मोहन

उत्तर - (b)हिकी

33) किसने कहा था "मुद्रण ईश्वर की दी हुई महानतम देन है सबसे बड़ा तोहफा"।

(a) चार्ल्स डिकेंस (b) जेवी शैली

(c) महात्मा गांधी (d) मार्टिन लूथर

उत्तर - (d) मार्टिन लूथर

34) किसने कहा था "छापाखाना प्रगति का सबसे ताकतवर औजार है, इससे बन रही जनमत की आंधी में निरंकुशवाद उड़ जाएगा"।

(a) लुई सेबेस्तिएँ मर्सिए (b) महात्मा गांधी

(c) मार्टिन लूथर (d) चार्ल्स डिकेंस

उत्तर- (a) लुई सेबेस्तिएँ मर्सिए

Jharkhandlab.com

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1) योहान गुटेनबर्ग कौन था?

उत्तर- योहान गुटेनबर्ग जर्मनी का एक बड़ा आविष्कारक था। जिसने 1848 ईस्वी में प्रिंटिंग प्रेस का आविष्कार किया।

2) गुटेनबर्ग ने पहली पुस्तक कौन सी छापी?

उत्तर- गुटेनबर्ग ने पहली पुस्तक बाइबिल प्रकाशित की। गुटेनबर्ग ने बाइबल की 180 प्रतियां छापी थी।

3) प्लाटेन क्या है?

उत्तर- लेटरप्रेस छपाई में प्लाटेन एक बोर्ड होता है, जिसे कागज के पीछे दबाकर टाइप की छाप ली जाती थी पहले यह बोर्ड काठ पर होता था, बाद में यह इस्पात का बनने लगा।

4) धर्म सुधार आंदोलन से क्या समझते हैं?

उत्तर- यूरोप में धर्म सुधार आंदोलन के कारण नवीन प्रोटेस्टेंट धर्म के प्रसार से चिंतित होकर कैथोलिक धर्म के अनुयायियों ने कैथोलिक चर्च वा पोप शाही की शक्ति व अधिकारों को सुरक्षित करने और उनकी सत्ता को पुनः सुदृढ़ बनाने के लिए कैथोलिक चर्च और पोप के कार्यों में अनेक सुधार किए जिससे धर्म सुधार आंदोलन कहा जाता है।

5) फारसी में 19वीं शताब्दी में छपने वाले दो समाचार पत्रों के नाम लिखें।

उत्तर- क) जाम -ए - जहाँनामा ख) शम्सुलअखबार

6) राजा राममोहन राय द्वारा प्रकाशित दो समाचार पत्र कौन से थे?

उत्तर- राजा राममोहन राय ने दो समाचार पत्र संवाद कौमुदी(बांग्ला) तथा मिरातुलअकबर (फारसी) प्रकाशित किए। यह पत्र सामाजिक सुधारों का प्रचार करते थे।

7) बाल गंगाधर द्वारा प्रकाशित दो पत्रिका कौन से थे?

उत्तर- बाल गंगाधर द्वारा सप्ताहिक पत्रिका "केसरी" मराठी में प्रकाशित की गई और दूसरी पत्रिका "मराठा" इंग्लिश में प्रकाशित की गई।

8) मार्टिन लूथर कौन था?

उत्तर- मार्टिन लूथर जर्मनी का एक महान धर्म सुधारक था। जिसने रोमन कैथोलिक धर्म का विरोध कर उनमें सुधार लाने के लिए धर्म सुधार आंदोलन चलाया।

9) कातिब किसे कहते हैं?

उत्तर- हाथ से लिख कर पांडुलिपियों को तैयार करने वाले को कातिब या सुलेखक कहा जाता था।

10) शिलिंग सीरीज क्या थी?

उत्तर- शिलिंग सीरीज वे पुस्तके थी जो सस्ती थी और जो 1920 के दशक में छापी गई ,जिसे लोग आसानी से इन पुस्तकों को खरीद कर पढ़ सकते थे।

11) प्रेस की भूमिका बताएं।

उत्तर- प्रेस एक सशक्त माध्यम है जो समाज को एकजुट रख सकता है यह देश के एक भाग में होने वाली गतिविधियों को दूसरे भाग की गतिविधियों से जोड़ता है।

12) मुद्रण क्या है?

उत्तर- मुद्रण का अर्थ है- छापने की कला इसमें किताबें, पत्र -पत्रिकाएं, अखबार, मशहूर तस्वीरों की नकले सरकारी सूचनाएं ,कैलेंडर, डायरी, विज्ञापनों आदि की छपाई शामिल है।

13) कितागावा उतामारो कौन था?

उत्तर- कितागावा उतामारो 1753 ईस्वी में एदो (जापान) में पैदा हुए थे, जिन्होंने उकियो (तैरती दुनिया का चित्र) नामक एक नई चित्रकला शैली में अहम योगदान दिया। जिनमें आम शहरी जीवन का चित्रण किया गया था।

14) मुद्रण की सबसे पहली तकनीक कहां विकसित हुई?

उत्तर- मुद्रण की सबसे पहली तकनीक चीन, जापान और कोरिया में विकसित हुई। 594 ईसवी से चीन में स्याही लगे काठ के ब्लॉक या तख्ती पर कागज को रगड़ कर किताबें छापी जाने लगी।

15) यूरोप में मुद्रण कैसे आयी?

उत्तर- यूरोप में मुद्रण का आगमन इटली के यात्री मार्कोपोलो के द्वारा हुआ था। जो कई साल तक चीन में रहने के बाद सन 1295 ईस्वी में इटली लौटा। पहले यह कला इटली में और बाद में सारे यूरोप में फैल गई।

16) चैप बुक क्या थी ?

उत्तर- चैप बुक शब्द पॉकेट बुक के आकार की किताबों के लिए प्रयोग किया जाता था। इन्हें आम तौर पर फेरीवाले बेचते थे।यह 16वी शताब्दी की मुद्रण क्रांति के समय से लोकप्रिय हुई।

17) 19वीं सदी में प्रिंटिंग प्रेस में क्या नए आविष्कार हुए?

उत्तर- क) न्यूयॉर्क के रिचर्ड एम०हो० शक्ति चालित बेलनाकार प्रेस का आविष्कार कर लिया था जिसमें प्रति घंटे 8000 सीट छप सकती थी।

ख) उन्नीसवीं सदी के अंत तक ऑफसेट प्रेस आ गया था। जिसमें एक साथ छह रंग की छपाई मुमकिन थी।

18) गीत गाथा क्या है?

उत्तर - लोकगीत या ऐतिहासिक आख्यान जिसे गाया या सुनाया जाता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न–

1) वुडब्लॉक प्रिंटिंग या तख्ती की छपाई यूरोप में 1295 के बाद आई कारण दें।

उत्तर- क) 1295 ईस्वी में मार्कोपोलो नामक महान खोजी यात्री चीन में काफी साल बिताने के बाद इटली वापस लौटा।

ख) वह चीन से वुडब्लॉक काठ की तख्ती वाली छपाई की तकनीक का ज्ञान अपने साथ लेकर आया।

ग) उसके बाद इतालवी भी तख्ती की छपाई से किताबें निकालने लगे और वह तकनीक बाकी देशों में फैल गई।

घ) 1295 तक यूरोप के कुलीन वर्ग, पादरी , भिक्षु, छपाई वाली पुस्तकों को धर्म के विरुद्ध और सस्ती मानते थे।

2) मार्टिन लूथर मुद्रण के पक्ष में था और उसने इसकी खुलेआम प्रशंसा की। कारण बताएं।

उत्तर- धर्म सुधारक मार्टिन लूथर मुद्रण के पक्ष में था, क्योंकि मुद्रण से धर्म सुधार आंदोलन के नए विचारों के प्रसार में मदद मिली। वह जानता था कि छापेखाने की तकनीक लोगों की शैक्षिक, वैज्ञानिक, ज्ञान तथा तार्किक समझ के विस्तार में सहायक सिद्ध होगी। न्यू टेस्टामेंट लूथर के अनुसार अनुवाद की 5000 प्रतियां कुछ हफ्तों में बिक गई और 3 महीने में ही दूसरा संस्करण निकालना पड़ा। मुद्रण की प्रशंसा करते हुए लूथर ने कहा "मुद्रण ईश्वर की दी हुई महानतम देन है सबसे बड़ा तोहफा।"

jharkhandlab.com

3) रोमन कैथोलिक चर्च ने 16वीं सदी के मध्य से प्रतिबंधित किताबों की सूची रखनी शुरू कर दी कारण दें।

उत्तर- छपे हुए लोकप्रिय साहित्य के बल पर कम शिक्षित लोग धर्म की अलग-अलग भाषाओं से परिचित हुए । उन किताबों के आधार पर उन्होंने बाइबल के नए अर्थ लगाने शुरू कर दिए तथा रोमन कैथोलिक चर्च की बहुत सी बातों का विरोध करने लगे। धर्म के बारे में ऐसी किताबों और चर्च पर उठाए जा रहे सवालों से परेशान रोमन चर्च ने प्रकाशकों और पुस्तक विक्रेताओं पर कई तरह की पाबंदियां लगाई और 1558 ईस्वी से प्रतिबंधित किताबों की सूची रखने लगे।

4) महात्मा गांधी ने कहा कि "स्वराज की लड़ाई दरअसल अभिव्यक्ति, प्रेस और सामूहिकता के लिए लड़ाई है" व्याख्या करें।

उत्तर- महात्मा गांधी ने स्वराज की लड़ाई को दरअसल अभिव्यक्ति , प्रेस और सामूहिकता के लिए लड़ाई कहा क्योंकि ब्रिटिश भारत की सरकार इन तीन आजादियों को दबाने की कोशिश कर रही थी। लोगों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति, पत्र-पत्रिकाओं की वास्तविकता को व्यक्त करने की आजादी और सामूहिक जनमत को बल प्रयोग व मनमानी कानूनों द्वारा दबाया जा रहा था इसलिए गांधीजी इन तीन आजादियों के लिए संघर्ष को ही स्वराज की लड़ाई कहा।

5) गुटेनबर्ग प्रेस पर टिप्पणी लिखें।

अथवा

योहान गुटेनबर्ग कौन था? मुद्रण इतिहास में उसकी भूमिका की चर्चा कीजिए।

उत्तर- योहान गुटेनबर्ग जर्मनी में एक व्यापारी का बेटा था। वह बचपन से ही तेल और जैतून पेरने की मशीनें देखते आया था बाद में उसने पत्थर पर पॉलिश करने की कला सीखी और अंत में उसने शीशे की इक्षित आकृतियों को गढ़ने में महारत हासिल कर ली । अपने इस ज्ञान और अनुभव का प्रयोग करके उसने सन 1448 में एक मशीन का आविष्कार किया इसमें एक स्क्रू से लगा एक हैंडल होता था जिसे घुमाकर प्लांटेन को गीले कागज पर दबा दिया जाता था। गुटेनबर्ग ने रोमन वर्णमाला के तमाम 26 अक्षरों के लिए टाइप बनाएं और जुगत लगाई कि उन्हें इधर-उधर घुमा कर शब्द बनाया जा सके इसे मूलवेल टाइप प्रिंटिंग मशीन के नाम से जाना गया । इस मशीन से जो पहली किताब छपी वह बाइबिल थी जिसकी 180 प्रतियां बनाने में 3 वर्ष लगे इस तरह गुटेनबर्ग प्रेस मुद्रण और छपाई के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी परिवर्तन का प्रतीक था।

6) वर्नाक्यूलर या देसी प्रेस एक्ट पर टिप्पणी लिखें।

उत्तर-

1) वर्नाक्यूलर या देसी प्रेस एक्ट 18 78 में लागू किया गया ।18 75 ईस्वी के विद्रोह के बाद ज्यों-ज्यों भाषाई समाचार पत्र राष्ट्रवाद के समर्थन में मुखर होते गए वैसे वैसे औपनिवेशिक सरकार में कड़े नियंत्रण के प्रस्ताव पर बहस तेज होने लगी और इसी का परिणाम था 1878 का वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट।

2) इस कानून से सरकार को भाषाई प्रेस में छपी रपट और संपादकीय को सेंसर करने का व्यापक अधिकार मिल गया।

3) इस एक्ट के प्रभाव से सरकार उस दौरान राष्ट्रवादी हो चुके विभिन्न अखबारों पर अपना शिकंजा कसने लगी । सरकार विरोधी समाचार छापने पर अखबारों को चेतावनी मिलने लगी और अगर चेतावनी को अनदेखा किया जाता तो छपाई करने वाली मशीनों को जब्त किया जाने लगा।

7) 17 वीं सदी तक चीन में नगरीय संस्कृति में उछाल आया तो मुद्रण के लाभ विभिन्न रूपों में सामने आए। उदाहरण देकर स्पष्ट करें।

उत्तर- मुद्रित सामग्री के उपभोक्ता सिर्फ विद्वान और अधिकारी ही नहीं रहे । व्यापारी अपने रोजमर्रा के कारोबार की जानकारी लेने के लिए मुद्रित सामग्री का प्रयोग करने लगे । पढ़ना अब एक मनोविनोद की गतिविधियां बनता जा रहा था ,पाठक काल्पनिक किस्से, कविताएं ,आत्मकथाएं ,शास्त्रीय साहित्यिक कृतियों के संकलन और रूमानी नाटक पसंद करने लगे। अमीर महिलाओं ने भी पढ़ना शुरू कर दिया और कुछ ने तो अपनी लिखी किताब , कविता और नाटक भी प्रकाशित करवाए । विद्वानों और अधिकारियों की पत्नियों ने अपना साहित्य छपवाया तथा वेश्याओं ने भी अपने जीवन के विषय में लिखना शुरू किया।

8) यूरोप में वुडब्लॉक विधि क्यों प्रचलित हुई?

अथवा

हस्तलिखित पांडुलिपियों में क्या कमियां थी?

उत्तर-

1) हस्तलिखित पांडुलिपियों से बढ़ती हुई पुस्तकों की मांग कभी भी पूरी नहीं हो सकती थी।

2) नकल उतारना बहुत खर्चीला, श्रम साध्य तथा समय लेने वाला व्यवसाय था।

3) पांडुलिपियां प्रायः नाजुक होती थी और उनके लाने ले जाने रखरखाव में बहुत सी कठिनाइयां होती थी।

4) 15 वीं सदी के प्रारंभ में यूरोप में बड़े पैमाने पर वुडब्लॉक की छपाई का प्रयोग करके ताश के पत्ते, कपड़े और छोटी-छोटी टिप्पणियों के साथ धार्मिक चित्र छापे जाते थे।

9) लुई सेबेस्तिएँ मर्सिए कौन था?

उत्तर- लुई सेबेस्तिएँ मर्सिए 18 वीं सदी का एक फ्रांसीसी नाटककार तथा उपन्यासकार था । उसने घोषणा की कि "छापाखाना प्रगति का सबसे शक्तिशाली औजार है और इससे बन रही जनमत की आंधी में निरंकुशवाद उड़ जाएगा "। उसके अधिकतर उपन्यासों में नायक प्राय पुस्तकें पढ़ने से बदल जाते हैं । ज्ञानोदय लाने और निरंकुश वादी आधार को नष्ट करने में छापेखाने की भूमिका के विषय में वे कहते हैं "हे निरंकुश वादी शासकों का कांपो लेखकों के आगे तुम हिल उठोगे कांपो।"

10) गुटेनबर्ग प्रेस के आविष्कार के बाद यूरोप में उत्पादित नयी पुस्तकों की प्रमुख विशेषताएं बताएं।

उत्तर-

क) मुद्रित पुस्तक के रूप रेखा और साज-सज्जा में हस्तलिखित पांडुलिपियों से पूर्णता मेल खाती थी।

ख) धातुई अक्षर हाथ की सजावट शैली का अनुकरण करते थे।

ग) चित्र पर प्रायः रंगीन चित्र दिए जाते थे।

घ) हाशिए पर फूल पत्तियों की डिजाइन बनाई जाती थी।

ड़) अमीरों के लिए निर्मित पुस्तकों के छपे पृष्ठों पर हाशिये की जगह बेल बूटे के लिए खाली जगह छोड़ दी जाती थी।

च) खरीदार अपनी सोच के अनुसार डिजाइन और रंग स्वयं तय करके उसे संवार सकते थे।

11) छपी किताब को लेकर इरैस्मस के विचार पर टिप्पणी लिखें।

उत्तर - छपी किताब को लेकर इरैस्मस के विचार - लातिन के विद्वान और कैथोलिक धर्म सुधारक इरैस्मस जिसने कैथोलिक धर्म की आलोचना की , पर मार्टिन लूथर से दूरी बनाकर रखी। इरैस्मस प्रिंट को लेकर बहुत परेशान थे और उसने लिखा किताबें मधु मक्खियों की तरह है दुनिया का कौन सा कोना है जहां यह नहीं पहुंच जाती । हो सकता है जहां-तहां एकाध जाने लायक चीजें भी बताएं लेकिन इनका ज्यादा हिस्सा तो विद्वता के लिए हानिकारक है इनसे बचना चाहिए। इनकी तादाद ऐसी है कि मूल्यवान साहित्य का मूल्य भी नहीं रह जाता।

sharkhandlab.com

12) 19वीं सदी में भारत में महिलाओं पर मुद्रण संस्कृति के प्रसार का क्या असर हुआ?

उत्तर- क) 19वीं सदी भारत में मुद्रण संस्कृति के प्रसार का महिलाओं पर व्यापक प्रभाव पड़ा महिलाओं के जीवन में परिवर्तन आया महिलाओं की जिंदगी और उनकी भावनाओं पर गंभीरता से पुस्तकें लिखी गई।

ख) मध्यवर्गीय घरों की महिलाएं पहले से ज्यादा पढ़ने लगी। 19वीं सदी के मध्य में छोटे-बड़े शहरों में स्कूल बने तो उदारवादी पिता और पति महिलाओं को पढ़ने के लिए भेजने लगे।

ग) कई पत्रिकाओं ने लेखिकाओं को जगह दी और उन्होंने नारी शिक्षा की जरूरत पर जोर दिया।

घ) महिलाओं में जागरूकता आई । कट्टर रूढ़िवादी परिवार की रश सुंदरी देवी ने रसोई में छिपकर पढ़ना सीखा और 'आमार जीबन' नामक आत्मकथा लिखी जो 1876 में प्रकाशित हुई।

ड़) 1860 ईस्वी के दशक में महिलाओं पर कैलाशबाशिनी देवी ने लिखा । 1880 के दशक में ताराबाई शिंदे और पंडिता रमाबाई ने उच्च जाति की महिलाओं की दयनीय स्थिति के बारे में लिखा।

च) बीसवीं सदी तक महिलाओं के लिए मुद्रित और कभी-कभी संपादित पत्रिकाएं लोकप्रिय हो गई । इस परिवर्तन के बाद महिलाएं फुर्सत के समय मनपसंद किताबें पढ़ने लगी थी।

13) 19वीं सदी में भारत में गरीब जनता पर मुद्रण संस्कृति के प्रसार का क्या असर हुआ?

उत्तर - 19वीं सदी में भारत में गरीब जनता पर मुद्रण संस्कृति का गहरा असर हुआ जो इस प्रकार है-

क) भारत के शहरों में काफी सस्ती किताबें चौक चौराहों पर बेची जाने लगी थी जिसके कारण गरीब लोग भी बाजार से उन्हें खरीदने और पढ़ने लगे।

ख) 19वीं सदी के अंत तक जाति भेद के बारे में तरह-तरह की पुस्तिकाओं और निबंधों में लिखा जाने लगा था।

ग) 19वीं सदी के उपन्यास लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का चित्रण प्रस्तुत करते थे।

घ) सस्ती पुस्तकों के प्रकाशन से गरीब पाठकों की संख्या में वृद्धि हुई।

ड़) मराठी प्रणेता ज्योतिबा फुले ने अपनी लेख गुलामगिरी में जाति प्रथा के अत्याचारों पर लिखा।

च) ऊंच-नीच, जाति प्रथा एवं धर्म पर लिखे जाने वाले लेख अब भारत की गरीब जनता पढ़ने लगी परिणाम स्वरूप स्थानीय विरोध आंदोलनों और संप्रदायों ने भी प्राचीन धर्म ग्रंथों की आलोचना करते हुए एक नए समाज का सपना बुनने लगे।

14) 19वीं सदी में भारत में सुधारकों पर मुद्रण संस्कृति के प्रसार का क्या असर हुआ?

उत्तर- क) समाज सुधारकों ने सामाजिक और धार्मिक कुरीतियों को मुद्रण के माध्यम से दूर करने का प्रयास किया।

ख) सुधारकों ने पत्र-पत्रिकाओं के द्वारा सती प्रथा, विधवा विवाह, बाल विवाह, मूर्ति पूजा, और जाति प्रथा को समाप्त करने हेतु लेख लिखे।

ग) सुधारक ज्योतिबा फुले ने गुलामगिरी में जाति प्रथा के अत्याचारों के बारे में लिखा।

घ) भीमराव अंबेडकर, ई वी रामास्वामी ने जाति प्रथा पर जोरदार ढंग से लिखा । जिसे पूरे भारत में पढ़ा गया।

ड़) महिलाओं की शिक्षा, विधवा विवाह और राष्ट्रीय मुद्दों पर लेख लिखकर सुधारकों ने लोगों में जनचेतना को जगाया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न --

1) 18 वीं सदी के यूरोप में कुछ लोगों को ऐसा क्यों लगता था कि मुद्रण संस्कृति से निरंकुशवाद का अंत , और ज्ञानोदय होगा?

उत्तर- 18 वीं सदी के मध्य तक यूरोप के लोगों का यह विश्वास बन चुका था, कि मुद्रण संस्कृति से निरंकुशवाद का अंत होगा तथा ज्ञान का तेजी से प्रसार होगा क्योंकि–

क) छापेखाने के आविष्कार से अब अधिक संख्या में पुस्तकें छपने लगी और यह पुस्तकें समाज के सभी वर्गों तक पहुंच गई।

ख) नए-नए विषयों पर पुस्तकें बाजार में आने से लोगों की पुस्तकों में रुचि बढ़ती गई । जिससे बहुत से लोग पुस्तकों के नियमित पाठक बन गए । यह सभी बातें ज्ञान के उदय तथा प्रसार की सूचक थी।

ग) मुद्रण ने संवाद तथा वाद-विवाद की एक नई संस्कृति को जन्म दिया और लोगों को तर्कशील बनाते हुए विचारों और आस्थाओं पर प्रश्नचिन्ह लगाना सिखाया।

घ) पुस्तकों में राजशाही की निरंकुश सत्ता की आलोचना की जाने लगी । जिससे बहुत से लोग यह मानने लगे , कि पुस्तके समाज को निरंकुशवाद तथा आतंकी राजसत्ता से मुक्ति दिला कर ऐसा वातावरण तैयार करेंगी, जिसमें विवेक और बुद्धि का राज होगा।

ड़) लुई सेबेस्तिएँ और मार्टिन लूथर जैसे समाज सुधारको ने महसूस किया कि "मुद्रण संस्कृति प्रगति और जनता की राय का सबसे शक्तिशाली औजार है, इससे बन रही जनमत की आंधी में निरंकुशवाद उड़ जाएगा।"

2) कुछ लोग किताबों की सुलभता को लेकर चिंतित क्यों थे? यूरोप और भारत से एक एक उदाहरण देकर समझाएं।

उत्तर- मुद्रित पुस्तकों का सभी ने स्वागत नहीं किया और जिन्होंने किया भी उनके दिलों में भी डर था। कईयों की धारणा थी कि छपी पुस्तक के व्यापक प्रसार और सुगमता से पुस्तकों के मिलने से आम लोगों के दिमाग पर ऋणात्मक प्रभाव पड़ेगा । उन्हें आशंका थी कि यदि मुद्रित और पढ़ी जाने वाली सामग्री पर कोई नियंत्रण ना होगा तो लोगों में विद्रोही और अधार्मिक विचार उपजने लगेंगे । कुछ लोगों ने इसके विरोध में यह तर्क भी दिया कि इससे मूल्यवान साहित्य का आधिपत्य नष्ट हो जाएगा।

उदाहरण के लिए–

क) यूरोप में रोमन कैथोलिक चर्च ने प्रतिबंधित किताबों की सूची के माध्यम से मुद्रित पुस्तकों पर अंकुश लगाने की कोशिश की।

ख) भारत की अंग्रेजी सरकार मुद्रण संस्कृति के प्रसार से चिंतित थी, क्योंकि इससे लोगों में राष्ट्रवादी भावनाएं मजबूत होती जा रही थी , इसलिए वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट ने भारतीय प्रेस और विभिन्न स्थानीय समाचार पत्रों पर प्रतिबंध लगा दिया।

3) 19वीं सदी में भारत में गरीब जनता पर मुद्रण संस्कृति का क्या असर हुआ?

उत्तर - 19वीं सदी में भारत में गरीब जनता पर मुद्रण संस्कृति का गहरा असर हुआ–

क) मुद्रण संस्कृति से देश की गरीब जनता अथवा मजदूर वर्ग को बहुत लाभ पहुंचा। पुस्तकें इतनी सस्ती हो गई थी , कि

jharkhandlab.com

पुस्तकें चौक - चौराहों पर बिकने लगी जिससे गरीब मजदूर उन्हें आसानी से खरीद सकते थे।

ख) बीसवीं शताब्दी में सार्वजनिक पुस्तकालय भी खुलने लगे, जिससे पुस्तकों की पहुंची और भी व्यापक हो गई। बेंगलुरु के सूती मिल मजदूरों ने स्वयं को शिक्षित करने के उद्देश्य से अपने पुस्तकालय स्थापित किए। इसकी प्रेरणा उन्हें मुंबई के मिल मजदूरों से मिली थी।

ग) कुछ सुधारवादी लेखकों की पुस्तकों ने मजदूरों को जातीय भेदभाव के विरुद्ध संगठित किया। इन लेखकों ने मजदूरों के बीच साक्षरता लाने, नशाखोरी को कम करने तथा अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने का भरसक प्रयास किया , इसके अतिरिक्त उन्होंने मजदूरों तक राष्ट्रवाद का संदेश भी पहुंचाया।

घ) मजदूरों का हित साधने वाले लेखकों में ज्योतिबा फुले, भीमराव अंबेडकर, रामास्वामी नायकर तथा काशी बाबा के नाम लिए जा सकते हैं। काशी बाबा कानपुर के एक मिल मजदूर थे। उन्होंने 1938 में छोटे और बड़े सवाल छपवा कर जातीय तथा वर्गीय शोषण के बीच का रिश्ता समझाने का प्रयास किया।

4) मुद्रण संस्कृति ने भारत में राष्ट्रवाद के विकास में क्या मदद की?

उत्तर - भारत में राष्ट्रवाद की भावना को फैलाने में मुद्रण संस्कृति ने बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान दिया जो इस प्रकार है –

क) अंग्रेजी काल में ब्रिटिश लेखकों ने अनेक ऐसी पुस्तकों की रचना की , जो राष्ट्रीय भावनाओं से ओतप्रोत थी।

ख) बंकिम चंद्र चटर्जी के उपन्यास "आनंदमठ" ने लोगों में देश प्रेम की भावना का संचार किया। "वंदे मातरम" गीत भारत के कोने कोने में गूंजने लगा।

ग) भारतीय समाचार पत्रों ने भी राष्ट्रीय आंदोलन के लिए उचित वातावरण तैयार किया। अमृत बाजार पत्रिका, केसरी, मराठा , हिंदू तथा बांबे समाचार पत्रों में छपने वाले लेख राष्ट्र - प्रेम से ओतप्रोत होते थे।

घ) भारतीय देशी भाषाओं में छपी सामग्री से भारतीय लोगों में आधुनिक वित्तीय, सामाजिक और राजनीतिक विचारों का प्रचार प्रसार किया और संपूर्ण भारत में जागृति पैदा की।

ड़) मुद्रण संस्कृति के माध्यम से अंग्रेजी प्रशासन की शोषण पूर्ण गलत नीतियों और उनके दावों को उजागर करने में सहायता मिली।

च) मुद्रण संस्कृति ने भारत के एक कोने में रह रहे लोगों से संबंधित खबरों को दूसरे क्षेत्र में रह रहे लोगों तक पहुंचाया और सर्व भारत की पहचान को विकसित किया।

छ) प्रेस के माध्यम से राष्ट्रीय वादियों के लिए अपने विचारों को जन-जन तक पहुंचाना आसान हो गया।

ज) यह एक शक्तिशाली माध्यम बन गया जिससे राष्ट्रवादी भारतीय देशभक्ति की भावनाओं का प्रसार, आधुनिक आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक विचारों का प्रचार तथा जनसाधारण में जागृत करने में मदद की।

5) कुछ इतिहासकार ऐसा क्यों मानते हैं की मुद्रण संस्कृति ने फ्रांसीसी क्रांति के लिए जमीन तैयार की?

उत्तर - कुछ इतिहासकारों का मानना है कि मुद्रण संस्कृति ने फ्रांसीसी क्रांति के लिए जमीन तैयार की क्योंकि –

क) छपाई के ज्ञानोदय से वाल्टेयर और रूसो जैसे चिंतकों के विचारों का प्रसार हुआ। रूसो को फ्रांसीसी क्रांति का अग्रदूत माना जाता है।

ख) उन्होंने परंपरा, अंधविश्वास और निरंकुशवाद की आलोचना की। उन्होंने तार्किकता का प्रचार प्रसार किया इसने लोगों को राजशाही के विद्रोह हेतु प्रेरित किया।

ग) मुद्रण ने ही सारे पुराने मूल्यों संस्थाओं और कायदे कानूनों पर आम जनता के बीच तथा धार्मिक और राजनीतिक मुद्दों पर विचार विमर्श का मार्ग प्रशस्त किया।

घ) कार्टून और व्यंग्य चित्र में यह भाव उभरता था कि जनता तो मुश्किल में फंसी है जबकि राजशाही भोग विलास में डूबी हुई है। इसने क्रांति की ज्वाला भी भड़काई।

ड़) मुद्रण संस्कृति ने फ्रांसीसी लोगों में आत्म गौरव और देश प्रेम को जागृत करके उन्हें स्वाधीनता के मार्ग की ओर अग्रसर किया।

च) कई विचारकों और दार्शनिकों के द्वारा लिखित पुस्तकों और पत्र-पत्रिकाओं ने लोगों को जागरूक करने का काम किया।

jharkhandlab.com

Jharkhandlab.com

भूगोल
GEOGRAPHY

समकालीन भारत-2

Jharkhandlab.com

Jharkhandlab.com

अध्याय - 1 संसाधन एवं विकास

1. निम्न में से कौन से जैव संसाधन नहीं है?

A. मनुष्य B पशु
C. वनस्पति जात D. चट्टाने

उत्तर - D. चट्टाने

2 . इनमें से कौन नवीकरण योग्य संसाधन है?

A. चट्टान B. खनिज
C. सौर ऊर्जा D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - C. सौर ऊर्जा

3. काली मृदा को किस नाम से जाना जाता है ?

A. जलोढ़ मृदा B. खादर
C. रेगर D. बांगर

उत्तर - C. रेगर

4. नयी जलोढ़ मृदा को क्या कहा जाता है?

A. खादर B. बांगर
C. लाल मृदा D. पीली मृदा

उत्तर - A. खादर

5. किस मिट्टी में लौह धातु की अधिकता होती है?

A. लाल मिट्टी B. काली मिट्टी
C. लेटराइट मिट्टी D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - A. लाल मिट्टी

6. लौह किस प्रकार का संसाधन है?

A. नवीकरण योग्य B. जैव संसाधन
C. अनवीकरण योग्य D. प्रवाह

उत्तर - C. अनवीकरण योग्य

7. बांगर और खादर किस प्रकार की मिट्टी है?

A. जलोढ़ मिट्टी B. काली मिट्टी
C. लाल पीली मिट्टी D. पर्वतीय मिट्टी

उत्तर - A. जलोढ़ मिट्टी

8. किस प्रकार की मृदा में कंकड़ की मात्रा अधिक होती है ?

A. खादर B. बांगर
C. लाल D. लेटराइट

उत्तर - B. बांगर

9. भारत के कुल क्षेत्रफल के कितने प्रतिशत क्षेत्र पर पठारी भाग हैं?

A. 43% B. 27%
C. 30% D. 40%

उत्तर - B. 27%

10. समाप्यता आधार पर संसाधन कितने प्रकार के हैं?

A. तीन B. चार
C. दो D. छह

उत्तर - C. दो

11. प्रथम अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी सम्मेलन का आयोजन किस वर्ष किया गया था ?

A. 1992 B. 1997
C. 2005 D. 2012

उत्तर - A. 1992

12. जिस भूमि पर खेती की जाती उसे क्या कहते है?

A. कृषि योग्य भूमि B. बंजर भूमि
C. चारागाह D. वन भूमि

उत्तर - A. कृषि योग्य भूमि

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

13. मानव निर्मित संसाधन के पांच उदाहरण दे।

उत्तर - उद्योग, मशीन, मकान, बांध, परिवहन के साधन

14. जलोढ़ मृदा किसे कहा जाता है?

उत्तर - नदियों द्वारा लाई गई मृदा को जलोढ़ मृदा कहा जाता है।

15. लेटराइट मृदा किस फसल के लिए अधिक उपयुक्त है?

उत्तर - लेटराइट मृदा काजू की फसल के लिए अधिक उपयुक्त है।

16. आयु के आधार पर जलोढ़ मृदा कितने प्रकार की हैं?

उत्तर - दो प्रकार की - क. खादर ख. बांगर

17. काली मृदा किस फसल की खेती के लिए उपयुक्त मानी जाती है?

उत्तर - काली मृदा कपास की खेती के लिए उपयुक्त मानी जाती है।

18. राष्ट्रीय वन नीति 1952 के द्वारा निर्धारित कितने प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र पर वन होना आवश्यक है ?

उत्तर - राष्ट्रीय वन नीति 1952 के अनुसार 33 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र पर वन होना आवश्यक है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

19. सतत पोषणीय विकास से आप क्या समझते हैं?

उत्तर - सतत पोषणीय विकास का अर्थ है कि विकास पर्यावरण को बिना नुकसान पहुंचाए, और वर्तमान में विकास की प्रक्रिया चलती रहे और भविष्य की पीढ़ी के लिए भी संसाधन बचा रहे।

20. नवीकरणीय संसाधन और और अनवीकरणीय संसाधनों मे अंतर स्पष्ट करें?

उत्तर - नवीकरणीय संसाधन

(i) इस संसाधन का प्रयोग बार-बार किया जा सकता हैं।

(ii) इस संसाधन का पुनर्निर्माण प्रकृति के द्वारा पुनः किया जाता है।

(iii) नवीकरणीय संसाधनों के उदाहरण जल, पेड़ -पौधे, जीव - जंतु, पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा। अनवीकरणीय संसाधन

(i) इन संसाधनों का उपयोग करने के बाद समाप्त हो जाते हैं।

(ii) इस संसाधनों का पुनर्निर्माण नहीं हो पाता है

(iii) अनवीकरणीय संसाधन के उदाहरण खनिज संसाधन, कोयला लौह अयस्क, इत्यादि।

21. जैव संसाधन किसे कहते हैं?

उत्तर - ऐसे संसाधन जिनमें जीवन व्याप्त है उसे जैव संसाधन कहते हैं जैसे पशु, मनुष्य, मत्स्य, वनस्पति आदि।

22. नवीकरण योग्य संसाधन किसे कहा जाता है?

jharkhandlab.com

उत्तर - ऐसे संसाधन जिन्हें भौतिक, रासायनिक, यांत्रिक प्रक्रियाओं द्वारा पुनः प्राप्त किया जा सकता है, नवीकरण योग्य संसाधन कहलाता है।

23. संसाधनों के अंधाधुंध शोषण से कौन सी समस्या उत्पन्न हो गई है ?

उत्तर - संसाधनों के अंधाधुन शोषण से वैश्विक पारिस्थितिकी संकट पैदा हो गया है जैसे भूमंडलीय तापन, ओजोन परत का अवक्षय, पर्यावरण प्रदूषण तथा भूमि निम्नीकरण आदि।

24. काली मृदा में कौन-कौन से पोषक तत्व पाए जाते हैं?

उत्तर - काली मृदा में कैल्शियम कार्बोनेट, मैग्नीशियम, पोटाश और चूना जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं।

25. मृदा अपरदन किसे कहा जाता है?

उत्तर - मृदा के कटाव और उसके बहाव की प्रक्रिया को मृदा अपरदन कहा जाता है। प्राकृतिक कारणों एवं मानव निर्मित कारणों के द्वारा मिट्टी के ऊपरी सतह का बहाव हो जाता है उसे मृदा अपरदन कहते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

26. स्वामित्व के आधार पर संसाधनों को कितने भागों में बांटा गया है व्याख्या करें?

उत्तर - स्वामित्व के आधार पर संसाधनों को चार भागों में बांटा गया है:-

(I) व्यक्तिगत संसाधन - ऐसे संसाधन जो व्यक्तिगत या निजी संपत्ति होते हैं जैसे मकान, बाग, कुआं, भूमि आदि।

(II) सामुदायिक स्वामित्व वाले संसाधन - ऐसे संसाधन जिसका उपयोग समुदाय या सभी लोग कर सकते हैं जैसे शमशान भूमि, तालाब, पिकनिक स्थल, खेल का मैदान आदि।

(III) राष्ट्रीय संसाधन - ऐसे संसाधन जो देश की संपत्ति है अर्थात सरकार के अधीन में है जैसे सारे खनिज पदार्थ, जल संसाधन, वन, वन्य जीव संसाधन आदि ।

(IV) अंतर्राष्ट्रीय संसाधन - ऐसे संसाधन जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं नियंत्रित करती हैं जैसे तटरेखा से 200 समुद्री मील की दूरी से बाहर खुले महासागरीय क्षेत्र।

27. संसाधनों के अंधाधुंध उपयोग से किस प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं?

उत्तर - आज विश्व में इस भागदौड़ की जिंदगी में सभी व्यक्ति अधिक से अधिक संसाधनों का उपयोग करना चाहते हैं अधिक से अधिक सामुदायिक वस्तुओं को पाना चाहते हैं जिससे संसाधनों का अत्यधिक उपयोग हो रहा है ।

संसाधनों के अंधाधुंध उपयोग से निम्नलिखित मुख्य समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं।

(I) कुछ व्यक्तियों के लालच के कारण संसाधनों का दोहन हो रहा है।

(II) संसाधन कुछ लोगों के हाथ में आ गए हैं जिसके कारण समाज अमीर और गरीब दो वर्गों में बट गया है।

(III) संसाधनों के अंधाधुंध शोषण से वैश्विक पारिस्थितिकी संकट पैदा हो गया है जैसे भूमंडलीय तापन, ओजोन परत अवक्षय और भूमि निम्नीकरण आदि।

(IV) प्रदूषण -संसाधनों के अत्यधिक उपयोग से पूरे विश्व में प्रदूषण की मात्रा में लगातार वृद्धि हो रही है अत्यधिक उद्योगों के कारण वाहनों का प्रयोग इत्यादि के कारण प्रदूषण में वृद्धि होती जा रही है।

आज संसाधनों के अत्यधिक उपयोग को रोकने की आवश्यकता है जिससे मानव के लिए बढ़ती समस्याओं को कम किया जा सकता है।

28. भूमि निम्नीकरण के क्या कारण है?

उत्तर - भूमि निम्नीकरण का अर्थ है की प्राकृतिक तथा मानव निर्मित कारणों से मृदा की उर्वरा शक्ति मे लगातार होने वाले कमी को भूमि क्षरण या भूमि निम्नीकरण कहां जाता है

भूमि निम्नीकरण के निम्नलिखित कारण है -

(I) वनोन्मूलन - आधुनिक विश्व में वनों का प्रतिशत में कमी होती जा रही है कृषि के कारण एवं शहरीकरण के कारण वनों की मात्रा में कमी होती जा रही है वनों के नहीं होने से भूमि का निम्नीकरण बढ़ता जा रहा है।

(II) अति पशु चारण- भूमि पर अत्यधिक पशु चारण के कारण भूमि का निम्नीकरण हो रहा है।

(III) खनन- अत्यधिक खनन के कारण जैसे कोयला खनन, बॉक्साइट इत्यादि खनिजों के खनन के कारण भूमि का निम्नीकरण हो रहा है खनिजों के खनन से मिट्टी की मात्रा में कमी होती जा रही है।

(IV) अधिक सिंचाई - अत्यधिक सिंचाई के कारण मिट्टी का ऊपरी सतह जल के साथ बह जाते हैं।

(V) औद्योगिक जल निकास से बाहर आने वाला अपशिष्ट पदार्थ। उद्योगों से जो जल बाहर निकलता है उस का बहाव मिट्टी पर ही होता है और मिट्टी उसके साथ बह जाती है या मिट्टी में प्रदूषण कारक सम्मिलित हो जाते हैं जिससे भूमि का निम्नीकरण हो जाता है।

उपयुक्त कारणों के द्वारा मिट्टी का निम्नीकरण लगातार बढ़ता ही जा रहा है इन कारणों को कम करके हम भूमि का निम्नीकरण रोक सकते हैं।

29. मृदा के संरक्षण के क्या-क्या उपाय किए जा सकते हैं?

उत्तर - मृदा का संरक्षण से अर्थ है की मिट्टी की ऊपरी सतह अर्थात मृदा का उर्वरा शक्ति को बनाए रखने से है मृदा का संरक्षण बहुत ही आवश्यक है।

मृदा के संरक्षण के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं -

1. वृक्षारोपण
2. पेड़ों की रक्षक मेखला बनाना
3. चारागाहो का उचित प्रबंधन
4. पशु चारण नियंत्रण
5. रेतीले टीलों में कांटेदार झाड़ियां लगाना
6. ढाल वाली भूमि पर सीढ़ी नुमाखेती करना
7. खनन नियंत्रण
8. बंजर भूमि का उचित प्रबंधन
9. औद्योगिक जल को परिष्करण के पश्चात ही विसर्जित करना।

उपयुक्त उपाय के द्वारा हम मृदा का संरक्षण कर सकते हैं और मृदा की उर्वरा शक्ति को बनाए रखा जा सकता है आज मृदा का संरक्षण बहुत ही आवश्यक है।

jharkhandjac.com

अध्याय - 2 वन एवं वन्य जीव संसाधन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. निम्न में से कौन सी टिप्पणी प्राकृतिक वनस्पति जात और प्राणी जात के ह्रास का सही कारण नहीं है?

A. कृषि प्रसार
B. वृहत स्तरीय विकास परियोजनाएं
C. पशु चारण और इंधन लकड़ी एकत्रित करना
D. तीव्र औद्योगिकीकरण और शहरीकरण

उत्तर - C. पशुचारण और इंधन लकड़ी एकत्रित करना।

2. इनमें से कौनसा संरक्षण तरीका समुदायों की सीधी भागीदारी नहीं करता?

A. संयुक्त वन प्रबंधन
B. चिपको आंदोलन
C. बीज बचाओ आंदोलन
D. वन्यजीव पशु विहार का परिसीमन

उत्तर - D. वन्यजीव पशु विहार का परिसीमन

3. वे जातीयां जिनकी लुप्त होने का खतरा है, कहलाती है-

A. दुर्लभ जातियां B. स्थानिक जातियां
C. संकटग्रस्त जातियां D. लुप्त जातियां

उत्तर - C. संकटग्रस्त जातियां

4. लुप्त जाति का उदाहरण है-

A. नीली भेंड़ B. एशियाई चीता
C. एशियाई हाथी D. गैंडा

उत्तर - B. एशियाई चीता

5. वन और बंजर भूमि जो सरकार, व्यक्ति और समुदायों के स्वामित्व में होते हैं उन्हें क्या कहते हैं?

A. रक्षित वन B. अवर्गीकृत वन
C. पवित्र उपवन D. आरक्षित वन

उत्तर - B. अवर्गीकृत वन

6. निम्नलिखित में से किस राज्य में सर्वाधिक स्थायी वन क्षेत्र है?

A. उत्तर प्रदेश B. मध्य प्रदेश
C. केरल D. बिहार

उत्तर - B. मध्य प्रदेश

7. निम्नलिखित में से कौन सा पक्षी "द क्रिटिकल" प्रजाति की श्रेणी में नहीं आता?

A. गुलाबी सिर वाली बत्तख B. मोर
C. पर्वतीय बटेर D. जंगली चित्तीदार उल्लू

उत्तर - B. मोर

8. निम्न में से किस जीव के लिए जैव विविधता बहुत महत्वपूर्ण है?

A. पौधे B. केचुआ
C. मनुष्य D. एलियन

उत्तर - C. मनुष्य

9. काला हिरण निम्नलिखित में से किस श्रेणी के जीवों का है?

A. विलुप्त प्रजाति B. दुर्लभ प्रजातियां
C. स्थानिक प्रजातियां D. लुप्त प्रजातियां

उत्तर - D. लुप्त प्रजातियां

10. विभिन्न प्रकार के पौधे और प्राणियों को विभिन्न श्रेणियों में निर्धारण कौन सी एजेंसी करता है?

A. राज्य के वन विभाग
B. अंतर्राष्ट्रीय प्राकृतिक संरक्षण और प्राकृतिक संसाधन (IUCN)
C. भारत का वन सर्वेक्षण
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - B अंतर्राष्ट्रीय प्राकृतिक संरक्षण और प्राकृतिक संसाधन(IUCN)

11. 1952 में भारत निम्न में से किस प्रजाति को विलुप्त घोषित कर चुका है?

A. तेंदुआ B. गंगा नदी का डॉल्फिन
C. काला हिरण D. एशियाई चीता

उत्तर - D. एशियाई चीता

12. निम्न में से कौन भारत के वनों और वन्य जीव संसाधनों के प्रबंधन का प्रभारी है?

A. विश्व वन्यजीव फाउंडेशन
B. भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण
C. वन विभाग
D. गैर सरकारी संगठन

उत्तर - C. वन विभाग

13. निम्नलिखित में किस वर्ष में "बाघ परियोजना" शुरू किया गया था?

A. 1951 B. 1973
C. 1993 D. 2009

उत्तर - B. 1973

14. निम्न में से किस राज्य में स्थायी जंगलों के तहत सबसे बड़ा क्षेत्र है?

A. जम्मू कश्मीर B. मध्य प्रदेश
C. उत्तराखंड D. महाराष्ट्र

उत्तर - B. मध्य प्रदेश

15. हिमालय "यव" क्या है?

A. एक प्रकार का हिरण B. एक औषधीय पौधा
C. पक्षी की एक प्रजाति
D. हिमालय में उगाई जाने वाली खाद्य फसल

उत्तर - B. एक औषधीय पौधा

16. 1991 में संरक्षित प्रजातियों की सूची में पहली बार किस प्रजाति को शामिल किया गया था?

A. कीड़े B. मछलियां
C. पौधे D. सरीसृप

उत्तर - C. पौधे

Jharkhandlab.com

17. निम्नलिखित में कौन स्थानिक जाति का उदाहरण है?

A. एशियाई हाथी B. निकोबारी कबूतर
C. हार्न बिल D. एशियाई चीता

उत्तर - B. निकोबारी कबूतर

18. चिपको आंदोलन का उद्देश्य क्या था?

A. मानवाधिकार B. राजनीतिक अधिकार
C. कृषि विस्तार D. वन संरक्षण

उत्तर - D. वन संरक्षण

19. सरिस्का वन्य जीव अभ्यारण किस राज्य में स्थित है?

A. राजस्थान B. उत्तर प्रदेश
C. गुजरात D. पश्चिम बंगाल

उत्तर - A. राजस्थान

20. भारत में वनस्पतियों की कितनी प्रजातियां पाई जाती हैं?

A. 81000 B. 47000
C. 15000 D. 41000

उत्तर - B. 47000

21. सुंदरवन राष्ट्रीय पार्क किस राज्य में स्थित है?

A. पश्चिम बंगाल B. असम
C. गुजरात D. मेघालय

उत्तर - A. पश्चिम बंगाल

22. बीज बचाओ आंदोलन क्या था?

A. रसायनिक खादों से अधिक उत्पादन
B. टिहरी के किसानों द्वारा बिना रासायनिक खाद के फसलों का उत्पादन
C. हरित क्रांति
D. पेड़ों को उगाना

उत्तर - B. टिहरी के किसानों द्वारा बिना रासायनिक खाद के फसलों का उत्पादन

23. उड़ीसा और बिहार की जनजातियां शादी के दौरान किस वृक्ष की पूजा करती हैं?

A. इमली और आम B. आम और नीम
C. पीपल और केला D. शीशम और कीकर

उत्तर - A. इमली और आम

24. राजस्थान के अलवर जिले के पांच गांव के लोगों ने 1200 हेक्टेयर वन भूमि "भैरो देव डाकव सोंचरी" घोषित कर दी। इसका क्या उद्देश्य है?

A. खेती करना
B. वृक्षारोपण करना
C. शिकार पर रोक और बाहरी लोगों की घुसपैठ से वन्य जीवन को बचाना
D. बांध बनाना

उत्तर - C. शिकार पर रोक और बाहरी लोगों की घुसपैठ से वन्य जीवन को बचाना

25. सबसे तेज स्तनधारी प्राणी कितने किलोमीटर प्रति घंटा की गति से दौड़ते हैं?

A. 112 किलोमीटर B. 110 किलोमीटर
C. 11 1 किलोमीटर D. 113 किलोमीटर

उत्तर - A. 112 किलोमीटर

26. भारत में 1951 और 1980 के बीच में कितने वर्ग किलोमीटर को वन क्षेत्र कृषि भूमि में परिवर्तित किया गया?

A. 26000 वर्ग किलोमीटर B. 26200 वर्ग किलोमीटर
C. 28000 वर्ग किलोमीटर D. 26300 वर्ग किलोमीटर

उत्तर - B. 26200 वर्ग किलोमीटर

27. 1952 में नदी घाटी परियोजना के कारण कितने वर्ग किलोमीटर क्षेत्रों को साफ करना पड़ा?

A. 4000 वर्ग किलोमीटर B. 3000 वर्ग किलोमीटर
C. 5000 वर्ग किलोमीटर D. 2000 वर्ग किलोमीटर

उत्तर - C. 5000 वर्ग किलोमीटर

28. भारत में जैव उप जातियों की कितने प्रतिशत संख्या पाई जाती है?

A. 10% B. 12%
C. 8% D. 5%

उत्तर - C. 8%

29. दुनिया का सबसे तेज स्तनधारी प्राणी कौन सा है?

A. चीता B. बिल्ली
C. चीता और बिल्ली दोनों D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - C. चीता और बिल्ली दोनों

30. सामान्य जातियों से क्या अभिप्राय है?

A. जिनकी संख्या जीवित रहने के लिए सामान्य मानी जाती है।
B. जिनकी लुप्त होने का खतरा बना हुआ है।
C. A तथा B दोनों
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - A. जिनकी संख्या जीवित रहने के लिए सामान्य मानी जाती है।

31. एशियाई चीता और गुलाबी सिर वाली बत्तख किन उपजातियों में शामिल है?

A. सामान्य जातियों में B. संकटग्रस्त जातियों में
C. स्थानिक जातियों में D. लुप्त जातियों में

उत्तर - D. लुप्त जातियों में

32. दक्षिण भारत में प्राकृतिक वनों की संख्या धीरे-धीरे समाप्त किस कारण हुई?

A. सागवान एकल रोपण B. सेवर्दुन वृक्षारोपण
C. एकल वृक्षारोपण D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - A. सागवान एकल रोपण

33. औषधीय पौधे कौन कौन से क्षेत्रों में पाया जाता है?

A. हिमाचल प्रदेश B. अरूणाचल प्रदेश
C. A और B दोनों D. इनमे से कोई नहीं

उत्तर - C. Aऔर B दोनों

34. टकसोल नामक रसायन किस बीमारी के उपचार के लिए प्रयोग में लाया जाता है?

A. कैंसर B. टाइफाइड
C. मलेरिया D. डेंगू

उत्तर - A. कैंसर

Jharkhandlab.com

35. शांत घाटी के मुखली नर्सरी में आदिवासी युवतियों द्वारा किस प्रकार के पौधे लगाए जाते हैं?

A. बांस के पौधे B. धान के पौधे
C. जौ के पौधे D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - A. बांस के पौधे

36. पर्यावरण विनाश के मुख्य कारक कौन कौन से हैं?

A. संसाधनो का असमान बंटवारा
B. असमान उपयोग
C. रख-रखाव की जिम्मेदारी में असमानता
D. इनमें सभी

उत्तर - D. इनमें सभी

37. मैंग्रोव क्षेत्र कितने प्रतिशत लुप्त हो चुका है?

A. 30% B. 25%
C. 40% D. 10%

उत्तर - C. 40%

38. टकसोल नामक रसायन पेड़ों के किस भाग से प्राप्त होता है?

A. पेड़ो की छाल B. पत्तियां
C. टहनियां D. उपरोक्त सभी

उत्तर - D. उपरोक्त सभी

39. धरातलीय जल क्षेत्र कितने प्रतिशत प्रदूषित है?

A. 50% B. 40%
C. 70% D. 90%

उत्तर - C. 70%

40. मध्यप्रदेश में कौन सा राष्ट्रीय उद्यान है?

A. जिम कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान B. सरिस्का वन्य जीव विहार
C. सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान D. बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान

उत्तर - D. बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान

41. जिम कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में है?

A. केरल B. असम
C. उत्तराखंड D. पश्चिम बंगाल

उत्तर - C. उत्तराखंड

42. मानस बाघ रिजर्व राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?

A. कश्मीर B. मध्य प्रदेश
C. बिहार D. असम

उत्तर - D. असम

43. पेरियार बाघ रिजर्व उद्यान भारत के किस राज्य में है?

A. केरल B. पश्चिम बंगाल
C. राजस्थान D. गुजरात

उत्तर - A. केरल

मिलान करें

जानवर /पौधे	अस्तित्व वर्ग
(i) काला हिरण	(क) लुप्त
(ii) एशियाई हाथी	(ख) दुर्लभ
(iii) अंडमान जंगली सूअर	(ग) संकटग्रस्त
(iv) हिमालयन भूरा भालू	(घ) सुभेद्य
(v) गुलाबी सिर वाली बत्तख	(च) स्थानिक

उत्तर- (i)-ग, (ii)-घ, (iii)-च, (iv)-ख, (v)-क

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. जैव विविधता क्या है?

उत्तर- वन्य जीवन और कृषि फसलों में जो इतनी विविधता पाई जाती है उसे जैव-विविधता कहते हैं।

2. आरक्षित वन क्या है?

उत्तर- वह जिन्हें इमारती लकड़ी अथवा वन उत्पादों को प्राप्त करने के लिए स्थाई रूप से सुरक्षित रखा जाता है तथा जिनमें पशुओं को चराने तथा खेती करने की अनुमति नहीं होती उसे आरक्षित वन कहा जाता है।

3. राष्ट्रीय उद्यान क्या है?

उत्तर- वे सुरक्षित क्षेत्र जहां प्राकृतिक वनस्पति, प्राकृतिक सुंदरता तथा वन्य प्राणियों को सुरक्षित रखा जाता है राष्ट्रीय उद्यान कहलाता है।

4. रक्षित वन क्या है?

उत्तर- वह वन जिसमें कुछ सामान्य प्रतिबंधों के साथ पशुओं को चराने एवं खेती करने की अनुमति दी जाती है उन्हें रक्षित वन कहते हैं।

5. पौधों और जीवों की संकटग्रस्त जातियां कौन-कौन सी हैं? उदाहरण लिखें।

उत्तर - पौधों जीवों के संकटग्रस्त वे जातियां हैं जिनके लुप्त होने का खतरा है। जैसे -काला हिरण, मगरमच्छ, भारतीय जंगली गधा, गैंडा, एक पूछ वाला बंदर आदि।

6. पौधों और प्राणियों की सुभेद्य जातियां कौन से हैं? उदाहरण सहित लिखें।

उत्तर - पौधों और प्राणियों के सुभेद्य जातियां वे हैं जिनकी संख्या कम होती जा रही है और यदि उन्हें बचाने का प्रयत्न किया गया तो वह संकटग्रस्त श्रेणी में चले जाएंगे। जैसे- एशियाई हाथी, गंगा नदी की डॉल्फिन, नीली भेड़ आदि।

7. पौधे और प्राणियों की सामान्य जातियां कौन सी हैं? उदाहरण दें।

उत्तर - पौधों और जीवो की सामान्य जातियां भी हैं जिनकी संख्या जीवित रहने के लिए सामान्य मानी जाती है। जैसे- पशु, चिड़, साल आदि।

8. पौधों और प्राणियों की दुर्लभ जातियां कौन सी है? उदाहरण दें।

उत्तर - दुर्लभ जातियों में हैं जिनकी संख्या बहुत ही कम है। यदि इनको बचाने के उचित प्रबंध न किए गए तो इनका संकटग्रस्त श्रेणी में जाना लगभग तय है। जैसे- हिमालय का भूरा रीछ, एशियाई जंगली भैंस, और हार्नबिल आदि।

9. स्थानिक जातियां कौन सी हैं? उदाहरण दें।

उत्तर - स्थानीक जातियां वे हैं जो विशेष क्षेत्रों में पाए जाते हैं। जैसे- निकोबारी कबूतर, अंडमानी जंगली सूअर, अरुणाचल की मिथुन आदि।

10. पौधों और प्राणियों की लुप्त जातियां कौन सी हैं? उदाहरण सहित लिखें।

उत्तर - पौधों और प्राणी की लुप्त जातियां वे हैं जो इनके रहने के स्थानों से विलुप्त पाई गए हैं। जैसे- एशियाई चीता, गुलाबी सिर वाली बत्तख आदि।

11. एशियाई सिंह का प्राकृतिक आवास कहां है? यह किस राज्य में स्थित है?

उत्तर - एशियाई सिंह का प्राकृतिक आवास "गिर राष्ट्रीय उद्यान" है। यह गुजरात राज्य के सौराष्ट्र संभाग में है।

Jharkhandlab.com

12. एक सींग वाला गैंडा भारत में कहां मिलता है? इसके लिए कैसी भूमि व जलवायु अनुकूल है?

उत्तर - असम तथा पश्चिमी बंगाल के उष्ण व आद्र दलदली क्षेत्रों में। असम में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान एक सींग वाले गैंडे का प्राकृतिक आवास है।

13. पारितंत्र की भाषा परिभाषा दीजिए?

उत्तर - पारितंत्र का अर्थ है उस स्थान के भौतिक वातावरण से है जो उस क्षेत्र के सभी प्रकार के पौधों, पक्षियों और जानवरों से बनता है।

14. भारत में पौधों और जंतुओं के वितरण के लिए कौन से कारक उत्तरदाई हैं?

उत्तर - पौधों और जानवरों का वितरण मुख्य रूप से क्षेत्र की जलवायु से निर्धारित होता है। इस वितरण के निर्धारक कारक मिट्टी, राहत और जल निकासी आदि हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. बायो- रिजर्व क्या है ? दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर - एक बायो-रिजर्व एक ऐसा स्थान है जिसमें काफी विशाल जंगली भूमि होती है और यह प्राकृतिक रूप से देश की वनस्पतियों और जीवो के संरक्षण के लिए समर्पित है।

उदाहरण -मन्नार की खाड़ी, नीलगिरी।

2. जैव विविधता के दो लाभ लिखिए।

उत्तर - जैव विविधता के दो लाभ निम्नलिखित हैं -

(i) सर्वप्रथम हमारी प्राकृतिक संपदा विशेषकर विभिन्न जीव जंतु प्रकृति के सौंदर्य को चार चांद लगा देते हैं और धरती को स्वर्ग का रूप दे देते हैं।

(ii) भारत के प्राकृतिक संपदा और वन्य प्राणियों को देखने के लिए हर वर्ष अनेक पर्यटक भारत आते रहते हैं। इस प्रकार अनजाने में भारत को बहुत से विदेशी मुद्रा प्राप्त हो जाती है।

3. वनों के संरक्षण में लोगों की भागीदारी किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है?

उत्तर - वनों के संरक्षण में लोगों की भागीदारी निम्न प्रकार दिया गया है-

(i) कई स्थानों पर लोगों ने वृक्ष काटने के विरोध अपनी आवाज भी उठाई है और वृक्ष काटने वालों का ऐसा कार्य करने से रोका भी है।

(ii) यदि कभी वृक्ष काटने की आवश्यकता भी पड़ जाए तो यह काम संयोजित ढंग से किया जाना चाहिए।

(iii) जहां जहां उचित हो सके वहां हमें वन महोत्सव जैसे कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए और लोगों को वृक्षारोपण के कार्य में अधिक से अधिक भागीदारी बनाना चाहिए।

4. हिमालया यव क्या है? यह संकट में क्यों है?

उत्तर - हिमालयन यव(चिड़ की प्रकार का सदाबहार वृक्ष) एक औषधीय पौधा है जो हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश के कई क्षेत्रों में पाया जाता है। पेड़ की छाल, पतियों, टहनियों और जड़ों से टकसोल नामक रसायन निकाला जाता है तथा इसे कुछ कैंसर रोगों के उपचार के लिए प्रयोग किया जाता है। इससे बनाई गई दवाई विश्व में सबसे अधिक बिकने वाली कैंसर औषधि है। इसके तहत निष्कासन से इन वनस्पति जाति को खतरा पैदा हो गया है।

5. जैव आरक्षित क्षेत्र क्या है?

उत्तर - जैव आरक्षित क्षेत्र एक बहुउदेश्य सुरक्षित क्षेत्र होता है जहां वैज्ञानिक, स्थानीय लोग एवं सरकारी अधिकारी मिलकर कार्य करते हैं ताकि वन्य प्राणियों और प्राकृतिक संपदा की अच्छे ढंग से सुरक्षा की जा सके अथवा उनका उचित उपयोग किया जा सके। ऐसे क्षेत्रों में कृषि कार्यों को करने की विशेषकर स्थानीय लोगों को आज्ञा दे दी जाती है और उन्हें नौकरियां भी उपलब्ध कराई जाती हैं। सैनालियों को भी स्वतंत्र रूप से आने दिया जाता है ताकि आर्थिक संसाधन को बढ़ाया जा सके।

6. वन संरक्षण के उपायों का वर्णन करें?

उत्तर - वन संरक्षण के निम्नलिखित उपाय-

(i) वनों की अंधाधुंध कटाई पर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता है।

(ii) अति चराई पर रोक लगाई जाए।

(iii) वनों से वृक्ष काटने पर उनके स्थान पर वृक्षारोपण करना आवश्यक है।

(iv) वन क्षेत्र बढ़ाने के लिए क्षेत्रों का निर्धारण करना चाहिए।

(V) वन क्षेत्रों को संरक्षित करने की नितांत आवश्यकता है।

(vi) वनों को हानिकारक कीड़े, मकोड़ों, बीमारियों आदि से सुरक्षित रखा।

(Vii) लकड़ी के ईंधन का उपयोग कम से कम हो उसके लिए पूर्क साधनों का विकास किया जाए।

7. वनस्पति जगत तथा प्राणी जगत में अंतर लिखें?

उत्तर - वनस्पति जगत-किसी देश की वनस्पतियों में उस देश का समस्त वनस्पति जगत शामिल होता है। इसमें वनों में उगने वाले वृक्ष, मनुष्य द्वारा लगाए गए फूलदार और बिना फूलों वाले वृक्ष, घास वाले क्षेत्र आदि सम्मिलित हैं। भारत में लगभग 49000 जातियों के पौधे पाए जाते हैं इनमें से 5000 ऐसे हैं जो केवल भारत में ही मिलते हैं।

प्राणी जगत-प्राणी जगत में पक्षी, मछलियां और पशु आदि शामिल हैं जिनमें स्तनीय पशु, रेंगने वाले पशु, कीड़े- मकोड़े, जल और स्थल में रहने वाले प्राणी आदि सम्मिलित हैं। भारत का पशु जगत धनी तथा विभिन्न प्रकार का है। भारत में पशुओं के लगभग 81000 जातियां हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. जैव विविधता को प्रभावित करने वाले कारकों की चर्चा करें।

उत्तर - भारत जैव विविधता में एक महत्वपूर्ण देश है। पर समय के साथ विकास के कारण विभिन्न मानवीय क्रियाकलापों में जैव विविधता को प्रभावित किया है। यह कारक निम्न है-

(i) फर्नीचर के लिए लकड़ी की मांग बढ़ी है जिससे पेड़ कटे हैं।

(ii) जलावन के लिए लकड़ी का प्रयोग किया जाना।

(iii) कृषि हेतु जंगलों को साफ किया गया है।

(iv) जनजातियों द्वारा खासकर पूर्वोत्तर भारत में स्थानांतरण कृषि से नष्ट हुए हैं।

(v) जंगलों में लगने वाली आग दावानल के कारण जंगल का बड़ा हिस्सा नष्ट हुआ है।

(vi) बड़ी विकास परियोजनाओं जैसे नदियों पर बांध, रेल मार्ग, सड़क मार्ग आदि के निर्माण के कारण बड़ा वन क्षेत्र नष्ट हुआ है।

(vii) पशुओं की खाल, मांस और हड्डियों के लिए शिकार से कई जीव या तो लुप्त हो चुके हैं या संकटग्रस्त में हैं।

(viii) खनन, वाणिज्य, वानिकी, पर्यावरण प्रदूषण जैसे कारकों से जैवविविधता प्रभावित हुए हैं।

2. जैव विविधता कमी लाने वाली गतिविधियों पर रोक के क्या उपाय हो सकते हैं?

उत्तर - जैव विविधता मानव जीवन के लिए आवश्यक है कई ऐसे उपाय हैं जिसे करके जैवविविधता कम होने से रोका जा सकता है-

(i) वृक्षारोपण के माध्यम से वन क्षेत्र बढ़ाकर।

Jharkhandlab.com

(ii) घरेलू इंधन में सामाजिक वानिकी और कृषि वानिकी का प्रयोग करना।

(iii) वन एवं वन्य जीव संरक्षण पर जागरूकता अभियान आयोजित करके।

(iv) शिकार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर तथा दोषियों को सजा दिला कर।

(v) वृक्षों की कटाई पर प्रतिबंध तथा दोषियों पर कार्रवाही करके।

(vi) लकड़ी के फर्नीचर के स्थान पर लोहे, प्लास्टिक आदि के फर्नीचर का उपयोग को बढ़ावा देकर।

(vii) स्थानांतरण कृषि पर प्रतिबंध लगाकर।

उपरोक्त उपायों से जैव विविधता को बचाया जा सकता है।

3. वे प्रतिकूल कारक कौन से हैं जिनसे वनस्पति जात और प्राणी जात को ऐसा भयानक क्षति हुआ है?

उत्तर - विकास के कारण मानव के कई ऐसी क्रियाकलाप हैं जिनसे वनस्पति जात और प्राणी जात का भयंकर क्षति हुआ है। यह प्रतिकूल कारक निम्न है-

(i) आवास हेतु भूमि की बढ़ती मांग।

(ii) कृषि हेतु भूमि की बढ़ती मांग।

(iii) बड़ी विकास परियोजनाओं जैसे बांध, रेल, सड़क मार्ग आदि के निर्माण।

iv) वाणिज्यिक वानिकी से जैव विविधता में काफी परिवर्तन हुआ है।

(v) खनन अनियंत्रित, पशु चारण, जंगली पशुओं का शिकार, दावानल, पर्यावरण प्रदूषण और भी कई कारक है जो प्राणीजात और वनस्पतिजात पर प्रभाव पड़ा है जिससे यह प्रजातियां कुछ तो नष्ट हो चुके हैं और कुछ संकटग्रस्त में हैं।

4. वन और वन्य जीव संरक्षण में सहयोगी रीति-रिवाजों पर चर्चा करें।

उत्तर - मानव सदियों से प्रकृति की पूजा करता रहा है। भारतीय संस्कृति में भी प्रकृति और इसके कृतियों को पवित्र मानकर उसकी पूजा करना तथा उनकी रक्षा करने की परंपरा है। भारतीय संस्कृति में वनों का महत्वपूर्ण स्थान है यहां की अनेक जनजातियां वनों को पवित्र मानकर उसकी पूजा करते हैं। वन ऋषि-मुनियों की तपोभूमि भी रहे हैं हमारे धर्म ग्रंथों में भी वन को देवता तुल्य मानकर उनकी पूजा करने की परंपरा का उल्लेख है। आज भी हमारे समाज में कुछ लोग कुछ विशेष पेड़ों की पूजा करते हैं और आदिकाल से उनकी रक्षा करते आ रहे हैं। छोटानागपुर मुंडा और संथाल जनजाति महुआ एवं कदंम के पेड़ों की पूजा करते हैं। बिहार और उड़ीसा के जनजातीय विवाह के दौरान इमली और आम के पेड़ की पूजा करते हैं। हम में से बहुत लोग पीपल, वटवृक्ष, तुलसी, नीम इत्यादि को भी पवित्र मानकर उसकी पूजा करते हैं तथा उसकी रक्षा करते हैं।

भारतीय संस्कृति में आमतौर पर झरनों, पहाड़ों, पेड़ों एवं पशुओं को पवित्र मानकर उनका संरक्षण किया जाता है। बहुत से मंदिरों के आसपास बंदर एवं लंगूर को लोग खिलाते पिलाते हैं और उन्हें मंदिर के भक्तों में गिनते हैं। राजस्थान के विश्नोई खेजड़ी वृक्ष तथा काले हिरण की रक्षा करते हैं। उनके गांव के आसपास काले हिरण, चिंकारा, नीलगाय एवं मोरों के झुंड दिखाई पड़ना आम बात है जो वहां के समुदाय के अभिन्न अंग है उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचाता है।

5. वन्यजीवों के संरक्षण के लिए तत्काल उपाय करना क्यों आवश्यक है?

उत्तर - विभिन्न जीव जंतुओं का संरक्षण के उपाय के निम्नलिखित आवश्यकता है-

(i) भारत के प्राकृतिक संपदा और वन्य प्राणियों को देखने के लिए हर वर्ष अनेक दर्शक भारत आते रहते हैं इस प्रकार अनजाने में भारत को बहुत सी विदेशी प्राप्त हो जाती है।

(ii) विभिन्न प्रकार के पशु -पक्षी इतनी मधुर ध्वनियां निकालते हैं कि बहुत से कवि और चित्रकार मुग्ध होकर रह जाते हैं और कमाल की रचनाओं का सृजन कर डालते हैं।

(iii) विभिन्न प्रकार के जीव जंतु पारिस्थितिक संतुलन को रखने में बड़े सहायक सिद्ध होते हैं।

(iv) यदि प्राकृतिक संपदा विशेषकर विभिन्न जीव जंतुओं के संरक्षण की अवहेलना कर दी गई तो हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत से पशुओं और पक्षियों की प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी और बेचारे उनके दर्शन से भी वंचित रह जाएंगे।

(v) यदि विभिन्न जीव जंतुओं के संरक्षण का ध्यान ना रखा जाएगा तो गैंडा, बाघ, कस्तूरी हिरण तथा सोहन चिड़िया जैसे अमूल्य जीव जंतु शिकारियों की बंदूक का निशाना बन कर रह जाएंगे।

6. प्रशासनिक उद्देश्य के आधार पर वनों का वर्गीकरण कितने प्रकार से किया गया है? प्रत्येक का वर्णन करें।

उत्तर - प्रशासनिक उद्देश्य के आधार पर वनों को तीन भागों में बांटा गया है-

(क) आरक्षित वन- वे वन जो हमेशा इमारती लकड़ी एवं अन्य उत्पादों का उत्पादन करने के लिए समर्पित होते हैं वे आरक्षित वन कहलाते हैं। इन वनों में कभी-कभी पशुओं को चराने एवं कृषि करने की भी अनुमति होती है। आरक्षित वन अधिक से अधिक पशुओं का आश्रय प्रदान करते हैं। भारत के कुल भूमि के 54.4% भाग पर आरक्षित वन पाए जाते हैं।

(ख) संरक्षित वन- संरक्षित वन में इस बात पर विशेष जोर दिया जाता है कि उन जीव और जंतुओं को अधिक से अधिक आश्रय प्रदान किया जाए जिनकी संख्या दिन प्रतिदिन समाप्त होती जा रही है। इन जीव जंतु की देखभाल के लिए और इनके शिकार पर रोकथाम के लिए वन द्वारा अनेक कर्मचारी रखे गए हैं। हमारी कुल भूमि के 29.2% भाग पर संरक्षित वन पाए जाते हैं।

(ग) अवर्गीकृत वन-वे वन जो बहुत ही खाली पड़े हैं उन्हें अवर्गीकृत वन कहते हैं। हमारी कुल भूमि के 16.4% भाग पर अवर्गीकृत वन पाए जाते हैं।

7. भारत में विभिन्न समुदायों ने किस प्रकार वनों और वन्य जीव संरक्षण और रक्षण में योगदान किया है? विस्तार पूर्वक विवेचना करें।

उत्तर - भारत में कुछ स्थानीय समुदायों से गहरा नाता है। ये उनका आवास भी है और आजीविका का साधन भी है। अतः वे अपने आवास तथा आजीविका की रक्षा के लिए वनों के लिए कड़ा संघर्ष कर रहे हैं। इस संबंध में कुछ उदाहरण दिए जा रहे हैं-

(क) राजस्थान के सरिस्का टाइगर रिजर्व में गांव के लोगों ने खनन के खिलाफ लड़ाई लड़ी है।

(ख) कई प्रदेशों में ग्रामीण समुदाय स्वयं वनों के संरक्षण में जुटे हुए हैं। इस कार्य में उन्होंने सरकार का सहयोग लेने से भी इंकार कर दिया है। उदाहरण के लिए राजस्थान के अलवर जिले के पांच गांवों के ग्रामीणों ने 1200 हेक्टेयर वन क्षेत्र को "भैरो देव डाकव सोंचुरी" घोषित किया हुआ है। संरक्षण के लिए उन्होंने अपने अपने नियम बनाए हुए हैं इनके अनुसार शिकार करने पर तथा वन्य जीवन को किसी प्रकार के अनेक क्षति पहुंचाने पर रोक है।

(ग) कई समुदाय कुछ विशेष वृक्षों अथवा वनों को पवित्र मानकर उनकी पूजा करते हैं। इन समुदायों का भी वनों के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान है।

sharkhandlab.com

अध्याय - 3 जल संसाधन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1: निम्नांकित में से किस क्षेत्र में, लोग सिंचाई के लिए 'गुल' अथवा 'कुल' का निर्माण करते थे?

A. उत्तरी मैदान B. पश्चिमी हिमालय
C. तटीय क्षेत्र D. पूर्वी हिमालय

उत्तर-B पश्चिमी हिमालय

प्रश्न 2: "नर्मदा बचाओ आंदोलन" का संबंध है-

A. सरदार सरोवर B. भाखड़ा नंगल
C. रिहंद D. टिहरी

उत्तर-A सरदार सरोवर

प्रश्न 3: विश्व में जल के कुल आयतन का कितने प्रतिशत भाग महासागरों में पाया जाता है।

A. 97.1% B. 94.5%
C. 96.5% D. 95.9%

उत्तर-C 96.5%

प्रश्न 4: विश्व में जल के कुल आयतन का कितने प्रतिशत भाग अलवणीय जल है अथवा कुल उपलब्ध जल में पीने लायक जल कितना है?

A. 2.5% B. 1.5%
C. 7.2% D. 10.5%

उत्तर-A 2.5%

प्रश्न 5: निम्नांकित में से किस राज्य में बांस ड्रिप सिंचाई प्रणाली प्रचलित है?

A. हिमाचल प्रदेश B. मेघालय
C. पश्चिम बंगाल D. राजस्थान

उत्तर-B मेघालय

प्रश्न 6: इनमें से किस नदी पर बहुउद्देशीय नदी परियोजना नहीं है?

A. महानदी B. सतलुज व्यास
C. नर्मदा D. यमुना

उत्तर-D यमुना

प्रश्न 7: निम्नलिखित में कौन ताजा पानी का स्रोत है?

A. भूतल अपवाह B. वर्षा
C. भूजल D. इनमें सभी

उत्तर-C भूजल

प्रश्न 8: इनमें राजस्थान की सबसे महत्वपूर्ण परियोजना कौन सी है?

A. चंबल B. भाखड़ा नंगल
C. नागार्जुन D. इंदिरा गांधी नहर

उत्तर-D इंदिरा गांधी नहर

प्रश्न 9: इनमें से किस परियोजना का मुख्य उद्देश्य बाढ़ नियंत्रण रहा है?

A. हीराकुंड B. भाखड़ा
C. चंबल D. कोसी

उत्तर-D कोसी

प्रश्न 10: भारत की नदियों पर अत्यधिक दुष्प्रभाव किसका पड़ा है?

A. बढ़ती जनसंख्या
B. नगरीकरण और औद्योगिकीकरण
C. कृषि आधुनिकीकरण
D. इनमे सभी

उत्तर-D इनमें सभी

प्रश्न 11: किसने कहा है कि "बांध आधुनिक भारत के मंदिर हैं" ?

A. सुभाष चंद्र बोस B. भीमराव अंबेडकर
C. महात्मा गांधी D. पंडित जवाहरलाल नेहरू

उत्तर-D पंडित जवाहरलाल नेहरू

प्रश्न 12: नागार्जुन सागर बांध किस नदी पर स्थित है?

A. गंगा B. कृष्णा
C. कावेरी D. गोदावरी

उत्तर-B कृष्णा

प्रश्न 13: उस राज्य का नाम बताएं जहां हर घर में 'छत वर्षा जल संग्रह ढांचा' बनाना आवश्यक है?

A. तमिलनाडु B. केरल
C. गोवा D. सिक्किम

उत्तर-A तमिलनाडु

प्रश्न 14: किस राज्य में विश्व की सर्वाधिक वर्षा होती है?

A. असम B. मणिपुर
C. मेघालय D. हिमाचल प्रदेश

उत्तर- C मेघालय

प्रश्न 15: इंदिरा गांधी नहर किस क्षेत्र को पेयजल उपलब्ध कराती है?

A. उत्तरी हरियाणा B. दक्षिणी पंजाब
C. पूर्वी राजस्थान D. पश्चिमी राजस्थान

उत्तर-D पश्चिमी राजस्थान

प्रश्न 16: भारत में कुल विद्युत उत्पादन का लगभग 22% प्राप्त होता है-

A. जल विद्युत से B. पवन ऊर्जा से
C. तापीय ऊर्जा से D. ज्वारीय ऊर्जा से

उत्तर-A जल विद्युत से

प्रश्न 17: जल किस प्रकार का संसाधन है?

A. अनवीकरणीय B. कृत्रिम
C. समाप्य D. नवीकरणीय

उत्तर-D नवीकरणीय

प्रश्न 18: राजस्थान में "छत वर्षा जल संग्रह" को कहा जाता है ।

A. टांका B. गुल
C. कुल D. बाओक्स

उत्तर-A टांका

प्रश्न 19: निम्नांकित में कौन सा आलवणीय जल का स्रोत है।

A. भौम जल B. सतही जल
C. वर्षण D. इनमें सभी

उत्तर-D इनमें सभी

Jharkhandlab.com

प्रश्न 20: जल दुर्लभता का कारण है-

A. बढ़ती जनसंख्या की बढ़ती आवश्यकता है
B. जल का असमान वितरण
C. जल संरक्षण न होना
D. इनमें सभी

उतर-D इनमें में सभी

प्रश्न 21: धरातल का कितना भाग जल से ढका हुआ है?

A. एक- चौथाई
B. दो - चौथाई
C. तीन -चौथाई
D. इनमें से कोई नहीं

उतर-C तीन- चौथाई

प्रश्न 22: निम्नांकित में से जल की खराब गुणवत्ता का कारण नहीं है-

A. असमान वितरण
B. औद्योगिक अपशिष्ट
C. रसायन
D. कीटनाशक

उतर-A असमान वितरण

प्रश्न 23: जल प्रदूषण के कारण निम्न में से कौन सी समस्या उत्पन्न होती है?

A. जलाशय में तलछट का जमना
B. औद्योगिक कचरे का निर्वहन
C. जलिए जीवन के बढ़ने में
D. जल जनित बीमारियां

उतर-D जल जनित बीमारियां

प्रश्न 24: इनमें से कौन प्राचीन भारत की सबसे बड़ी कृत्रिम झीलो में से एक है?

A. गोविंद सागर झील
B. हीराकुंड
C. भोपाल झील
D. डल झील

उतर-C भोपाल झील

प्रश्न 25: भारत में सिंचाई के प्रमुख साधन है।

A. नहरें
B. तालाब
C. कुएं तथा नलकूप
D. उपर्युक्त सभी

उतर-D उपर्युक्त सभी

प्रश्न 26: वर्षण से प्राप्त जल कैसा होता है?

A. अलवणीय
B. लवणीय
C. पृष्ठीय
D. इनमें से कोई नहीं

उतर-A अलवणीय

प्रश्न 27: यमुना नदी किन दो शहरों के बीच सबसे अधिक प्रदूषित होती है?

A. हरियाणा और पंजाब
B. दिल्ली और इटावा
C. जयपुर और जोधपुर
D. इनमें से कोई नहीं

उतर-B दिल्ली और इटावा

प्रश्न 28: वृहद क्षेत्र में जल की उपस्थिति के कारण ही पृथ्वी को कहते हैं।

A. उजला ग्रह
B. नीला ग्रह
C. लाल ग्रह
D. हरा ग्रह

उतर-B नीला ग्रह

प्रश्न 29: निम्न में से किन कारणों से "छत वर्षा जल संग्रहण" खासकर राजस्थान में आमतौर पर की जाती है?

A. सिंचाई के लिए पानी का भंडारण के लिए
B. घर को ठंडा रखने के लिए
C. पीने के पानी को संग्रहित करने के लिए
D. छतों की सफाई करने के लिए

उतर-C पीने के पानी को संग्रहित करने के लिए

प्रश्न 30: जल संभार प्रबंधन क्या है?

A. भौम जल का दक्ष प्रबंधन
B. धरातलीय जल संसाधन का दक्ष प्रबंधन
C. A तथा B दोनों
D. इनमें कोई नहीं

उतर-C A तथा B दोनों

प्रश्न 31: भारत में जल का सबसे अधिक उपयोग किया जाता है।

A. सिंचाई में
B. उद्योग में
C. घरेलू उपयोग में
D. व्यापार में

उतर-A सिंचाई में

रिक्त स्थानों को भरें:-

1: टिहरी बांध का निर्माण..... नदी पर हुआ है।

2: हीराकुंड बांध ..... पर है।

3: भाखड़ा नंगल बहुउद्देशीय योजनाओं का निर्माण ..... नदी पर हुआ है।

4: सरदार सरोवर परियोजना ..... नदी से संबंधित है।

5: भारत में सिंचाई के मुख्य ..... हैं।

6: महानदी ..... से होकर गुजरती है।

उतर- (1) भागीरथी, (2) महानदी, (3) सतलुज, (4) नर्मदा, (5) तीन, (6) उड़ीसा

अति लघु उत्तरीय प्रश्न:-

प्रश्न 1: जल क्या है?

उतर- जल या पानी एक आम रसायनिक पदार्थ है जिसका अणु दो हाइड्रोजन परमाणु और एक ऑक्सीजन परमाणु से बना है। यह सारे प्राणियों के जीवन का आधार है। आमतौर पर जल शब्द का प्रयोग द्रव्य के लिए उपयोग में लाया जाता है पर यह ठोस अवस्था (बर्फ) और गैस व्यवस्था (भाप) में भी पाया जाता है।

प्रश्न 2: जल संसाधन क्या है?

उतर- जल संसाधन जल के वे स्रोत है जो मनुष्य के लिए उपयोगी होते हैं। अधिकांशतः लोगों को ताजे जल की आवश्यकता होती है। जल की उपस्थिति के कारण ही पृथ्वी पर जीवन संभव है। जल एक अक्षय प्राकृतिक संसाधन है।

प्रश्न 3: बांध से क्या समझते हैं?

उतर- बहते जल को रोकने, दिशा देने या बहाव कम करने के लिए खड़ी की गई बाधा है जो आमतौर पर जलाशय, झील अथवा जल भरण बनाती है।

प्रश्न 4: बहुउद्देशीय परियोजनाएं क्या है?

उतर- नदियों पर बांध बनाकर एक बार में अनेक उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रयत्न किया जाता है।

प्रश्न 5: बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना से क्या समझते हैं?

उतर- नदी पर बांध बनाकर इससे अनेक प्रकार के उद्देश्य को पूरा करना बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना कहलाता है।

जैसे-बाढ़ नियंत्रण, जल विद्युत निर्माण, जलापूर्ति, सिंचाई प्रबंधन आदि।

प्रश्न 6: बांस ड्रिप सिंचाई प्रणाली क्या है?

उतर- नदियों वाहनों के जल को बांस के बने पाइपों द्वारा एकत्रित करके सिंचाई करना बांस ड्रिप सिंचाई कहलाता है।

Jharkhandlab.com

प्रश्न 7: टांका क्या है?

उतर- टांका में वर्षा जल अगली वर्षा ऋतु तक संग्रहित किया जा सकता है। यह इसे जल की कमी वाली ग्रीष्म ऋतु तक पीने का जल उपलब्ध करवाने वाला जल स्रोत बनाता है।

प्रश्न 8: जल संभर विकास क्या है?

उतर- जल संभर सहायक नदी की द्रोणी है। इसमें एक छोटी नदी हो सकती है या नहीं भी हो सकती है लेकिन जब कभी वर्षा होती है तो वहां से होकर जल बहता है और किसी ना किसी नदी में मिल जाता है। इस प्रकार जल संभर एक भू-आकृतिक इकाई है और इसका उपयोग सुविधा अनुसार छोटे प्राकृतिक इकाई क्षेत्रों में समन्वित विकास के लिए किया जाता है।

प्रश्न 9: वर्षा जल संग्रहण क्या है?

उतर- वर्षा जल संग्रहण भूमिगत जल की क्षमता को बढ़ाने का एक तरीका है। इसमें वर्षा के जल को रोकने के लिए विशेष ढांचे जैसे- कुंए, गड्ढे, बांध आदि का निर्माण किया जाता है।

प्रश्न 10: भारत में सिंचाई की आवश्यकता क्यों है?

उतर- भारत एक मानसूनी जलवायु वाला देश है। मानसूनी जलवायु में वर्षा निश्चित नहीं होती है इसलिए जहां पर वर्षा नहीं होती है वहां सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है।

प्रश्न 11: नदी घाटी परियोजना के क्या लाभ हैं?

उतर- नदी घाटी परियोजना के निम्नलिखित लाभ हैं-

(क) विद्युत का उत्पादन करना

(ख) बाढ़ो पर नियंत्रण पाना

(ग) मृदा अपरदन पर रोक

(घ) अंतः स्थलीय जल परिवहन

प्रश्न 12: उन राज्यों के नाम बताएं जिनसे होकर नर्मदा नदी बहती है?

उतर- नर्मदा नदी मध्यप्रदेश और गुजरात से होती हुई पश्चिम दिशा में बहती हुई अंत में अरब सागर में गिर जाती है।

प्रश्न 13: महानदी किन दो राज्यों से होकर बहती है?

उतर- महानदी छत्तीसगढ़ और उड़ीसा से होकर बहती है। यह छत्तीसगढ़ से निकलती है और उड़ीसा से होती हुई बंगाल की खाड़ी में गिरती है।

प्रश्न 14: मौसमी नदियां क्या है उदाहरण दें?

उतर- मौसमी नदियों में जल केवल वर्षा ऋतु में रहती है। शेष ऋतु में या तो नदियां सूख जाती हैं या जल की मात्रा घट जाती है।

उदहरण- गोदावरी, कृष्णा, कावेरी आदि नदियां मौसमी नदियां हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्नः-

प्रश्न 1: नदी द्रोणी किसे कहते हैं?

उतर- नदी द्रोणी एक क्षेत्र है जिसके जल को नदी और उसकी सहायक नदियां बहा कर ले जाती हैं। जल संभर सहायक नदी की द्रोणी है इसमें एक छोटी नदी हो सकती है अथवा नहीं भी हो सकती है, परंतु जब कभी वर्षा होती है तो वहां से होकर जल बहता है और अंततः किसी न किसी नदी में मिल जाता है।

प्रश्न 2: सदानीरा नदियों से क्या समझते हैं?

उतर- सदानीरा नदियां वे नदियां हैं जिनमें वर्षभर जल की पर्याप्त मात्रा रहती है। यह नदियां हिमालय के बर्फीले क्षेत्रों से निकलती है इसलिए शुष्क ऋतु में भी हिम पिघलकर इन नदियों में जल की मात्रा को बनाए रखता है। सदानीरा नदियों का स्रोत झील, झरना अथवा हिमनद होता है। सदानीरा नदियों में गंगा, यमुना, कावेरी, ब्रह्मपुत्र, अमेजन, नील आदि नदियां आती हैं।

प्रश्न 3: मौसमी नदियां क्या हैं? इनके उदाहरण दें।

उतर- मौसमी नदियां वैसी ही होती है जैसे कि उनके नाम से पता चलता है। वह अपने स्थान पर मूसलाधार बारिश के मौसम के दौरान नदियों को प्रभावित करती हैं, जहां उनका पानी उन्हें वर्षा से प्राप्त होता है, जो पहाड़ और पहाड़ियों से हजारों धाराओं के रूप में बहती है।

एक बार बारिश का मौसम रुकने के बाद मौसम विपरीत हो जाता है और सूखे के मौसम में चला जाता है। नदी तब तक बहती रहती है जब तक पानी नदी में गिरता रहता है जब तक कि यह छोटी धाराएं सुख नहीं जाती और नदी तब तक छोटी और छोटी हो जाती है जब तक की नदी अंततः पूरी तरह से सुख नहीं जाती और यह सिलसिला साल दर साल जारी रहता है जिसके परिणाम स्वरूप मौसमी नदी बन जाती है।जैसे- गोदावरी, कृष्णा, कावेरी आदि।

प्रश्न 4: जल दुर्लभता क्या है? और इसके मुख्य कारण क्या है?

उतर- जल दुर्लभता का अर्थ है- जल की कमी। दूसरे शब्दों में जब किसी वस्तु की आपूर्ति मांग से कम हो तो वह वस्तु दुर्लभ हो जाती है। देश के कई क्षेत्रों में जल की बहुत कमी है।

जल की कमी के निम्नलिखित कारण हैं:-

(क) किसी प्रदेश में अधिक जनसंख्या जल की कमी का प्रमुख कारण है। प्रत्येक व्यक्ति को पीने के लिए, भोजन के लिए, कपड़े धोने आदि के लिए पानी की आवश्यकता होती है।

(ख) प्रदेश में यदि कम वर्षा है तथा सूखा है तो जल की कमी होगी।

(ग) अति शोषण या अधिक उपयोग जल की कमी का प्रमुख कारण है।

(घ) असमान जल भी जल के अभाव का ही कारण है।

प्रश्न 5: जल संसाधन क्या है? इससे होने वाले लाभ लिखें।

उतर- जल एक बहुमूल्य संसाधन है। जल संसाधन पानी के वह स्रोत है जो मानव के लिए उपयोगी हो या जिनके उपयोग कृषि, औद्योगिक, घरेलू मनोरंजन और पर्यावरणीय गतिविधियों में होता है। इन सभी मानवीय उपयोगों में ज्यादातर में ताजे जल की आवश्यकता होती है।

जल संसाधन से होने वाले लाभ-

(i) कृषि में सिंचाई के लिए।

(ii) पीने और घरेलू कार्यों के लिए।

(iii) औद्योगिक उद्देश्यों की पूर्ति में।

(iv) सभी प्रकार के गंदगी के निपटाने के लिए।

प्रश्न 6: वर्षा जल संग्रहण के उद्देश्य क्या है?

उतर- वर्षा जल संग्रहण के निम्नलिखित उद्देश्य हैं-

(i) जल की बढ़ती मांग को पूरा करना

(ii) सड़कों को जलभराव से बचाना

(iii) भौमजल को इकट्ठा करने की क्षमता तथा जलस्तर को बढ़ाना

(iv) भौम जल प्रदूषण को घटाना

(v) भौम जल की गुणवत्ता को बढ़ाना

(Vi) ग्रीष्म ऋतु तथा लंबी शुष्क अवधि में जल की घरेलू आवश्यकता को पूरा करना।

Jharkhandboard.com

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1: जल संरक्षण के विभिन्न उपायों को विस्तार से बताएं।

उतर- जल संरक्षण के विभिन्न उपाय-

(i) सब को जागरूक नागरिक की तरह जल संरक्षण का अभियान चलाते हुए बच्चों और महिलाओं में जागृति लानी होगी। स्नान करते समय 'बाल्टी' में जल लेकर 'शावर' या 'टब' में स्नान की तुलना में बहुत जल बचाया जा सकता है। पुरुष वर्ग दाढ़ी बनाते समय यदि टोटीं बंद रखें तो बहुत जल बच सकता है। रसोई में जल की बाल्टी या टब में अगर बर्तन साफ करें तो जल की बहुत बड़ी हानि रोकी जा सकती है।

(ii) पहले गांव, कस्बों और नगरों की सीमा पर या कहीं नीचे सतह पर तालाब अवश्य होते थे, जिनमें स्वाभाविक रूप से मानसून की वर्षा का जल एकत्रित हो जाता था साथ ही अनुपयोगी जल भी तालाब में जाता था जिसे मछलियां और मेंढक आदि साफ करते रहते थे और तालाब का जल पूरे गांव के पीने, नहाने और पशु आदि के काम में आता था। लेकिन स्वार्थी मनुष्य ने तालाबों को पाटकर घर बना लिया और जल की आपूर्ति खुद ही बंद कर बैठा है। जरूरी है कि गांवों, कस्बों और नगरों में छोटे- बड़े तालाब बनाकर वर्षा का जल संरक्षण किया जाए।

(iii) नगरों और महानगरों में घरों की नालियों के पानी को गड्ढे बनाकर एकत्रित किया जाए और पेड़ पौधों की सिंचाई के काम में लिया जाए तो साफ पेयजल की बचत अवश्य की जा सकती है।

(iv) अगर प्रत्येक घर की छत 'वर्षा जल' का भंडार करने के लिए एक या दो टंकी बनाई जाए और इन्हें मजबूत जली या फिल्टर कपड़े से ढक दिया जाए तो हर नगर में जल संरक्षण किया जा सकेगा।

(v) घरों, मुहल्लों और सार्वजनिक पार्कों, स्कूलों, अस्पतालों दुकानों, मंदिरों आदि में लगी नल की टोटींयां खुली या टूटी रहती है तो अनजाने ही प्रतिदिन हजारों लीटर जल बेकार हो जाता है। इस बर्बादी को रोकने के लिए नगरपालिका एक्ट में टोटियों की चोरी को दंडात्मक अपराध बनाकर जागरूकता भी बढ़ानी।

(vi) जंगलों का कटान होने से दोहरा नुकसान हो रहा है पहला यह कि वाष्पीकरण ना होने से वर्षा नहीं हो पाता और दूसरे भूमिगत जल सूख जाता है। बढ़ती जनसंख्या और औद्योगिकीकरण के कारण जंगल और वृक्षों के अंधाधुंध कटान से भूमि की नमी लगातार कम होती जा रही इसलिए वृक्षारोपण लगातार किया जाना जरूरी है।

(vii) गंगा और यमुना जैसी सदानीरा बड़ी नदियों की नियमित सफाई बेहद जरूरी है।

प्रश्न 2: व्याख्या करें कि जल किस प्रकार नवीकरण योग्य संसाधन है?

उतर- जल एक नवीकरणीय योग्य संसाधन है। प्रकृति में जल एक जल चक्र द्वारा हमेशा गतिमान रहता है जो हमें उपलब्ध रहता है। उदाहरण स्वरूप जल का प्रयोग हम अपने घरों, उद्योगों आदि में करते हैं। फिर वह जल नाले -नालियों द्वारा किसी नदी तक पहुंचता है या पृथ्वी में रिसर जाता है। नदियों में पहुंचने वाला जल अंततः समुद्र में जाकर गिरता है। वायुमंडल समुद्र में से आद्रता ग्रहण करता है जो बादल बनने में सहायक है बादलों के कारण वर्षा होती है और इस प्रकार जल पुनः पृथ्वी पर वापस आता है और हमें उपलब्ध होता है।

इसके अलावा सूर्य की गर्मी के कारण जल का वाष्पीकरण होता है जलवाष्प हवा में संघनित होकर बादलों में बादल जाता है। यह संघनित जलवाष्प वर्षा अथवा बर्फ के रूप में धरती पर गिरता है। धरती से जल द्वारा सागरों में पहुंचता है फिर जल का वाष्पीकरण होता है इस प्रकार जलीय चक्र सदैव गतिशील रहता है।

प्रश्न3: बहुउद्देशीय परियोजनाओं से होने वाले लाभ और हानियों की तुलना करें।

उतर- बहुउद्देशीय परियोजनाओं से होने वाले लाभ-

(i) इस प्रकार की योजनाएं बाढ़ जैसी भयानक खतरे को रोकने में सहायक है।

(ii) इनसे जल विद्युत का उत्पादन होता है।

(iii) इन बांधों ने भुख और अकाल से लोगों को बचाया है। जो पहले अनगिनत लोग भूख और अकाल से मर जाते थे अब उन्हें इन्हीं बड़े बांधों के कारण जीवनदान दिया गया है।

(iv) इसका जल घरेलू कामकाज तथा उद्योग के लिए उपयोग में आता है।

(V) साधारणतया इन योजनाओं के समीप क्षेत्र में लोग अपने मनोरंजन के लिए जाते हैं।

(vi) यह योजना तथा मछली पालन और नौकायन के लिए उपयोग में आती है।

बहुउद्देशीय परियोजनाओं से होने वाली हानियां-

(i) यह कहा जाता है कि यह बांध बहुत सा आसपास का इलाका अपने जलाशयों और विभिन्न निर्माण कार्यों द्वारा घेर लेते हैं और उन्हें सदा के लिए बेकार बना देते हैं।

(ii) जो लोग ऐसे क्षेत्रों में रह रहे होते हैं उन्हें भी बेघर होना पड़ता है। कोई भी व्यक्ति अपने जन्म स्थान और निवास स्थान को छोड़ना नहीं चाहता है।

(iii) नदी पर बांध बनाने से नदी के जल का प्रवाह बाधित होता है।

(iv) बाढ़ से नदी की शाखाएं बट जाती हैं जो जल में रहने वाले वनस्पति को हस्तांतरित करता है।

(v) बाढ़ निर्मित मैदान में बने जल भंडारों में वनस्पति डूब जाती है तथा मृदा विघटित हो जाती है।

(vi) इन परियोजनाओं के कारण लोगों का कहना है कि भूकंप आने विदेशी आक्रमण या किसी आतंकवादी की शरारत से कभी यह बांध टूट जाएगा।

प्रश्न 4: परंपरागत वर्षा जल संग्रहण की पद्धतियों को आधुनिक काल में अपनाकर जल संरक्षण एवं भंडारण किस प्रकार किया जा रहा है?

उतर- आज भी भारत के कई ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जल संग्रहण और भंडारण का तरीका प्रयोग में लाया जाता है-

(i) पश्चिमी भारत "छत वर्षा जल संग्रहण" की विधि प्रचलित है। छत वर्षा जल को पी.वी.सी. पाइप द्वारा एकत्रित किया जाता है। रेत और ईंट प्रयोग करके जल का छानन किया जाता है। भूमिगत पाइप द्वारा जल हौज तक ले जाया जाता है जहां इसे तुरंत प्रयोग में किया जाता है। अतिरिक्त जल को कुएं तक ले जाया जाता है।

(ii) सिंधु घाटी के लोग अब पानी का महत्व जानते थे इसलिए उन्होंने प्रत्येक घर में एक कुआं खोद रखा था। मोहनजोदड़ो से प्राप्त होने वाली विशाल स्नानागार के अवशेष सिद्ध करते हैं कि आज से 5000 से भी पूर्व भारतीय लोग पानी का संरक्षण करना जानते थे।

(iii) तमिलनाडु देश एकमात्र राज्य है जहां पूरे राज्य में हर घर में 'छत वर्षा जल संग्रहण धातु' का बनाना आवश्यक कर दिया गया है। इस संदर्भ में दोषी व्यक्ति पर कानूनी कार्यवाही हो सकती है।

(iv) मेघालय की राजधानी शिलांग में छत वर्षा जल संग्रहण प्रचलित है। चेरापूंजी और मासिनराम विश्व में सबसे अधिक वर्षा होती है। शिलांग में 55 किलोमीटर की दूरी पर ही स्थित है और यह शहर पीने के जल की कमी की गंभीर समस्या का सामना करता है। शहर के लगभग हर

jharkhandiam.com

घर में छत वर्षा जल संग्रहण की व्यवस्था है। घरेलू जल आवश्यकता की कुल मांग के लगभग 15 -25 हिस्से की पूर्ति जल संग्रहण व्यवस्था से ही होती है।

(v) राजस्थान में जहां रेगिस्तान होने के कारण सदा पानी की कमी रहती है, अनेक राजाओं ने समय-समय पर विभिन्न प्रकार के जलाशयों का निर्माण करवाया। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, दिल्ली तथा देश के अन्य राज्यों में भी हमें तालाबों, कुनै, बावलियों तथा नहरों आदि के अवशेष मिलते हैं। इन सभी द्वारा जल संग्रहण और जलापूर्ति का प्रयत्न किया गया है। ये सभी जलाशय इस बात के साक्षी हैं कि प्राचीन भारतीय शासकों को अपनी प्रजा के हित का कितना ध्यान था।

प्रश्न 5: राजस्थान में अर्ध- शुष्क क्षेत्रों में वर्षा जल संग्रहण किस प्रकार किया जाता है? व्याख्या कीजिए ।

उतर- जल संग्रहण प्रणाली सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय रूप में एक महत्वपूर्ण उपाय है। प्राचीन समय में भी लोग वर्षा प्रदेश, मृदा की बनावट तथा वर्षा जल संग्रहण की प्रक्रिया से पूरी तरह परिचित थे। पर्वतीय क्षेत्रों में पश्चिमी हिमालय प्रदेश में लोग कृषि के लिए 'गुल' अथवा "कुल" (नालियों) का निर्माण करते थे। राजस्थान में छत पर वर्षा जल संग्रहण करते थे। शुष्क तथा अर्ध- शुष्क क्षेत्रों में खेतों को वर्षा वाले भंडारण क्षेत्र में बदल दिया जाता था। इससे उन में पानी भरा रहता था जो मृदा को आद्र बनाए रखता था। जैसलमेर में 'खादिन' और अन्य भागों में 'जोहड़' इसके उदाहरण हैं ।

राजस्थान के अर्ध- शुष्क और शुष्क क्षेत्रों विशेषकर बीकानेर, फलौदी और बाड़मेर में, लगभग हर घर में पीने का पानी संग्रहित करने के लिए वहां भूमिगत 'टैंक' अथवा "टांका" हुआ करते थे। इसका आकार एक बड़े कमरे जितना हो सकता है। फलौदी में एक घर में 6.1 मीटर गहरा, 4.27 मीटर लंबा और चौड़ा टांका था। टांका यहां सुविकसित छत वर्षा जल संग्रहण तंत्र का अभिन्न हिस्सा होता है। जिसे मुख्य घर के आंगन में बनाया जाता था। वह घरों की ढलवां छतों से पाइप द्वारा जुड़े हुए थे। छत से वर्षा का पानी इन नालों से होकर भूमिगत टांका तक पहुंचता था। जहां इसे एकत्रित किया जाता था। टांका में वर्षा जल अगली वर्षा ऋतु तक संग्रहित किया जा सकता है। यह इसे जल की कमी वाली ग्रीष्म ऋतु तक पीने का जल उपलब्ध करवाने वाला जल स्रोत बनाता है।

प्रश्न 6: जल संसाधनों का संरक्षण एवं प्रबंधन क्यों आवश्यक है? इसके लिए क्या करना होगा ?

उतर- जल जीवन का आधार है। पृथ्वी पर जल की उपलब्धता सीमित है अतः जल का संरक्षण एवं प्रबंधन आवश्यक है। जल का संरक्षण और प्रबंधन इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि जल की जो सीमित मात्रा उपलब्ध है विभिन्न कारणों से प्रदूषित हो रही है। वर्तमान में जल संकट एक गंभीर समस्या बनती जा रही है जिसका समाधान जल स्रोतों के उचित संरक्षण और प्रबंधन के माध्यम से किया जा सकता है ।इसके लिए निम्नांकित कदम उठाए जाने चाहिए -

(i) अधिक जल संग्रह के लिए अधिक जलाशयों का निर्माण करना होगा।

(ii) भूमिगत जल में वृद्धि करना।

(iii) नदी जल ग्रिड बनाना।

(iv) वर्षा जल का संग्रहण करना।

(v) जल संभरण तकनीक को अपनाना।

प्रश्न 7: भारत में विभिन्न नदी घाटी परियोजनाओं के नाम लिखें तथा उनका संक्षिप्त विवरण दें।

उतर- भारत में विभिन्न नदी घाटी परियोजनाओं के संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है-

(i) दामोदर नदी घाटी परियोजना- दामोदर नदी घाटी परियोजना स्वतंत्र भारत की प्रथम बहुउद्देशीय परियोजना है। इस परियोजना को अमेरिका की टेनेसी योजना के मॉडल के आधार पर बनाया गया था। यह परियोजना झारखंड एवं पश्चिम बंगाल की सम्मिलित परियोजना है।

(ii) नागार्जुन सागर परियोजना-नलगोड़ा(तेलंगाना) जिला एवं गुदर जिला (आंध्र प्रदेश) की सीमा पर कृष्णा नदी पर है। यहां मछली पालन और जलविद्युत बनाने का काम भी होता है।

(iii) भाखड़ा नांगल परियोजना- पंजाब में सतलुज नदी पर स्थित भाखड़ा नांगल परियोजना भारत की सबसे बड़ी परियोजना है। भूकंपीय क्षेत्र में स्थित यह विश्व का सबसे ऊंचा गुरुत्व बांध है।

(iv) इंदिरा गांधी परियोजना- इंदिरा गांधी परियोजना के अंतर्गत व्यास और सतलज के संगम "हरीके बराज" से इंदिरा गांधी नहर निकाली गई है ।यह संसार की सबसे लंबी(468कि.मी) नहर है।

(v) हीराकुंड नदी घाटी परियोजना- हीराकुंड बांध महानदी पर उड़ीसा में लगाया गया है। यह बांध विश्व का सबसे लंबा बांध है। इससे लगभग 154000 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होती है। यहां 270 मेगावाट विद्युत का निर्माण भी होता है।

(vi) नर्मदा घाटी परियोजना- इस परियोजना से लाभान्वित महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात एवं राजस्थान है। इसमें मध्य प्रदेश का "नर्मदा सागर बांध" व गुजरात का "सरदार सरोवर बांध" प्रमुख है।

Jharkhandjcert.com

अध्याय - 4 कृषि

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निम्न प्रश्नों में से सही विकल्प का चुनाव करें?

1. मध्य अमेरिका में झूम कृषि को किस नाम से जाना जाता है?

A. रे B. रोका
C. मिल्पा D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - C. मिल्पा

2. निम्न में से रोपण कृषि का उदाहरण है?

A. गन्ना B. चावल
C. गेहूं D. चना

उत्तर - A. गन्ना

3. इनमें से कौन सी रबी फसल है ?

A. चावल B. मोटा अनाज
C. कपास D. चना

उत्तर - D. चना

4. सुनहरा रेशा किस फसल को कहा जाता है?

A. रबड़ B. जूट
C. कपास D. कहवा

उत्तर- B. जूट

5. भारत के किस राज्य में धान का उत्पादन सबसे अधिक होता है

A. पश्चिम बंगाल B. उड़ीसा
C. झारखंड D. बिहार

उत्तर - A. पश्चिम बंगाल

6. धान की फसल उत्पादन के लिए तापमान की आवश्यकता होती है

A. 25°c B. 30°c
C. 50°c D. 45°c

उत्तर - A. 25°c

7. किस प्रकार के मृदा मे कपास की खेती होती है

A. बलुआ मिट्टी B. काली मिट्टी
C. लाल मिट्टी D. कोई नहीं

उत्तर - B. काली मिट्टी

8. भारत किस फसल का विश्व में अग्रणी उत्पादक और ?

A. चाय B. कॉफी
C. दही D. दाल

उत्तर - A. चाय

9. ऑपरेशन फ्लड किस क्रांति से संबंधित है?

A. हरित क्रांति B. श्वेत क्रांति
C. नीली क्रांति D. औद्योगिक क्रांति

उत्तर - B. श्वेत क्रांति

10. भारत की प्रमुख खाद्य फसल हैं

A. गेहूं और मक्का B. मक्का और चना
C. चावल और बाजरा D. चावल और गेहूं

उत्तर - D. चावल और गेहूं

11. इनमें से कौन फलीदार फसल है?

A. चावल B. चना
C. कपास D. मोटा अनाज

उत्तर - B. चना

12. मणिपुर में कर्तन धन प्रणाली कृषि को किस नाम से जाना जाता है?

A. झूम B. दीपा
C. स्थानांतरित D. पामलू

उत्तर - D. पामलू

13. भारत में चाय का प्रमुख उत्पादक राज्य है?

A. केरल B. बिहार
C. असम D. मणिपुर

उत्तर - C. असम

14. विश्व में कपास के उत्पादन में भारत का स्थान है?

A. पहला B. दूसरा
C. तीसरा D. चौथा

उत्तर - B. दूसरा

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

15. गहन कृषि क्या है ?

उत्तर - वह खेती जिसमें अत्यधिक उत्पादन के लिए प्रति इकाई भूमि पर पूंजी और श्रम की अधिक मात्रा का प्रयोग करके किया जाता है उसे गहन कृषि कहते हैं।

16. कपास के उत्पादन के लिए भौगोलिक स्थिति क्या होनी चाहिए ?

उत्तर - कपास के उत्पादन के लिए काली मिट्टी उपयुक्त मानी जाती है इस फसल के लिए उच्च तापमान हल्की वर्षा या सिंचाई 210 पाला रहित दिन और खिली धूप की आवश्यकता होती है।

17. रेशेदार फसलों से आप क्या समझते हैं?

उत्तर- कपास, जूट, सन और प्राकृतिक रेशम भारत में उगाई जाने वाली मुख्य रेशेदार फसल है इनमें से तीन मिट्टी में फसल उगाने से प्राप्त होती है और चौथा रेशम के कीड़े से कोकून प्राप्त होता है।

18. रोपण कृषि क्या है ?

उत्तर - रोपण कृषि एक प्रकार के वाणिज्यिक खेती है। इस प्रकार की खेती लंबे चौड़े क्षेत्र में एकल फसल बोई जाती है इसमें अत्यधिक पूंजी और श्रम की आवश्यकता होती है जैसे चाय, कॉफी, रबड़, गन्ना, केला इत्यादि।

Jharkhandlab.com

लघु उत्तरीय प्रश्न

19. मोटे अनाज से क्या तात्पर्य है?

उत्तर - मोटे अनाज अर्थात मिलेट से अर्थ है पहाड़ी पथरीली या कम उपजाऊभूमि पर उगाई जाने वाली फसलों से है इसमें कुछ खाद्यान्न की फसलें है और कुछ चारे की जैसे ज्वार, बाजरा, रागी और मक्का मोटे अनाजों की फसलें हैं

20. भारत में चाय के उत्पादन के लिए भौगोलिक स्थिति का वर्णन करें?

उत्तर - चाय एक पेय पदार्थ है यह रोपण कृषि के अंतर्गत आता है चाय को अंग्रेजों ने भारत में लाए थे चाय कृषि के लिए उष्ण और उपोष्ण कटिबंधीय जलवायु ह्यूमस और जीवांश युक्त गहरी मिट्टी तथा सुगम जल निकास वाले ढलवा क्षेत्रों में उगाया जा सकता है चाय के लिए पूरे वर्ष कोष्ण नाम और पाला रहित जलवायु की आवश्यकता होती है। चाय एक श्रम प्रधान कृषि है।

21. कर्तन दहन प्रणाली से क्या समझते हैं ?

उत्तर - किसानों के द्वारा जमीन के किसी टुकड़े को साफ करके उस पर अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए अनाज एवं खाद्य फसलें उगाते हैं जब उस मृदा की उर्वरा शक्ति कम हो जाती है तो किसान उस भूमि को छोड़ कर के कहीं और चले जाते हैं और फिर किसी भूमि को साफ करते हैं और खेती का कार्य करते हैं इसे स्थानांतरित कृषि कहते हैं।

22. भारतीय कृषि की किन्ही चार विशेषताओं को लिखें?

उत्तर - भारत एक कृषि प्रधान देश है जिसमें कृषि की चार विशेषताएं निम्न है?

(i) खेती में पशुओं की मुख्य भूमिका होती है।

(ii) भारतीय कृषि पूरी तरह से मानसून पर आधारित है।

(iii) भारतीय कृषि में जोतों का आकार छोटा है।

(iv) उत्पादन में खाद्य पदार्थों की बहुत अधिकता रहती है

23. भारतीय कृषि के पिछड़ेपन के क्या कारण है?

उत्तर- भारत एक कृषि प्रधान देश है इसकी पिछड़ेपन के निम्न कारण है।

(i) पारंपरिक तकनीक- भारतीय किसान आज भी कृषि कार्य हेतु पारंपरिक तकनीक का प्रयोग करते हैं जिसके कारण उत्पादन कम होता है।

(ii) जोतों का छोटा आकार - भारत में एक ही परिवार के लोग पीढ़ी दर पीढ़ी अपनी भूमि को बांटते जाते हैं जिसके कारण जोतों का आकार छोटा होता जा रहा है और कृषि पिछड़ रही है।

(iii) मानसून पर आधारित -भारतीय कृषि पूर्ण रूप से मानसून पर आधारित है जब वर्षाअच्छी होती हैतो कृषि होती है और वर्षा अच्छी नहीं होती तो उत्पादन अच्छा नहीं होता इसीलिए भारतीय कृषि को मानसून के साथजुआ कहा जाता है।

(iii) साख का अभाव - भारतीय कृषि ऋण के अभाव में पिछड़ रहा है व्यापार बैंकों द्वारा कृषि को ऋण नहीं दिया जाता है जमींदारों के द्वारा ऋण दिया जाता है परंतु ब्याज की दर बहुत ऊंची होती है।

24. भारतीय कृषि पर वैश्वीकरण के प्रभाव का वर्णन करें?

उत्तर - भारत के अधिकांश जनता जीविका निर्वहन के लिए कृषि पर निर्भर है सरकार के द्वारा भारतीय कृषि का वैश्वीकरण किया गया है भारतीय कृषि पर वैश्वीकरण का प्रभाव निम्न है।

(i) कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए कृषि तकनीक जैसे यंत्र का प्रयोग होने लगा जिससे फसलों के उत्पादन में काफी वृद्धि हुई है।

(ii) भारत में कृषि के साथ-साथ व्यापारिक कृषि का तेजी से विकास हुआ है आज भारतीय किसान व्यापारिक फसलों के उत्पादन पर अत्यधिक बल देते हैं जिससे उन्हें अधिक लाभ की प्राप्ति हो रही है।

(iii) हरित क्रांति का आगमन से उन्नत किस्म के बीज का प्रयोग हो रहा है जिससे उनकी गुणवत्ता में वृद्धि हुई है अधिक उत्पादन हो रहा है और अधिक मूल्य की प्राप्ति हो रही है

(iv) वैश्वीकरण के कारण भारतीय कृषि उत्पादों का निर्यात भी हो रहा है जिससे विदेशी व्यापार में भारत का योगदान में वृद्धि हुई है।

वैश्वीकरण के कारण बड़े किसानों को अधिक लाभ प्राप्त हुआ है एवं छोटे किसानों को वैश्वीकरण का लाभ नहीं मिल पा रहा है। वैश्वीकरण से जहां तक विदेशी व्यापार में भारत का योगदान सराहनीय रहा है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

25. भारत सरकार द्वारा कृषि उत्पादन में वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए कौन-कौन से उपाय अपनाए गए हैं समझाएं?

उत्तर - विश्व में जनसंख्या के आधार पर भारत का स्थान दूसरा नंबर पर आता है इतनी बड़ी जनसंख्या को भोजन उपलब्ध कराने हेतु कृषि क्षेत्र में विस्तार के लिए सरकार के द्वारा विशेष कार्य किए गए हैं जो निम्न है:-

(i) जमींदारी प्रथा का उन्मूलन -कृषि में उत्पाद में वृद्धि के लिए सरकार ने सबसे पहला कार्य जमीदारी प्रथा का उन्मूलन किया क्योंकि भारत के लिए अभिशाप था। इस योजना के अंतर्गत जमींदारों से जमीन ले करके भूमिहीन किसानों को दे दी गई जमीन के न्याय संगत और सामान वितरण को निश्चित बनाने के लिए जोतों की सीमा निश्चित की गई।

(ii) खेतों की चकबंदी -भारत में अधिकतर किसानों के पास जोतों का बहुत छोटा आकार है और बिखरे हुए हैं सरकार ने इसे चकबंदी के जरिए बड़ा करने का प्रयास किया है।

(iii) हाइब्रिड बीजों का प्रयोग- कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए सरकार के द्वारा आधुनिक बीजों के विकास के लिए कई संस्थाएं बनाए गए जिसमें बीजों को विकसित किया गया और हाइब्रिड बनाया गया जैसे गेहूं -जिससे उत्पादन में काफी वृद्धि हुई।

(iv) कीटनाशकों का प्रयोग -फसलों में अत्यधिक कीड़े मकोड़े लग जाते हैं बीमारियां हो जाती है जिस से बचाने के लिए कीटनाशकों का प्रयोग होने लगा है।

(v) खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग -भारतीय कृषि में अब रासायनिक खाद प्रयोग होने लगा है जिससे उपज शक्ति में वृद्धि हो रही है सरकार ने उर्वरकों के निर्माण के लिए कई उद्योगों का निर्माण भी किया है।

(vi) सिंचाई परियोजनाओं में वृद्धि- सरकार ने सिंचाई में वृद्धि के लिए कई छोटी बड़ी योजनाओं का निर्माण किया जिससे किसानों को पर्याप्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सके जैसे- डैम का निर्माण, नहर, लिफ्ट इरिगेशन, चेक डैम।

(vii) कृषि में आधुनिक तकनीक का प्रयोग- भारत सरकार के द्वारा कृषि यंत्रों के निर्माण में जोर दे गए और आधुनिक कृषि यंत्र बनाए गए जैसे ट्रैक्टर हार्वेस्टर थ्रेसर इत्यादि जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई इन उपकरणों के जरिए किसानों के समय मैं बचत हुई और फसल भी सुरक्षित होने लगे।

इस तरह से भारत सरकार ने कई योजनाओं को अपनाकर कृषि के विकास में अपना अहम योगदान दिया जिससे आज भारतीय कृषि का वैश्वीकरण हो चुका है भारत खाद्य के मामले में आत्मनिर्भर बन चुका है और निर्यात में अहम योगदान रहा है।

Jharkhandjac.com

26. भारत में रबी फसल और खरीफ फसल में अंतर स्पष्ट करें?

उत्तर- भारत में मुख्यतः तीन फसलों का उत्पादन किया जाता है रबी फसल खरीफ फसल और जायद फसल परंतु मुख्यतः दो फसलों को ही मुख्य माना जाता है।

रबी फसल-

(i) यह फसल को अक्टूबर नवंबर में लगाया जाता है और मार्च-अप्रैल तक काट लिए जाते हैं।

(ii) यह फसल शीतकाल के मौसम में शुरू होता है और ग्रीष्म काल के आगमन तक रहता है ।

(iii) रबी फसल के अंतर्गत गेहूं, चावल, जौ, चना,चावल, तिलहन- अलसी, कोरिया, तरसों, इत्यादि का उत्पादन किया जाता है।

खरीफ फसल-

(i) इस फसल को जून-जुलाई मे लगाया जाता है और अक्टूबर-नवंबर तक काट ले जाते हैं।

(ii) फसल मौसमी मानसून के आगमन अर्थात वर्षा ऋतु से शुरू होता है तथा शीत ऋतु के आरंभ तक रहता है।

(iii) इस मौसम में उत्पन्न होने वाली प्रमुख कृषि फसलें चावल, मक्का, ज्वार, बाजरा, कपास, मूंगफली, उड़द, इत्यादि का उत्पादन होता है।

इस तरह से भारत में मुख्यतः दो प्रकार के फसलों का उत्पादन होता है जो अलग-अलग मौसम में अलग-अलग फसलों का उत्पादन होता है जिसमें रबी फसल और खरीफ फसल में अंतर है।

27. कपास की खेती के लिए भौगोलिक दशाओं का वर्णन करें एवं इसके प्रमुख उत्पादक राज्यों का नाम लिखें?

उत्तर - कपास उत्पादन में भारत का विश्व में दूसरा स्थान आता है भारत कपास के पौधों का मूल स्थान माना जाता है दक्कन के पठार के क्षेत्र में कपास का मुख्य उत्पादन किया जाता है

कपास के उत्पादन के लिए एक खास भौगोलिक दशा होनी चाहिए।

(I) मृदा -कपास के उत्पादन के लिए जलोढ़ मिट्टी या काली मिट्टी उपयुक्त होती है। इस मिट्टी में सिंचाई की आवश्यकता नहीं या बहुत कम होती है क्योंकि यह मिट्टी बहुत ही उपजाऊ होती है।

(II) जलवायु- कपास उत्पादन के लिए उष्ण या समशीतोष्ण जलवायु जिसमें ग्रीष्मकालीन तापमान 25°C और 50CM से 100CM वर्षा हो या सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो फसल तैयार होते समय खुला मौसम आवश्यक है।

श्रमिकों की आवश्यकता -जब कपास का उत्पादन हो जाता है तो अधिक मात्रा में कुशल श्रमिकों की आवश्यकता होती है कपास की ढेढियॉ तोड़ने और उनसे कपास निकालने के लिए।

इस तरह से कपास के उत्पादन के लिए उपयुक्त भौगोलिक दशाओं का होना आवश्यक है जिससे कपास का उत्पादन अधिक मात्रा में हो सके।

भारत में कपास के प्रमुख उत्पादक राज्य- गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, पंजाब, एवं हरियाणा है।

इन राज्यों में कपास उत्पादन के भौगोलिक दशाएं उपस्थित होते हैं जिससे दूसरे राज्यों की तुलना में कपास का उत्पादन अधिक प्राप्त होता है।

jharkhandlab.com

अध्याय - 5 खनिज तथा ऊर्जा संसाधन

वस्तुनिष्ठ प्रश्नः-

1. निम्नलिखित में से कौन सा खनिज पदार्थ के अवशिष्ट भार को त्यागता हुआ चट्टानों के अपघटन से बनता है?

A. कोयला B. बॉक्साइट
C. सोना D. जस्ता

उत्तर - B. बॉक्साइट

2. झारखंड में स्थित कोडरमा निम्नलिखित में से किस खनिज का अग्रणी उत्पादक है?

A. बॉक्साइट B. अभ्रक
C. लौह अयस्क D. तांबा

उत्तर - B. अभ्रक

3. निम्नलिखित चट्टानों में से किस चट्टान के स्तरों में खनिजों का निक्षेपण और संचयन होता है?

A. तलछटी चट्टाने B. आग्नेय चट्टाने
C. कायांतरित चट्टाने D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - C. कायांतरित चट्टाने

4. मोनाजाइट रेत में निम्नलिखित में से कौन सा खनिज पाया जाता है?

A. खनिज तेल B. यूरेनियम
C. थोरियम D. कोयला

उत्तर - C. थोरियम

5. भारत का सबसे बड़ा बॉक्साइट उत्पादक राज्य है?

A. मध्य प्रदेश B. झारखंड
C. उड़ीसा D. उत्तराखंड

उत्तर - C. उड़ीसा

6. कर्नाटक के लौह अयस्क खाने शत प्रतिशत इकाई है?

A. आयात B. औद्योगिक
C. निर्यात D. सामाजिक तथा आर्थिक

उत्तर - C. निर्यात

7. इसमें पवन महाशक्ति का दर्जा प्राप्त है:-

A. रूस को B. चीन को
C. अमेरिका को D. भारत को

उत्तर - D. भारत को

8. मैग्निशियम नमक तथा ब्रोमाइन जैसे खनिज अधिकतर प्राप्त होते हैं?

A. समुद्री जल से B. अवसादी चट्टानों से
C. जलोढ के जमाव से D. घाटी तल के रेत से

उत्तर - A. समुद्री जल से

9. गुजरात का सबसे महत्वपूर्ण तेल क्षेत्र है?

A. लेह B. अंकलेश्वर
C. नहरकटिया D. डिग बोई

उत्तर - B. अंकलेश्वर

10. सर्वोत्तम प्रकार का लौह अयस्क है?

A. हेमेटाइट B. मैग्नेटाइट
C. लिमो नाइट D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - B. मैग्नेटाइट

11. बॉक्साइट से क्या प्राप्त किया जाता है?

A. सोना B. एल्युमिनियम
C. तांबा D. मैग्नीज

उत्तर - B. एलमुनियम

12. तमिलनाडु के लिग्नाइट भंडारों का प्रयोग मुख्यतः किया जाता है?

A. घरों में B. तांबा प्रगलन में
C. सीमेंट उत्पादन में D. विद्युत उत्पादन में

उत्तर - D. विद्युत उत्पादन में

13. चट्टानें निम्न के समरूप तत्वों का यौगिक है?

A. पादप B. मृदा
C. खनिज D. उपरोक्त सभी

उत्तर - C. खनिज

अतिलघु उत्तरीय प्रश्नः-

1. खनिज कहां पाए जाते हैं?

उत्तर - भारत में अधिकांश धात्विक खनिज प्रायद्विपीय पर प्राचीन क्रिस्टलीय चट्टानों में पाये जाते हैं।

2. कौन सा खनिज अपक्षयित पदार्थ के अवशिष्ट भार को त्याग ता हुआ चट्टानों के अपघटन से बनता है?

उत्तर - कोयला

3. झारखंड में स्थित कोडरमा किस खनिज का अग्रणी उत्पादक है?

उत्तर - अभ्रक

4. कौन सी चट्टान खनिजों का निक्षेपण और संचयन से निर्मित होता है?

उत्तर - आग्नेय चट्टानें

5. मोनाजाइट रेत में कौन सा खनिज पाया जाता है?

उत्तर - थोरियम

6. धात्विक खनिजों के कुछ उदाहरण दें!

उत्तर - लौह अयस्क, तांबा, सोना, बॉक्साइट इत्यादि।

7. अधात्विक खनिजों कुछ उदाहरण दें।

उत्तर - कोयला, पेट्रोलियम, अभ्रक, पोटाश इत्यादि।

8. भारत के चार महत्वपूर्ण लौह अयस्क उत्पादक राज्यों के नाम बताएं?

उत्तर - झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और गोवा।

9. भारत के चार महत्वपूर्ण मैगनीज अयस्क उत्पादक राज्यों के नाम बताएं?

उत्तर - महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उड़ीसा और आंध्र प्रदेश।

jharkhandlab.com

10. **भारत के चार बॉक्साइट उत्पादक राज्यों के नाम बताएं?**

उत्तर - झारखंड, उड़ीसा, गुजरात, महाराष्ट्र।

11. **भारत के 4 प्रसिद्ध अभ्रक उत्पादक राज्यों के नाम बताएं?**

उत्तर - झारखंड, बिहार, आंध्र प्रदेश, राजस्थान।

12. **भारत के 3 सबसे महत्वपूर्ण कोयला उत्पादक राज्यों के नाम बताएं?**

उत्तर - झारखंड, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़

13. **भारत के 4 राज्यों के नाम लिखिए जहां चुना पत्थर पाया जाता है?**

उत्तर - मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और कर्नाटक।

14. **वाणिज्यिक ऊर्जा का स्रोत क्या है?**

उत्तर - कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, यूरेनियम जलविद्युत वाणिज्यिक ऊर्जा के स्रोत हैं

15. **परंपरागत ऊर्जा के स्रोत क्या है?**

उत्तर - कोयला, पेट्रोलियम, जलविद्युत, प्राकृतिक गैस, परमाणु शक्ति, परंपरागत ऊर्जा के स्रोत हैं।

16. **गैर परंपरागत ऊर्जा स्रोत क्या है?**

उत्तर - गैर परंपरागत ऊर्जा स्रोत ऊर्जा के असमाप्य साधन है जैसे सौर ऊर्जा, पवन तरंगे तथा भूतापीय ऊर्जा।

17. **भूतापीय ऊर्जा क्या है?**

उत्तर - पृथ्वी के आंतरिक भागों से ताप का प्रयोग कर उत्पन्न की जाने वाले विद्युत को भूतापीय ऊर्जा कहते हैं।

18. **गैर वाणिज्यिक ऊर्जा के कुछ स्रोतों के नाम बताएं?**

उत्तर - पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा, गोबर गैस, ज्वारीय ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा, कचरे से निर्मित ऊर्जा।

19. **भारत के पेट्रोलियम उत्पादक क्षेत्रों के नाम बताएं?**

उत्तर - अरब सागर में स्थित मुंबई हाई क्षेत्र, गुजरात में अंकलेश्वर, असम के नहरकटिया क्षेत्र।

20. **वह कौन से दो राज्य हैं जिनमें कोयले के सबसे बड़े भंडार और निक्षेप है?**

उत्तर - झारखंड और पश्चिम बंगाल

लघु उत्तरीय प्रश्न:-

1. **खनिज क्या है? इसका आर्थिक महत्व क्या है?**

उत्तर - खनिज प्राकृतिक रासायनिक यौगिक है। इनमें संगठन और संरचना स्वरूप में समानता पाई जाती है ।यह शैलो और अयस्को के अवयव हैं ।इनकी उत्पत्ति भूगर्भ में हो रही है विभिन्न भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के द्वारा हुई है।

खनिज का आर्थिक महत्व:-

अ. खनिजों का अपना विशेष महत्व होता है क्योंकि मानव की प्रगति में इनका बहुत अधिक योगदान रहा है।

ब. औद्योगिक युग में विभिन्न प्रकार के खनिजों का भारी प्रयोग किया जाना भी उनके आर्थिक महत्व पर प्रकाश डालता है।

2. **आग्नेय तथा कायांतरित चट्टानों में खनिजों का निर्माण कैसे होता है?**

उत्तर - जिन चट्टानों का धरती पर सबसे पहले निर्माण हुआ उन्हें आग्नेय चट्टाने कहते हैं । जबकि इन चट्टानों का जब किसी दबाव या गर्मी के कारण रूप बदल जाता है जैसे चूने के पत्थर का संगमरमर में तो उन चट्टानों को कायांतरित चट्टाने कहते हैं। आग्नेय और कायांतरित चट्टानों की दरारों जोड़ों, छिद्रों आदि में खनिज मिलते हैं। छोटे जमाव को शिराएं कहा जाता है। जबकि बड़े जमा परतों के रूप में पाए जाते हैं। इनका निर्माण भी प्रायः उस समय होता है जब तरल या गैसीय अवस्था में दरारों के सहारे भू पृष्ठ की ओर धकेले जाते हैं। ऊपर पहुंचकर वह धरती की सतह पर ठंडे होकर जम जाते हैं। जस्ता, तांबा, जिंक और शीशा मुख्य धात्विक खनिज इस प्रकार छोटे या बड़े जमाव एवं परतों में पाए जाते हैं।

3. **हमें खनिजों के संरक्षण की क्यों आवश्यकता है?**

उत्तर - खनिजों को एक बार उपयोग करने के उपरांत उसे दोबारा नहीं पाया जा सकता। खनिजों का दुरुपयोग किया गया तो आने वाली पीढ़ियों को दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए खनिजों का संरक्षण आवश्यक है:-

क. खनिजों का उपयोग सुनियोजित ढंग से करना चाहिए।

ख. खनिजों को बचाने के लिए उनके स्थान पर अन्य वस्तुओं के उपयोग के बारे में सोचना चाहिए।

ग. जहां जैसे संभव हो धातुओं के चक्रीय उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए जैसे लोहे को गला कर लोहा बनाना सोने को गला कर सोना बनाना।

4. **भारत में कोयले के वितरण पर प्रकाश डालिए।**

उत्तर - भारत में कोयले का लगभग 21400 करोड टन भंडार है। आजकल भारत में प्रतिवर्ष 33 करोड़ टर्न कोयला निकाला जाता है। कोयला के अधिकांश क्षेत्र प्रायद्वीपीय पठार के उत्तरी पूर्वी भाग में पाए जाते हैं। उत्पादन का दो तिहाई कोयला झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उड़ीसा में निकाला जाता है। शेष एक तिहाई कोयला आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, और उत्तर प्रदेश से प्राप्त होता है।

देश में प्रमुख कोयला उत्पादक क्षेत्र इस प्रकार है:-

क. झारखंड:-बोकारो, धनबाद झरिया, गिरिडीह, रामगढ़।

ख. मध्य प्रदेश:-प्रमुख क्षेत्र उमरिया सुहागपुर है।

ग. छत्तीसगढ़:-कोयला क्षेत्र कोरबा और अंबिकापुर है।

घ. उड़ीसा:-कोयला क्षेत्र संबलपुर और सुंदरगढ़ जिला है।

5. **बायोगैस से आप क्या समझते हैं? इसके क्या लाभ है?**

उत्तर - बायोगैस अलौकिक प्रकार की ऊर्जा का एक उपयोगी स्रोत है। इसकी उत्पत्ति पशुओं और मुर्गियों के व्यर्थ पदार्थों और मनुष्य के मल मूत्र आदि से की जाती है। गोबर गैस के प्लांट ग्रामों में ग्रामीण लोगों की ऊर्जा संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। इस प्रकार की ऊर्जा को प्रत्येक गांव में घरों और गलियों में रोशनी करने के लिए खेती करने और सिंचाई के लिए किया जाता है। इन प्लांटों का निर्माण व्यक्तिगत रूप से या गांव के समस्त समुदाय द्वारा किया जाता है। बड़े-बड़े शहरों में बायोगैस का उत्पादन मल से किया जाता है।

6. **कायांतरित शैल या चट्टानें क्या है? उनकी क्या विशेषताएं हैं ?**

उत्तर - कायांतरित शैल या चट्टाने आग्नेय या अवसादी शैलो का बदला हुआ रूप होता है। सर्दियों के दबाव या गर्मी के प्रभावधीन आग्नेय या अवसादी शैल कायांतरित शैल मैं बदल जाती है। और नई खनिज का निर्माण हो जाता है। जैसे चूना संगमरमर में बदल जाता है। और शैल स्लेट मैं बदल जाता है । कायांतरित शैल या चट्टाने दोनों आग्नेय एवं अवसादी शैल से अधिक मजबूत होती है और मजबूत होने के कारण उनका मूल्य भी काफी बढ़ जाता है।

7. **प्राकृतिक गैस और बायोगैस में अंतर स्पष्ट करें।**

उत्तर - प्राकृतिक गैस:-

क. खनिज तेल के साथ तथा बिना खनिज तेल के साथ पाई जाने वाली गैस प्राकृतिक गैस कहलाती है।

ख. इसका उपयोग मुख्यतः प्रदूषण कम करने के लिए उपयोग परिवहन तथा घरेलू कार्यो में किया जाता है।

ग. प्राकृतिक गैस ऊर्जा का समाप्य तथा परंपरागत साधन है।

घ. घरेलू कार्यों में प्रयोग होने वाली गैस एलपीजी तथा वाहनों में प्रयोग होने वाले गैस प्राकृतिक गैस कही जाती है।

Jharkhandlab.com

बायोगैसः-

क. जैविक पदार्थों के सड़ने गन्ने के बाद उत्पन्न होने वाली गैस बायोगैस कहलाती है।

ख. इसका उपयोग मुख्यतः घरेलू उपयोग में किया जाता है।

ग. ऊर्जा का असमाप्य संसाधन है।

घ. बायोगैस का कोई वर्गीकरण नहीं है।

8. परंपरागत ऊर्जा तथा गैर परंपरागत ऊर्जा के साधनों में अंतर लिखें।

उत्तर - **परंपरागत ऊर्जाः-**

क. यह भी प्राचीन काल से प्रयोग होने वाले ऊर्जा के साधन है जिनकी मात्रा सीमित है

ख. यह समाप्त होने वाले साधन है।

ग. कोयला, पेट्रोलियम, परमाणु ऊर्जा, जल शक्ति परंपरागत ऊर्जा की श्रेणी में आते हैं।

घ. यह ऊर्जा का सुविधाजनक और बहु प्रचलित रूप है।

गैर परंपरागत ऊर्जाः-

क. यह भी प्राचीन काल से प्रयोग होने वाले हैं किंतु इनका आज के संदर्भ में महत्व बढ़ता गया है।

ख. यह कभी न समाप्त होने वाले साधन है।

ग. सौर ऊर्जा भूतापीय ऊर्जा, ज्वारीय ऊर्जा, पवन ऊर्जा, कूड़े कचरे गोबर मल मूत्र से तैयार ऊर्जा इस श्रेणी में आते हैं।

घ. गैर परंपरागत ऊर्जा के साधन आसानी से उपलब्ध हैं लेकिन इनका उपयोग व्यापक एवं बड़े पैमाने पर नहीं होता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः-

1. भारत में सौर ऊर्जा का भविष्य उज्जवल क्यों है? व्याख्या करें।

उत्तर - क. भारत एक उष्णकटिबंधीय या एक गर्म देश है इसलिए यहां सौर ऊर्जा की उत्पादन क्षमता की अधिक संभावना है, एक अनुमान के अनुसार यह लगभग 20 मेगा वाट प्रति वर्ग किलोमीटर प्रतिवर्ष है।

ख. भारत में फोटो वॉल्टाइज तकनीक उपलब्ध है जिसके द्वारा सूर्य के प्रकाश को सीधे विद्युत में बदला जा सकता है।

ग. सूर्य का प्रकाश प्रकृति का एक मुफ्त उपहार है, इसलिए निम्न वर्ग के लोग आसानी से सौर ऊर्जा का लाभ उठा सकते हैं।

घ. कोयला,पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस आदि ऊर्जा के स्रोत को एक बार प्रयोग करके दोबारा प्रयोग में नहीं लाया जा सकता लेकिन सौर ऊर्जा नवीकरण स्रोत है, जिसके कारण इसे बार-बार प्रयोग में लाया जा सकता है।

ड. सौर ऊर्जा के प्रयोग से हम बहुत से विदेशी मुद्रा बचा सकते हैं जो तेल, गैस आदि के आयात के कारण हमें दूसरे देशों को देनी पड़ती है।

च. सौर ऊर्जा का प्रयोग हम अनेक प्रकार से कर सकते हैं जैसे खाना बनाने, पंप द्वारा जल निकालने, पानी को गर्म करने, दूध को कीटाणु रहित बनाने तथा सड़कों पर रोशनी करने के लिए।

2. भारत में ऊर्जा के विभिन्न साधन कौन-कौन से हैं ? वर्णन करें।

उत्तर - कोयला, खनिज तेल, परमाणु ऊर्जा तथा विद्युत ऊर्जा के मुख्य साधन है उनका विवरण इस प्रकार हैः-

क. कोयलाः-यह शक्ति का प्रारंभिक साधन है, यह औद्योगिक कच्चे माल के रूप में भी इस्तेमाल होता है, कोयले द्वारा पानी को वाष्प में बदला जाता है,जो औद्योगिक क्रांति का आधार बना वाष्प इंजन जिसमें कोयले का प्रयोग होता है, रेलों और उद्योगों में काम लाया जाता है।

ख. खनिज तेलः-यह अति दहनसील पदार्थ है। इसका प्रयोग अंतर दहन इंजनों में किया जाता है। खनिज तेल का परिष्कार करके डीजल, मिट्टी का तेल, पेट्रोल आदि प्राप्त किए जाते हैं। इससे सड़क, परिवहन, जहाजों, वायुयानों आदि को चालक शक्ति प्राप्त होती है।

ग. प्राकृतिक गैसः -प्राकृतिक गैस का शक्ति के साधन के रूप में अधिक प्रयोग किया जाता है, अब पाइपों के सहारे गैस दूर-दूर के स्थानों पर पहुंचाई जा रही हैं, और इससे अनेक प्रकार की औद्योगिक इकाइयां चल रही है। गैस खनिज तेल के साथ और अलग से भी मिलने लगी है।

घ. जल विद्युतः-इसे पैदा करने के लिए गिरते हुए पानी की शक्ति का प्रयोग करके टरबाइन को गतिमान किया जाता है।अभी तक ज्ञात शक्ति के साधनों में यह सबसे सस्ता साधन है, जलविद्युत को इससे सबसे बड़ा लाभ यह है कि निरंतर प्रयोगों के बावजूद भी इसके स्रोत समाप्त नहीं होते, क्योंकि जल साधन नवीकरण योग्य है।

ड. परमाणु ऊर्जाः-इसे प्राप्त करने के लिए अनु पदार्थों को नियंत्रित परिस्थितियों में विखंडित करते हैं इससे असीम ऊर्जा प्राप्त होती है, जिसका उपयोग विविध उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

च. ऊर्जा के अन्य स्रोतः-शक्ति के अनेक गैर परंपरागत स्रोत भी हैं, जिनका प्रयोग निरंतर किया जा सकता है, इनमें सूर्य, वायु, ज्वार भाटा, बायोगैस, भूतापीय ऊर्जा आदि शक्ति के साधनों का उल्लेखनीय स्थान है।

3. ऊर्जा के गैर परंपरागत स्रोत का वर्णन करें।

उत्तर - ऊर्जा के गैर परंपरागत स्रोतः-

क. वायु ऊर्जाः-वायु ऊर्जा का प्रयोग पानी बाहर निकालने, खेतों में सिंचाई करने और बिजली पैदा करने के लिए किया जाता है। ऐसा अनुमान है कि वायु से कोई 20000 मेगा वाट बिजली पैदा कर सकता है। इस समय वायु से प्राप्त कोई 900 मेगावाट बिजली शक्ति ग्रीड में जोड़ी जा सकती है। वायु ऊर्जा का उपयोग गुजरात, तमिलनाडु, उड़ीसा और महाराष्ट्र में किया जाता है।

ख. ज्वारीय ऊर्जाः-ज्वारीय ऊर्जा का विकास करने के लिए कच्छ और कैम्बे की खाड़ियां अधिक उपयुक्त है।

ग. बायोगैसः- बायोगैस या प्राकृतिक व्यर्थ की सामग्री के विभिन्न साधनों जैसे बंजर भूमि से आधे प्राप्त लकड़ी, नगरों के कूड़े-करकट, पशुओं के गोबर, मनुष्य के मल-मूत्र, गन्ने की खोई आदि से भी बिजली पैदा की जाती है खेती के कूड़े करकट जैसे-धान के छिलके और गन्ने की खोई से भी बिजली पैदा की जा सकती है।

घ. सौर ऊर्जाः-सूर्य से भी बिजली का बहुत बड़ा और अक्षय भंडार प्राप्त होता है सूर्य में ऊर्जा उत्पन्न करने की अपार क्षमता है और यह ऊर्जा का सार्वलौकिक स्रोत है। सौर चूल्हे इसी उर्जा से कार्य करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे और मध्यम आकार के सौर केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन क्षेत्रों में सौर ऊर्जा का प्रयोग खाना पकाने,पानी गर्म करने, फसलें सुखाने के लिए किया जा सके।

ड. ज्यों-थर्मल ऊर्जाः- हिमाचल प्रदेश में वही तो गर्म पानी के चश्मों से पैदा की जाती है। इसका प्रयोग ठंडे भंडार के केंद्रों में किया जाता है।

Jharkhandlab.com

अध्याय - 6 विनिर्माण उद्योग

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. प्रथम सीमेंट केंद्र कहां लगाया गया था?

A. चेन्नई B. कोलकाता
C. भटिंडा D. लखनऊ

उत्तर- A. चेन्नई

2. भारत के 60% इस्पात केंद्र किन राज्यों में स्थित है?

A. केरल तथा तमिलनाडु B. उत्तर प्रदेश तथा बिहार
C. हरियाणा तथा पंजाब D. उड़ीसा तथा झारखंड

उत्तर - D. उड़ीसा तथा झारखंड

3. टेलीफोन कंप्यूटर आदि का निर्माण करने वाला उद्योग कौन सा है?

A. इलेक्ट्रॉनिक B. इस्पात
C. सूचना प्रौद्योगिकी D. एल्युमिनियम

उत्तर - A. इलेक्ट्रॉनिक

4. निम्नलिखित में से कृषि पर आधारित उद्योग है:-

A. कंप्यूटर B. चीनी
C. उर्वरक D. लोहा तथा इस्पात

उत्तर - B. चीनी

5. निम्नलिखित में से सार्वजनिक केंद्रों के लिए इस्पात का क्रय विक्रय करने वाले एजेंसी कौन है?

A. एस .ए .आई .एल B. टाटा इस्पात
C. एन. एन. सी. सी D. एच. ए .आई. एल

उत्तर - C. एन . एन. सी. सी

6. निम्नलिखित में से किस उद्योग में कच्चे पदार्थ के रूप में बॉक्साइट का प्रयोग होता है:-

A. चीनी B. एलमुनियम
C. कपड़ा D. इस्पात

उत्तर - B. एलमुनियम

7. भारत में जूट उत्पादन किस राज्य का महत्वपूर्ण स्थान है?

A. जम्मू और कश्मीर B. पश्चिम बंगाल
C. उत्तर प्रदेश D. महाराष्ट्र

उत्तर - B. पश्चिम बंगाल

8. निम्न में से कौन सा उद्योग चूना पत्थर को कच्चे माल के रूप में प्रयुक्त करता है?

A. एल्युमीनियम B. सीमेंट
C. प्लास्टिक D. मोटर गाड़ी

उत्तर - B. सीमेंट

9. निम्न में से कौन सी एजेंसी सार्वजनिक क्षेत्र में स्टील बाजार को उपलब्ध कराती है?

A. HAIL B. SAIL
C. Tata Steel D. MNCC

उत्तर - B. SAIL

10. निम्न में से कौन सा उद्योग बॉक्साइट को कच्चे माल के रूप में प्रयोग करता है?

A. एलुमिनियम प्रगलन B. कागज
C. सीमेंट D. स्टील

उत्तर - A. एलुमिनियम प्रगलन

11. निम्न में से कौन सा उद्योग दूरभाष कंप्यूटर आदि संयंत्र निर्मित करते हैं?

A. स्टील B. इलेक्ट्रॉनिक
C. एल्यूमीनियम प्रगलन D. सूचना प्रौद्योगिकी

उत्तर - D. सूचना प्रौद्योगिकी

12. लौह इस्पात उद्योग को क्या कहा जाता है?

A. हल्का उद्योग B. मध्यम उद्योग
C. कृषि आधारित उद्योग D. आधारभूत उद्योग

उत्तर - D. आधारभूत उद्योग

13. पटसन उद्योग के हुगली नदी पर केंद्रित होने का क्या कारण है?

A. कच्चा माल B. सस्ता जल परिवहन
C. बाजार की सुविधा D. इनमें से सभी

उत्तर - D. इनमें से सभी

14. भिलाई इस्पात कारखाना किस राज्य में है?

A. छत्तीसगढ़ B. मध्य प्रदेश
C. उड़ीसा D. कर्नाटक

उत्तर - A. छत्तीसगढ़

15. पहला सफल सूती वस्त्र उद्योग 1854 में कहां लगाया गया था?

A. अमृतसर ख . कोलकाता
C. मुंबई घ . दिल्ली

उत्तर - C. मुंबई

अति लघु उत्तरीय प्रश्न:-

1. विनिर्माण क्या है?

उत्तर - कच्चे पदार्थों को मूल्यवान उत्पादों में परिवर्तित करने तथा अधिक मात्रा में उनका उत्पादन करने की प्रक्रिया को वस्तु निर्माण या विनिर्माण कहा जाता है।

2. भारत में कृषि पर आधारित प्रमुख उद्योग कौन-कौन से हैं?

उत्तर - कपड़ा उद्योग, चीनी उद्योग, वनस्पति उद्योग, कागज उद्योग, पटसन, वस्त्र उद्योग।

3 . उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले तीन भौतिक कारकों के नाम बताएं!

उत्तर - क. कच्चे माल की उपलब्धि
ख. शक्ति के विभिन्न साधन
ग. अनुकूल जलवायु

4. उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले किन्ही तीन मानवीय कारकों के नाम बताएं!

उत्तर - क. सस्ते श्रमिकों की उपलब्धि

jharkhandlab.com

ख. संचार एवं परिवहन के साधन

ग. पूंजी एवं बैंक की सुविधाएं।

5. हल्के उद्योग किसे कहा जाता है?

उत्तर - हल्के उद्योग से तात्पर्य है कि जिस उद्योग में लागत कम लगती है और श्रमिक भी काफी संख्या में काम करते हैं तथा इन में उपयोग होने वाले कच्चा माल का उपयोग कम मात्रा में होता है। उदाहरण स्वरूप बिजली के पंखे, सिलाई की मशीन।

लघु उत्तरीय प्रश्नः-

1. आधारभूत उद्योग क्या है? उदाहरण देकर बताएं।

उत्तर - तैयार माल की प्रकृति के आधार पर उद्योगों का विभाजन निम्नांकित वर्गों में कर सकते हैं:-

क. मूल उद्योगः-वे महत्वपूर्ण उद्योग जिन पर अन्य उद्योग आधारित होते हैं मूल उद्योग या बुनियादी उद्योग कहलाते हैं। जैसे लोहा और इस्पात उद्योग तथा भारी मशीन निर्माण उद्योग इसी वर्ग के उद्योग हैं।

ख. उपभोक्ता उद्योगः-वे उद्योग जो वस्तुओं का उत्पादन मुख्यतः लोगों के उपभोग के लिए करते हैं, उपभोक्ता उद्योग कहलाते हैं। दिल्ली दुग्ध योजना और फाउंटेन पेन उद्योग उपभोक्ता उद्योग के उदाहरण है।

2. उद्योगों का क्या महत्व है?

उत्तर - उद्योगों का महत्वः-

क. उद्योग किसी देश की अर्थव्यवस्था और लोगों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।

ख. उद्योगों के द्वारा लोगों के दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं का निर्माण किया जाता है और उद्योग लोगों की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

ग. उद्योगों के द्वारा निर्मित वस्तुएं देश विदेश में बेचकर विदेशी मुद्रा कमाई जा सकती है जिससे राष्ट्रीय धन में वृद्धि होती है।

3. उद्योग पर्यावरण को कैसे प्रदूषित करते हैं?

उत्तर - अ. उद्योगों ने चार प्रकार के प्रदूषण को जन्म दिया है:-

क. वायु प्रदूषण

ख. जल प्रदूषण

ग. भूमि प्रदूषण

घ. ध्वनि प्रदूषण

आ. उद्योगों से निकलने वाला धुआं वायु तथा जल दोनों को प्रदूषित करता है। वायु में कार्बन मोनोऑक्साइड तथा सल्फर डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ जाने से अवांछनीय गैसों की मात्रा बढ़ जाती है तथा वायु प्रदूषित हो जाती है।

इ. वायु में धूल, धुआं तथा धुंध मिले रहते हैं इससे वायुमंडल प्रभावित होता है।

ई. उद्योगों से निकला कचरा विषाक्त होता है और भूमि तथा मिट्टी को प्रदूषित करता है।

उ. जिस समय पर्यावरण के विभिन्न तत्व प्रदूषित हो जाते हैं तो पूरा पर्यावरण क्षति हो जाता है।

ऊ. मशीनों की आवाज से ध्वनि प्रदूषण फैलती है।

4. भारत में कृषि आधारित उद्योग में भारतीय अर्थव्यवस्था का क्या महत्व है?

उत्तर - जो उद्योग कृषि पर आधारित होते हैं उनको कृषि आधारित उद्योग कहते हैं, इन कृषि को आधारित उद्योगों का भारतीय अर्थव्यवस्था में अपना विशेष महत्व है जो निम्नलिखित है:-

क. वे दैनिक जीवन में काम आने वाली अनेक वस्तुओं का निर्माण करते हैं और लोगों की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

ख. कृषि प्रधान देश के लिए कृषि पर आधारित उद्योगों का अपना विशेष महत्व है कच्चा माल हमारे देश में है प्रयोग हो जाता है और तैयार होने पर उसकी कीमत कई गुना बढ़ जाती है।ऐसे में हमारी आय मैं कई गुना बढ़ोतरी हो जाती है।

5. रसायन उद्योग का क्या अर्थ है ?रसायन उद्योग का महत्व बताएं।

उत्तर - रसायन उद्योग का अर्थः-वह उद्योग जो भारी रसायनों से अनेक उत्पाद जैसे औषधियां, रंगाई का सामान,कीटनाशक दवाई, प्लास्टिक, पेंट आदि बनाता है उसे रसायन उद्योग कहते हैं।

रसायन उद्योग का महत्वः-भारत में अनेक रासायनिक पदार्थों का उत्पादन किया जाता है जैसे दवाइयां, कीटनाशक दवाइयां, रंगने के मसाले, रंग, प्लास्टिक आदि कीटनाशक दवाइयों का कृषि के क्षेत्र में अपना विशेष महत्व है।

6. भारत के अधिकांश जूट मिल पश्चिम बंगाल में क्यों स्थित है?

उत्तर - भारत में अधिकांश जूट मिल के पश्चिम बंगाल में स्थित होने के कारण निम्नलिखित है:-

क. पश्चिम बंगाल में पटसन की खेती काफी होती है इसलिए इन उद्योगों के लिए कच्चा माल मिल जाता है।

ख. कोलकाता बहुत बड़ा महानगर है जिसके कारण पटसन से बनने वाले बोरी और वस्त्रों की खपत हो जाती है

ग . बंगाल में आबादी अधिक होने के कारण इन उद्योगों के लिए सस्ते मजदूर मिल जाते हैं।

घ. बंगाल में यातायात साधनों का काफी विकास हो चुका है इसलिए यहां उद्योगों तक कच्चा माल लाने और जूट से बने सामान को बाहर भेजने में आसानी होती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः-

1. समन्वित इस्पात उद्योग मिनी इस्पात उद्योगों से कैसे भिन्न है? उद्योग की क्या समस्याएं हैं? किन सुधारों के अंतर्गत इसकी उत्पादन क्षमता बढ़ी है।

उत्तर - समन्वित इस्पात उद्योग और मिनी इस्पात उद्योग मैं अंतरः-

क . समन्वित इस्पात उद्योग आकार में मिनी इस्पात उद्योग की तुलना में काफी बड़े होते हैं।

ख. समन्वित इस्पात उद्योगों में इस्पात से संबंधित सभी कार्य एक ही कंपलेक्स में होते हैं। कच्चे माल से लेकर इस्पात बनाने इसे ढालने तथा उसे आकार देने तक है।

ग. जबकि मिनी इस्पात कारखानों में रद्दी इस्पात वह स्पंज आयरन का प्रयोग होता है इसे संकलित इस्पात उद्योगों से मिलता है।

घ. जबकि संमनिवत इस्पात कारखाने में सभी प्रकार का इस्पात तैयार होता है वही मिनी इस्पात कारखानों में केवल मृदु और मिश्रित इस्पात का निर्माण होता है।

इस्पात उद्योग की समस्याएं:-

क . इसको चीन जैसे इस्पात निर्यातक देशों की प्रतिस्पर्धा का मुकाबला करना पड़ता है।

ख. इसे उच्च लागत तथा कोकिंग कोयले की सीमित उपलब्धि का सामना करना पड़ता है।

ग. अविकसित अवसंरचना इसके मार्ग में कई रुकावटें पैदा करती है।

घ. कम श्रमिक उत्पादकता उत्पादकता भी एक समस्या है ।

च. ऊर्जा की अनियमित आपूर्ति भी इसके लिए कठिनाई पैदा कर देती है।

jharkhandlab.com

निम्नलिखित सुधारों ने इसकी उत्पादन क्षमता को बढ़ाया है:-

क. उदारीकरण ने इस उद्योग को काफी प्रोत्साहन दिया है।

ख. निजी क्षेत्र में अनेक उद्यमियों ने भी अपने प्रयत्नों से इन उद्योगों को काफी प्रोत्साहन दिया है।

ग. प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से भी इस उद्योग को पनपने में काफी सहायता मिली है।

परंतु विकास के साधनों को नियम करने और अनुसंधान से इस्पात उद्योग की प्रगति को और तेज किया जा सकता है।

2. उद्योगों द्वारा पर्यावरण निम्नीकरण को कम करने के लिए उठाए गए विभिन्न उपायों की चर्चा करें!

उत्तर - उद्योगों द्वारा पर्यावरण निम्नीकरण को कम करने के विभिन्न उपाय:-

क. जल शक्ति का प्रयोग:-हमें कोयले, लकड़ी या खनिज तेल से पैदा की गई बिजली जो हवा प्रदूषित करती है के स्थान पर जल द्वारा पैदा की गई बिजली का प्रयोग करना चाहिए। ऐसे में वातावरण में कम धुआं जाएगा जिससे वह काफी शुद्ध रहेगा।

ख. तापीय बिजली पैदा करने में अच्छी प्रकार के कोयले का प्रयोग:-बहुत से वैज्ञानिकों का ऐसा सुझाव है कि यदि कोयले से तापीय बिजली पैदा करनी हो तो उत्तम श्रेणी के कोयले का प्रयोग करना चाहिए जो कम धूंआ छोड़े ऐसे में वातावरण का प्रदूषण कम होगा।

ग. कारखानों को नगरों से दूर ले जाना:-ऐसे सभी फैक्ट्रियों को जो वातावरण में धूंआ एवं जहरीली गैस छोड़ते हैं, उन्हें शहरों से दूर ले जाना चाहिए, ताकि वह नगरों के वातावरण को और प्रदूषित ना करें इस दिशा में उच्चतम न्यायालय ने बड़ी प्रशंसनीय कार्य किया है ।जब दिल्ली सरकार को यह आदेश दिया गया कि वह प्रदूषण फैलाने वाले कारखानों को कॉर्पोरेशन की सीमाओं से बाहर ले जाए

घ. प्रदूषित जल को नदियों में छोड़ने से पहले जल को उपचारित करना चाहिए: -यदि फैक्ट्रियों के जल को नदियों में फेंकना ही है तो उससे पहले उपचारित कर लेना चाहिए ताकि प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सकता है

च. प्रदूषित जल को पुनः चक्रीय क्रिया:-अच्छा हो यदि फैक्ट्रियों से निकले प्रदूषित जल को वही इकट्ठा करके रासायनिक प्रक्रिया द्वारा उसे साफ किया जाए, और बार-बार प्रयोग में लाया जाए, ऐसे में नदियों और आसपास की भूमि का प्रदूषण काफी हद तक रुक जाएगा।

छ. कठोर नियमों के पास किए जाने की आवश्यकता:-जो उद्योग उपयुक्त उपचारों को ना अपनाएं उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की आवश्यकता है उन्हें आसपास के वातावरण को खराब करने नहीं देना चाहिए।। और प्रदूषण फैलाने से रोकना चाहिए ।उन पर भारी जुर्माने भी किए जाने चाहिए ।ताकि जनसाधारण के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ ना हो सके।

3. भारतीय सूती वस्त्र उद्योग किन किन समस्याओं का सामना कर रहा है? इन समस्याओं को हल करने के उपाय बताएं!

उत्तर - भारतीय सूती वस्त्र उद्योग निम्नलिखित समस्याओं का सामना कर रहा है:-

क. पहली समस्या यह है कि इस उद्योग की तकनीकी बहुत पुरानी और बेकार हो चुकी है।

ख. सूती कपड़े के मिल बहुत पुरानी हो चुकी है जिस कारण उनके बनाए रखने पर बहुत खर्च आता है, भवन और मशीनरी जो जीर्ण अवस्था में है, जिनके कारण उत्पादन खर्च बहुत आ जाता है, परिणाम स्वरूप बेकारी और औद्योगिक जड़ता उत्पन्न हो जाती है।

ग. हमारे देश में पैदा होने वाले कपास लंबे रेशे वाली नहीं होती इसलिए हमें लंबे रेशे वाली कपास का विदेशी विशेषकर मिस्र से आयात करना पड़ता है

समस्याओं को हल करने के उपाय:-

क. हमें पुरानी तकनीक में सुधार करके सूती वस्त्र बनाने की नवीनतम तकनीक को अपनाना चाहिए।

ख. सूती कपड़ों के मिलो एवं कारखानों में निपुणता और बचत लानी होगी ताकि फिजूल खर्च को रोका जा सके यह इसलिए आवश्यक है कि हमें मिले बंद ना करनी पड़े और कारीगरों की छटनी करने की नौबत ना आए।

ग. हमें अपने देश में ही लंबे रेशे के कपास का उत्पादन करना चाहिए ताकि विदेशी मुद्रा की बचत के साथ-साथ कपड़ा भी बढ़िया बनाया जा सके।

4. लोहा और इस्पात उद्योग केवल प्रायद्वीपीय भारत में ही क्यों स्थित है?

उत्तर - प्रायद्वीपीय भारत प्राचीन कठोर चट्टानों द्वारा निर्मित है जो खनिज संपदा की दृष्टि से संपन्न है इस क्षेत्र में भारत के 6 प्रमुख लौह इस्पात केंद्र स्थित हैं जो निम्नलिखित हैं:-जमशेदपुर बोकारो, कुल्टी, बर्नपुर, दुर्गापुर, राउरकिला, भिलाई।

प्रायद्वीपीय भारत में लौह इस्पात केंद्र के स्थित होने के कारण निम्नलिखित हैं:-

क. कच्चे माल की उपलब्धता:-लौह उद्योग को कच्चा माल भारी होता है तथा अधिक मात्रा की आवश्यकता होती है इसलिए लौह उद्योग कच्चे माल के क्षेत्र के निकट स्थापित किए जाते हैं प्रायद्वीपीय भारत लौह अयस्क, मैग्नीज, चूना पत्थर, आदि खनिजों में धनी है।

ख. जलापूर्ति:- इस उद्योग में जल अधिक मात्रा में उपयोग होता है जिसकी पूर्ति इस क्षेत्र में प्रवाहित दामोदर, महानदी, गोदावरी एवं इसकी सहायक नदियों के द्वारा होता है

ग . शक्ति के संसाधन:-ऊर्जा के साधन के रूप में कोयला एवं जल विद्युत का अधिक उपयोग होता है जो इस क्षेत्र में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।

घ. परिवहन एवं व्यापार:-क्षेत्र में सड़क एवं रेल मार्ग का अच्छा विकास हुआ है साथ ही समुद्री पतन की भी सुविधा है जैसे कोलकाता, विशाखापट्टनम, चेन्नई एवं मुंबई।

ड. सस्ते श्रमिक:- घनी जनसंख्या के कारण सस्ते दर पर श्रमिक उपलब्ध हो जाते हैं।

कर्नाटक के दो लौह एवं इस्पात संयंत्र के नाम पर भद्रावती एवं विजयनगर तथा पश्चिम बंगाल के दो लौह और इस्पात संयंत्र के नाम बर्नपुर और दुर्गापुर हैं।

jharkhandjac.com

अध्याय - 7 राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएं

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. इनमें से किस को भारतीय डाक संचार तंत्र में प्रथम श्रेणी की डाक समझा जाता है?

A. कार्ड व लिफाफे B. रजिस्टर्ड पत्र
C. पैकेट D. रजिस्टर्ड अखबार

उत्तर - A. कार्ड व लिफाफे

2. निम्न में से परिवहन के प्रकार कौन-कौन से हैं ?

A. स्थल परिवहन B. वायु परिवहन
C. जल परिवहन D. उपरोक्त सभी

उत्तर- D. उपरोक्त सभी

3. निम्नलिखित में से कौन-सा समुद्री पतन और लौह अयस्क के निर्यात के संदर्भ में प्रमुख पतन है?

A. मंगलौर B. मार्मागाओ
C. पारादीप D. विशाखापट्टनम

उत्तर - B. मार्मागाओ

4. भारत में प्रकाशित समाचार पत्रों की सबसे बड़ी संख्या निम्नलिखित में से किस भाषा में है?

A. हिंदी B. अंग्रेजी
C. उर्दू D. मराठी

उत्तर - A. हिंदी

5. निम्न में से स्थल परिवहन का प्रकार कौन सा है?

A. रेल परिवहन
B. सड़क परिवहन
C. रेल परिवहन तथा सड़क परिवहन दोनों
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - C. रेल परिवहन तथा सड़क परिवहन दोनों

6. निम्नलिखित में से परिवहन का कौन सा साधन वाहनांतरण हानियों तथा देरी को घटाता है?

A. रेल परिवहन B. सड़क परिवहन
C. पाइपलाइन D. जल परिवहन

उत्तर - C. पाइपलाइन

7. भारत में सड़कों की सक्षमता के आधार पर कितने वर्गों में बांटा गया है?

A. 2 B. 4
C. 6 D. 8

उत्तर - C. 6

8. सबसे लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग कौनसा है?

A. राष्ट्रीय राजमार्ग -5 B. राष्ट्रीय राजमार्ग -7
C. राष्ट्रीय राजमार्ग -1 D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - B. राष्ट्रीय राजमार्ग -7

9. राज्यों की राजधानियों को जिला मुख्यालय से जोड़ने वाली सड़क क्या कहलाती है?

A. राज्य राजमार्ग B. महाराज मार्ग
C. राष्ट्रीय राजमार्ग D. जिला मार्ग

उत्तर - B. महाराजमार्ग

10. निम्न में से कौन सा परिवहन साधन भारत में प्रमुख साधन है?

A. पाइपलाइन B. रेल परिवहन
C. सड़क परिवहन D. वायु परिवहन

उत्तर - C. सड़क परिवहन

11. दिल्ली और अमृतसर किस राजमार्ग को आपस में जोड़ते हैं?

A. राजमार्ग संख्या- 3 B. राजमार्ग संख्या -2
C. राजमार्ग संख्या- 1 D. राजमार्ग संख्या- 7

उत्तर - C. राजमार्ग संख्या- 1

12. ग्रामीण क्षेत्रों तथा गांव को शहर से जोड़ने वाली सड़क किस वर्ग के अंतर्गत आती हैं?

A. जिला मार्ग B. राष्ट्रीय मार्ग
C. राज्य मार्ग D. अन्य सड़कें

उत्तर - D. अन्य सड़कें

13. निम्न में से किस प्रकार की सड़कों को प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत विशेष प्रोत्साहन मिला?

A. राष्ट्रीय राजमार्ग B. राज्य राजमार्ग
C. ग्रामीण सड़कें D. जिला सड़के

उत्तर - C. ग्रामीण सड़कें

14. सीमा सड़क संगठन कब बनाया गया है?

A. 1960 B. 1961
C. 1962 D. 1963

उत्तर - A. 1960

15. निम्न में से बारहमासी सड़के कौन सी हैं?

A. पक्की सड़कें
B. कच्ची सड़कें
C. पक्की सड़कें और कच्ची सड़के दोनों
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - C. पक्की सड़कें तथा कच्ची सड़कें दोनों

16. रेल परिवहन किन-किन कार्यों में सहायक है?

A. व्यापार
B. भ्रमण तथा दीर्घ यात्राएं
C. लंबी दूरी तक सामान का परिवहन
D. उपरोक्त सभी

उत्तर - D. उपरोक्त सभी

17. भारत में निम्नलिखित में से किस प्रकार की संचार सेवा दुनिया में सबसे बड़ी है?

A. डाक संसार B. टेलीविजन नेटवर्क
C. इंटरनेट सेवाएं D. रेडियो प्रसारण

उत्तर - A. डाक संसार

Jharkhandlab.com

18. मुंबई से थाने के मध्य चलाई गई रेल गाड़ी ने कितना किलोमीटर की दूरी तय की?

A. 31 किलोमीटर B. 32 किलोमीटर
C. 33 किलोमीटर D. 34 किलोमीटर

उत्तर - D. 34 किलोमीटर

19. निम्न में से कौन से दो दूरस्थ स्थित स्थान पूर्वी- पश्चिमी गलियारे को आपस में जोड़ते हैं?

A. मुंबई -नागपुर B. सिलचर -पोरबंदर
C. मुंबई -कोलकाता D. नागपुर -हैदराबाद

उत्तर - B. सिलचर -पोरबंदर

20. निम्न में से कौन सा पतन पूर्वी तट पर स्थित है जो अंतः स्थलीय तथा अधिकांश गहराई का पतन है तथा पूर्ण सुरक्षित है?

A. चेन्नई B. पारादीप
C. तूतीकोरिन D. विशाखापट्टनम

उत्तर - D. विशाखापट्टनम

21. रेल परिवहन के वितरण को प्रभावित करने के कारक कौन-कौन से हैं?

A. भू-आकृति कारक B. आर्थिक कारक
C. प्रशासकीय कारक D. उपरोक्त सभी

उत्तर - D. उपरोक्त सभी

22. देश में पाइपलाइन परिवहन के कितने प्रमुख साधन हैं?

A. 1 B. 5
C. 3 D. 6

उत्तर - A. 1

23. निम्न में से कौन सा परिवहन साधन तेज व आरामदायक है?

A. वायु परिवहन B. जल परिवहन
C. सड़क परिवहन D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - A. वायु परिवहन

24. राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या -1 निम्न में से किन स्थानों के बीच नौका गम्य में है?

A. इलाहाबाद एवं हल्दिया
B. कोट्टापुरम एवं कोनम
C. कोलकाता से इलाहाबाद
D. सदिया एवं धुबरी

उत्तर - A. इलाहाबाद एवं हल्दिया

25. देश के प्रमुख संचार साधन कौन से हैं?

A. दूरदर्शन B. रेडियो
C. प्रेस तथा सिनेमा D. उपरोक्त सभी

उत्तर - D. उपरोक्त सभी

26. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार किसके द्वारा हो सकता है?

A. समुद्री मार्ग द्वारा B. हवाई मार्ग द्वारा
C. स्थलीय मार्ग द्वारा D. उपरोक्त सभी

उत्तर - D. उपरोक्त सभी

27. जल परिवहन के कितने प्रकार हैं?

A. 2 B. 3
C. 4 D. 8

उत्तर - A. 2

28. रेल परिवहन की अपेक्षा सड़क परिवहन की महत्ता के क्या कारण है?

A. सड़कों की निर्माण लागत बहुत कम है
B. उबड़ -खाबड़ भू-भागों पर भी सड़क बनाई जा सकती है
C. पहाड़ी क्षेत्रों में भी सड़के बनाई जा सकती हैं
D. उपरोक्त सभी

उत्तर - D. उपरोक्त सभी

29. निम्न में से कौन सा राज्य हजीरा -विजयपुर -जगदीशपुर पाइपलाइन से नहीं जुड़ा है?

A. मध्य प्रदेश B. महाराष्ट्र
C. गुजरात D. उत्तर प्रदेश

उत्तर - B. महाराष्ट्र

30. उत्तर -दक्षिण गलियारा किसे जोड़ता है?

A. श्रीनगर को कन्याकुमारी से B. श्रीनगर
C. दिल्ली टू कन्याकुमारी D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - A. श्रीनगर को कन्याकुमारी से

31. निम्न में से कौन सा शब्द दो या अधिक देशों के व्यापार को दर्शाता है?

A. आंतरिक व्यापार B. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
C. बाहरी व्यापार D. स्थानीय व्यापार

उत्तर - B. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

32. किस क्षेत्र में विशेष प्रावधान के माध्यम से वायु यात्रा को आम जनता तक पहुंचाया गया है?

A. उत्तरी- पूर्वी राज्य B. उत्तर राज्य
C. दक्षिणी राज्य D. दक्षिणी -पश्चिमी राज्य

उत्तर - A. उत्तरी -पूर्वी राज्य

33. जिला मार्ग की व्यवस्था का उत्तरदायित्व किसका है?

A. राष्ट्रपति B. प्रधानमंत्री
C. जिला परिषद D. मुख्यमंत्री

उत्तर - C. जिला परिषद

34. भारत की पहली ट्रेन कब और किन दो स्टेशनों के बीच शुरू हुई थी?

A. कोलकाता से रानीगंज, 1874
B. मुंबई से ठाणे, 1853
C. मुंबई से अहमदाबाद, 1854
D. चेन्नई से अरकोनम, 1856

उत्तर - B. मुंबई से ठाणे, 1853

35. इनमें से कौन उत्तरी भारत का सबसे व्यस्त रेलवे जंक्शन है?

A. अंबाला B. नई दिल्ली
C. लखनऊ D. अमृतसर

उत्तर - B. नई दिल्ली

36. इनमें से नया परिवहन का साधन कौन सा है?

A. रेल गाड़ी B. पाइपलाइन
C. ट्रकों D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - B. पाइपलाइन

Jharkhandlab.com

37. सबसे सस्ता परिवहन कौन सा है?

A. वायु परिवहन B. जल परिवहन

C. सड़क परिवहन D. पाइपलाइन

उत्तर - B. जल परिवहन

38. उत्तरी रेलवे का मुख्यालय कहां स्थित है?

A. श्रीनगर B. भोपाल

C. दिल्ली D. बेंगलुरु

उत्तर - C. दिल्ली

39. भारतीय व विदेशी फिल्मों को प्रमाणित करने का अधिकार किसे है?

A. फिल्मों के निर्देशकों को

B. केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड

C. अभिनेता

D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - B. केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड

40. पवन हंस हेलीकॉप्टर लिमिटेड किन को अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है?

A. तेल और प्राकृतिक गैस आयोग

B. रक्षा मंत्रालय

C. सेना

D. पड़ोसी देश

उत्तर - A. तेल और प्राकृतिक गैस आयोग

41. हाल के वर्षों में भारत इनमें से किसके निर्यात के माध्यम से सबसे ज्यादा विदेशी मुद्रा अर्जित कर रहा है?

A. अयस्कों और खनिजों

B. सूचना प्रौद्योगिकी

C. कृषि उत्पाद

D. इलेक्ट्रिकल सामान

उत्तर - B. सूचना प्रौद्योगिकी

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. परिवहन क्यों आवश्यक है?

उत्तर - परिवहन किसी देश की अर्थव्यवस्था का आधार होता है। परिवहन आवागमन का साधन होता है। यह कृषि और उद्योग, व्यापार और संचार के विकास में सहायक होता है। यह किसी देश के आंतरिक और बाहरी सुरक्षा में सहायक होता है।

2. सड़क परिवहन के चार साधनों के नाम लिखें?

उत्तर - परिवहन के चार साधन-

(i) सड़क परिवहन

(ii) रेल परिवहन

(iii) वायु परिवहन

(iv) जल परिवहन

3. जीवन के लिए संचार के साधन क्यों आवश्यक है?

उत्तर - संचार किसी भी व्यक्ति की दूसरे व्यक्ति से बातचीत करने में सहायक होता है। यह देश विदेश की खबरों को लोगों तक पहुंचाता है। यह परिवहन, उद्योग तथा व्यापार के विकास में सहायक होता है। किसी देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा में सहायक होता है। यह लोगों के मनोरंजन का प्रमुख साधन है। इन सभी कारणों से यह जीवन के लिए आवश्यक हो जाता है।

4. संचार के साधनों के नाम लिखें?

उत्तर - संचार के चार साधन इस प्रकार हैं-

(क) टेलीविजन

(ख) रेडियो

(ग) डाक

(घ) समाचार पत्र

5. भारत के विशाल मैदान में रेल मार्ग का जाल हिमालय के पर्वतीय क्षेत्रों से अधिक क्यों है?

उत्तर - हिमालय पर्वतीय क्षेत्र काफी दुर्गम क्षेत्र है जहां पर्वत की चट्टानों को काटकर तथा घाटियों को भरकर रेल लाइनें बिछाना काफी महंगा भी है और कठिन भी। भारत का मैदानी भाग समतल है जहां रेलमार्ग महत्वपूर्ण योगदान देता है। यह लोगों के आवागमन का प्रमुख साधन है।

6. जनसंचार क्या है?

उत्तर - भारत के कुछ साधनों द्वारा सूचना को बहुत से लोगों तक एक साथ पहुंचाया जा सकता है। इसे जनसंचार कहते हैं। जैसे -रेडियो, टेलीविजन, समाचार पत्र आदि।

7. आज भारतीय रेलों के सामने कौन-कौन सी समस्याएं हैं?

उत्तर - बिना टिकट यात्रा करना, जंजीर खींचकर रेलगाड़ी को बार-बार रोकना जिससे रेलगाड़ी का निश्चित समय में निश्चित स्थान पर पहुंचने में देर होना, रेलवे संपत्ति का दुरुपयोग एवं चोरी करना आदि अनेक समस्याएं हैं।

8. राष्ट्रीय महामार्ग क्या है?

उत्तर - राज्य से दूसरे राज्य को मिलाने वाले सड़क मार्गों को राष्ट्रीय महामार्ग कहते हैं। इनके निर्माण तथा देखभाल की जिम्मेदारी केंद्रीय सरकार की होती है।

9. एक्सप्रेस राष्ट्रीय महामार्ग किसे कहते हैं?

उत्तर - सरकार ने 4 से 6 लाइनों वाले सड़क मार्ग बनाने की योजना बनाई है। इन सड़कों को राष्ट्रीय सुपर महामार्ग का नाम दिया गया है। इसका उद्देश्य लंबी दूरी की यात्रा को तीव्र तथा सुरक्षित बनाना है।

10. स्वर्णिम चतुर्भुज एक्सप्रेस महामार्ग से जोड़े जाने वाले नगरों के नाम बताएं।

उत्तर - स्वर्णिम चतुर्भुज सुपर महामार्ग से जोड़े जाने वाले नगरों में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता है।

11. पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के परिवहन में पाइप लाइनों के लाभ बताएं।

उत्तर - (क) पाइप लाइनों द्वारा परिवहन से पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस की बर्बादी होने की संभावना कम रहती है।

(ख) पाइप लाइनों द्वारा कच्चा तेल दूर स्थित तेल शोधक कारखाना तक तथा प्राकृतिक गैस उर्वरकों के कारखानों तक आसानी से पहुंचाया जा सकता है।

12. रेलवे के किन्हीं तीन क्षेत्रों के नाम उनके मुख्यालयों के नाम के साथ बताएं।

उत्तर -

क्षेत्र	**मुख्यालय**
(क) उत्तरी रेलवे	नई दिल्ली
(ख) दक्षिण पूर्वी रेलवे	कोलकाता
(ग) दक्षिणी रेलवे	चेन्नई

13. अनुकूल व्यापार संतुलन का अर्थ बताएं। भारत का विदेशी व्यापार संतुलन कैसा है?

उत्तर - जब किसी देश में आयात से अधिक निर्यात हो तो उसे अनुकूल व्यापार संतुलन कहते हैं। भारत का विदेशी व्यापार असंतुलित अर्थात विपक्ष में है।

Jharkhandlab.com

14. उन राज्यों के नाम बताएं जिनमें मुर्मू गांव, न्यू- मैंगलोर, पारादीप और तूतीकोरिन पतन स्थित हैं?

उत्तर - मुर्मू गांव पतन गोवा में स्थित है।

न्यू- मंगलौर कर्नाटक में स्थित है।

पारादीप उड़ीसा में है।

तूतीकोरिन पतन तमिलनाडु राज्य में स्थित है।

15. भारत के दो अंतःस्थलीय जलमार्गों के नाम बताएं।

उत्तर - भारत के दो अंतः स्थलीय जलमार्गों के नाम-

(क) गंगा नदी में इलाहाबाद से हल्दिया तक।

(ख) ब्रह्मपुत्र नदी में सादिया से धुबरी तक।

16. भारत के किन्ही चार अंतर्राष्ट्रीय वायु पतनों के नाम लिखें।

उत्तर - चार अंतर्राष्ट्रीय वायु पतनों के नाम-

(i) दिल्ली

(ii) चेन्नई

(iii) मुंबई

(iv) कोलकाता

17. भारत के पूर्वी तट पर स्थित प्रमुख समुद्री पतनों के नाम लिखें।

उत्तर - पूर्वी तट पर स्थित समुद्री पतनों के नाम-

(i) कोलकाता

(ii) हल्दिया

(iii) काकीनाड़ा

(iv) पारादीप

(v) तूतीकोरिन

(vi) चेन्नई

(vii) विशाखापट्टनम

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. सड़क परिवहन के 3 गुण बताएं?

उत्तर - सड़क परिवहन के तीन-

(i) सड़कों के लिए रेलवे की अपेक्षा पूंजी निवेश की आवश्यकता कम होती है। इनका निर्माण बहुत ऊंचे स्थानों या किसी भी स्थान पर किया जा सकता है।

(ii) सड़क परिवहन सुविधाजनक तथा साधारण व्यक्ति की पहुंच के अंदर होता है तथा 24 घंटे उपलब्ध होता है।

(iii) शीघ्र नष्ट होने वाली वस्तुओं, जैसे दूध और सब्जियों आदि को विभिन्न क्षेत्रों में ढोने की सुविधा प्रदान करती है। इससे उत्पादन में बढ़ोतरी होती है तथा साथ ही किसानों का ज्ञान भी पड़ता है।

2. आजकल रेलें इतनी महत्वपूर्ण क्यों है?

उत्तर - रेल परिवहन एक जरिया है जिसमें यात्रियों और माल को पटरियों पर चलने वाले वाहनों पर एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाया जाता है। पारंपरिक रूप से रेल वाहनों के नीचे पहिए होते हैं जो स्टील की बनी दो पटरियों पर संतुलित रूप से चलते हैं, लेकिन आधुनिक काल में चुंबकीय प्रभाव से पटरी के ऊपर लटक कर चलने वाली 'मैगलेव' और एक पटरी पर चलने वाली 'मोनोरेल' जैसी व्यवस्थाएं भी रेल व्यवस्था में गिनी जाती हैं। रेल की पटरी पर चलने वाले वाहन अक्सर एक लंबी पंक्ति में एक दूसरे से जंजीरों से जुड़े हुए डब्बे होते हैं जिन्हें एक या एक से अधिक कोयले, डीजल, बिजली, या अन्य ऊर्जा से चलने वाला इंजन खींचता है इस तरह से जुड़े हुए डिब्बों और इंजन को रेल गाड़ी या ट्रेन बुलाया जाता है। यह महत्वपूर्ण इसलिए भी हो जाता है क्योंकि इसने उद्योगों और व्यापार का तेजी से विकास किया है। यह कृषि से संबंधित वस्तुओं को लोगों तक पहुंचाने में रेल मार्ग की भूमिका भी महत्वपूर्ण है।

3. सीमांत सड़कों का महत्व बताएं?

उत्तर - सीमांत सड़कों का महत्व-

(i) यह सड़कें सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले विशेषकर अगली चौकियों की रखवाली करने वाले सैनिकों की प्रतिदिन की आवश्यकता को पूरा करने में बड़ी सहायक सिद्ध होती है।

(ii) युद्ध के समय इन्हीं सड़कों से फौजियों को लड़ाई का सामान, खाद्य सामग्री तथा अन्य सहायता पहुंचाई जा सकती है।

(iii) यह सड़कें आर्थिक विकास में भी मदद करते हैं।

4. व्यापार से आप क्या समझते हैं? स्थानीय (राष्ट्रीय) व अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अंतर स्पष्ट करें।

उत्तर - विभिन्न राज्यों या देशों के मध्य विभिन्न प्रकार की वस्तुओं एवं सेवाओं के लेन-देन को व्यापार कहा जाता है।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के बीच निम्नलिखित अंतर है-

(i) दो देशों के बीच होने वाले व्यापार को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कहते हैं जबकि राष्ट्रीय व्यापार देश के भीतर होता है।

(ii) सामान्य तौर पर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार इंटरनेट के माध्यम से होता है जबकि स्थानीय व्यापार शहरों, कस्बों और गांवों में इंटरनेट और बाजार दोनों के माध्यम से होता है।

(iii) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार आमतौर पर अमेरिकी डॉलर और यूरो जैसी प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मुद्राओं के माध्यम से होता है जबकि स्थानीय व्यापार भारत में भारतीय रुपए जैसी राष्ट्रीय मुद्राओं के माध्यम से होता है।

(iv) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार राष्ट्रीय मुद्रा को सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरीकों से प्रभावित कर सकता है जबकि राष्ट्रीय व्यापार राष्ट्रीय मुद्रा को प्रभावित नहीं करता।

(v) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार आमतौर पर समुद्र, वायु, और भूमि मार्ग के माध्यम से होता है जबकि स्थानीय व्यापार आमतौर पर भारत में भूमि मार्गों के माध्यम से होता है।

5. भारत के तीन पाइप लाइनों के महत्वपूर्ण परिवहन जाल का ब्यौरा देते हुए पाइपलाइन व्यवस्था का वर्णन करें।

उत्तर - भारत में फैले हुए तीन पाइप लाइनों के महत्वपूर्ण जाल का वर्णन-

(i) ऊपरी असम तेल क्षेत्र से लेकर उत्तर प्रदेश में कानपुर तक- यह पाइप लाइन गुवाहाटी, बरौनी और इलाहाबाद होकर जाती है। इसकी शाखाएं बरौनी से राजबंध होकर हल्दिया, राजबंध से मौरीग्राम तथा सिलीगुड़ी से गुवाहाटी तक फैली है।

(ii) गुजरात में सलाया से लेकर पंजाब में जालंधर तक -यह पाइपलाइन वीरमगाम, मथुरा, दिल्ली -पानीपत होकर जाती है। इसकी शाखाएं कोयली चाकसशू और अन्य स्थानों को जोड़ती है।

(iii) गुजरात में हजीरा से लेकर उत्तर प्रदेश में जगदीशपुर तक गैस पाइपलाइन -यह गैस पाइपलाइन मध्यप्रदेश में बिजयपुर होकर जाती है। इसकी शाखाएं कोटा, शाहजहांपुर तथा उत्तर बासीन पाइप लाइन से जुड़े हैं।

Jharkhandlab.com

6. उत्तर पूर्वी राज्यों में वायु परिवहन अधिक महत्वपूर्ण क्यों है?

उत्तर - सड़क मार्ग और रेलवे जैसे उपलब्ध परिवहन साधनों में हवाई यात्रा परिवहन का सबसे तेज साधन है। वायु परिवहन पर्वतीय क्षेत्र, मरुस्थल, घने जंगल और समुद्र के पानी से प्रभावित नहीं होता इसलिए पहाड़ों और घने वन क्षेत्रों के लिए भी वायु परिवहन उपयुक्त होता है। पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ नाम जहां वायु परिवहन अधिक महत्वपूर्ण होता है-अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय, असम और सिक्किम।

7. परिवहन एवं संचार में अंतर लिखें?

उत्तर - परिवहन एवं संचार में निम्नलिखित अंतर है -

परिवहन-

(i) परिवहन एक तंत्र है जिसमें यात्रियों और माल को एक स्थान से दूसरे स्थान को लाया और ले जाया जाता है।

(ii) परिवहन के साधनों में सड़क, रेल, वायु मार्ग, समुद्र मार्ग सम्मिलित होते हैं।

संचार-

(i) व्यक्तियों द्वारा संदेश और सूचनाओं के आदान-प्रदान को संचार कहते हैं।

(ii) संचार के साधनों में रेडियो, दूरदर्शन, समाचार पत्र आदि सम्मिलित होते हैं।

8. व्यक्तिगत संचार और जनसंचार में अंतर स्पष्ट करें।

उत्तर - व्यक्तिगत संचार

(i) निजी संचार के साधन हैं जिनका प्रयोग संदेश भेजने के लिए व्यक्ति स्वयं करता है।

(ii) निजी संचार के साधनों में पोस्टकार्ड, टेलीग्राम, टेलीफोन, ई-मेल सेल्यूलर टेलीफोन तथा इंटरनेट हैं।

जनसंचार-

(i) जनसंचार के साधन वे साधन है जिनके द्वारा सूचना तथा संदेश आम जनता को प्राप्त होते हैं।

(ii) जन संचार के साधनों में अखबार, पत्र-पत्रिकाओं, टेलीविजन, पुस्तकें, रेडियो, चलचित्र तथा कंप्यूटर आदि को शामिल किया जाता है।

9. जल परिवहन, सड़क परिवहन से सस्ता क्यों है? दो कारण बताएं।

उत्तर - जल परिवहन तथा सड़क परिवहन के सस्ता होने के कारण-

(i) जल परिवहन में टायरों आदि की इतनी घिसाई नहीं होती जितनी सड़क पर चलने से होती है।

(ii) पानी पर चलने वाले वाहनों के दुर्घटना की भी कम संभावना होती है, जबकि सड़क पर चलने वाले वाहनों में दुर्घटना एक आम बात है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. आधुनिक समय में संचार के साधनों की महत्ता का वर्णन करें?

उत्तर - आधुनिक समय में संचार के साधनों की महत्ता निम्नलिखित है-

(i) हम इनके द्वारा संसार के एक नगर में बैठकर दूरदराज के नगरों में बैठे आदमियों से बातचीत कर सकते हैं। संदेश दे सकते हैं तथा ले सकते हैं।

(ii) विभिन्न घटनाओं को टेलीविजन पर घटते हुए देख सकते हैं।

(iii) विश्व में किसी भी स्थान पर बैठकर व्यापार किए जा सकते हैं। टेलीफोन के द्वारा माल की खरीद बिक्री कुछ ही मिनटों में की जा सकती है।

(iv) जनता को विभिन्न घटनाओं की सूचना समाचार पत्रों, पत्र-पत्रिकाओं, टेलीविजन, रेडियो तथा इंटरनेट के माध्यम से शीघ्र मिल जाता है।

(v) लोगों द्वारा सरकार के प्रति विचारधारा बनाने में भी जनसंचार के साधन विशेष भूमिका निभाते हैं। यह उनके कार्यों, नीतियों आदि का भी पता होता रहता है।

(vi) संचार के द्वारा ही हमें संसार के किसी भाग में घटित प्राकृतिक आपदाओं के बारे में जानकारी मिलती है।

(vii) संचार के द्वारा जनता का भी मनोरंजन होता है।

2. परिवहन तथा संचार के विभिन्न साधनों को किसी राष्ट्र तथा उसकी अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएं क्यों कहे जाते हैं?

उत्तर - परिवहन के साधन वे साधन है जिनका प्रयोग यात्री एवं भार को एक स्थान से दूसरे स्थान तक धोने के लिए किया जाता है उन्हें यातायात के साधन कहे जाते हैं। जैसे- बस रेलगाड़ियां, वायुयान आदि। उसी प्रकार संचार व्यवस्था ऐसे साधनों से है जिनका प्रयोग एक स्थान से दूसरे स्थान तक संदेश भेजने के लिए किया जाता है। जैसे- रेडियो, टेलीविजन, डाक तथा सेवाएं आदि।

यातायात और संचार साधनों को किसी देश की जीवन रेखाएं कहे जाने के निम्नलिखित कारण है-

(i) इनके द्वारा हजारों टन सामान और विविध सामग्री देश के एक भाग से दूसरे भाग तक ले जाई जाती है जिससे लोगों की अनेक प्रकार की कठिनाइयों का अंत होता है।

(ii) इनके द्वारा देश के दूर-दूर के क्षेत्रों को एक दूसरे के साथ मिला दिया गया है।

(iii) युद्ध के समय इन साधनों के महत्व को भुलाया नहीं जा सकता। इनके द्वारा सारा देश रक्षा सेनाओं की सहायता में कटिबद्ध हो जाता है और हथियारों, गोला-बारूद तथा रसद पहुंचाने का काम आसान हो जाता है।

(iv) इनके द्वारा बहुत बड़ी संख्या में यात्रियों को बहुत थोड़े समय में बड़े आरामदायक ढंग से दूर स्थित स्थानों पर पहुंचाया जाता है।

3. पिछले 15 वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की बदलती प्रवृत्ति पर एक लेख लिखें।

उत्तर - भारत 20वीं शताब्दी के पांचवें दशक में कच्चे माल और अर्ध निर्मित वस्तुओं का ही अधिक निर्यात करता था क्योंकि उस समय भारतीय अर्थव्यवस्था अपने प्राथमिक रूप में ही थी। इस काल में भारत से निर्यात की जाने वाली वस्तुओं में कपास का धागा, सूती कपड़ा, नारियल का धागा, कच्चा लोहा, पटसन का सामान, चमड़ा, खालें, तंबाकू, वनस्पति तेल, कॉफी, चाय, समुक मोती और बहुमूल्य पत्थर आदि शामिल थे।

पिछले 15 वर्षों में भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में एक नवीन झुकाव दृष्टिगोचर हुआ। इस काल में भारत की अर्थव्यवस्था ने अपना प्राथमिक रूप बदला और उसने अपने द्वितीयक रूप को धारण किया। अब भारत में प्राथमिक उत्पादों से अनेक प्रकार की उपयोगी वस्तुएं बनाना आरंभ कर दिया और अपने प्रशिक्षित कारीगरों के कौशल और प्रावीणता के फल स्वरुप उनके मूल्य में वृद्धि करनी शुरू कर दी। इस काल में भारत से

jharkhandlab.com

मुख्य रूप से रत्न, जवाहरात, सूती कपड़े, चाय, मशीनरी, यातायात संबंधी उपकरण, लोहा इस्पात, चमड़े का सामान आदि निर्यात होने लगे। परंतु अब भी व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में नहीं था क्योंकि भारत के आयात और निर्यात में भारी अंतर था। उसका आयात निर्यात से अधिक था। भारत में मानव शक्ति के अपार साधन हैं। भारत को अपने विशाल मानव संपदा के साधनों का और अपनी कार्यशील जनसंख्या के कौशल का पूरा लाभ उठाना चाहिए और अपने प्राथमिक उत्पादों से अनेक वस्तुएं निर्माण कर उनके मूल्य में वृद्धि करनी चाहिए। भारत को इंजीनियरिंग सामान और अन्य उत्तम प्रकार की वस्तुओं और इलेक्ट्रॉनिक सामान का निर्माण कर उनका निर्यात करना चाहिए ताकि व्यापार संतुलन उसके पक्ष में हो जाए।

4. राष्ट्रीय महामार्ग तथा राज्य महामार्ग में अंतर बताएं। देश के प्रमुख महानगरों को जोड़ने वाले मुख्य मार्गों की आवश्यकता क्यों है?

उत्तर - राष्ट्रीय महामार्ग- देशव्यापी पूर्व- पश्चिम तथा उत्तर- दक्षिण को मिलाने वाली मुख्य सड़कें राष्ट्रीय महामार्ग कहलाती हैं। ये सड़कें विभिन्न राज्यों से होकर जाती हैं और उन राज्यों के मुख्य नगरों को आपस में मिलाती हैं। इस प्रकार इन सड़कों का राष्ट्रीय महत्व है इनका निर्माण एवं देखभाल केंद्रीय सरकार द्वारा किया जाता है। ग्रांड ट्रंक रोड इसका एक अच्छा उदाहरण है। यह सड़क भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय महामार्ग है जो अमृतसर और कोलकाता को मिलाता है और भारत के कई राज्यों से होकर जाता है।

राज्य महामार्ग-राज्य की राजधानियों को राज्य के अन्य नगरों से मिलाने वाली सड़कों को राज्य महामार्ग कहते हैं। इनका निर्माण एवं देखभाल राज्य सरकारें करती हैं क्योंकि इन सड़कों का राज्य के लिए विशेष महत्व होता है। दिल्ली में रिंग रोड एक ऐसा ही राज्य मार्ग है। ये सड़कें राज्य के नियंत्रण में होती हैं।

देश के प्रमुख महानगरों को जोड़ने वाले मुख्य मार्गों की आवश्यकता- दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई जैसे महानगरों को जोड़ने वाले फ्री हाईवे की बड़ी आवश्यकता है क्योंकि इनमें कच्चे माल एवं निर्मित वस्तुओं की शीघ्र आदान-प्रदान की आवश्यकता नहीं होती वरन एक बड़े नगर से दूसरे बड़े नगर में राजनीतिक एवं व्यापारी शीघ्र से शीघ्र आना जाना चाहते हैं। शीघ्र और मुक्त आदान-प्रदान से ना केवल लाभ में वृद्धि होती है वरन इन नगरों के लोगों की मानसिक संतुष्टि भी होती है।

jharkhandlab.com

Jharkhandlab.com

नागरिक शास्त्र
POLITICAL SCIENCE

लोकतांत्रिक राजनीति-2

jharkhandlab.com

Jharkhandlab.com

अध्याय - 1 सत्ता की साझेदारी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. बेल्जियम में सामाजिक विभाजन का आधार है _____

A. नस्ल B. जाति
C. भाषा D. क्षेत्र

उत्तर - C. भाषा

2. श्रीलंका में तमिल मुख्य रूप से कहां रहते हैं?

A. उत्तर_ पूर्वी प्रांतों में
B. पश्चिम _दक्षिण प्रांतों में
C. पश्चिमी _उत्तर प्रांतों में
D. दक्षिण_ पूर्वी प्रांतों में

उत्तर - A. उत्तर_ पूर्वी प्रांतों में

3. श्रीलंका में बहुसंख्यक कौन है?

A. तमिल B. सिंहली
C. बौद्ध D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - B. सिंहली

4. बेल्जियम में डचों की आबादी कितना प्रतिशत है?

A. 57 B. 58
C. 59 D. 60

उत्तर - C. 59

5. बेल्जियम में मुख्य रूप से कौन सी भाषा बोली जाती है?

A. जर्मन B. डच
C. फ्रेंच D. जर्मन, डच, फ्रेंच

उत्तर - D. जर्मन, डच, फ्रेंच

6. 1970 से 1993 के मध्य बेल्जियम के संविधान में कितने संशोधन किए गए?

A. 4 B. 3
C. 5 D. 2

उत्तर - A. 4

7. श्रीलंका में सिंहली भाषा को एकमात्र राजभाषा के रूप में घोषित कब किया गया?

A. 1957 B. 1959
C. 1956 D. 1953

उत्तर - C. 1956

8. भारत में किस प्रकार की शासन प्रणाली है?

A. संसदीय B. एकात्मक
C. एकपक्षीय D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - A. संसदीय

9. श्रीलंका में तमिल देश की कुल जनसंख्या का कितना प्रतिशत है?

A. 19% B. 29%
C. 17% D. 18%

उत्तर - D. 18%

10. श्रीलंका में सिंहली देश की कुल आबादी का कितना प्रतिशत है?

A. 74% B. 76%
C. 72% D. 78%

उत्तर - A. 74%

11. श्रीलंका में सत्ता की साझेदारी का क्या आधार है?

A. अल्पसंख्यक वाद B. बहुसंख्यक वाद
C. क और ख दोनों D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - B. बहुसंख्यक वाद

12. कौन सी जातीय समूह ब्रुसेल्स में बहुसंख्यक है?

A. जर्मन भाषी B. इंग्लिश भाषी
C. फ्रांसीसी भाषी D. डच भाषी

उत्तर – C. फ्रांसीसी भाषी

13. श्रीलंका का राजकीय धर्म क्या है?

A. इस्लाम B. हिन्दू
C. ईसाई D. बौद्ध

उत्तर – D. बौद्ध

14. भारत में क्षेत्रीय सरकार के लिए दूसरा नाम क्या है?

A. प्रांतीय सरकार B. राज्य सरकार
C. सामुदायिक सरकार D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर – B. राज्य सरकार

15. बेल्जियम को स्वतंत्रता कब प्राप्त हुई?

A. 4 अक्टूबर 1830 B. 19 अप्रैल 1828
C. 4 अक्टूबर 1835 D. 4 अक्टूबर 1840

उत्तर – A. 4 अक्टूबर 1830

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. सत्ता की साझेदारी किसे कहते हैं?

उत्तर - शासन की व्यवस्था में समाज के प्रत्येक समूह और समुदाय की समान भागीदारी होती है उसे सत्ता की साझेदारी कहते हैं।

2. सत्ता की भागीदारी से आप क्या समझते हैं?

उत्तर - देश के नागरिकों द्वारा सरकारी स्तर पर कोई भी निर्णय लेने या कानून निर्माण प्रक्रिया को प्रभावित करने को सत्ता की भागीदारी कहते हैं।

3. सत्ता की साझेदारी से क्या लाभ है?

उत्तर - सत्ता की साझेदारी के लाभ –:

1. सभी नागरिकों को शासन प्रणाली में भाग लेने का समान अवसर मिलता है।
2. सत्ता की साझेदारी से समाज की सभी समूहों के बीच टकराव नहीं होता है और शांति बनी रहती है, जिससे राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की भावना बनी रहती है।

4. सामुदायिक सरकार किसे कहते हैं?

उत्तर - सामुदायिक सरकार उसे कहते हैं, जिसमें विभिन्न सामाजिक समूह को अपने समुदायों से संबंधित मामलों को संभालने की

Jharkhandlab.com

शक्ति दी जाती है और उस से आशा की जाती है कि वह किसी भी समुदाय को कमजोर किए बिना आम जनता के लाभ के लिए संयुक्त रूप से काम करें।

5. **गृहयुद्ध का क्या अर्थ है?**

उत्तर - किसी देश में सरकार और विरोधी समूह की हिंसक लड़ाई ऐसा रूप ले लेगी कि वह युद्ध सा लगने लगे, उसे गृहयुद्ध कहते हैं।

6. **बेल्जियम को स्वतंत्रता कब प्राप्त हुई?**

उत्तर - बेल्जियम को स्वतंत्रता 4 अक्टूबर 1830 ईसवी को मिली परंतु उसे मान्यता 19 अप्रैल 1839 को दी गई।

7. **श्रीलंका की कुल आबादी में सिंहलियों और तमिलों की आबादी का क्या अनुपात है?**

उत्तर - श्रीलंका की कुल आबादी में सिंहलियों की आबादी 74% है जबकि तमिलों की 18%।

8. **सत्ता के क्षैतिज वितरण से क्या तात्पर्य है?**

उत्तर - सत्ता का क्षैतिज वितरण का अर्थ होता है सरकार के विभिन्न अंगों कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के बीच सत्ता का बंटवारा। जिसमें सरकार अपने अपने शक्तियों का उपयोग करने के लिए स्वतंत्र होते हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. **बेल्जियम की समाज की जातीय बनावट का वर्णन करे?**

उत्तर - बेल्जियम यूरोप का एक छोटा सा देश है जिसकी आबादी हरियाणा से भी आधी है। इस राज्य की जनसंख्या लगभग एक करोड़ है। यहां मुख्यतः तीन तरह की भाषा बोलने वाले लोग रहते हैं _डच,फ्रेंच और जर्मन। इसमें 59 प्रतिशत लोग डच,40% फ्रेंच और 1% लोग जर्मन भाषा बोलते हैं। बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स है। ब्रुसेल्स में 80% लोग फ्रेंच भाषा बोलते हैं जबकि 20%डच भाषी हैं। इस छोटे से देश के समाज की जातीय बनावट बहुत जटिल है। अल्पसंख्यक फ्रेंच भाषी लोग तुलनात्मक रूप से ज्यादातर समृद्ध और ताकतवर है। उनकी इस स्थिति के कारण डच भाषी लोगों की नाराजगी थी। जिसके कारण 1950 और 1960 के दशक में फ्रेंच और डच बोलने वाले समूह के बीच तनाव बढ़ने लगा।

2. **श्रीलंका के समाज की जातीय बनावट की व्याख्या करें?**

उत्तर - भारत के दक्षिण तट से कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित श्रीलंका एक द्वीपीय देश है।इसकी आबादी लगभग 2 करोड़ है।श्रीलंका में दो जातीय समूह के लोग रहते हैं -१. सिंहली और २.तमिल। श्रीलंका की आबादी का 74% भाग सिंहली और 18% लोग तमिल हैं। अधिकतर सिंहली लोग बौद्ध धर्म को मानते हैं जबकि तमिलों में कुछ हिंदू, कुछ मुसलमान है।अल्पसंख्यक तमिल देश के उत्तर पूर्वी भागों में रहते है और बाकी देश के हिस्सों में बहुसंख्यक सिंहली निवास करते हैं। श्रीलंका की आबादी में ईसाई लोगों का हिस्सा 7% है और वे सिंहली और तमिल दोनों भाषाएं बोलते हैं।

3. **श्रीलंका में सिंहली और तमिल समुदाय के बीच तनाव के क्या कारण थे?**

अथवा

श्रीलंका में सत्ता की साझेदारी की व्यवस्था के बारे में चर्चा करें?

उत्तर - श्रीलंका में सिंहली बहुसंख्यक और तमिल अल्पसंख्यक है। श्रीलंका के बहुसंख्यक समुदाय अर्थात सिंहली समुदाय ने अपनी बहू संख्या के बल पर प्रभुत्व जमाने का प्रयास किया और इसके लिए निम्नलिखित कदम उठाए _

1. तमिल भाषा की अवहेलना करते हुए सिंहली भाषा को देश की एकमात्र राजभाषा घोषित किया।
2. विश्वविद्यालय तथा सरकारी नौकरियों में सिंहलियो को प्राथमिकता दी गई।
3. बौद्ध धर्म को सरकारी संरक्षण दिया गया।

उपर्युक्त सत्ता विभाजन के परिणाम स्वरूप श्रीलंका में तमिल समुदाय और सिंहली समुदायों के बीच तनाव फैलने लगा और दोनों समुदायों के बीच संबंध बिगड़ते चले गए।

4. **सत्ता की साझेदारी क्यों जरूरी है?**

उत्तर - सत्ता की साझेदारी इसलिए जरूरी है क्योंकि सत्ता का बंटवारा होने से विभिन्न सामाजिक समूह के बीच टकराव कम हो जाता है।टकराव कम होने से सामाजिक हिंसा और अस्थिरता कम हो जाती है।सत्ता की साझेदारी लोकतंत्र की आत्मा है। लोकतंत्र का अर्थ होता है जनता द्वारा शासन। जनता के द्वारा चुने गए प्रतिनिधि अपने -अपने कार्य के प्रति उत्तरदायी होते हैं। जब उनके बीच सत्ता की साझेदारी कर दी जाती है तो भी अपने उत्तरदायित्व का निष्पादन स्वतंत्र रूप से कर सकते हैं। संविधान द्वारा उनके कार्य और अधिकार दे दिए जाते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. **सत्ता की साझेदारी से संबंधित बेल्जियम मॉडल और श्रीलंकाई मॉडल में अंतर बताएं?**

उत्तर - सत्ता की साझेदारी से संबंधित बेल्जियम मॉडल और श्रीलंकाई मॉडल में अंतर__

1. बेल्जियम व श्रीलंका दोनों ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को अपनाया है लेकिन सत्ता की साझेदारी से संबंधित दोनों देशों की विचार अलग-अलग थे, बेल्जियम में क्षेत्रीय अंतर और सांस्कृतिक विविधता को देखते हुए समन्वय एवं समुचित प्रतिनिधित्व वाली सामुदायिक सरकार का रास्ता अपनाया वही श्रीलंका में बहुसंख्यक वाद को प्रश्रय दिया गया।
2. बेल्जियम में विभिन्न समूह और क्षेत्रों को सत्ता में भागीदार बनाते हुए राष्ट्रीय एकता, समन्वय एवं शांति का प्रयास किया गया। इसके विपरीत श्रीलंका में ऐसा नहीं किया गया क्योंकि वहां बहुसंख्यक वर्ग अपना प्रभुत्व स्थापित करना चाहते थे। श्रीलंका में विभिन्न समूहों तथा क्षेत्रों की सत्ता में हिस्सेदारी को राष्ट्रीय एकता पर खतरे के रूप में देखा गया।
3. बेल्यियम में डच भाषी बहुसंख्यक और फ्रेंच भाषी अल्पसंख्यक है, परंतु वहां इस बात की व्यवस्था की गई है कि केंद्रीय सरकार में डच और फ्रेंच भाषी मंत्रियों की संख्या समान होगी। इसके विपरीत श्रीलंका में सिंहली बहुसंख्यक और तमिल अल्पसंख्यक है। श्रीलंका के सिंहली समुदाय ने अपनी बहुसंख्या के बल पर शासन पर प्रभुत्व जमाने का प्रयास किया तथा कई ऐसे कदम उठाए जिससे अल्पसंख्यक तमिल समुदाय के हितों की हानि हुई। परिणाम स्वरूप श्रीलंका के तमिल समुदाय में तनाव फैला और दोनों समुदायों के बीच संबंध बिगड़ते चले गए।

2. **बेल्जियम में सत्ता की साझेदारी की व्यवस्था की चर्चा करें?**

अथवा

बेल्जियम में अपनाए गए सत्ता विभाजन के मॉडल की चार मुख्य विशेषताएं बताएं?

उत्तर - बेल्जियम के सत्ता की साझेदारी के मॉडल की मुख्य विशेषताएं_

1. संविधान में स्पष्ट रूप से इस बात की व्यवस्था की गई है कि केंद्रीय सरकार में डच और फ्रेंच भाषी मंत्रियों की संख्या समान होगी।
2. कुछ विशेष कानून तभी बनाए जा सकते हैं जब दोनों भाषाई समुदाय के प्रतिनिधियों का बहुमत उसके पक्ष में हो कोई एक समुदाय एकतरफा फैसला नहीं कर सकता है।

Jharkhandlab.com

3. शासन की शक्तियों का विभाजन केंद्र और राज्य सरकारों के बीच स्पष्ट रूप से कर दिया गया है किसी भी मामले में राज्य सरकारें, केंद्रीय सरकार के अधीन नहीं है।

4. ब्रुसेल्स में अलग सरकार है जहां दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों को समान प्रतिनिधित्व प्राप्त है।

5. बेल्जियम में केन्द्रीय और राज्य सरकार के अतिरिक्त एक तीसरे स्तर की सरकार में प्रतिनिधियों का चुनाव अलग-अलग भाषा बोलने वाले समुदायों द्वारा होता है, जिसे समुदायिक सरकार कहते हैं। यह सरकार संस्कृति, शिक्षा और भाषा जैसे मामलों में निर्णय करती है।

3. आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता की साझेदारी के अलग-अलग तरीके क्या है?

अथवा

सत्ता की साझेदारी के किन्हीं चार रूपों की व्याख्या करें?

उत्तर - आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता की साझेदारी के अलग-अलग तरीके निम्नलिखित है-

1. **सरकार के विभिन्न अंगों के बीच सत्ता का विभाजन-** सरकार के तीन अंग होते हैं विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका। सरकार के तीनों अंगों के बीच सत्ता का विभाजन किया गया है। इससे किसी अंग द्वारा अपनी शक्तियों के दुरुपयोग की संभावना नहीं रहती है। इस विभाजन से यह लाभ होता है कि सरकार के एक अंग दूसरे अंग की सत्ता पर अंकुश रखते हैं, जिससे सरकार के तीनों अंगों के बीच संतुलन बना रहता है । जैसे- भारत, भारत में सरकार के तीन अंग है-

   विधायिका- विधायिका का कार्य देश के शासन के लिए कानून बनाना।

   कार्यपालिका- कार्यपालिका का कार्य कानून को लागू करना।

   न्यायपालिका- न्यायपालिका का कार्य कानून की व्याख्या करना है। शक्ति के ऐसे बंटवारे को सत्ता का क्षैतिज वितरण कहा जाता है।

2. **विभिन्न स्तरों पर गठित सरकारों के बीच सत्ता का विभाजन-** सामान्यतः प्रशासन व्यवस्था को तीन स्तरों पर विभाजित किया जाता है। राष्ट्रीय स्तर पर केंद्रीय सरकार, प्रांतीय या क्षेत्रीय स्तर पर राज्य सरकार और सबसे निचले स्तर पर स्थानीय सरकार। सत्ता का विभाजन सभी स्तरों पर गठित सरकारों के बीच कर दिया जाता है ।भारत में भी दो स्तरों की सरकारों के गठन की व्यवस्था की गई है, केंद्र सरकार और राज्य सरकार । संविधान के द्वारा दोनों सरकारों के बीच सत्ता का विभाजन कर दिया गया है। इस उद्देश्य से तीन सूचियां बनाई गई है_ संघ सूची, राज्य सूची, समवर्ती सूची।

3. **विभिन्न समुदायों के बीच सत्ता का विभाजन-** किसी भी लोकतांत्रिक राज्य में विभिन्न समुदाय के लोग रहते हैं ।धर्म, जाति, भाषा आदि के आधार पर उन्हें मुख्यतः दो वर्गों में बांटा जाता है _बहुसंख्यक एवं अल्पसंख्यक। सत्ता का बंटवारा इस प्रकार किया जाता है कि अल्पसंख्यक समुदाय और बहुसंख्यक समुदाय दोनों सत्ता में भागीदार रह सके । बेल्जियम की सामुदायिक सरकार इस व्यवस्था का एक उत्तम उदाहरण है।

4. **गैर सरकारी संस्थाओं में सत्ता का विभाजन-** गैर सरकारी संस्थाएं भी सत्ता में भागीदारी के लिए प्रयत्नशील रहती है। किसी भी देश में राजनीतिक दल, हित समूह, संघ तथा संगठन भी अपने प्रभाव से सत्ता में भागीदारी सुनिश्चित कर लेते हैं ।अनेक पार्टियां मिलकर सरकार का निर्माण करती है, तो सत्ता का बंटवारा विभिन्न पार्टियों में कर दिया जाता है।

4. भारतीय संदर्भ में सत्ता की हिस्सेदारी का एक उदाहरण देते हुए इसका एक युक्ति परक और एक नैतिक कारण बताएं?

अथवा

सत्ता की साझेदारी के पक्ष में कौन से तर्क दिए जाते हैं?

उत्तर - सत्ता की साझेदारी के पक्ष में दिए जाने वाले तर्क _राजनीतिज्ञों ने सत्ता की साझेदारी के पक्ष में अनेक तर्क दिए हैं जिनमें से प्रमुख निम्नलिखित हैं-

1. युक्तिपरक कारण-

(क) सत्ता की साझेदारी विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच टकराव को कम करता है।

(ख) यह पक्षपात अर्थात राजनीतिक व्यवस्था में हिंसा और राजनीतिक अस्थिरता को कम करता है।

(ग) यह विभिन्न विविधताओं को अपने में समेट लेती है।

(घ) यह लोगों में राजनीतिक जागरूकता लाती है जिससे सत्ता में लोगों की भागीदारी बढ़ जाती है।

2. नैतिक कारण-

(क) सत्ता के विभाजन से सभी सरकारों को शासन की प्रक्रिया में भाग लेने से राजनीतिक दलों को पूर्ण न्याय मिल जाता है।

(ख) सत्ता की साझेदारी से अल्पसंख्यकों को समानता के आधार पर भागीदारी मिलती है, अतः राजनितिक व्यवस्था में आक्रोश की भावना नहीं पनपती है।

(ग) शक्ति विकेंद्रीकरण से सरकार के तीनों अंगों को अलग-अलग शक्तियां सौप दी जाती है और वे किसी भी अन्य कार्यों में हस्तक्षेप नहीं कर सकते हैं जिससे केंद्रीय और राज्यों की सरकार में शांति का वातावरण बना रहता है।

(घ) कानूनों का निर्माण या कोई भी निर्णय सर्वसम्मति से लिए जाते हैं अतः लिया गया निर्णय या कानून सबको मान्य होते हैं।

5. सत्ता की साझेदारी क्या है, और इसके क्या-क्या लाभ है?

उत्तर - सत्ता की साझेदारी एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें समाज के प्रत्येक समूह और समुदाय की भागीदारी होती है। आज इस साझेदारी में समाज के किसी भी व्यक्ति के साथ भेदभाव पूर्ण व्यवहार नहीं किया जाता है।

सत्ता की साझेदारी के लाभ--

1. सत्ता की साझेदारी लोकतंत्र का मूल मंत्र है जिसके बिना लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती है।

2. लोगों की शासन की प्रक्रिया में सहभागिता से देश मजबूत होता है।

3. सत्ता की साझेदारी में भेदभाव का कोई स्थान नहीं है। सभी लोगों के हितों को ध्यान में रखा जाता है, और उनकी भावनाओं का आदर किया जाता है। जिससे लोगों के बीच संघर्ष कम हो जाता है, और जिस देश में टकराव की भावना नहीं रहती वह देश प्रगति की ओर आगे बढ़ता है।

4. समाज के सभी वर्गों अथवा समूहों को शासन व्यवस्था में भाग लेने का अवसर मिलता है।

5. समाज में शांति बनी रहती है क्योंकि समाज के विभिन्न समूह के बीच टकराव नहीं होता है जिसे राष्ट्रीय एकता की भावना का मार्ग प्रशस्त होता है।

jharkhandlab.com

अध्याय - 2 संघवाद

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. भारत की राष्ट्रभाषा है?

A. पंजाबी B. हिंदी
C. अंग्रेजी D. गुजराती

उत्तर - B. हिंदी

2. ग्रामीण स्तर पर संचालित प्रशासन को क्या कहते हैं?

A. स्थानीय प्रशासन B. पंचायत
C. ग्राम सभा D. ग्रामोदय

उत्तर- A. स्थानीय प्रशासन

3. नगर निगम के पदाधिकारी को क्या कहते हैं?

A. जिला अध्यक्ष B. तहसीलदार
C. मेयर D. थानाध्यक्ष

उत्तर - C. मेयर

4. प्रांतीय प्रशासन का संचालन कौन करता है?

A. प्रधानमंत्री B. मुख्यमंत्री
C. राज्यपाल D. जिलाधिकारी

उत्तर - B. मुख्यमंत्री

5. इनमें से किस देश में एकात्मक सरकार है?

A. श्रीलंका B. बेल्जियम
C. अमेरिका D. कनाडा

उत्तर - A. श्रीलंका

6. संघात्मक सरकार किस देश में है?

A. चीन B. भारत
C. फ्रांस D. जापान

उत्तर - B. भारत

7. संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची का उल्लेख संविधान के किस अनुसूची में किया गया है?

A. 5 वीं B. 6वीं
C. 7वीं D. 8वीं

उत्तर - C. 7वीं

8. समवर्ती सूची में कितने विषय हैं?

A. 50 B. 54
C. 56 D. 52

उत्तर - D. 52

9. विकेंद्रीकरण क्या है?

A. केंद्रीय स्तर की सरकार
B. राज्य स्तर की सरकार
C. स्थानीय स्तर की सरकार
D. केंद्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर की सरकार

उत्तर - D. केंद्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर की सरकार

10. झारखंड कब एक नया राज्य बना?

A. 2000 B. 2001
C. 2004 D. 2010

उत्तर - A. 2000

11. भारत में कितनी भाषाओं को अनुसूचित भाषा का दर्जा दिया गया है?

A. 20 B. 22
C. 24 D. 25

उत्तर - B. 22

12. इनमें से किस देश में साम्यवादी शासन प्रणाली है?

A. भारत B. नेपाल
C. पाकिस्तान D. चीन

उत्तर - D. चीन

13. राज्य की विधानसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व कितना है?

A. 4 फ़ीसदी से कम B. 5 फ़ीसदी से कम
C. 7 फ़ीसदी से काम D. 10 फ़ीसदी से कम

उत्तर - B. 5 फ़ीसदी से कम

14. भारत में कितनी भाषाएं बोली जाती हैं?

A. 1200 के लगभग B. 1400 के लगभग
C. 1500 के लगभग D. 1100 के लगभग

उत्तर - C. 1500 के लगभग

15. पोखरण भारत के किस राज्य में है?

A. राजस्थान B. गुजरात
C. पंजाब D. झारखंड

उत्तर - A. राजस्थान

16. संघीय सरकार में स्तर होते हैं ____

A. एक B. केवल दो
C. दो या दो से अधिक D. पांच से कम

उत्तर - C. दो या दो से अधिक

17. विभिन्न स्तर की सरकार के बीच अधिकारों से संबंधित विवाद को कौन सुलझाता है?

A. सभी अदालतें B. उच्चतम न्यायालय
C. राष्ट्रपति D. प्रधानमंत्री

उत्तर - B. उच्चतम न्यायालय

18. संघीय सरकार के हर स्तर के अस्तित्व और प्राधिकार की गारंटी और सुरक्षा का देता है?

A. संसद B. संविधान
C. राष्ट्रपति D. केंद्रीय मंत्रिमंडल

उत्तर - B. संविधान

19. वर्तमान में भारत में कितने राज्य हैं?

A. 25 B. 27
C. 29 D. 28

उत्तर - D. 28

Jharkhandlab.com

20. निम्न में से कौन सा विषय संघ सूची के नहीं है?

A. विदेशनीति B. बैंकिंग

C. पुलिस D. संचार

उत्तर - C. पुलिस

21. स्वतंत्रता पूर्व भारत में लगभग कितने देसी रियासत थे?

A. 370 B. 600

C. 565 D. 475

उत्तर - C. 565

22. यदि सरकार के विभिन्न अंगों विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सत्ता का बंटवारा रहता है, तो उसे सत्ता का _____ वितरण करते हैं।

A. क्षैतिज B. उर्ध्वधर

C. दबाव समूह D. सामुदायिक

उत्तर - A. क्षैतिज

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. संघवाद क्या है?

उत्तर - संघवाद एक संस्थागत प्रणाली है जिसमें दो स्तर की राजनीतिक व्यवस्था को सम्मिलित किया जाता है। इसमें एक केंद्रीय स्तर की सरकार और दूसरी एक राज्य या प्रांतीय स्तर की सरकार होती है ।जो मिलकर कार्य करते है।

2. संघात्मक शासन प्रणाली क्या है?

उत्तर - संघात्मक शासन प्रणाली उस प्रणाली को कहते हैं, जिसमें राज्य शक्ति संविधान द्वारा केंद्र तथा संघ की इकाइयों के बीच विभाजित रहती है ।संघात्मक शासन में दो प्रकार की सरकार होती है, पहला केंद्रीय सरकार और दूसरा प्रांतीय सरकार। दोनों सरकारें सीधे संविधान से ही शक्तियां प्राप्त करते हैं।

3. गठबंधन सरकार किसे कहते हैं?

उत्तर - एक से अधिक राजनीतिक पार्टियों द्वारा साथ मिलकर बनाई गई सरकार को गठबंधन सरकार करते हैं।

4. संघ सूची का क्या अर्थ है?

उत्तर - संघ सूची राष्ट्रीय महत्व के विषयों की एक सूची है जिन पर केवल केंद्रीय सरकार कानून बना सकती है, जैसे रक्षा,वित्त, विदेशी विभाग, बैंकिंग, डाक तथा तार इत्यादि। इस सूची में 97 विषय को शामिल किया गया है।

5. राज्य सूची का क्या अर्थ है?

उत्तर - राज्य सूची प्रांतीय महत्व के विषयों की एक सूची है। जिस पर केवल राज्य सरकार कानून बना सकती है जैसे पुलिस, कृषि, सिंचाई, व्यापार, वाणिज्य इत्यादि। इस सूची में कुल 52 विषय सम्मिलित है ।

6. समवर्ती सूची क्या है?

उत्तर - विषयों की ऐसी सूची जिस पर कानून बनाने का अधिकार राज्य तथा केंद्र सरकार दोनों को प्राप्त होता है, परंतु दोनों सरकारों में टकराव होने की स्थिति में केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए कानून ही मान्य होता है ।इसमें कुल 47 विषय शामिल है।

7. अवशिष्ट शक्तियां किन्हें कहा जाता है?

उत्तर – जो विषय संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची में शामिल नहीं किए गए हैं परंतु उन विषयों पर भी कानून बनाने का अधिकार है। उन विषयों पर केंद्र सरकार को कानून बनाने का अधिकार दिया गया है उसे अवशिष्ट शक्तियां कहते हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. भारतीय संविधान में केंद्रीय और राज्यों के बीच शक्तियों का बंटवारा किस प्रकार किया गया है?

उत्तर – भारत में संघीय शासन व्यवस्था है । संविधान में भारत को "राज्यों का संघ" घोषित किया गया है। भारत में संघीय व्यवस्था के अंतर्गत शासन की विभिन्न स्तरों पर विधायी अधिकारों का विकेंद्रीकरण किया गया है। केंद्रीय और राज्य के बीच विधायी अधिकारों का विभाजन निम्नांकित तीन सूचियों के अंतर्गत किया गया है–:

(क) संघ सूची – संघ सूची के विषय पर कानून बनाने का अधिकार केंद्र की सरकार को है। प्रतिरक्षा, विदेश, बैंकिंग, संचार, मुद्रा आदि राष्ट्रीय महत्व के विषयों को शामिल किया गया है।

(ख) राज्य सूची– इस विषय पर कानून बनाने का अधिकार राज्य सरकार को दिया गया है ।पुलिस, व्यापार, वाणिज्य, कृषि, शिक्षा के महत्व के विषयों को इसमें शामिल किया गया है।

(ग) समवर्ती सूची– इस विषय पर कानून बनाने का अधिकार केंद्र और राज्य दोनों स्तरों की सरकारों को दिया गया है। इसके अंतर्गत शिक्षा, वन,श्रम, पारिवारिक कानून आदि को शामिल किया गया है।

2. भारत की संघीय व्यवस्था में बेल्जियम से मिलती-जुलती एक विशेषता और उससे अलग एक विशेषता बताएं?

उत्तर – *भारत की संघीय व्यवस्था में बेल्जियम से मिलती-जुलती एक विशेषता –:भारत के संविधान में मौलिक रूप से दो स्तरीय शासन व्यवस्था का प्रावधान किया है,संघ सरकार और राज्य सरकार ।पूरे देश की शासन व्यवस्था का संचालन केंद्र सरकार और अलग-अलग राज्यों का संचालन के लिए राज्य सरकार का प्रावधान किया गयाहै। शक्तियों का बंटवारा भी केंद्र और राज्यों के बीच संविधान में विषयों की तीन सूचियों के अंतर्गत कर दिया गया है। बेल्जियम में केंद्र और राज्य स्तरों की सरकारें हैं और दोनों सरकारें अपने-अपने क्षेत्रों में स्वतंत्र रूप से कार्य करती है। *भारत की संघीय व्यवस्था में बेल्जियम से अलग एक विशेषता –:भारत और बेल्जियम दोनों देशों में तीसरे स्तरो की सरकार है।परंतु भारत में बेल्जियम की भांति कोई समुदायिक सरकार नहीं है जो अलग-अलग जातियों, संस्कृतिक, शैक्षणिक और भाषाई हितो की रक्षा करती है।

3. "केंद्र -राज्य संबंधों में लगातार आए बदलाव के कारण ही व्यवहार में भारतीय संघवाद मजबूत हुआ है।" व्याख्या करें?

अथवा

1990 के बाद भारत के केंद्र- राज्य संबंध पर प्रकाश डालें?

उत्तर – 1990 के बाद भारतीय शासन प्रणाली में काफी बदलाव आया है ।इस अवधि में देश के अनेक राज्य में क्षेत्रीय दलों का उदय हुआ है। यही दौर केंद्र में गठबंधन सरकार की शुरुआत का भी था । चूंकि किसी एक दल को लोकसभा में स्पष्ट बहुमत नहीं मिला इसलिए प्रमुख राष्ट्रीय पार्टियों को क्षेत्रीय दलों समेत अनेक पार्टियों का गठबंधन बनाकर सरकार बनानी पड़ी। इससे सत्ता में साझेदारी और राज्य सरकारों की स्वायत्तता का आदर करने की नई संस्कृति पनपी। इस प्रवृत्ति को सर्वोच्च न्यायालय के बड़े फैसले से भी बल मिला। इस फैसले के कारण राज्य सरकार को मनमाने ढंग से भंग करना केंद्र सरकार के लिए मुश्किल हो गया। इस प्रकार आज संघीय व्यवस्था के तहत सत्ता की साझेदारी संविधान लागू होने के तत्काल बाद वाले दौर की तुलना में ज्यादा प्रभावी है।

4. भारत में संघीय शासन व्यवस्था की क्यों आवश्यकता पड़ी?

उत्तर – भारत, क्षेत्र और जनसंख्या की दृष्टि से अत्यधिक विशाल और बहुत अधिक विविधता से परिपूर्ण देश है। साथ ही भारत संघ

Jharkhandguru.com

और राज्यों के बीच शक्तियों के विभाजन के कारण मतभेद बना हुआ था इसलिए भारत में शक्तियों का केंद्रीकरण न कर के विकेंद्रीकरण की प्रक्रिया को अपनाया जाना जरूरी था। अतः मतभेदों को समाप्त करने, भारत में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की स्थापना करने, व्यक्तियों को अपने विचारों की अभिव्यक्ति करने की स्वतंत्रता देने, देश की शासन व्यवस्था को मजबूत करने, केंद्र- राज्य संबंधों को बनाए रखने के लिए संघीय शासन की आवश्यकता पड़ी।

5. स्थानीय सरकारों के महत्व का वर्णन कीजिए?

उत्तर – **स्थानीय सरकारों का महत्व-:**

1. अनेक समस्याओं का निपटारा स्थानीय स्तर पर हो जाता है।
2. स्थानीय स्तर पर लोगों को फैसलों में सीधे भागीदार बनाना संभव हो जाता है।
3. सत्ता में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी।
4. स्थानीय शासन सत्ता के विकेंद्रीकरण के अनुरूप होती है।

6. 1992 के संविधान संशोधन द्वारा लोकतांत्रिक व्यवस्था में विकेंद्रीकरण को प्रभावी बनाने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं ?

उत्तर - 1992 के संविधान संशोधन द्वारा लोकतांत्रिक व्यवस्था में विकेंद्रीकरण को प्रभावी बनाने के लिए निम्नलिखित प्रयास किए गए हैं -:

1. स्थानीय स्वशासी निकायों में चुनाव नियमित रूप से कराना अनिवार्य है।
2. कम से कम एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित है।
3. हर राज्य में पंचायत और नगरपालिका चुनाव कराने के लिए राज्य चुनाव आयोग नामक स्वतंत्र संस्था का गठन किया गया है।
4. निर्वाचित स्वशासी निकायों के सदस्य तथा पदाधिकारियों के पदों में अनुसूचित जातियो, अनुसूचित जनजातियों और पिछड़ी जातियों के लिए सीटे आरक्षित है।
5. राज्य सरकार को अपने राजस्व और अधिकारों का कुछ हिस्सा स्थानीय निकाय को देना पड़ता है।

7. भारत की भाषा नीति क्या है?

उत्तर - भारत में किसी एक भाषा को राष्ट्रभाषा का दर्जा न देकर हिंदी को राजभाषा माना गया है। पर हिंदी सिर्फ 40फीसदी भारतीयों की मातृभाषा है, इसलिए संविधान में हिंदी के अलावा 21 भाषाओं को अनुसूचित भाषा का दर्जा दिया गया है ।सरकारी कामकाजो में हिंदी के अतिरिक्त अंग्रेज़ी भाषा का भी प्रयोग किया जा सकता है ।हिंदी को बढ़ावा देने की केंद्र सरकार की नीति यही है लेकिन दूसरे राज्यों पर हिंदी को थोपा नहीं जा सकता है।

8. केंद्र और राज्य के संबंध में आए बदलावों का वर्णन कीजिए?

उत्तर - केंद्र और राज्यों के संबंध में आए बदलाव-

1. विभिन्न राज्यों में क्षेत्रीय पार्टियों की सरकार बनने लगी
2. गठबंधन की सरकार के आने से केंद्र सरकार की मनमानी में कमी आई।
3. केंद्र-राज्य तनाव में कमी आई ।
4. केंद्र- राज्य संबंधों में सुधार आया।
5. केंद्र सरकार की योजना में राज्यों के हितों का भी ख्याल रखा जाने लगा।

9. पंचायतों की मुख्य परेशानियों का वर्णन कीजिए?

उत्तर - पंचायतों की मुख्य परेशानियां निम्नलिखित है__

1. ग्रामीण जनता में जागरूकता का अभाव
2. योजनाओं को कार्य रूप देने के लिए धन का अभाव
3. अधिकारियों की मनमानी
4. जन सहभागिता में कमी
5. केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा समय पर वित्तीय सहायता उपलब्ध नहीं कराना
6. चुनाव स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से कराने में कठिनाइयां

10. केंद्र तथा राज्य के संबंधों की विस्तृत व्याख्या कीजिए?

उत्तर - संविधान द्वारा केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों की साझाकरण ने भारत में संघवाद को मजबूत किया है ।1990 के बाद की अवधि में अनेक राज्यों में क्षेत्रीय दलों का उदय हुआ ।यही दौर केंद्र में गठबंधन सरकार की शुरुआत का भी था। चूंकि किसी एक दल को लोकसभा में स्पष्ट बहुमत नहीं मिला इसलिए प्रमुख राष्ट्रीय पार्टियों को क्षेत्रीय दलों समेत अनेक पार्टियों का गठबंधन सरकार बनानी पड़ी। इससे सत्ता में साझेदारी और राज्य सरकारों की स्वायत्तता का आदर करने की नई संस्कृति पनपी। इस प्रवृत्ति को सुप्रीम कोर्ट के एक बड़े फैसले से भी बल मिला। इस फैसले के कारण राज्य सरकार को मनमाने ढंग से भंग करना केंद्र सरकार के लिए मुश्किल हो गया। संविधान के द्वारा केंद्रीय और राज्य को अलग-अलग शक्तियां सौंपी गई है, और दोनों एक दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं कर सकते हैं। संविधान में दोनों के अधिकार एवं कार्य लिखित है जिसके कारण दोनों के बीच टकराव की संभावनाएं कम हो गई है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. 1992 के संविधान संशोधन के पहले और बाद के स्थानीय शासन के दो महत्वपूर्ण अंतरों को बताएं?

उत्तर - 1992 के 73वें संविधान संशोधन ने स्थानीय शासन के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण सुधार किए जो निम्नलिखित है -:

1. 1992 से पहले स्थानीय निकायों के चुनाव नियमित नहीं होते थे, परंतु 1992 के संविधान संशोधन के पश्चात चुनाव नियमित रूप से कराना संवैधानिक बाध्यता बन गई ।
2. 1992 से पहले स्थानीय निकायों के सदस्य तथा पदाधिकारियों के पदों में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा पिछड़े वर्गों के लिए सीटें आरक्षित नहीं थी, परंतु 1992 की संवैधानिक सुधारों के बाद इन जातियों के लिए सीटों को आरक्षित कर दिया गया।
3. पहले स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित नहीं थी, परंतु एक -तिहाई सदस्यों की संख्या महिलाओं के लिए आरक्षित कर दिया गया है।
4. 1992 से पहले राज्य के पंचायतों और नगर पालिकाओं का चुनाव कराने के लिए कोई संस्था नहीं थी, परंतु अब चुनाव राज्य चुनाव आयोग गठित करता है ताकि वह स्थानीय संस्थाओं का चुनाव स्वतंत्र रूप से करा सकें।

2. शासन के संघात्मक और एकात्मक स्वरूपों में क्या-क्या मुख्य अंतर है? इसे उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट करें?

उत्तर – **शासन के संघात्मक और एकात्मक स्वरूपों में अंतरः-**

संघात्मक शासन	एकात्मक शासन
संघात्मक सरकार में दो या दो से अधिक स्तरों वाली सरकारी काम करती है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार। जैसे -भारत, अमेरिका।	एकात्मक सरकार में एक स्तरीय सरकार होती है। जैसे- ब्रिटेन, फ्रांस।
संघात्मक सरकार के लिए लिखित संविधान होना आवश्यक है।	एकात्मक सरकार के लिए लिखित संविधान होना जरूरी नहीं है।

Jharkhandlab.com

संघात्मक सरकार में केंद्र और राज्यों के बीच शक्ति का विभाजन होता है कोई भी सरकार एक दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं कर सकती है।	एकात्मक सरकार में देश की संपूर्ण सत्ता केंद्र सरकार के पास होती है वही संपूर्ण देश का शासन चलाती है। जैसे- इंग्लैंड, फ्रांस।
संघात्मक शासन में संविधान में संशोधन एक जटिल प्रक्रिया द्वारा किया जाता है ।संविधान में संशोधन के लिए केंद्र और राज्य दोनों की सहमति का होना आवश्यक है।	एकात्मक शासन में संविधान में संशोधन की प्रक्रिया बहुत सरल होती है। केंद्रीय सरकार जब चाहे तब संविधान में परिवर्तन कर सकता है।
संघात्मक शासन में स्वतंत्र न्यायपालिका होती है।	एकात्मक सरकार में न्यायपालिका की भूमिका महत्वपूर्ण नहीं होती है।

3. भारत की संघीय व्यवस्था की विशेषताओं का वर्णन करें?

उत्तर – **भारत की संघीय व्यवस्था की विशेषता–:**

1. **संविधान की सर्वोच्चता** - भारत का संविधान देश का सर्वोच्च कानून है ।भारत की संसद और विधान मंडल अपनी शक्तियां संविधान से ही प्राप्त करते हैं और अपने अधिकारों एवं कार्यों का प्रयोग कानून के आधार पर ही करते हैं ।
2. **लिखित संविधान**- लिखित संविधान का होना संघात्मक शासन की प्रमुख शर्तें है।लिखित संविधान होने से संघ एवं राज्यों में मतभेद की संभावना कम रहती है। इसमें संघ एवं राज्य की क्षेत्राधिकार निश्चित होते हैं ।अन्य संविधान की भांति भारत का संविधान भी विस्तृत और लिखित संविधान है ।
3. **कठोर और लचीला संविधान**- संघात्मक संविधान कठोर होते हैं, जिससे उसमें परिवर्तन सरलता से नहीं किए जा सकते हैं।
4. **शक्तियों का विभाजन**- भारत के संविधान द्वारा महत्वपूर्ण विषय केंद्रीय तथा स्थानीय महत्व के विषय राज्य को दिए गए हैं। शक्तियों का विभाजन तीन सूचियों के आधार पर किया गया है- संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची। केंद्र और राज्य की सरकार बिना दबाव के अपने-अपने विषयों पर कानून का निर्माण करती है।
5. **न्यायपालिका की सर्वोच्चता**- भारत के संविधान में स्वतंत्र और निष्पक्ष उच्चतम न्यायालय की व्यवस्था की गई है। उच्चतम न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय को संविधान की व्याख्या एवं रक्षा करने का अधिकार दिया गया है। भारत की न्यायपालिका अपने कार्यों का निष्पादन स्वतंत्र रूप से करती है जिसमें विधायिका एवं कार्यपालिका का कोई दबाव नहीं होता है।
6. **इकहरी नागरिकता**- भारत में दोहरी शासन व्यवस्था होते हुए भी नागरिकों को इकहरी नागरिकता दी गई है। इसमें संघ एवं राज्यों की पृथक नागरिकता नहीं है। भारत के नागरिकों को केवल भारत की नागरिकता ही दी गई है।

4. संघीय सरकार की मुख्य विशेषताएं क्या क्या है?

उत्तर – संघीय सरकार की मुख्य विशेषताएं -

1. यहां सरकार दो या दो से अधिक स्तरों वाली होती है।
2. अलग-अलग स्तर की सरकारें एक ही नागरिक समूह पर शासन करती है ।परंतु कानून बनाने, कर वसूलने और प्रशासन करने का उनका अपना -अपना अधिकार क्षेत्र होता है।
3. विभिन्न स्तरों की सरकारों के अधिकार क्षेत्र संविधान में स्पष्ट रूप से वर्णित होते हैं। इसलिए सभी सरकारों को संविधान के आधार पर ही अपने कार्य करने पड़ते हैं। संविधान सभी स्तर वाली सरकारों के अस्तित्व और कार्य क्षेत्र को सुरक्षा प्रदान करता है।
4. संविधान के मौलिक प्रावधानों को कोई भी सरकार अकेले नहीं बदल सकती है। केंद्र और राज्य सरकारों अर्थात दोनों की सहमति का होना अति आवश्यक है।
5. संघीय सरकार में स्वतंत्र न्यायपालिका की भी व्यवस्था की गई है। जिसे संविधान की व्याख्या एवं रक्षा करने का अधिकार है।
6. वित्तीय स्वायत्तता निश्चित करने के लिए विभिन्न स्तर की सरकारों को राजस्व के लिए विभिन्न स्रोत निर्धारित किए गए हैं।

इस प्रकार संघीय शासन व्यवस्था के दोहरे उद्देश्य है- *देश की एकता को सुरक्षा प्रदान करना और उसे बढ़ावा देना तथा इसके साथ ही क्षेत्रीय विविधताओं को पूरा सम्मान करना इस कारण संघीय व्यवस्था के गठन और कामकाज के लिए दो चीजें सबसे महत्वपूर्ण है पहला विभिन्न स्तरों की सरकारों के बीच सत्ता के बंटवारे के नियमों पर सहमति और दूसरा विभिन्न सरकारों का एक दूसरे पर भरोसा होना चाहिए।

5. विकेंद्रीकरण किसे कहते हैं इसकी आवश्यकता क्यों पड़ती है इसके लाभ बताएं ?

उत्तर – जब केंद्र और राज्य सरकारों से शक्तियां लेकर स्थानीय सरकारों को दे दी जाती है, तो इसे सत्ता का विकेंद्रीकरण कहा जाता है।

विकेंद्रीकरण की आवश्यकता–:

1. भारत में बहुत से ऐसे राज्य हैं जिनका आकार बड़ा एवं भौगोलिक संरचना अलग है। जब राज्य में कोई समस्या उत्पन्न हो जाती है और राज्य की सरकार समस्या समाधान करने में असफल हो जाती है तो उन समस्याओं का समाधान स्थानीय सरकार करती है।
2. कुछ राज्यों में अनेक भाषा,ज़ाति एवं धर्म को मानने वाले लोग रहते हैं। उन सबकी अपनी आकांक्षाएं है। जब राज्य सरकार उन सब की आकांक्षाओं को पूरा करने में असमर्थ हो जाती है तो स्थानीय सरकार उनकी समस्याओं एवं आकांक्षाओं को पूरा करती है ।
3. विकेंद्रीकरण के परिणाम स्वरूप बनी स्थानीय संस्थाएं विकास कार्यों के लिए बड़ी सहायक सिद्ध हो सकती है, क्योंकि किसी स्थान विशेष के स्थानीय लोग ही अपने क्षेत्र की आवश्यकताओं तथा समस्याओं को भलीभांति समझ सकते हैं और समस्याओं का समाधान भी स्वयं खोजते हैं। अतः जब स्थानीय लोगों का सहयोग मिल जाता है तो सभी समस्याओं का निदान भी आसानी से हो जाता है।

विकेंद्रीकरण के लाभ –:

1. स्थानीय समस्याओं का समाधान आसानी से किया जाना।
2. लोकतंत्र में जनता की स्पष्ट सहभागिता।
3. संवैधानिक आवश्यकता की पूर्ति।
4. स्थानीय स्तर पर जनता की जागरूकता एवं उनकी भागीदारी।

Jharkhandjac.com

अध्याय 3 लोकतंत्र और विविधता

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. काले दस्ताने और बंधी मुट्ठियां प्रतीक थी _____

A. क्रोध की B. शांति की
C. अश्वेत शक्ति की D. खुशी की

उत्तर - C. अश्वेत शक्ति की

2. पीटर नॉर्मन संबंधित थे _____

A. ब्रिटेन से B. अमेरिका से
C. बेल्जियम से D. ऑस्ट्रेलिया से

उत्तर - D. ऑस्ट्रेलिया से

3. स्मिथ और कार्लोस कौन थे?

A. एफ्रो- अमेरिकन B. श्रीलंकाई
C. अमेरिकी D. भारतीय

उतर - A. एफ्रो -अमेरिकन

4. अमेरिका के सामाजिक विभाजन का क्या कारण था?

A. अमीर और गरीब B. आधुनिक और रूढ़िवाद
C. श्वेत और अश्वेत D. इनमें से कोई नहीं

उतर - C. श्वेत और अश्वेत

5. उत्तरी आयरलैंड और नीदरलैंड देश है____

A. ईसाई बहुल B. हिंदू बहुल
C. इस्लाम बहुल D. सिख बहुल

उत्तर - A. ईसाई बहुल

6. आज विश्व के बहुत से देश हो गए है_____

A. असामाजिक B. खेल प्रेमी
C. बहु -सांस्कृतिक D. छोटे देश

उत्तर - C. बहु- सांस्कृतिक

7. अश्वेत शक्ति आंदोलन कब से कब तक हुआ था?

A. 1966 से 1975 B. 1960 से 1972
C. 1954 से 1968 D. 1965 से 1970

उत्तर - A. 1966 से 1975

8. अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलन कितने वर्षों तक चला?

A. 12 से 13 वर्ष B. 13 से 14 वर्ष
C. 14 से 15 वर्ष D. 15 से 16 वर्ष

उत्तर - C. 14 से 15 वर्ष

9. अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलन किस अश्वेत नेता की अगुवाई में चलाया गया था?

A. मार्टिन लूथर किंग जूनियर B. नेल्सन मंडेला
C. जॉन कार्लोस D. स्मिथ

उत्तर - A. मार्टिन लूथर किंग जूनियर

10. पीटर नॉर्मन की मृत्यु कब हुई?

A. 2005 B. 2006
C. 2007 D. 2008.

उत्तर - B. 2006

11. ब्रिटेन में नेशनलिस्ट पार्टी किस वर्ग का समर्थन कर रही थी ?

A. कैथोलिक B. प्रोटेस्टेंट
C. दोनों का D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - A. कैथोलिक

12. ब्रिटेन में प्रोटेस्टेंट लोगों का प्रतिनिधित्व कौन सी पार्टी कर रही थी?

A. नेशनलिस्ट पार्टी B. यूनियनिस्ट पार्टी
C. दोनों पार्टी कर रही थी D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - B. यूनियनिस्ट पार्टी

13. अश्वेत लोगों के आत्म गौरव का प्रतीक क्या है?

A. गले में काला मफलर B. काले दस्ताने
C. मोती की माला D. बंधी हुई मुट्ठी

उत्तर - A. गले में काला मफलर

14. सामाजिक विभाजन की राजनीति का परिणाम निर्भर करता है ?

A. चार चीजों पर B. सात चीजों पर
C. दो चीजों पर D. तीन चीजों पर

उत्तर - D. तीन चीजों पर

15. सैन होज स्टेट यूनिवर्सिटी ने अपने पुरातन छात्रों का अभिनंदन कैसे किया ?

A. पुरस्कार देकर
B विश्वविद्यालय में उन्हें नौकरी देकर
C. विश्वविद्यालय में उनकी 20 फीट मूर्ति लगवाई
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - C. विश्वविद्यालय में उनकी 20 फीट मूर्ति लगवाई

16. मेक्सिको ओलंपिक की कहानी किस आंदोलन से संबंधित है ?

A. अश्वेत शक्ति आंदोलन
B. नारीवादी आंदोलन
C. नागरिक अधिकार आंदोलन
D नस्लभेद आंदोलन

उत्तर - C. नागरिक अधिकार आंदोलन

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. एफ्रो -अमेरिकी का क्या अर्थ है?

उत्तर - एफ्रो- अमेरिकन या अश्वेत अमेरिकी या अश्वेत शब्द उन अफ्रीकी लोगों के वंशजों के लिए प्रयुक्त होता है। जिन्हें 17 वीं सदी से लेकर 19 वीं सदी की शुरूआत तक अमेरिका में गुलाम बनाकर लाया गया था।

jharkhandlab.com

2 **नस्लभेद का क्या अर्थ है?**

उत्तर - नस्लभेद का अर्थ है किसी देश अथवा समाज में नस्ल के आधार पर कुछ लोगों को नीचा या हीन समझना।

3. **अश्वेत शक्ति आंदोलन से क्या समझते हैं?**

उत्तर - अश्वेत शक्ति आंदोलन 1966 में उभरा और 1975 तक चलता रहा । नस्लवाद को लेकर इस आंदोलन का रवैया ज्यादा उग्र था। इसका मानना था कि अमेरिका में नस्लवाद मिटाने के लिए हिंसा का सहारा लेने में कोई हर्ज नहीं है।

3. **समरूप समाज का क्या अर्थ है?**

उत्तर - एक ऐसा समाज जिसमें सामुदायिक, सांस्कृतिक या जातीय विभिन्नताएं ज्यादा गहरी नहीं होती है।

4. **अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलन क्यों चलाया गया और यह किन लोगों के द्वारा चलाया गया था ?**

उत्तर - एफ्रो -अमेरिकी लोगों के विरुद्ध होने वाले नस्ल आधारित भेदभाव को मिटाने के लिए नागरिक अधिकार आंदोलन चलाया गया था । यह आंदोलन मार्टिन लूथर किंग जूनियर की अगवाई में शुरू की गई थी।

5. **सामाजिक विभाजन किसे कहते हैं ?**

उत्तर - जो विभाजन क्षेत्र, जाति, रंग, नस्ल, लिंग आदि के आधार पर भेद किया जाए तो उसे सामाजिक विभाजन कहते हैं।

6. **टॉमी स्मिथ तथा जॉन कार्लोस ने1968 में मेक्सिको शहर में हुए ओलंपिक खेलों के समय संयुक्त राज्य अमेरिका में होने वाले रंगभेद के मसले के प्रति अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी का ध्यान किस प्रकार आकर्षित किया?**

उत्तर - उन दोनों ने बिना जूते के केवल मोजे पहनकर अंतर्राष्ट्रीय मंच पर जाकर पुरस्कार लिया। स्मिथ ने काला मफलर पहना और कार्लोस ने मारे गए अश्वेत लोग की याद में काले मानकों की एक माला पहनी थी।

7. **टॉमी स्मिथ और जॉन कार्लोस के बीच समानता बताइए?**

उत्तर - टॉमी स्मिथ और जॉन कार्लोस दोनों ने रंगभेद के खिलाफ आवाज उठाई थी।

8. **"सामाजिक विभाजन हमेशा खतरनाक नहीं होते हैं" इस कथन के पक्ष में उदाहरण दीजिए ?**

उत्तर - कुछ ऐसे देश हैं जहां सामाजिक विभाजन तो है परंतु खतरनाक नहीं है जैसे उत्तरी आयरलैंड और नीदरलैंड में अधिकांश लोग कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट ईसाई है । नीदरलैंड में कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट दोनों ही समान रूप से अमीर और गरीब है, इसलिए दोनों में भेदभाव नहीं रहता है।

9. **सैन होज स्टेट यूनिवर्सिटी ने अपनी पुरातन छात्रों का अभिनंदन कैसे किया?**

उत्तर - सैन होज स्टेट यूनिवर्सिटी ने अपने पुरातन छात्रों का अभिनंदन विश्वविद्यालय के भीतर 20 फीट की मूर्ति लगवा कर किया।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. **सामाजिक अंतर कब और कैसे सामाजिक विभाजन का रूप ले लेते हैं ?**

उत्तर - सामाजिक विभिन्नता का अर्थ है जाति, भाषा अथवा संस्कृति के कारण लोगों के समूह में अंतर होना। यह सामाजिक विभाजन तब बन जाती है जब कोई सामाजिक विभिन्नताएं किसी अन्य सामाजिक विभिन्नता में मिल जाती है ।दूसरे शब्दों में जब दो या दो से अधिक सामाजिक विभिन्नताएं किसी अन्य सामाजिक विभिन्नता से मिल जाती है तो सामाजिक विभाजन बन जाता है। उदाहरण के लिए अमेरिका में अश्वेत और श्वेत में अंतर उन भिन्न जाति के कारण है, जो समाज की समाजिक विभिन्नता है। यह सामाजिक विभाजन तब बन जाता है जब आय संबंधी कारकों को भी उसमें देखा जाने लगता है ।अश्वेत गरीब तथा बेघर होते हैं, जबकि श्वेत अमीर तथा शिक्षित होते हैं ।इन्हीं कारणों से अश्वेत सामाजिक उत्पीड़न का शिकार होते हैं। जब एक तरह का समाजिक अंतर अन्य लोगों को यह महसूस होने लगता है कि वे दूसरे समुदाय के हैं तो इससे एक सामाजिक विभाजन की स्थिति पैदा होती है ।

2. **1968 में मेक्सिको ओलंपिक खेलों में कौन सी घटना घटी ?**

उत्तर - 1968 में मेक्सिको में होने वाले ओलंपिक खेलों में 200 मीटर की दौड़ में दो एफ्रो -अमेरिकी धावकों टॉमी स्मिथ और जॉन कार्लोस ने क्रमशः स्वर्ण और कांस्य पदक जीते। दोनों ने अमेरिकी समाज में हो रहे रंगभेद नीति का विरोध करने के लिए केवल मोजे पहनकर पुरस्कार लिया और यह जताने की कोशिश की की अमेरिकी अश्वेत लोग गरीब हैं। स्मिथ ने अपने गले में एक काला मफलर जैसा परिधान भी पहना था जो अश्वेत लोगों के आत्म गौरव का प्रतीक था। कार्लोस ने मारे गए अश्वेत लोगों की याद में काले मानकों की एक माला पहनी थी। उन दोनों द्वारा राष्ट्रगान बजते समय सिर झुकाए हुए और मुठ्ठी ताने हुए खड़े रहने का तात्पर्य था कि वे असहाय है परंतु वे अपना संघर्ष जारी रखेंगे । काले दस्ताने और बंधी हुई मुट्ठियां अश्वेत शक्ति का प्रतीक थी । इन प्रतीकों और तौर-तरीकों से उन्होंने अमेरिका में होने वाले रंगभेद के प्रति अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी का ध्यान खींचने का प्रयत्न किया।

3. **क्या सभी सामाजिक अन्तर सामाजिक विभाजन में बदल जाते हैं?**

उत्तर – नहीं, हर सामाजिक अंतर सामाजिक विभाजन में तब्दील नहीं होता है ।सामाजिक अंतर लोगों के बीच बंटवारे का एक बड़ा कारण जरूर होता है किंतु यही अंतर कई बार अलग-अलग तरह के लोगों के बीच पुल का काम भी करती है। सामाजिक विभाजन तब होता है जब कुछ सामाजिक अंतर दूसरी अनेक विभिन्नताओं से ऊपर और बड़े हो जाते हैं । सद- व्यवहार, सह- विचार, ईमानदारी और वफादारी से कई बार सामाजिक विभाजन भी भाईचारे और प्रेम में बदल जाते हैं। उदाहरण स्वरूप स्मिथ और कार्लोस एफ्रो- अमेरिकी और नॉर्मन श्वेत जाति एवं वे आस्ट्रेलिया के रहने वाले थे ।फिर भी उन्होंने लोगों का साथ दिया क्योंकि उन लोगों के साथ अन्याय हो रहा था। इस प्रकार सामाजिक अंतर तो हर समाज में रहेंगे परंतु उन्हें अपनी मूर्खता, कठोरता, अन्यायपूर्ण व्यवहार से उन्हें सामाजिक विभाजन में बदलना नहीं चाहिए।

4. **हर सामाजिक विभिन्नता सामाजिक विभाजन का रूप नहीं लेती ?एक उदाहरण लिखिए?**

उत्तर – यद्यपि सामाजिक विभिन्नता सामाजिक विभाजन को जन्म देती है, फिर भी हर समाजिक भिन्नता सामाजिक विभाजन का रूप नहीं लेती है। कभी-कभी सामाजिक भिन्नता दो समूहों के बीच संयोजक कड़ी का भी कार्य करती है। एक समूह के लोग अपने समूह से बाहर भी समानता तथा असमानता का अनुभव करते हैं। जैसे 1968 में मेक्सिको ओलंपिक में जब दो अश्वेत खिलाड़ियों ने रंगभेद के खिलाफ असंतोष व्यक्त किया तो रजत पदक विजेता एक गैर अश्वेत ऑस्ट्रेलिया खिलाड़ी नॉर्मल ने उनका साथ दिया। इस प्रकार हम देखते हैं कि सामाजिक भिन्नता के बावजूद अश्वेत और गैर- अश्वेत दोनों ने रंगभेद की नीति का विरोध किया। यहां सामाजिक भिन्नता सामाजिक विभाजन का रूप नहीं ले सकी।

5. **सामाजिक विभाजन अधिकांशतः जन्म पर आधारित होता है। व्याख्या करें?**

उत्तर – व्यक्ति किस वर्ग, जाति, धर्म या समुदाय में जन्म लेता है, यह उसके वश में नहीं होता। वह जिस समुदाय,धर्म,जाति या समाज में जन्म लेता है।उसे उसी का सदस्य माना जाता है।लेकिन यह

Jharkhandlab.com

पहचान विभाजनकारी हो यह आवश्यक नहीं।जन्म के आधार पर व्यक्ति की अलग-अलग सामुदायिक पहचान हो सकती है। लेकिन अपने पेशे, सांस्कृतिक गतिविधियों और रहन-सहन के आधार पर अनेक सामाजिक समूहों का निर्माण करता है जो जन्म पर आधारित नहीं होती। वास्तव में सामाजिक विभाजन अधिकांशत: जन्म पर आधारित न होकर आर्थिक विषमताओं, आपसी हितों के टकराव, अन्याय, भेदभाव आदि के कारण होते हैं।

6. जहां सामाजिक अंतर एक दूसरे से टकराते हैं वह सामाजिक विभाजन होता है। व्याख्या करें?

उत्तर – सामाजिक अंतर सामाजिक विभाजन को जन्म देता है ।परंतु यह आवश्यक नहीं कि प्रत्येक सामाजिक अंतर सामाजिक विभाजन का कारण बने। सामाजिक विभाजन तब होता है जब कुछ सामाजिक अंतर दूसरी अनेक विभिन्नता से ऊपर तथा बड़े हो जाए। उदाहरण के लिए आयरलैंड के लोग ईसाई धर्म के दो पंथ प्रोटेस्टेंट तथा कैथोलिक में बंटे हैं। वहां कैथोलिक समुदाय की हालत सामान्य तौर पर प्रोटेस्टेंट समुदाय से काफी बेहतर है तथा उनके साथ भेदभाव होता रहा है ।इसके कारण सामाजिक अंतर में भी भीषण तनाव एवं टकराव की स्थिति बन गई तथा इसने सामाजिक विभाजन का रूप ले लिया ।वहीं दूसरी ओर नीदरलैंड में भी दोनों समुदाय है लेकिन दोनों समुदाय में अमीर और गरीब मिल जाएंगे। इसके इसके कारण वहां भेदभाव का तनाव नहीं है तथा सामाजिक विभाजन जैसी कोई स्थिति नहीं बनती है।

7. भारत जैसे बड़े देशों में सामाजिक विभाजन होते हैं। व्याख्या करें?

उत्तर – भारतीय समाज की सामाजिक संरचना एक समान नहीं है। भारत में विभिन्न धर्मों, भाषा, जाति, वर्ग के लोग निवास करते हैं ।भारतीय संविधान असमानता में समानता की नीति लाता है। जहां सभी लोगों को धर्म, भाषा, जाति के आधार पर अलग-अलग नियम नहीं दिए गए हैं। सभी के लिए एक ही कानून व्यवस्था है इसलिए सामाजिक विविधता होने के बावजूद सामाजिक विभाजन का कोई स्थान नहीं है। भारत जैसे विशाल देश में सामाजिक विभाजन के बावजूद एकता को स्थापित करने के लिए नियम कानून बनाए गए हैं ।जो अनेकता में एकता को दर्शाता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. सामाजिक विभाजन की राजनीति के परिणाम तय करने वाले तीन कारकों की चर्चा करें?

उत्तर – सामाजिक विभाजन की राजनीति के परिणाम को तय करने वाले तीन कारक निम्नलिखित है–:

(क) **लोग अपनी पहचान को किस प्रकार देखते हैं-** सर्वप्रथम सभी परिणाम इस बात पर निर्भर करते हैं कि लोग किस तरह से उनकी पहचान को स्वीकार करते हैं। प्रायः यह देखा जाता है कि अपनी पहचान को लेकर लोगों में यह धारणा रहती है कि यदि वह अकेले हैं तो उनकी पहचान कर पाना मुश्किल हो जाता है।

(ख) **राजनीतिक दलों की भूमिका-** यह इस बात पर निर्भर करता है कि राजनीतिक दल के नेता किस ढंग से किसी समुदाय की मांग उठाते हैं। यदि राजनीतिक नेताओं द्वारा एक समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हुए यदि ऐसी मांगों को उठाया जाता है, जो संवैधानिक है। तो ऐसे मांगों को समायोजित करना आसान हो जाता है।

(ग) **सरकार का रवैया-** यह इस बात पर निर्भर करता है कि सरकार विभिन्न समुदायों की मांगों पर किस तरह की प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं । यदि किसी समुदाय की वाजिब मांगों को सरकार द्वारा नहीं माना जाता है तो इससे सामाजिक विभाजन होता है, जिससे देश की अखंडता को खतरा हो सकता है।

2. सामाजिक विभाजन किस तरह से राजनीति को प्रभावित करते हैं ।दो उदाहरण दें?

उत्तर – सामाजिक विभाजन हर छोटे- बड़े देशों में विद्यमान है ।यदि सामाजिक विभाजन राजनीतिक विभाजन बन जाए तो उनका परिणाम बड़ा भयानक हो सकता है । राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा होती है। जब भी राजनीतिक दल कुछ सामाजिक विभाजन को अपना समर्थन देते हैं तब इससे राजनीतिक विभाजन होने की संभावना रहती है, साथ ही यदि यह सामाजिक विभाजन या उनसे जुड़ी राजनीतिक पार्टियां संविधान की मर्यादा में न रहते हुए कार्य करें तो यह सामाजिक विभाजन सदा ही हानिकारक साबित होते हैं। उदाहरण_: उत्तरी आयरलैंड का धार्मिक विभाजन जातीय राजनीतिक संघर्ष को जन्म दिया। आयरलैंड में ईसाई धर्म के दो प्रमुख संप्रदाय हैं, प्रोटेस्टेन्ट और कैथोलिक।उत्तरी भाग में 53% प्रोटेस्टेंट और 44% रोमन कैथोलिक निवास करते है। काफी समय से इन दोनों गुटों के बीच झगड़ा चल रहा था। कैथोलिक उत्तरी आयरलैंड को आयरलैंड गणराज्य में शामिल करना चाहते थे और प्रोटेस्टेंट ब्रिटेन के साथ रहना चाहते थे। इसके कारण वर्षों तक हिंसा हुई, और हजारों लोग मारे गए ।अंत में दोनों पक्षों ने 1998 को एक शांति संधि पर हस्ताक्षर किए और संघर्ष विराम की घोषणा की। दूसरा उदाहरण युगोस्लाविया का है। युगोस्लाविया में सामाजिक विभाजन का अंत सुखद नहीं हुआ क्योंकि धार्मिक और जातीय आधार पर राजनीतिक होड़ में युगोस्लाविया कई भागों में विभाजित हो गई।

3. लोकतंत्र किन स्थितियों में सामाजिक विविधता को संभालता है और उनके बीच सामंजस्य बैठता है?

उत्तर – लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं अनेक तरह से सामाजिक विभाजन को संभालती है ।इससे इनके बीच टकराव का विस्फोटक या हिंसक रूप लेने का अंदेशा थोड़ा कम हो जाता है ।कोई भी समाज अपने विभिन्न समूह के बीच के टकराव को स्थाई तौर पर खत्म नहीं कर सकता ।इनके बीच बातचीत से सामंजस्य बैठाने का तरीका विकसित कर सकते हैं। सामाजिक अंतर, विभाजन और टकराव को संभालना निश्चित रूप से लोकतांत्रिक व्यवस्था का एक बड़ा गुण है। इसके लिए लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को कुछ शर्तों को पूरा करना होता है।लोकतंत्र का अर्थ बहुमत की राय से शासन करना नहीं है, परन्तु बहुमत को सदा ही अल्पमत का ध्यान रखना होता है ।उसके साथ मिलकर काम करने की जरूरत होती है ।तभी सरकार जनता की इच्छा के अनुसार प्रतिनिधित्व कर सकती है। बहुमत के शासन का अर्थ धर्म, नस्ल अथवा भाषा के आधार पर बहुसंख्यक का शासन नहीं होता है ।बहुमत के शासन का अर्थ होता है कि हर निर्णय, फैसले या चुनाव में अलग-अलग लोग और समूहके बीच बहुमत का निर्माण करना होता हैं ।लेकिन लोकतंत्र तभी एक लोकतंत्र रहता है जब तक प्रत्येक नागरिक को किसी ना किसी अवसर पर बहुमत का हिस्सा बनने का मौका मिलता है।

Jharkhandone.com

अध्याय - 4 जाति, धर्म और लैंगिक मसले

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा अस्पृश्यता को समाप्त कर दिया गया है?

A. अनुच्छेद 15 B. अनुच्छेद 16
C. अनुच्छेद 17 D. अनुच्छेद 18

उत्तर – C. अनुच्छेद 17

2. औरत और मर्द के समान अधिकारों और अवसरों में विश्वास करने वाली महिला या पुरुष को कहते हैं_____

A. साम्यवादी B. समाजवादी
C. नारीवादी D. संप्रदाय वादी

उत्तर – C. नारीवादी

3. नारीवादी आंदोलन का लक्ष्य होता है_____

A. स्वतंत्रता B. समानता
C. भागीदारी D. सत्ता

उत्तर – B. समानता

4. एक सीढ़ीनुमा रचना जिसमें सभी जाति समूह को उच्चतम से निम्नतम के रूप में रखा जाता है उसे____कहते हैं।

A. जाति रचना B. जाति पदानुक्रम
C. जाति भेदभाव D. पिरामिड

उत्तर - B. जाति पदानुक्रम

5. महिलाओं की समाज में बराबरी की मांग के आंदोलन को क्या कहा जाता है?

A. महिला मुक्ति आंदोलन B. नारीवादी आंदोलन
C. स्त्री शक्ति आंदोलन D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर – B. नारीवादी आंदोलन

6 भारत के संविधान के अनुसार भारत कैसा देश है?

A. धर्म प्रधान B. हिंदू
C. मुस्लिम D. धर्मनिरपेक्ष

उत्तर – D. धर्मनिरपेक्ष

7. धर्म सामाजिक समुदाय का काम करता है यह मान्यता किस पर आधारित है ?

A. धन पर B. सरकार पर
C. समुदाय पर D. संप्रदायिकता पर

उत्तर – D. संप्रदायिकता पर

8. धार्मिक आधार पर_____ संप्रदायिकता का दूसरा रूप है।

A. आर्थिक गोलबंदी B. राजनीतिक गोलबंदी
C. समाजिक गोलबंदी D. सांस्कृतिक गोलबंदी

उत्तर - B. राजनीतिक गोलबंदी

9. जाति पर आधारित सामाजिक विभाजन किस देश में है ?

A. अमेरिका B. पाकिस्तान
C. भारत D. ब्रिटेन

उत्तर – C. भारत

10. लिंग विभाजन का अभिप्राय क्या है?

A. अमीर और गरीब के बीच विभाजन
B. पुरुषों और महिलाओं के बीच विभाजन
C. शिक्षित और अशिक्षित के बीच विभाजन
D. श्वेत और अश्वेत के बीच विभाजन

उत्तर - B. पुरुषों और महिलाओं के बीच विभाजन

11. इनमें से कौन सा मामला परिवारिक कार्य से संबंधित है?

A. विवाह और तलाक B. गोद लेना
C. उत्तराधिकार D. उपरोक्त सभी

उत्तर - D. उपरोक्त सभी

12. भारतीय समाज माना जाता है।

A. एक मातृसत्तात्मक समाज
B. एक पितृसत्तात्मक समाज
C. एक भ्रातृ समाज
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर – B. एक पितृसत्तात्मक समाज

13. पंचायतों और नगरपालिका में महिलाओं को प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए कौन से कदम उठाए गए हैं ?

A. महिलाओं के लिए आधी सीटों पर चुनाव के लिए आरक्षण
B. 1/3 महिला सदस्यों की नियुक्ति
C. महिलाओं के लिए 1/3 सीटों पर चुनाव के लिए आरक्षण
D. उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर – C. महिलाओं के लिए 1/3 सीटों पर चुनाव के लिए आरक्षण

14. भारत किस प्रकार का राज्य है?

A. लोकतांत्रिक B. धर्मनिरपेक्ष
C. कल्याणकारी राज्य D. उपरोक्त सभी

उत्तर - D. उपरोक्त सभी

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. लैंगिक असमानता किसे कहते है?

उत्तर – जब पुरुषों एवं महिलाओं में किसी भी प्रकार का भेदभाव किया जाता है तो उसे लैंगिक असमानता कहते हैं।

2. तीन प्रकार की सामाजिक विषमताओं के नाम लिखें?

उत्तर – तीन प्रकार की सामाजिक विषमता-:

1. लिंग
2. धर्म
3. जाति

3. भारत की विधायिका में महिलाओं के प्रतिनिधित्व की क्या स्थिति है?

उत्तर – भारत की विधायिका में महिला प्रतिनिधियों का अनुपात बहुत ही कम है लोकसभा में महिला सांसदों की गिनती 10% से भी कम है।

Jharkhandjac.com

4. पितृ प्रधान का शाब्दिक अर्थ क्या है?

उत्तर – पितृ प्रधान का शाब्दिक अर्थ होता है पिता की प्रधानता या शासन। इस पद का प्रयोग महिलाओं की तुलना में, पुरुषों को ज्यादा महत्व एवं ज्यादा शक्ति देने वाली व्यवस्था के लिए भी किया जाता है।

5. पारिवारिक कानून क्या है?

उत्तर – विवाह, तलाक, गोद लेना और उत्तराधिकार जैसे परिवार से जुड़े मसलों से संबंधित कानून को पारिवारिक कानून कहते हैं। परंतु भारत में सभी धर्मों के लिए अलग-अलग पारिवारिक कानून की व्यवस्था है।

6. शहरीकरण किसे कहते हैं?

उत्तर – ग्रामीण इलाकों से निकलकर लोगों का शहरों में बसना शहरीकरण कहलाता है।

7. हमारी सामाजिक शांति तथा सौहार्द को कौन भंग करता है?

उत्तर – हमारी सामाजिक शांति और सौहार्द को आपसी जातिवादी झगड़े, संप्रदायिक दंगे, क्षेत्रीय हिंसा एवं वंशानुगत शत्रुता भंग करता है, और देश में अशांति लाता है। जिससे राष्ट्रीय एकता को हानि पहुंचती है।

8. अल्पसंख्यक किसे कहते हैं?

उत्तर – धर्म, भाषा के आधार पर किसी राज्य में रहने वाले लोगों का वह समूह जो बहुमत या बहुसंख्या में कम होते हैं उसे अल्पसंख्यक कहते हैं।

9. नारीवादी किसे कहते हैं?

उत्तर – समाज के वे लोग जो महिलाओं और पुरुषों के समान अधिकारों एवं अवसरों में विश्वास रखते हैं। उसे नारीवादी कहते हैं।

10. संप्रदायिकता किसे कहते हैं ?

उत्तर – अपने धर्म को दूसरे धर्मों से श्रेष्ठ मानने की मानसिकता को संप्रदायिकता कहते हैं।

11. धर्मनिरपेक्ष राज्य से आप क्या समझते हैं?

उत्तर – वह राज्य जिसमें सभी धर्मों को समान महत्व दिया जाता है।राज्य के प्रत्येक व्यक्ति को कोई भी धर्म को मानने की स्वतंत्रता होती है। उसे धर्मनिरपेक्ष राज्य कहते हैं।

12. जातिवादी किसे कहते हैं?

उत्तर – समाज में जाति के आधार पर उच्च जाति एवं निम्न जाति के बीच उत्पन्न सामाजिक तनाव एवं भेदभाव पूर्ण रवैया जातिवादी कहलाता है।

13. श्रम का लैंगिक विभाजन से क्या तात्पर्य है?

उत्तर – काम के बंटवारे का वह तरीका जिसमें घर के अंदर के सारे काम परिवार की औरतें करती है श्रम का लैंगिक विभाजन कहलाता है।

14. वर्ण व्यवस्था क्या है?

उत्तर – विभिन्न जातीय समूहों का समाज में पदानुक्रम को वर्ण व्यवस्था कहते हैं।

15. सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार किसे कहते हैं?

उत्तर – किसी राज्य में रहने वाले 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी लोगों को समान रूप से मत देने का अधिकार है, इसे सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार कहते हैं।

16. अनुसूचित जातियां का क्या तात्पर्य है ?

उत्तर – वे जातियां जो हिंदू सामाजिक व्यवस्था में उच्च जाति से अलग और अछूत मानी जाती है। जिसे दलित भी कहते हैं, तथा जिनका अपेक्षित विकास नहीं हुआ है उसे अनुसूचित जातियां कहते हैं।

17. अनुसूचित जनजातियां का क्या तात्पर्य है?

उत्तर – ऐसा समुदाय जो साधारणता पहाड़ी और जंगली क्षेत्रों में रहते हैं। जिनका बाकी समाज से अधिक मेलजोल नहीं है, साथ ही उनका विकास नहीं हो पाया है। उसे अनुसूचित जनजातियां कहते हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. विभिन्न तरह की संप्रदायिक राजनीति का ब्यौरा दें? और सबके साथ एक -एक उदाहरण भी दे?

उत्तर – जब कुछ धर्मों के लोग अपने धर्म को दूसरों से श्रेष्ठ मानने लगते हैं, तो इस भावना को संप्रदायिकता कहते हैं। संप्रदायिकता राजनीति में अनेक रूप धारण कर सकती है –:

1. **राजनीतिक प्रभुत्व की इच्छा–** जो लोग बहुसंख्यक होते हैं उनका प्रयास रहता है कि वह अल्पसंख्यक समुदाय पर अपना प्रभुत्व स्थापित करें। जैसे श्रीलंका।
2. **राजनीतिक गोलबंदी–** संप्रदायिक आधार पर राजनीति गोलबंदी करना संप्रदायिकता का एक अन्य रूप है। इसमें धर्म के पवित्र प्रतीकों, धर्म गुरुओं द्वारा मतदाताओं से धर्म के नाम पर अपील करना शामिल है। चुनावी राजनीतिक व्यवस्था में एक धर्म के मतदाताओं की भावना या हितों की बात उठाने जैसे तरीके अक्सर अपनाए जाते हैं।
3. **हिंसा, दंगा, व नरसंहार का रूप लेना–** कभी कभी संप्रदायिकता के नाम पर विभिन्न क्षेत्रों में दो विरोधी संप्रदायों में किसी साधारण घटना पर भी दंगे और नरसंहार हो जाते हैं। जिसमें अनेक लोगों की जान चली जाती है।बल्कि धन-संपत्ति की भी हानि होती है। जैसे 1947 में देश विभाजन के समय इसी प्रकार के संप्रदायिक दंगे हुए थे।

2. बताइए कि भारत में किस तरह अभी भी जातिगत असमानताएं जारी है ?

उत्तर – जाति प्रथा एक सामाजिक बुराई है। समय-समय पर इसमें अनेक बदलाव किए गए हैं, अर्थात इस सामाजिक बुराई को दूर करने का प्रयास किया गया है।फिर भी भारत में अभी भी जातिगत असमानताएं हैं।इसके निम्नलिखित कारण है –:

1. अभी भी विभिन्न जातियां कबीले अपनी ही जाति व कबीले में विवाह करते हैं।
2. संवैधानिक रूप से छुआछूत का अंत करने के बावजूद निम्न (नीचे)जातियों के साथ भेदभाव पूर्ण व्यवहार किया जाता है।
3. अभी भी जाति और आर्थिक असमानता में गहरा संबंध है।

3. दो कारण बताएं कि क्यों सिर्फ जाति के आधार पर भारत में चुनावी नतीजे तय नहीं हो सकते ?

उत्तर – जाति ही राजनीति का चुनाव का आधार है। यह कथन सही नहीं है, क्योंकि सिर्फ जाति के आधार पर भारत में चुनावी नतीजे तय नहीं हो सकते। इसके दो निम्नलिखित कारण है –:

1. **संसदीय चुनाव क्षेत्र में एक जाति का बहुमत ना होना–** किसी एक संसदीय चुनाव में किसी एक जाति के लोगों का बहुमत नहीं है। अतः चुनाव में विजय प्राप्त करने के लिए एक से अधिक जातियों और संप्रदायों के मतदाताओं पर निर्भर रहना पड़ता है।
2. **जातियों और समुदायों की एक पसंद न होना–** हमारे देश में सत्तारूढ़ दल, वर्तमान सांसदों और विधायकों को अक्सर हार का सामना करना पड़ता है। अगर जातियों और समुदाय की राजनीति पसंद एक ही होती है तो ऐसा संभव नहीं हो पाता है।

Jharkhandlab.com

4. किन्हीं दो प्रावधानों का जिक्र करें जो भारत को धर्मनिरपेक्ष देश बनाते हैं ?

उत्तर – भारत को धर्मनिरपेक्ष देश बनाने वाले दो प्रावधान निम्नलिखित है–:

1. भारत में विभिन्न धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं ।जैसे हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध, फारसी आदि। इसमें से किसी भी धर्म को राजकीय धर्म के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है।संवैधानिक रूप से सभी धर्म एक समान है।
2. संविधान में किसी भी नागरिक को कोई भी धर्म को मानने और उसका प्रचार- प्रसार करने की पूरी आजादी दी गई है।

5. महिला सशक्तिकरण एवं लैंगिक समानता देश के विकास के लिए आवश्यक है ।इस दिशा में भारत सरकार द्वारा उठाए गए किन्ही चार कदमों का उल्लेख कीजिए?

उत्तर - महिला सशक्तिकरण एवं लैंगिक समानता देश के विकास के लिए अति आवश्यक है इसके लिए भारत सरकार ने निम्नलिखित कदम उठाए हैं –

1. राष्ट्रीय महिला आयोग की स्थापना।
2. राजनीति में महिलाओं को 33% सीटों पर आरक्षण ।
3. 2006 में घरेलू हिंसा निवारण अधिनियम एवं 1961 का दहेज निषेध अधिनियम।
4. कन्या भ्रूण हत्या को कानूनी अपराध घोषित करना।

6. संप्रदायिकता का समाज पर पड़ने वाले तीन प्रमुख दुष्प्रभाव का उल्लेख कीजिए?

उत्तर - संप्रदायिकता का समाज पर पड़ने वाले प्रमुख दुष्प्रभाव –:

1. विभिन्न धार्मिक गुटों में लड़ाई झगड़ा का होना। जिससे समाज में विभाजन हो जाता है ।
2. यह लोकतंत्र और राजनीति को प्रभावित करता है क्योंकि अधिकांश मतदाता संप्रदायिकता के आधार पर चुनाव करते हैं ।
3. कई सांप्रदायिकता की ताकतें अपने भड़काऊ भाषण से समाज में लड़ाई दंगे फैलवाते हैं।

7. जातिवाद क्या है जातिवाद की बुराइयां कैसे दूर की जा सकती है?

उत्तर – जातिवाद का अर्थ है समाज में उच्च वर्ग द्वारा निम्न वर्ग से घृणा करना ।जातिवाद की बुराई को दूर करने के उपाय –

1. जातिवाद के विरुद्ध जनमत तैयार करना।
2. संवैधानिक कानून अर्थात अनुच्छेद 15 और अनुच्छेद 17 का कठोरता से लागू या पालन करवाना।

8. जातिवाद के दुष्प्रभाव क्या है?

उत्तर – जातिवाद के दुष्प्रभाव-:

1. जातिवाद लोकतंत्र के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है। सामाजिक असमानता जब हावी हो जाती है तो इसके दुष्प्रभाव देखने को मिलते हैं ।
2. जातिवाद से समाज में ऊंच-नीच का भेदभाव उत्पन्न होने लगता है ।जिसके कारण निम्न जाति उच्च जाति द्वारा उत्पीड़न और शोषण का शिकार हो जाती है ।
3. जातिवाद के कारण समाज विभिन्न वर्गों में विभाजित हो जाता है, और भेदभाव की भावना उनमें बढ़ जाती है ।जो राष्ट्रीय एकता के मार्ग पर खतरा है।

9. संप्रदायिकता से आपका क्या अभिप्राय है? इसको दूर करने के किन्हीं दो उपायों को लिखें?

उत्तर – अपने धर्म पर आस्था या कट्टरता रखना और दूसरे धर्मों को घृणा की दृष्टि से देखना संप्रदायिकता कहलाता है। ऐसे धर्म के नाम पर लड़ाई झगड़े समाज को विभाजित कर देते हैं। देश का बंटवारा इसी भावना का परिणाम था ।अतः संप्रदायिकता निम्नांकित उपायों से दूर की जा सकती है-:

1. शिक्षा द्वारा -शिक्षा के पाठ्यक्रम में सभी धर्म की अच्छाई बताई जाए ।जहां विद्यार्थियों को सहिष्णुता एवं सभी धर्मों के प्रति आदर का भाव सिखाया जाए।
2. प्रचार द्वारा -समाचार पत्र, रेडियो, टेलीविजन आदि से जनता को धार्मिक सहिष्णुता की शिक्षा दी जाए।

10. भारत में महिलाओं के निम्न और दयनीय स्थिति के लिए उत्तरदायी किन्हीं तीन कारणों को स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर – भारत में महिलाओं की निम्न और दयनीय स्थिति के लिए उत्तरदायी कारण –:

1. शिक्षा में महिलाओं का निम्न स्तर अर्थात पुरुषों की तुलना में महिलाओं की साक्षरता दर कम है।
2. महिलाओं में लैंगिक असमानता का होना अर्थात समाज में स्त्री और पुरुषों के बीच असमानता का व्यवहार होना।
3. महिलाओं के साथ सामाजिक भेदभाव और राजनीति में महिलाओं की उपेक्षा या भागीदारी कम होना।

11. सांप्रदायिक राजनीति के विभिन्न रूपों का वर्णन करें ?

उत्तर – साम्प्रदायिक राजनीति के रूप--

1. साम्प्रदायिकता के आधार पर राजनीति करने वाले लोग या राजनेता।
2 संप्रदाय के आधार पर राजनीतिक दलों का निर्माण या अलग-अलग खेमों में बंट जाना।
3. राजनीतिक लाभ के लिए साम्प्रदायिक हिंसा या टकराव उत्पन्न होना।
4. साम्प्रदायिक दिशा में राजनीति को आगे बढ़ाना।
5. धार्मिक आधार पर मतों का ध्रुवीकरण।

12. भारत की विधायिका में महिलाओं के प्रतिनिधित्व की स्थिति क्या है एवं भारत में महिलाओं का राजनीति में प्रतिनिधित्व बहुत कम होने के क्या कारण है ?

उत्तर – भारत की विधायिका में महिला प्रतिनिधियों का अनुपात बहुत ही कम है ।लोकसभा में महिला सांसदों की गिनती 10% से भी कम है। प्रांतीय विधानसभा में उनका प्रतिनिधित्व और भी कम है जो केवल 5% है। भारत में राजनीति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व कम होने के कारण–

1. अधिकांश महिलाओं को घर तक ही सीमित रखा जाता है।
2. महिला में शिक्षा का अभाव
3. राजनीतिक दल द्वारा उनकी संख्या के अनुपात में टिकट नहीं देते हैं।
4. महिलाओं में राजनीति के प्रति जागरूकता का अभाव।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. जीवन के उन विभिन्न पहलुओं का जिक्र करें जिनमें भारत में स्त्रियों के साथ भेदभाव पूर्ण व्यवहार होता है या वे कमजोर स्थिति में रहे हैं?

उत्तर - जीवन के विभिन्न पहलू जहां भारत में स्त्रियों के साथ भेदभाव किया जाता है–:

1. **समाज में महिलाओं का निम्न स्थान-** पुरुष प्रधान समाज में हमेशा महिलाओं को पुरुषों के अधीन रखा जाता है।

Jharkhandgk.com

भले ही भारतीय संविधान दोनों की समानता की बात करता है। परंतु वास्तविकता यही है कि उन्हें पुरुषों की तुलना में कम अवसर दिए जाते हैं।

2. **बालिकाओं की प्रति उपेक्षा–** समाज में बालिकाओं की उपेक्षा की जाती है। लड़के और लड़कियों के बीच भेदभाव पूर्ण व्यवहार किया जाता है क्योंकि लड़के जन्म पर सभी खुशी होते हैं, और लड़की के जन्म पर परिवार चुप रहता है। लड़कियां परिवार की बोझ समझी जाती है। समाज की प्रचलित कुप्रथा लड़कियों को आगे बढ़ने का अवसर नहीं देती है ।

3. **महिलाओं की शिक्षा की अवहेलना–** पुरुषों की तुलना में महिलाओं की साक्षरता दर काफी कम है। पुरुषों का 76% तो महिलाओं का केवल 54% है।समाज अभी भी लड़कियों की शिक्षा पर ध्यान नहीं देता है ।भारतीय संविधान पुरुष और महिला (लड़के- लड़कियों)को शिक्षा का समान अवसर देता है ।परंतु उनके माता-पिता लड़कियों की जगह लड़कों की पढ़ाई को ज्यादा महत्व देते हैं। उसपर ज्यादा खर्च करना पसंद करते हैं। यही कारण है कि लड़कियां केवल रसोई तक ही सीमित रहती है।

4 **काम में एक जैसा अवसर न होना–** भारतीय समाज स्त्री एवं पुरुषों को रोजगार का समान अवसर देता है। परंतु काम करने के अवसर पुरुषों की तुलना में महिलाओं के लिए कम है ।असंगठित संस्था में महिलाओं की उपेक्षा की जाती है। समान कार्य के लिए समान वेतन की अवहेलना होती है, क्योंकि एक महिला मजदूर को एक पुरुष के समान, समान मजदूरी नहीं मिलता है ।जबकि दोनों समान कार्य करते हैं ।अभी भी बहुत से ऐसे पद है जहां महिलाओं की संख्या ना के बराबर है।

5. **विधानसभा में महिलाओं की संख्या कम होना-** प्रांतीय विधानसभा में महिलाओं की संख्या 5% से भी कम है।

2. जाति का राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर - जाति का राजनीति पर अनेक रूपों से प्रभाव पड़ता है–:

1. **विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा जाति के आधार पर उम्मीदवारों का चयन–** चुनावों में विभिन्न चुनाव क्षेत्रों के लिए राजनीतिक दल अपने उम्मीदवारों का चयन इस बात को लेकर करते हैं कि निर्वाचन क्षेत्र में किस जाति का बहुमत है।

2. **सरकार ने विभिन्न जातियों का प्रतिनिधित्व–** केंद्र सरकार और राज्य सरकार में सभी जातियों को प्रतिनिधित्व देने की परंपरा स्थापित की गई है। जिसके कारण सभी जाति के मंत्री अपनी जाति के उत्थान का प्रयास करते हैं और इस प्रयास के परिणाम स्वरूप टकराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है । जिसके कारण निर्णय निर्माण प्रक्रिया में आपसी सामंजस्य दिखलाई नहीं देता है ।

3. **जातीय भावनाओं को उकसाने में राजनीतिक दलों की सक्रियता-** भारत में कुछ राजनीतिक दल ऐसे भी हैं जो जातीय भावना को उकसाकर चुनाव में अपने उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित कर लेते हैं।

4. **कमजोर जाति के लोगों का राजनीति में बढ़ती अभिरुचि–** जातीय विभेद और राजनीति में संबंध स्थापित करने में कमजोर जाति के लोगों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। कमजोर जातियों में राजनीति के प्रति जितनी अभिरुचि बढ़ी है। उतना पहले नहीं थी। अब उन्हें समझ में आ गया है कि राजनीति के ही माध्यम से अपनी मांगों को पूरा कर सकते हैं। परंतु कुछ राजनीतिक दलों ने उनका भरपूर लाभ भी उठाया है।

उपर्युक्त विवेचना से यह निष्कर्ष निकलता है कि चुनाव में जातीय विभेद की भूमिका सर्वोपरि है।

3. नारी की समाज में दयनीय स्थिति के लिए उत्तरदायी कारणों का वर्णन करें ?

उत्तर - नारी की समाज में दयनीय स्थिति के लिए उत्तरदायी कारक निम्नलिखित है-

1. नारी समुदाय में शिक्षा का अभाव है। शिक्षा के संबंध में अब भी महिलाएं पुरुषों से पीछे हैं ।2001 की जनगणना के अनुसार 73.30 % पुरुष एवं 53.70% महिलाएं शिक्षित है ।जिसमें पुरुषों की तुलना में महिलाओं में साक्षरता दर काफी कम है।

2. पर्दा प्रथा से भी बहुत बड़ा अहित हुआ है। कुछ समाज में महिलाएं अभी भी पर्दे में रहती है।

3. दहेज प्रथा एक सामाजिक बुराई है क्योंकि इसके कारण भ्रूण हत्या जैसे मामले सामने आते हैं। परिवार की लड़कियां लड़कों के मुकाबले भार समझी जाती है। कुछ परिवार में लड़कों के जन्म पर खुशियां और लड़कियों के जन्म पर मातम मनाए जाते हैं।

4. सती प्रथा तथा बाल विवाह की प्रथा से भी उन्हें काफी हानि हुई है। सती प्रथा भले ही अब नहीं दिखलाई देता है। परन्तु बाल विवाह की समस्या अभी भी समाज में व्याप्त है। लड़कियों की विवाह की आयु 18 वर्ष लड़कों की 21 वर्ष है ।परंतु दहेज प्रथा एवं लड़कियों को बोझ समझने वाला समाज कम उम्र में लड़कियों का विवाह अधिक उम्र के पुरुषों से कर देता है। बाल विवाह के कारण लड़कियां शिक्षा से वंचित एवं घरेलू कार्य तक ही सीमित रहती है ।

5. जनसंख्या की दृष्टि से भी स्त्री- पुरुषों में मतभेद है ।पुरुषों की तुलना में स्त्रियों की संख्या कम है। जहां 1901 में भारत में एक 1000 पुरुष पर 972 स्त्रियां थी, वहीं 2001 में 1000 पुरुषों पर नारियों की संख्या 933 पहुंच गई है।

6. उच्च मातृ -मृत्यु दर, स्त्री भ्रूण हत्या, स्त्री शिशु गर्भपात, पुरुष प्रधान समाज, स्त्री शिशु की अवहेलना के कारण भी लिंग समानता की समस्या बनी हुई है ।

jharkhandlabs.com

अध्याय - 5 जन संघर्ष और आंदोलन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 2005 में किसने नेपाल की निर्वाचित संसद को भंग कर दिया?

A. राजा वीरेन्द्र B. राजा ज्ञानेंद्र
C. माओवादी D. उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर - B. राजा ज्ञानेंद्र

2. नेपाल में लोकतन्त्र की स्थापना कब हुई?

A. 1990 B. 1980
C. 2005 D. 2000

उत्तर - A. 1990

3. निम्नलिखित में से किस देश को लोकतंत्र की "तीसरी लहर" वाला देश कहां गया है?

A. भारत B. नेपाल
C. बोलिविया D. इंग्लैंड

उत्तर - B. नेपाल

4. नेपाल की राजधानी_____है।

A. ढाका B. दिल्ली
C. काठमांडू D. थिम्फू

उत्तर - C. काठमांडू

5. बोलिविया में जन आंदोलन का नेतृत्व किसने किया?

A. FEDECOR B. BAMCEF
C. सोशलिस्ट पार्टी D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - A. FEDECOR

6. बामसेफ किसका आंदोलन था?

A. किसान B. कर्मचारी
C. उद्योगपति D. उपरोक्त सभी

उत्तर - B. कर्मचारी

7. बोलिविया में सोशलिस्ट पार्टी को सत्ता कब प्राप्त हुई?

A. 2006 B. 2007
C. 2008 D. 2000

उत्तर - A. 2006

8. बोलिविया में युद्ध क्यों हुए?

A. लोकतंत्र की बहाली के लिए
B. रोजगार की बहाली के लिए
C. भूख की समस्या निदान के लिए
D. जल के निजीकरण को रद्द करने के लिए

उत्तर - D. जल के निजीकरण को रद्द करने के लिए

9. राजनितिक दल का क्या कार्य है?

A. पार्टी बनाना B. चुनाव लड़ना
C. सरकार बनाना D. उपरोक्त सभी

उत्तर - D. उपरोक्त सभी

10. 1990 में नेपाल का राजा कौन था?

A. राजा ज्ञानेंद्र B. राजा वीरेन्द्र
C. माओवाद D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - B. राजा वीरेन्द्र

11. ग्रीन वेल्ट मूवमेंट का संबंध किस देश से है?

A. नेपाल B. भारत
C. केन्या D. श्रीलंका

उत्तर - C. केन्या

12. N A P M का पूरा नाम लिखिए ?

A. नेशनल अलायंस फॉर पी पल्स मूवमेंट
B. नेशनल अलायंस मूवमेंट
C. दोनों
D. कोई नहीं

उत्तर - A. नेशनल अलांयस फॉर पी-पल्स मूवमेंट

13. कित्तिको हक्चिको आंदोलन किस राज्य से संबंधित है ?

A. कर्नाटक B. आंध्र प्रदेश
C. तमिलनाडु D. केरल

उत्तर - A. कर्नाटक

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. आंदोलन की परिभाषा दें?

उत्तर - लोगों का ऐसा समूह जो बिना कोई संगठन बनाकर मिलकर काम करने का प्रयास करते हैं।तब यह समूह अपने द्वारा किए गए कार्य को एक आंदोलन का नाम देते हैं। उसे आंदोलन कहते हैं।

2. नेपाल और बोलिविया के संघर्ष में दो समान बातें लिखें?

उत्तर – नेपाल और बोलिविया के संघर्ष में दो समान बातें-

(क) दोनों की घटनाओं में जनता एक बड़े पैमाने पर लामबंद हुए।

(ख) दोनों की घटनाओं में राजनीतिक संगठनों की भूमिका निर्णायक रही।

3. राजनीतिक दल से आप क्या समझते हैं?

उत्तर – राजनीतिक दलों का अर्थ देश की सत्ता पर नियंत्रण स्थापित करना है।

4. वामसेफ का पूर्ण रूप लिखें?

उत्तर – backward and minorites community employed federation (बैकवर्ड एंड माइनॉरिटी काम्युनिटी एंप्लाइज फेडरेशन)

5. दबाव समूह का क्या अभिप्राय है?

उत्तर - दबाव समूह का तात्पर्य एक ऐसे संगठन से हैं, जो कुछ लोगों द्वारा अपने विशेष उद्देश्य की पूर्ति के लिए बनाया जाता है । इनका राजनीति पर प्रत्यक्ष भागीदारी नहीं होती है परंतु यह अपनी नीतियों से राजनीति को प्रभावित करते हैं।

6. दबाव समूह और आंदोलन राजनीति पर असर डालने के लिए कौन कौन से ढंग अपनाते हैं?

उत्तर - दबाव समूह और आंदोलन द्वारा राजनीति पर असर डालने के लिए अपनाए जाने वाले तरीके–

Jharkhandlab.com

1. सूचना अभियान
2. बैठकों का आयोजन करना
3. मीडिया को प्रभावित करना

7. बोलिविया कैसा देश है?

उत्तर – बोलिविया लातिनी अमेरिका का एक गरीब देश है।

8. दबाव समूह का निर्माण कैसे होता है?

उत्तर – दबाव समूह का निर्माण तब होता है जब समान पेशे, रुचि, महत्वाकांक्षा या मतों वाले लोग किसी समान लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक मंच पर आते हैं।

9. नेपाल में लोकतंत्र कब कायम हुआ?

उतर – नेपाल में लोकतंत्र 1990 के दशक में कायम हुआ।

10. मानवाधिकार संगठन किस का प्रतिनिधित्व करता है?

उत्तर – मानवाधिकार संगठन सर्व सामान्य हितों का प्रतिनिधित्व करता है।

11. बोलिविया में जल युद्ध होने के क्या कारण थे ?

उतर – बोलीविया में पानी की दरें चौगुनी बढ़ाए जाने के कारण जल युद्ध हुआ।

12. बोलिविया जल युद्ध का क्या परिणाम निकला ?

उत्तर – बोलिविया जल युद्ध का परिणाम–: बोलिविया सरकार ने बहुराष्ट्रीय कंपनी के साथ करार को रद्द कर दिया तथा जलापूर्ति पुनः नगरपालिका को सौंपकर पुरानी दरें कायम कर दी।

13. नेपाल की किस जन आंदोलन को लोकतंत्र का दूसरा आंदोलन कहा जाता है?

उत्तर – 2006 में नेपाल की जनता के लोकतंत्र बचाओ आंदोलन को लोकतंत्र का दूसरा आंदोलन कहा जाता है।

14. बोलिविया के हड़ताल में कौन शामिल थे?

उत्तर – बोलिविया की हड़ताल में श्रमिक, मानवाधिकार कार्यकर्ता तथा सामुदायिक नेता शामिल थे।

15. सेवेन पार्टी अलायंस क्या था?

उतर – नेपाल के सभी सात बड़े राजनीतिक दलों ने मिलकर लोकतंत्र की स्थापना के लिए जो गठबंधन बनाए उसे सेवेन पार्टी अलायंस करते हैं।

16. नेपाल और बोलिविया के जन आंदोलन का प्रमुख अंतर क्या थे?

उत्तर – बोलिविया का जन आंदोलन सरकार की एक विशेष नीति के खिलाफ था ।

जबकि नेपाल का जन संघर्ष लोकतंत्र की स्थापना के लिए था।

17. नेपाल में लोकतंत्र के लिए संघर्ष में कौन-कौन संगठन शामिल थे?

उत्तर – नेपाल में लोकतंत्र की स्थापना के लिए सेवेन पार्टी अलायंस,नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी(माओवादी), मजदूर तथा मूल निवासी लोग संगठन शामिल थे।

18. भारत में कार्यरत किन्हीं दो व्यवसायिक दबाव समूह के नाम बताइए?

उत्तर – भारत में कार्यरत दो व्यावसायिक दबाव समूह –:

1. अखिल भारतीय रेलवे कर्मचारी संघ
2. अखिल भारतीय मेडिकल परिषद

19. नर्मदा बचाओ आंदोलन क्या था?

उत्तर – नर्मदा नदी पर सरदार सरोवर प्रोजेक्ट के निर्माण के कारण विस्थापितों के पुनर्वास की व्यवस्था हेतु किया गया आंदोलन को नर्मदा बचाओ आंदोलन के कहते है।

20. हित समूह कितने प्रकार के होते हैं?

उत्तर – हित समूह दो प्रकार के होते हैं –:

1. विशेष वर्ग का हित समूह
2. जनसामान्य के हित समूह

21. फेडेकोर क्या है?

उत्तर – पानी के निजीकरण के विरोध में बोलिविया का एक संगठन है, जिसे वहां की पेशेवरों, इंजीनियरों तथा पर्यावरणवादियों ने गठित किया है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. सूचना के अधिकार से आप क्या समझते हैं?

उत्तर – भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने और सरकारी प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए भारतीय संसद ने 2005 में सूचना का अधिकार का कानून बनाया था। सूचना का अधिकार का तात्पर्य है सूचना पाने का अधिकार। सूचना अधिकार द्वारा राष्ट्र अपने नागरिकों को अपने कार्यों एवं शासन प्रणाली को सार्वजनिक करता है । या भारत का नागरिक, सरकार के किसी विभाग के दस्तावेजों और अभिलेखों की जानकारी हासिल कर सकता है।

2. भारत के किन्हीं चार आंदोलनों के नाम लिखिए?

उत्तर – भारत के चार प्रमुख आंदोलन–:

1. नर्मदा बचाओ आंदोलन
2. शराब विरोधी आंदोलन
3. महिला आंदोलन
4. पर्यावरण आंदोलन

3. नेपाल के अप्रैल 2006 के आंदोलन की क्या मांगे थे?

उत्तर - नेपाल के अप्रैल 2006 के आंदोलन की मुख्य मांगे–:

1. नेपाल में संसद को बहाल किया जाए
2. नेपाल में सर्वदलीय सरकार बने
3. नेपाल में एक नई संविधान सभा का गठन हो

4. दबाव समूह और राजनीतिक दलों के आपसी संबंधों का स्वरूप कैसा होता है । वर्णन करें?

उत्तर - दबाव समूह और राजनीतिक दलों के उद्देश्य विभिन्न होते हैं। दबाव समूह का कोई विशेष उद्देश्य नहीं होता । न ही वे देश की सत्ता पर अधिकार जमाना चाहते हैं ।परंतु राजनीतिक दलों का मुख्य उद्देश्य सत्ता पर अधिकार जमाना होता है। प्रायः यह देखा जाता है कि दबाव समूह और राजनीतिक दलों में आपसी संबंध नए रूप धारण कर सकते हैं, जैसे कई बार बड़े आंदोलन राजनीतिक आंदोलन का रूप धारण कर लेते हैं ।कई बार दबाव समूह राजनीतिक दलों द्वारा ही बनाए जाते हैं। जिसकी बागडोर राजनीतिक दलों के हाथों में होती है कभी-कभी राजनीतिक दलों को दबाव समूह के माध्यम से नेता भी मिल जाते हैं । कुछ विषयों में आंदोलन समूह द्वारा कुछ नए मुद्दे उठाए जाते हैं और उन मुद्दों पर राजनीतिक गतिविधियां बननी शुरू हो जाती है अर्थात दबाव समूह द्वारा उठाया गया मुद्दा राजनीति बन जाता है।

Jharkhandlab.com

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. दबाव समूह और आंदोलन राजनीति पर किस प्रकार प्रभाव डालते हैं?

उत्तर – दबाव समूह और आंदोलन राजनीति को प्रभावित करते हैं–:

1. **जनता के मसले उठाकर-** दबाव समूह और आंदोलन अपने लक्ष्य तथा गतिविधियों के लिए जनता का समर्थन और सहानुभूति हासिल करने की कोशिश करते हैं। इसके लिए सूचना अभियान चलाना, बैठक आयोजित करना अथवा अर्जी दायर करना जैसे तरीकों का सहारा लिया जाता है। ऐसे अधिकतर समूह मीडिया को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं ताकि उनके मसलो पर मीडिया ज्यादा ध्यान दे।
2. **सरकारी कामकाज में भाग लेकर-** ऐसे समूह अक्सर हड़ताल अथवा सरकारी कामकाज में बाधा पहुंचाने जैसे उपायों का सहारा लेते हैं। मजदूर संगठन, कर्मचारी संघ तथा अधिकतर आंदोलनकारी अक्सर ऐसी व्युक्तियों का इस्तेमाल करते हैं कि सरकार उनकी मांगों की तरफ ध्यान देने के लिए बाध्य हो ।
3. **राजनीतिक दलों पर प्रभाव-** दबाव समूह और आंदोलन दलीय राजनीति में सीधे भाग नहीं लेते हैं। लेकिन वे राजनितिक दलों पर असर डालना चाहते हैं। अधिकतर आंदोलन किसी राजनीतिक दल से संबंधित नहीं होते।
4. **राजनीतिक दलों की एक शाखा-** कुछ मामलों में दबाव समूह राजनितिक दलों द्वारा ही बनाए गए होते हैं। अथवा उनका नेतृत्व दल के नेता करते हैं ।कुछ दबाव समूह राजनीतिक दल की एक शाखा के रूप में कार्य करते हैं, उदाहरण के लिए भारत के अधिकतर मजदूर संगठन और छात्र संगठन या तो बड़े राजनीतिक दलों द्वारा बनाए गए हैं अथवा उनकी संबद्धता राजनीतिक दलों से है। ऐसे दबाव समूह के अधिकतर नेता किसी ना किसी राजनीति दल के कार्यकर्ता और नेता होते हैं।
5. **नए दल-** कभी-कभी आंदोलन राजनीतिक दल का रूप ले लेते हैं उदाहरण के लिए विदेशी लोगों के विरुद्ध छात्रों ने असम आंदोलन चलाया और जब इस आंदोलन की समाप्ति हुई इस आंदोलन ने 'असम गण परिषद' का रूप ले लिया।

2. आंदोलनकारी समूह क्या है उदाहरण की सहायता से समझाएं ?

उत्तर – जो समूह एक सीमित समय सीमा में किसी एक लक्ष्य को तथा बड़ी सीमा समय में एक व्यापक लक्ष्य को पाना चाहते हैं आंदोलनकारी समूह कहलाते हैं।

1. नेपाल में उठे लोकतंत्र के आंदोलन का विशिष्ट उद्देश्य था- राजा को अपने आदेशों को वापस लेने के लिए बाध्य करना। इन आदेशों के द्वारा एक राजा ने लोकतंत्र को समाप्त कर दिया था ।
2. भारत में नर्मदा बचाओ आंदोलन ऐसे आंदोलन का एक अच्छा उदाहरण है ।नर्मदा नदी में बनाए जा रहे सरदार सरोवर बांध के कारण लोग विस्थापित हुए। इसी मुद्दे को लेकर शुरू हुआ, जिसका उद्देश्य बांध बनाने से रोकना था। धीरे-धीरे इस आंदोलन ने व्यापक रूप धारण कर लिया। इसने सभी बड़े बांधों और विकास के मॉडल पर सवाल उठाए जिसमें बड़े बांधों को अनिवार्य साबित किया जाता है । ऐसे आंदोलन में नेतृत्व बड़ा स्पष्ट होता है उनका संगठन भी होता है लेकिन ऐसे आंदोलन बहुत थोड़े समय तक ही सक्रीय रह पाते है।
3. पर्यावरण के आंदोलन तथा महिला आंदोलन ऐसे ही आंदोलनों के उदाहरण है। ऐसे आंदोलनों के नियंत्रण अथवा दिशानिर्देश के लिए कोई एक संगठन नहीं होता। पर्यावरण आंदोलन के अंतर्गत अनेक संगठन तथा खास मुद्दे पर आधारित आंदोलन शामिल है। उनके संगठन अलग-अलग है, नेतृत्व भी अलग है और नीतिगत मामलों पर आम तौर पर इनकी राय अलग-अलग होती है ।इसके बावजूद एक व्यापक उद्देश्य के साझीदार है और इनका दृष्टिकोण एक जैसा है।

3. "दबाव समूह, हित समूह तथा आंदोलनों के नकारात्मक तथा सकारात्मक दोनों प्रकार के प्रभाव होते हैं ।" व्याख्या करें?

उत्तर – दबाव समूह, हित समूह तथा आंदोलन के नकारात्मक का सकारात्मक प्रभाव–:

*** नकारात्मक प्रभाव-**

1. यह किसी एक वर्ग के लोगों की रक्षा करते हैं।
2. यह लोकतंत्र की मूलभूत ढांचे को कमजोर करते हैं, क्योंकि अक्सर किसी एक अथवा किसी एक मुद्दे पर काम करते हैं जबकि लोकतंत्र केवल एक वर्ग के हितों की रक्षा नहीं करते बल्कि सभी के कल्याण को देखता है।
3. ऐसे समूह सत्ता का इस्तेमाल तो करना चाहते हैं लेकिन जिम्मेदारी से बचना चाहते हैं। राजनीतिक दलों के चुनाव के समय जनता का सामना करना पड़ता है लेकिन ये समूह जनता के प्रति जवाबदेही नहीं होते हैं।
4. संभव है कि दबाव समूह और आंदोलन को जनता से समर्थन अथवा धन मिले ।कभी-कभी ऐसा भी हो सकता है कि दबाव समूह को बहुत कम लोगों का समर्थन प्राप्त है। लेकिन उनके पास धन अधिक हो और इसके बूते अपने संकुचित एजेंडे पर वे सार्वजनिक बहस का कारण जोड़ने में सफल हो जाए।
5. कभी-कभी यह दबाव समूह राजनीतिक अस्थिरता पैदा कर देते हैं.

*** सकारात्मक प्रभाव**

1. दबाव समूह और आंदोलन के कारण लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हुई है । शासकों के ऊपर दबाव डालना लोकतंत्र में कोई हितकर गतिविधि नहीं बशर्ते इसका अवसर सबको प्राप्त हो।
2. सरकार अक्सर थोड़े से धनी और ताकतवर लोगों के अनुचित दबाव में आ जाती है । जनसाधारण के हित समूह तथा आंदोलन इस अनुचित के दबाव के प्रतिकार में उपयोगी भूमिका निभाते हैं। और आम नागरिक की जरूरतों तथा सरोकारों से सरकार को अवगत कराते हैं।

jharkhandjcert.com

4. दबाव समूह और राजनीतिक दल में मुख्य अंतर बताएँ?

उतर – दबाव समूह और राजनीतिक दल में अंतरः-

1. दबाव समूह का उद्देश्य राजनीतिक दल को प्रभावित करना है।	राजनीतिक दल का उद्देश्य सत्ता की प्राप्ति है।
2. दबाव समूह के अंतर्गत प्रेस, मीडिया समाचार पत्र आते हैं।	राजनीतिक दल राष्ट्रीय और प्रांतीय दोनों स्तरों के होते हैं जैसे भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, बहुजन समाजवादी पार्टी।
3. दबाव समूह अनौपचारिक और गैर मान्यता प्राप्त जैसी संस्था है।	राजनीतिक दल औपचारिक, खुला और मान्यता प्राप्त संस्था है।
4. दबाव समूह चुनाव नहीं लड़ते हैं, केवल राजनीतिक दलों का समर्थन करते हैं।	राजनीतिक दल चुनाव लड़ते हैं और चुनावी अभियान में भाग लेते हैं।
5 दबाव समूह लोगों के प्रति जवाबदेही नहीं होती है।	परंतु राजनीतिक दल लोगों के प्रति जवाबदेही होती है।
6. दबाव समूह के सदस्य केवल उस वर्ग के होते हैं जिनका वह संगठन है।	राजनीतिक दल के सदस्यों की संख्या लाखों में होती है

5. दबाव समूह की गतिविधियां लोकतांत्रिक सरकार के कामकाज में कैसे उपयोगी होती है?

उत्तर – दबाव समूह की गतिविधियां लोकतांत्रिक सरकार के कामकाज में निम्नलिखित प्रकार से उपयोगी होती है–:

1. दबाव समूह सरकार के कार्यों को जनता तक पहुंचाती है और जनता की समस्याओं को राजनीतिक दल तक। जब सरकार जनता की समस्या से अवगत नहीं होती है तो आंदोलन के माध्यम से आम जनता सरकार को अपनी समस्याओं से अवगत कराती है, और कुछ विशेष वर्ग के दबाव में आने से रोकती है ।
2. दबाव समूह सरकार को निरंकुश होने से रोकती है अर्थात सरकार को कानून के दायरे में रहकर कार्य करवाती है जिससे लोकतंत्र मजबूती मिलती है।
3. दबाव समूह सरकार को अपने ही नहीं वरन जनता के हित के लिए कानून बनाने का समर्थन करती है। तथा सरकार को किसी एक हित में कानून बनाने से रोकती है ।
4. दबाव समूह के माध्यम से विभिन्न समाज की विभिन्न समुदायों के बीच संतुलन बना रहता है ।
5. दबाव समूह नागरिकों की जरूरतों से सरकार को अवगत कराती है।

इस तरह दबाव समूह सरकार के कामकाज पर नियंत्रण रखती है कि सरकार गलत कानून का निर्माण या जनता के हितों को अनदेखा ना करें एवं जनता के लिए कार्य करें। जनता दबाव समूह के माध्यम से सरकारी कार्यकलापो के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

jharkhandlab.com

अध्याय - 6 राजनीतिक दल

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. इनमें से किस देश में एक दलीय शासन व्यवस्था है?

A. भारत B. चीन
C. ब्रिटेन D. अमेरिका

उत्तर - B. चीन

2. बहुजन समाजवादी पार्टी की स्थापना कब और किसने की थी ?

A. 1984, काशीराम B. 1985, मायावती
C. 1990, ममता बनर्जी D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - A. 1984, काशीराम

3. बहुजन समाजवादी पार्टी का क्या महत्व है?

A. शिक्षित लोगों को सुरक्षित करना
B. बेरोजगारों को रोजगार देना
C. उत्पीड़ित लोगों के हितों को सुरक्षित करना
D. गरीब लोगों का उत्थान करना

उत्तर - C. उत्पीड़ित लोगों के हितों को सुरक्षित करना

4. एक दल को छोड़कर दूसरे दल पर चले जाने को क्या कहते हैं?

A. राजनीतिक दल B. दल बदल
C. दबाव समूह D. हित समूह

उत्तर - B. दलबदल

5. जो चुनाव लड़ने और सरकार में राजनीतिक सत्ता हासिल करने के उद्देश्य से काम करता है उसे क्या कहते हैं?

A. दलबदल B. राजनीतिक दल
C. दबाव समूह D. नौकरशाही

उत्तर - B. राजनीतिक दल

6. पार्टियां अपने _____और_____ को आगे रखते हैं और मतदाताओं का चुनाव करते हैं।

A. नीतियों और कार्यक्रमों B. नियम और कानूनों
C. अमीरी और गरीबी D. उद्देश्य और हित

उत्तर - A. नीतियों और कार्यक्रमों

7. लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक दल क्या होते हैं?

A. हित समूह B. तानाशाही
C. सर्वव्यापी D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - C. सर्व व्यापी

8. कई दलों वाले देश की व्यवस्था को क्या कहते हैं ?

A. एक दलीय व्यवस्था B. दो दलीय व्यवस्था
C. बहुदलीय व्यवस्था D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - C. बहुदलीय व्यवस्था

9. कानूनों को कौन पास करता है ?

A. कार्यपालिका B. विधायिका
C. न्यायपालिका D. स्थानीय सरकार

उत्तर - B. विधायिका

10. भाजपा की स्थापना कब हुई?

A. 1985 B. 1980
C. 1975 D. 1970

उत्तर - B. 1980

11. भारतीय जनता पार्टी का मुख्य प्रेरक सिद्धांत क्या है?

A. क्रांतिकारी राष्ट्र B. सांस्कृतिक राष्ट्रवाद
C. आर्थिक राष्ट्रवाद D. आंदोलनकारी राष्ट्रवाद

उत्तर - B. सांस्कृतिक राष्ट्रवाद

12. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना कब की गई?

A. 1925 B. 1927
C. 1929 D. 1930

उत्तर - A. 1925

13. भारत में पहली बार केंद्र में गैर कांग्रेसी सरकार कब बनी?

A. 1967 B. 1977
C. 1989 D. 1991

उत्तर - B. 1977

14. भारतीय जनता पार्टी का चुनाव चिन्ह क्या है?

A. हाथ का पंजा B. हाथी
C. कमल D. चक्र

उत्तर - C. कमल

15. किस के नेतृत्व में 1977 में जनता पार्टी का गठन हुआ था?

A. लोकनायक जयप्रकाश नारायण
B. कर्पूरी ठाकुर
C. चंद्रशेखर
D. मोरारजी देसाई

उत्तर - D. मोरारजी देसाई

16. राजनीतिक दलों को मान्यता कौन देता है?

A. चुनाव आयोग B. राष्ट्रपति
C. संसद D. न्यायपालिका

उत्तर - A. चुनाव आयोग

17. कांग्रेस की स्थापना कब हुई थी?

A. 1880 B. 1885
C. 1890 D. 1906

उत्तर - B. 1885

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. राजनीतिक दल किसे कहते हैं?

उत्तर - एक ऐसा संगठित समूह जो देश के राजनीतिक क्रियाकलापों में भाग लेकर देश की सत्ता पर अधिकार जमाने का प्रयास करता है अर्थात सरकार का निर्माण कर देश की शासन व्यवस्था संभालता है उसे राजनीतिक दल कहते हैं।

jharkhandlab.com

2. दल बदल की राजनीति क्या है?

उत्तर – विधायिका के लिए किसी दल विशेष से निर्वाचित होने वाले प्रतिनिधि का उस दल को छोड़कर किसी अन्य दल में चले जाना दल बदल की राजनीति कहलाता है।

3. शपथ पत्र से आप क्या समझते हैं?

उत्तर – किसी अधिकारी को सौंपा गया एक दस्तावेज। इसमें कोई व्यक्ति अपने बारे में निजी सूचनाएं देता है और उनके सही होने के बारे में शपथ उठाता है । इस पर सूचना देने वाले के हस्ताक्षर होते हैं। इसे शपथ पत्र कहते हैं।

4. बहुदलीय व्यवस्था क्या है?

उत्तर – जब किसी देश में अनेक दल सत्ता प्राप्ति की होड़ में हो और दो दलों से अधिक दल अपने दम पर या दूसरे दलों से गठबंधन कर सत्ता में आने का अवसर तलाशते हैं तो ऐसी व्यवस्था हो बहुदलीय व्यवस्था कहते हैं।

5. द्वि:दलीय व्यवस्था किसे कहते हैं?

उत्तर – ऐसी राजनीतिक चुनावी व्यवस्था जिससे केवल दो ही दल भाग ले सकते हैं उसे द्वि:दलीय राजनीतिक व्यवस्था कहते हैं। जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन ।

6. एक दलीय व्यवस्था किसे कहते हैं?

उत्तर – कई देशों में एक ही दल को शासन की प्रक्रिया में भाग लेने का अधिकार है अर्थात केवल एक ही दल सरकार बना सकती है और देश को चला सकती है इसे एक दलीय व्यवस्था कहते हैं । जैसे चीन ।

7. शासक दल किसे कहते हैं?

उत्तर – ऐसा दल जो सत्ता में रहकर पूरे देश को चलाती है या जिनकी सरकार बनी होती है उसे शासक दल कहते हैं।

8. गठबंधन सरकार किसे कहते हैं?

उत्तर – कई दलों से मिलकर बनी सरकार को गठबंधन सरकार करते हैं।

9. राष्ट्रीय दल को परिभाषित कीजिए ?

उत्तर – ऐसे राजनीतिक दल जो पूरे देश में फैले होते हैं, या यदि कोई राजनीतिक दल लोकसभा चुनाव में कुल वोट का 6% मत हासिल करता है या चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में कुल वोट का 6% मत हासिल करता है तो वैसे दल को राष्ट्रीय दल कहते हैं।

10. क्षेत्रीय दल से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर – ऐसी राजनीतिक दल जो किसी विशेष क्षेत्र तक ही सीमित होते हैं। या केवल अपने ही राज्य का चुनाव लड़ते हैं उसे क्षेत्रीय दल कहते हैं। जैसे झारखंड -झारखंड मुक्ति मोर्चा, पंजाब- अकाली दल इत्यादि।

11. भारतीय जनता पार्टी की स्थापना कब और किसने की ?

उत्तर – भारतीय जनता का पुराना नाम भारतीय जनसंघ था। जिसे श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 1951 में गठित किया और यह पुनर्जीवित पार्टी के रूप में 1980 में अस्तित्व में आई।

12. ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस की स्थापना कब और किसने की और इसे राष्ट्रीय दल रूप में कब मान्यता प्राप्त हुई?

उत्तर – ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस की स्थापना 1998 में ममता बनर्जी के द्वारा की गई और 2016 में इसे राष्ट्रीय दल के रूप में मान्यता प्राप्त हुई।

13. बहुजन समाजवादी पार्टी के स्थापना कब और किसके द्वारा की गई थी

उत्तर – बहुजन समाजवादी पार्टी के स्थापना स्व.काशीराम के नेतृत्व में 1984 में की गई थी।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. राजनीतिक दलों के कोई तीन गुण लिखिए ?

उत्तर – राजनीतिक दल के गुण –:

1. यह जनता से जुड़ी मुद्दों पर नीतियां बनाते हैं।
2. यह समान राजनीतिक विचारधारा के होते हैं।
3. यह संगठित रूप से एक राजनीतिक इकाई के रूप में कार्य करते हैं।

2. भारत के राष्ट्रीय दलों के नाम लिखें?

उत्तर – 2017 से भारत में राष्ट्रीय दलों की संख्या 7 है–:

1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
2. भारतीय जनता पार्टी
3. बहुजन समाजवादी पार्टी
4. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी
5. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी
6. मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी
7. ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस

3. लोकतंत्र के लिए राजनीतिक दल क्यों आवश्यक है?

उत्तर – **राजनीतिक दल की आवश्यकता-** राजनीतिक दल लोकतंत्र की आधारशिला है। बिना राजनीतिक दल के लोकतंत्र की कल्पना भी नहीं कर सकते ।जिन देशों में राजनीतिक दलों को काम करने की स्वतंत्रता नहीं रहती, वहां के नागरिकों को भी कोई स्वतंत्रता नहीं मिलती। इसी आधार पर राजनीतिक दल को "लोकतंत्र का प्राण" कहा जाता है। लोकतंत्र के अंतर्गत राजनीतिक दलों को सरकार का अभिन्न अंग माना जाता है। लोकतंत्र शासन की वह पद्धति है जिसका शासन जनता के चुने हुए प्रतिनिधि द्वारा होता है। राजनीतिक दल प्रतिनिधियों के निर्वाचन में मुख्य रूप से भाग लेते हैं ।राजनीतिक दल लोकतांत्रिक शासन को व्यवहारिक रूप प्रदान करते हैं। राजनीतिक दल ही जनता को राजनीतिक प्रशिक्षण देते हैं। राजनीतिक दल निरंकुश शासन से लोगों की रक्षा तो करते हैं साथ ही शासन को बहुमत के अनुकूल बनाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं ।राजनीतिक दल लोकतंत्र में शिक्षा का मुख्य साधन है जिससे जनता में राजनीतिक जागरुकता पैदा होती है। स्पष्ट है कि लोकतंत्र की रक्षा का उत्तरदायित्व राजनीतिक दलों पर होता है।

4. लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में राजनीतिक दलों की जरूरत क्यों होती है ? कारण दीजिए?

उत्तर – राजनीतिक दलों के बिना लोकतंत्र में शासन व्यवस्था नहीं चल सकती क्योंकि यह निम्न भूमिका अदा करते हैं –:

1. देश के लिए कानून बनाने में
2. जनता का प्रतिनिधित्व करने में
3. सरकार बनाने और चलाने में
4. विपक्ष की भूमिका
5. विभिन्न मुद्दों पर जनता की राय लेते हैं।

5. भारतीय जनता पार्टी का गठन कब हुआ ? इसके दो प्रमुख कार्य बताइए?

उत्तर – भारतीय जनता पार्टी का गठन 1980 में किया गया था। इसके दो प्रमुख कार्य–:

1. राज्यों को केंद्रीय आय तथा वित्तीय शक्तियों में बराबर की साझेदारी मिले
2. यह छोटे-छोटे राज्यों का समर्थन करता है।

Jharkhandlab.com

6. **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना कब हुई उसकी नीतियों एवं कार्य के बारे में बताइए?**

उत्तर - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 1885 में ए.ओ.ह्यूम नामक एक अंग्रेज अधिकारी ने किया था।

इसकी नीतियाँ और कार्य निम्नलिखित है-:

1. यह लोकतंत्र, पंथनिरपेक्ष और समाजवाद का समर्थक है
2. यह अल्पसंख्यक समुदाय के हितों को अपना मुख्य जनता मानती है
3. यह नई आर्थिक नीतियों का समर्थन करती है।

7. **चुनाव आयोग के प्रमुख कार्यों को स्पष्ट कीजिए ?**

उत्तर - चुनाव आयोग के प्रमुख कार्य -:

1. देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवाना
2. राजनीतिक दलों को मान्यता प्रदान करना
3. उम्मीदवारों का नामांकन लेना
4. उम्मीदवार का नामांकन रद्द करना
5. राजनीतिक दलों को चुनाव चिन्ह प्रदान करना
6. चुनाव के समय आचार संहिता लागू करना
7. विजयी उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करना
8. चुनाव में आए खर्चों का ब्यौरा देना

8. **राजनीतिक दलों को कैसे सुधारा जा सकता है?**

या

राजनीतिक दलों को सुधारने के लिए क्या क्या कदम उठाए जा सकते हैं?

उत्तर - राजनीतिक दलों को निम्नलिखित द्वारा सुधारा जा सकता है-

1. दल बदल की राजनीति को रोककर
2. उम्मीदवारों को अपनी चल- अचल संपत्ति का सही-सही ब्यौरा देने के लिए विवश किया जाए। उसके लिए कड़े कानूनों का निर्माण किया जाए।
3. राजनीतिक दल द्वारा अपने कार्यक्रमों और नीतियों को जनता जानकारी देना।
4. चुनाव में आए खर्च का ब्यौरा देकर
5. राजनीतिक छवि के व्यक्ति को राजनीति में लिया जाए ।
6. आंदोलन और मीडिया के माध्यम से दबाव बनाया जाए
7. राजनीतिक दलों पर लोगों का दबाव हो

9. **राजनीतिक दलों के सामने क्या-क्या चुनौतियां है?**

उत्तर - वर्तमान समय में लोकतान्त्रिक देश में राजनीतिक पार्टियों को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है-:

1. पार्टियों के भीतर बढ़ते असंतोष
2. अपराधिक छवि वाले या बाहुबलियों का राजनीतिक दल में बढ़ता प्रभाव
3. राजनीतिक दलों में वंशवाद का बढ़ता प्रभाव
4. राजनीतिक दल में धनियो का बढ़ता प्रभाव
5. समय समय पर नेताओं के द्वारा पार्टियों को बदलने की नीति

10. **क्षेत्रीय दलों का क्या महत्व है?**

उत्तर - क्षेत्रीय दलों का महत्व -: भारत जैसे विस्तृत देश में क्षेत्रीय दलों का होना जरूरी है क्योंकि राष्ट्रीय स्तरीय पार्टी भारत की जनता की हर छोटी बड़ी समस्याओं का समाधान करने में असमर्थ हो जाती है । उन परिस्थितियों में क्षेत्रीय दलों की भूमिका अहम होती है । क्षेत्रीय दल किसी क्षेत्र विशेष में रहने वाले लोगों की समस्या से अवगत होकर उन समस्याओं का समाधान करते हैं। क्षेत्रीय दल अपने क्षेत्र की समस्याओं को संसद तक पहुंचाते हैं ताकि केंद्र सरकार, राज्य सरकार के साथ मिलकर समस्या समाधान करें। साधारणतया: ऐसे दल विरोधी दल को मजबूत करते हैं।

11. **लोकतंत्र में विपक्षी दल की भूमिका का वर्णन करें?**

उत्तर - लोकतंत्र में विपक्षी दल की भूमिका महत्वपूर्ण होती है क्योंकि विपक्षी दल ही सत्तारूढ़ दल पर अंकुश रखता है। सरकार की आलोचना करते है। सरकारी निर्णय के विरुद्ध आंदोलन एवं प्रदर्शन करता है। मंत्रियों से प्रश्न पूछता है। सदन में कार्य -स्थगन प्रस्ताव लाकर और आवश्यकता पड़ने पर सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाकर विपक्षी दल सरकार को नियंत्रित करता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. **लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की भूमिका एवं कार्यों की चर्चा करें?**

उत्तर - लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की भूमिका एवं कार्य निम्नलिखित है-:

1. **चुनाव-** राजनीतिक दल का मुख्य कार्य होता है देश में सरकार गठन के लिए होने वाले राजनीतिक चुनाव में भाग लेना । राजनीतिक दल चुनाव लड़ते हैं । अधिकांश लोकतांत्रिक देशों में चुनाव राजनीतिक दलों द्वारा खड़े किए गए उम्मीदवारों के बीच लड़ा जाता है ।राजनीतिक दल उम्मीदवारों का चुनाव कई तरीकों से करते है।
2. **नीतियों की घोषणा-** घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश के सामने कुछ सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक मसले होते हैं । राजनीतिक पार्टियां अलग-अलग नीतियों और विचारों को मतदाताओं के सामने रखती है तथा विभिन्न मसलों के समाधान के उपाय भी सुझाती है । साथ ही मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए अपनी नीतियों या उद्देश्यों की घोषणा करती है।
3. **जनमत निर्माण-** राजनीतिक पार्टियां लोगों के हितों के मामलों को देश के सामने रखती है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रेस, टेलीविजन तथा नुक्कड़ सभाएं जैसे जनसंचार के सभी माध्यमों का प्रयोग करती है। इस प्रकार राजनीतिक पार्टियां अपने समर्थन के लिए लोगों को शिक्षित तथा प्रभावित करती है । राजनीतिक पार्टियां जनमत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
4. **सरकार बनाना तथा चलाना-** सरकार बनाना राजनीतिक पार्टी का प्रमुख कार्य तथा उद्देश्य है। संसदीय व्यवस्था में, सत्ता में दल का नेता प्रधानमंत्री बनता है तथा वह अपनी कैबिनेट में अन्य मंत्रियों को नियुक्त करता है।
5. **कानून का निर्माण-** राजनीतिक दल कानून के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं
6. राजनीतिक दल सरकार और जनता के बीच कड़ी का काम करते हैं।
7. **जनता को शिक्षित करना-** राजनीतिक मामलों में जनता को शिक्षित करने का काम राजनीतिक दल को है ।वह अपने कार्यक्रमों, नीति और दृष्टिकोण जनता के सामने रखते हैं जिससे जनता को राजनीतिक शिक्षा मिलती है।

2. **राजनीतिक दल अपना कामकाज बेहतर ढंग से करें इसके लिए उन्हें मजबूत बनाने के लिए कुछ सुझाव दें?**

उत्तर - राजनीतिक दल अपना कामकाज बेहतर ढंग से करें इसलिए निम्नलिखित सुझाव दिए जा सकते हैं-:

Jharkhandlab.com

1. राजनीतिक दलों में अपराधी छवि एवं बाहुबली लोगों के प्रवेश पर अंकुश लगाना चाहिए।
2. राजनीतिक दलों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए
3. दलबदल को रोकने के लिए कड़े कानून का निर्माण होना चाहिए। जैसे अगर कोई व्यक्ति अपना दल को बदलता है तो उसे अपनी सीट छोड़नी पड़ेगी।
4. चुनाव के समय होने वाले खर्च का प्रबंध राज्य करें। जिससे वे दल कंपनी और व्यक्ति के प्रभाव में ना आए इसके साथ ही प्रत्येक उम्मीदवारों की संपत्ति का ब्यौरा उससे मांगा जाए।
5. पार्टियों को अपने कानून एवं नीतियां निर्धारित करनी चाहिए ताकि जनता उनकी नीतियों से अवगत हो सके।

   जनता के हित में कार्य करने वाले इच्छुक व्यक्ति को ही पार्टी में शामिल करना चाहिए। ताकि वह व्यक्ति देश के हित एवं जनता के हित में कार्य कर सकें।
6. चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष पद्धति से होनी चाहिए ।
7. राजनीतिक दल में शिक्षित व्यक्तियों को शामिल किया जाना चाहिए जिसे राजनीति के बारे में पूरा ज्ञान हो।
8. लोकतांत्रिक देशों में बहु दलीय पद्धति हो।

3. भारतीय दलीय पद्धति की विशेषताओं का वर्णन करें?

उत्तर – भारतीय दलीय पद्धति की विशेषताएं निम्नलिखित है –:

1. **बहुदलीय प्रणाली-** भारत में बहुदलीय प्रणाली की व्यवस्था है ।2017 में राष्ट्रीय राजनीतिक दलों की संख्या 7 हो गई । राष्ट्रीय दलों के अलावा कई अन्य राज्य स्तर और क्षेत्रीय दल भी हैं ।जैसे पंजाब में शिरोमणि अकाली दल, जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस, महाराष्ट्र में शिवसेना इत्यादि ।
2. **एक पार्टी के प्रभुत्व का अन्त-** एक दलीय प्रभुत्व की अध्यक्षता लोकतंत्र विरोधी होती है क्योंकि एक दल की अध्यक्षता के कारण दूसरे दल विकसित नहीं हो सकते हैं। अतः बहुदलीय पद्धति से एक दल के प्रभुत्व का अंत हो जाता है क्योंकि इसमें दो या दो से अधिक दल चुनावी प्रक्रिया में भाग लेते हैं।
3. **प्रमुख और ताकतवर विपक्षी दल-** संसदीय लोकतंत्र में विपक्ष उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि सत्ता पक्ष या सरकार । संसदीय सरकार में संगठित विपक्षी पार्टी का होना बहुत जरूरी है ताकि विपक्ष सत्ताधारी दल को अनुचित काम करने से रोक सके और उसे कुशलतापूर्वक और जिम्मेदारी से काम करने के लिए मजबूर कर सकें।
4. **चुनाव आयोग द्वारा राजनीतिक दलों का पंजीकरण-** कोई भी संगठन तब तक राजनीतिक दल नहीं बन सकते जब तक कि वह चुनाव आयोग के साथ पंजीकृत न हो। पंजीकरण के लिए, प्रत्येक राजनीतिक दल को चुनाव आयोग को एक याचिका प्रस्तुत करनी होती है ।ऐसी याचिका पर राजनीतिक पार्टी के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षर किए जाते हैं । जिसमें पार्टी का नाम, पदाधिकारियों का नाम, संसद और राज्य विधानसभाओं में सदस्यों की संख्या आदि शामिल करना होता है । ऐसे दलों पंजीकरण हो सकता है जिन्होंने अपने संविधान में स्पष्ट रूप से कहा है कि वे देश के संविधान और लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। देश की प्रभुसत्ता,एकता और अखंडता की रक्षा के लिए एक संकल्प की घोषणा करना जरूरी है।
5. **चुनाव आयोग द्वारा राजनीतिक दलों को मान्यता-** चुनाव आयोग राजनीतिक दलों को मान्यता देता है और चुनाव चिन्ह प्रदान करता है।
6. **जनता के राजनीतिक शिक्षा देना-** दलीय पद्धति होने के कारण जनता में राजनीतिक जागरूकता आती है जनता विभिन्न राजनीतिक दलों का तर्क और वितर्क करती है । जिसके कारण जनता में राजनीतिक शिक्षा आता है।

jharkhandlab.com

अध्याय - 7 लोकतंत्र के परिणाम

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों को कौन सा अधिकार प्राप्त है?

A. स्वयं राज्य करने का
B. शासन व्यवस्था ठीक करने का
C. अपनी सरकार चुनने का
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - C. अपनी सरकार चुनने का

2. किस प्रकार की सरकार सबसे बेहतर मानी जाती है?

A. लोकतंत्र B. राजतंत्र
C सैनिकतंत्र D. तानाशाही सरकार

उत्तर - A. लोकतंत्र

3. तानाशाही का समर्थन करने वाली विचारधारा को क्या कहते हैं?

A. अल्पतंत्र B. निरंकुशता वाद
C. लोकतंत्र D. उदारवाद

उत्तर - B. निरंकुशता वाद

4. किस देश में आधे से ज्यादा आबादी गरीबी में रहती है?

A. बांग्लादेश B. भारत
C. अमेरिका D. श्रीलंका

उत्तर – A. बांग्लादेश

5. इनमें से कौन लोकतंत्र की विशेषता नहीं है?

A. लोगों के लिए कानून B. सत्ता पर एकाधिकार
C. समानता और स्वतंत्रता D अधिकारों की गारंटी

उत्तर - B. सत्ता पर एकाधिकार

6. देश की आर्थिक विकास किस कारक पर निर्भर करता है?

A. जनसंख्या का आकार B. वैश्विक स्थिति
C. अन्य देशों के साथ सहयोग D. उपरोक्त सभी

उत्तर - D. उपरोक्त सभी

7. लोकतंत्र का क्या अर्थ है?

A. लोगों का शासन B. राजा का शासन
C. सैनिकों का शासन D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - A. लोगों का शासन

8. लोकतांत्रिक व्यवस्था में समय-समय पर क्या होता है ?

A. परीक्षण B. निरीक्षण
C. मूल्यांकन D. उपरोक्त सभी

उत्तर - D. उपरोक्त सभी

9. लोकतांत्रिक सरकार में सभी नागरिक_____ है।

A. एक समान B. अलग-अलग
C. अच्छे D. बुरे

उत्तर - A. एक समान

10. शिकायतों का बना रहना लोकतंत्र में किसका प्रतीक है ?

A. असफलता का B. सफलता का
C. आजादी का D. खुशी का

उत्तर - B. सफलता का

11. विश्व के सौ से भी अधिक देश दावा करते हैं_____

A. लोकतंत्र का B. राजतंत्र का
C. तानाशाही का D. सैनिकतंत्र का

उत्तर - A. लोकतंत्र का

12. भारत में लोकतंत्र की सफलता में क्या बाधा है?

A. गरीबी B. मतदान का दुरुपयोग
C. अशिक्षा D. उपरोक्त सभी

उत्तर - D. उपरोक्त सभी

13. भारतीय लोकतंत्र की सफलता का सबसे महत्वपूर्ण तत्व क्या है ?

A. निष्पक्ष चुनाव B. भेदभाव का अन्त
C. जाति प्रथा का अंत D. संप्रदायिकता का अन्त

उत्तर – A. निष्पक्ष चुनाव

14. विविधताओं के बीच सामंजस्य की स्थापना की सर्वाधिक क्षमता किस शासन व्यवस्था में होती है ?

A. अल्पतंत्र B. अधिनायक तंत्र
C. लोकतंत्र D. सैनिक तंत्र

उत्तर - C. लोकतंत्र

15. लोकतंत्र क्यों एक उत्तरदायी शासन व्यवस्था मानी जाती है ?

A. लोकतंत्र में जनता ही अपने शासक को चुनती है
B. जनता अपने शासकों पर नियंत्रण रखती है
C. शासन में जनता को अधिक से अधिक भागीदारी का अवसर मिलता है
D. उपरोक्त सभी

उत्तर - D. उपरोक्त सभी

16. "लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा शासन है" यह कथन किसका है?

A. महात्मा गांधी B. अब्राहम लिंकन
C. पंडित जवाहरलाल नेहरू D. मैडम लिंगदोह

उत्तर - B. अब्राहम लिंकन

17. तानाशाही का क्या अर्थ है?

A. लोगों द्वारा नियम B. लोगों के लिए नियम
C. कुछ के द्वारा नियम D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - C. कुछ के द्वारा नियम

18. किस देश में विभिन्न जातीय समूहों की आकांक्षाओं के मध्य सफलतापूर्वक सामंजस्य स्थापित किया है?

A. श्रीलंका B. बेल्जियम
C. बांग्लादेश D. अमेरिका

उत्तर - B. बेल्जियम

Jharkhandlab.com

19. लोकतंत्र में किस प्रकार का चुनाव होना चाहिए?

A. निष्पक्ष B. नियमित
C. उचित D. उपरोक्त सभी

उत्तर – D. उपरोक्त सभी

20. लोकतंत्र में निर्णय उचित प्रक्रिया से दिए जाते हैं तो उसे क्या कहते हैं?

A. लोकतंत्र B. तानाशाही
C. पारदर्शिता D. उदारवादी गणराज्य

उत्तर – C. पारदर्शिता

21 लोकतंत्र का अपेक्षित परिणाम क्या है ?

A. सरकार की गुणवत्ता B. आर्थिक कल्याण
C. स्वतंत्रता और गरिमा D. उपरोक्त सभी

उत्तर – D. उपरोक्त सभी

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. लोकतंत्र से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तर – लोकतंत्र से हमारा अभिप्राय ऐसी शासन व्यवस्था से है जहां जनता निर्वाचन की प्रक्रिया में भाग लेकर अपने प्रतिनिधि को चुनती है और जनता द्वारा चुना गया प्रतिनिधि ही देश पर शासन करता है।

2. आप कैसे कह सकते हैं कि लोकतंत्र राजनीतिक समानता पर आधारित होते हैं?

उत्तर – लोकतंत्र राजनीतिक समानता पर आधारित होते हैं क्योंकि जनता को राजनीतिक अधिकार प्राप्त होते हैं, जैसे मताधिकार, सरकार की आलोचना करने का अधिकार और सरकार को उसके पद से हटाने का अधिकार जनता को प्राप्त है।

3. लोकतंत्र में पारदर्शिता क्या है?

उत्तर - लोकतंत्र में हर कार्य ईमानदारी पूर्वक और नियमानुसार हो । प्रत्येक नागरिक को निर्णय लेने की प्रक्रिया की जांच करने का अधिकार हो। इसे पारदर्शिता कहा जाता है।

4. लोकतंत्र एक जवाबदेही सरकार का निर्माण कैसे करता है ?

उत्तर – लोकतंत्र में शासक का चुनाव जनता द्वारा किया जाता है। इसलिए सरकार को जनता के हितों को देखते हुए कानूनों का निर्माण करना होता है।सरकार को अपने सारे क्रिया कलापों के बारे में जनता को अवगत कराने होते है । इसलिए लोकतंत्र एक जवाबदेही सरकार का निर्माण करती है।

5. अलोकतांत्रिक सरकार का क्या अर्थ है ?

उत्तर – वह शासन व्यवस्था जहां सरकार लोगों की भागीदारी के बिना चलाई जाती है उसे अलोकतांत्रिक सरकार कहते हैं।

6. लोकतांत्रिक सरकार के दो गुण लिखें?

उत्तर – लोकतांत्रिक सरकार के दो गुण –:

1. सरकार का चुनाव लोगों द्वारा किया जाता है।
2. सरकार जनता की इच्छा अनुसार कार्य करती है।

7. लोकतांत्रिक सरकार के दो अवगुण लिखें?

उत्तर - लोकतांत्रिक सरकार के अवगुण–:

1. कोई भी फैसला लेने में अधिक समय लगता है।
2. लोकतांत्रिक शासन प्रणाली खर्चीली शासन प्रणाली है।

8. क्या लोकतंत्र हमारी सभी बुराइयों को दूर कर सकती है?

उत्तर – लोकतंत्र हमारी सभी बुराइयों को दूर नहीं कर सकती है। भले ही सरकार द्वारा सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए कानून बनाए गए हैं। परंतु लोगों द्वारा ही उन कानूनों का दुरुपयोग किया जाता है।

9. तानाशाही से क्या समझते हैं?

उत्तर – कुछ विशेष व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह द्वारा स्वेच्छाचारी ढंग से चलाया गया शासन तानाशाही कहलाता है।

10. सूचना के अधिकार से आप क्या समझते हैं?

उत्तर – जनता को सरकार के सभी कामकाज के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है इसमें सूचना का अधिकार कहा जाता है।

11. विश्व के तीन लोकतांत्रिक देशों के नाम बताइए?

उत्तर – विश्व के लोकतांत्रिक देशों के नाम भारत, अमेरिका, ब्रिटेन।

12. लोकतंत्र का मूलभूत परिणाम क्या है?

उत्तर - लोकतंत्र का मूलभूत परिणाम होना चाहिए कि वह एक ऐसी सरकार बनाएं जो नागरिकों के प्रति उत्तरदायी हो, नागरिकों की अपेक्षाओं और जरूरतों को पूरा करने के लिए जिम्मेवार हो।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. लोकतंत्र किस तरह उत्तरदायी,जिम्मेवार और वैध सरकार का गठन करता है?

उत्तर – लोकतंत्र निम्नलिखित कारणों से लोगों के प्रति उत्तरदायी, जिम्मेवार और वैध सरकार का गठन करता है –

1. लोकतंत्र एक उत्तरदायी सरकार है, क्योंकि लोकतंत्र में सरकार का चुनाव जनता के द्वारा किया जाता है। जनता का प्रतिनिधि होने के कारण वह लोगों के प्रति जवाबदेही होता है।
2. लोकतंत्र में सरकार एक जिम्मेवार सरकार होती है, क्योंकि वह जनता के प्रतिनिधि होने के कारण उसे जनता के हितों का ध्यान रखना होता है ।कानून का निर्माण भी जनता की इच्छा के अनुसार करना पड़ता है। लोगों को सरकार कामकाज के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त करने का भी अधिकार है।
3. लोकतंत्र में सरकार एक वैध सरकार होती है क्योंकि वह चुनाव के माध्यम से बहुमत प्राप्त कर अपनी सरकार का निर्माण करती है, और यह चुनावी प्रक्रिया सरकार की वैधता पर मुहर लगाती है।

2. लोकतंत्र को सबसे अच्छा शासन व्यवस्था क्यों कहा जाता है?

उत्तर – अन्य शासन व्यवस्था की तुलना में लोकतंत्र एक अच्छी शासन प्रणाली है, क्योंकि लोकतंत्र नागरिकों के बीच समानता को बढ़ावा देता है ।अर्थात उन्हें राजनीतिक अधिकार प्रदान करता है । लोकतांत्रिक सरकार जनता के हितों को देखते हुए कानूनों का निर्माण करती है।अगर सरकार जनता के हितों को अनदेखा करती है तो जनता उसे उसके पद से हटा सकती है ।लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में शासन व्यवस्था कोई भी निर्णय लेने में पारदर्शिता रखती है। यह संघर्षों को हल करने के तरीके भी सुनिश्चित करती है ।शासन व्यवस्था में जनता राजनीतिक जागरूकता एवं राजनीतिक शिक्षा प्रदान करते हैं। यह वंशानुगत नहीं होता। दलीय व्यवस्था होने के कारण लोगों में राजनीतिक दलों के कार्यकलाप के बारे में पूरी जानकारी होती है जिसके कारण जनता सही प्रतिनिधि का चुनाव करते हैं ।और ये प्रतिनिधि जनता के प्रति उत्तरदायी होते हैं।

3. लोकतंत्र के चार प्रमुख गुणों का उल्लेख करें?

उत्तर - लोकतंत्र के चार प्रमुख गुण–:

1. **जनता का शासन** - लोकतंत्र में प्रतिनिधियों का चुनाव जनता के माध्यम से किया जाता है, अर्थात शासन की प्रक्रिया में जनता प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से भाग लेती है।
2. **समानता एवं स्वतंत्रता** - लोकतंत्र में जनता बिना किसी भेदभाव के राजनीतिक अधिकारों का प्रयोग करती है, अर्थात मतदान की प्रक्रिया में भाग लेना, उम्मीदवार के रूप में खड़ा होना एवं सरकार की आलोचना करना ।साथ

jharkhandjac.com

ही जनता बिना किसी दबाव के अपने प्रतिनिधियों को स्वतंत्रता पूर्वक चुन सकती है।

3. **राजनीतिक प्रशिक्षण-** लोकतंत्र सर्वसाधारण को राजनीतिक प्रशिक्षण देता है। लोकतंत्र में संचार के साधनों, प्रेस, दूरदर्शन, समाचार पत्र आदि का प्रयोग व्यापक तरीके से किया जाता है ।लोकतंत्र में राजनीतिक दल, राजनेता, दबाव समूह इत्यादि संगठन सक्रिय रूप से कार्य करते हैं।

4. **नैतिकता का विकास-** लोकतंत्र में राष्ट्रीय चरित्र एवं नैतिकता का विकास नागरिकों में होना चाहिए । राष्ट्रप्रेम, देश- भक्ति, त्याग, बलिदान सेवा और सहनशीलता आदि गुणों का विकास नागरिकों को राष्ट्र से जोड़े रखने का प्रयास करता है। लोकतंत्र लोगों में उच्च गुणों का विकास करने का प्रयास करता है ।नैतिकता लोकतंत्र को भ्रष्ट होने से रोकती है । नैतिकता से नागरिकों में आत्मविश्वास की भावना जागृत होती है ।लोकतंत्र में अच्छे आदर्शों का संकल्प दोहराया जाता है।

4. लोकतंत्र के चार दोषों का वर्णन करें?

उत्तर – **लोकतंत्र के दोष-**

1. **राजनीति का राजनीतिकरण-** लोकतंत्र में राजनेता जिन आदर्शों मूल्यों की शासन के लिए राजनीति में आता है, सत्ता हासिल होने के बाद वह राजनीतिकरण का शिकार हो जाता है। वह जनता के हितों को अनदेखा करता है।

2. **अयोग्य व्यक्तियों का शासन-** लोकतंत्र में राजनेताओं की योग्यताओं को अनदेखा कर दिया जाता है जिसके कारण शासन व्यवस्था में अयोग्य नेताओं का जमावड़ा लग जाता है। चाहे वह अशिक्षित हो, अपराधी प्रवृत्ति के हो या बाहुबली हो राजनीति में इनका बोलबाला हमेशा दिखलाई पड़ता है जो जनता पर दबाव बनाने की कोशिश करते हैं।

3. **अधिक खर्चीली शासन प्रणाली-** लोकतंत्र अधिक खर्चीली शासन प्रणाली है क्योंकि चुनाव के समय अधिक से अधिक खर्च किए जाते हैं।

4. **पूंजीपतियों का गढ़-** लोकतंत्र पूंजीपतियों का गढ़ है। लोकतंत्र में पूंजीपतियों द्वारा सरकार का निर्माण किया जाता है। पूंजीपति राजनीतिक दलों को चुनाव लड़ने के लिए धन की व्यवस्था करते हैं। ताकि आवश्यकता पड़ने पर सत्ताधारी दल पूंजीपतियों की मदद कर सके।

5. लोकतंत्र के कितने प्रकार है? वर्णन करें?

उत्तर – लोकतंत्र के दो प्रकार हैं

1. प्रत्यक्ष लोकतंत्र
2. अप्रत्यक्ष लोकतंत्र

प्रत्यक्ष लोकतंत्र -भारत का नागरिक जिसकी उम्र 18 वर्ष से अधिक है शासन की प्रक्रिया में भाग लेता है, अर्थात मताधिकार का प्रयोग कर अपने प्रतिनिधियों का चुनाव कर सकता है । जैसे- लोकसभा और विधानसभा का चुनाव।

अप्रत्यक्ष लोकतंत्र- इसमें जनता निर्वाचन की प्रक्रिया में अप्रत्यक्ष रूप से भाग लेती है। अर्थात अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से चुनाव में भाग लेती है और अपने प्रतिनिधि को चुनती है ।जैसे -राष्ट्रपति का चुनाव।

6. लोकतांत्रिक सरकार की विशेषताएं लिखें ?

उत्तर – लोकतान्त्रिक सरकार की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं –

1. लोगों द्वारा चुने गए सदस्य ही शासन की बागडोर संभालते है और जनता के हितों को देखते हुए प्रमुख फैसले लेते है।
2. लोकतंत्र में चुनाव स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से जनता द्वारा किए जाते हैं ।जनता जब चाहे तब सत्ताधारी सरकार को अपना पद छोड़ने के लिए विवश कर सकती है।
3. भारत की नागरिक को सार्वभौमिक मताधिकार प्राप्त है । जिसके अनुसार भारत का नागरिक जिसकी उम्र 18 वर्ष से अधिक है वोट देकर के अपने प्रतिनिधि को चुनती है।
4. चुनी हुई सरकार देश के लिए कानूनों का निर्माण करती है।

7. लोकतांत्रिक सरकारें पारदर्शिता कैसे सुनिश्चित करती है?

उत्तर – लोकतांत्रिक सरकार निम्नलिखित आधार पर अपने पारदर्शिता सुनिश्चित करती है-

1. लोकतांत्रिक सरकार सुनिश्चित करती है की निर्णय लेना मानदंडों और प्रक्रियाओं पर आधारित होगा ।
2. वे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रत्येक नागरिक को निर्णय लेने में भाग लेने की अनुमति देता है।
3. नागरिक निर्णय लेने की प्रक्रिया की शुद्धता के बारे में जांच और पता लगा सकते हैं।
4. वे जनता के प्रति जवाबदेह हैं। उन्हें अगले आम चुनाव में सरकार बदलने का अधिकार है।
5. वे लोगों को अपने प्रतिनिधियों से जवाब मांगने और भ्रष्टाचार की संभावनाओं को कम करने की शक्ति प्रदान करते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. "व्यक्ति की गरिमा और आजादी के मामले में लोकतांत्रिक व्यवस्था किसी भी अन्य शासन प्रणाली से काफी आगे है " व्याख्या करें?

उत्तर - व्यक्ति की गरिमा आजादी के मामले में लोकतांत्रिक व्यवस्था किसी अन्य शासन प्रणाली से काफी आगे हैं इसके निम्नलिखित कारण है-:

1. **महिलाओं की गरिमा और आजादी का अधिकार-** समाज, पुरुष प्रधान समाज है । इसलिए उस ढांचे को परिवर्तित करना लोकतंत्र के लिए संभावना न था ।पर लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में महिलाओं के लिए समानता के व्यवहार के अवसर प्रदान किए है। विश्व के अधिकांश लोकतंत्र महिलाओं के साथ समानता का व्यवहार करते हैं। उन्हें सभी अधिकार प्रदान करते हैं और सभी अधिकारों का आधार वैध है । इसलिए पुरूष प्रधान समाज के विरुद्ध संघर्ष करना महिलाओं के लिए अच्छा हो गया है।
2. **भारत में जाति प्रथा-** भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था में कमजोर और भेदभाव का शिकार हुई जातियों के लोगों के समान दर्जे और समान अवसर के दावे को बल दिया है। परंतु फिर भी, जातिगत भेदभाव और देखने को मिलते हैं, पर इनके पक्ष में कानूनी या नैतिक बल नहीं होता है। संभवत इसी के चलते लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति लोग ज्यादा चौकस हैं ।अधिकांश लोग मानते हैं कि सरकार की चुनावी प्रक्रिया में उनके वोट से असर पड़ता है या उनके अपने हितों को भी प्रभावित करता है।
3. सभी राजनीतिक दलों को लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव में, चुनाव से पहले और चुनाव के बाद स्वतंत्र रूप से कार्य करने की आज्ञा दी जाती है।
4. लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी नागरिकों को भाषण देने और अपने विचार व्यक्त करने की पूर्ण स्वतंत्रता होती है।
5. लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी धर्मों के लोगों को सम्मान दिया जाता है।

2. किन्हीं चार परिणामों का उल्लेख करें जहां लोकतंत्र असफल रहा है?

उत्तर – लोकतंत्र की असफलता के कारण-:

1. **भ्रष्टाचार-** लोकतंत्र के सारे रिकॉर्ड यह दर्शाते हैं कि अधिकांश लोकतंत्र भ्रष्टाचार को दूर करने अथवा कम

करने में असफल रहे हैं। भारत जो कि विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है भ्रष्टाचार के मामले में वह भी असफल रहा है।

2. **लोगों की आवश्यकताओं की ओर कम ध्यान देना-** एक लोकतांत्रिक सरकार को लोगों की मांगों और जरूरतों की ओर ध्यान देना चाहिए परंतु दुर्भाग्यवश इस मामले में लोकतांत्रिक सरकारों का रिकॉर्ड प्रभावशाली नहीं है। लोकतांत्रिक संस्थाएं अक्सर लोगों को उनकी जरूरतों के लिए तरसती है और आबादी के एक बड़े हिस्से की मांगों की उपेक्षा करती है।

3. **आर्थिक विकास में कमी-** लोकतंत्र सरकार को सभी अन्य देशों से बेहतर माना जाता है। इसलिए इसे बेहतर आर्थिक समृद्धि और विकास की अपेक्षा की जाती है, पर दुर्भाग्यवश लोकतंत्र इस मामले में भी असफल रहा है। यदि हम पिछले वर्षों को देखें और लोकतांत्रिक और तानाशाही के कामकाज की तुलना करें, तो पाएंगे कि आर्थिक समृद्धि के मामले में तानाशाही का रिकॉर्ड बेहतर है।

4. **असमानता और गरीबी-** विश्व के अधिकांश देशों में समानता तथा गरीबी सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक समस्या है ।जैसा कि लोकतंत्र लोगों की सरकार है ।इसलिए इसे आर्थिक असमानता को कम करने की अपेक्षा की जाती है। विश्व के सभी लोकतंत्र इस मामले में असफल रहे हैं अधिकांश लोकतंत्र व्यवस्था में मुट्ठी भर धनकुबेर आए और संपत्ति में अपने अनुपात से बहुत ज्यादा हिसाब आते हैं। देश की कुल आय में उनका हिस्सा भी बढ़ता गया है। समाज के सबसे निचले हिस्से के लोगों को जीवन बसर करने के लिए काफी कम साधन मिलते हैं।

3. निर्णय लेने की प्रक्रिया में लोकतांत्रिक और गैर लोकतांत्रिक सरकारों के बीच क्या अंतर है?

उत्तर - निर्णय लेने की प्रक्रिया में लोकतांत्रिक और गैर लोकतांत्रिक सरकारों के बीच अंतर–

1. लोकतांत्रिक सरकार में निर्णय लेने की प्रक्रिया धीमी है।	गैर लोकतांत्रिक सरकार में निर्णय लेने की प्रक्रिया त्वरित होती है।
2. लोकतांत्रिक सरकारों को कुछ प्रक्रियाओं का पालन करना पड़ता है।	गैर लोकतांत्रिक सरकारें किसी निश्चित प्रक्रिया का पालन नहीं करती है।
3. लोकतांत्रिक सरकार विचार विमर्श और बातचीत पर कानूनों का निर्माण करती है।	गैर लोकतांत्रिक सरकार किसी भी तरह का विचार विमर्श या जनमत की परवाह नहीं करती है।
4. लोकतांत्रिक सरकार में कोई भी फैसला जल्द नहीं हो पाता है।	गैर लोकतांत्रिक सरकार में फैसलों का क्रियान्वयन तेजी से होता है।
5. लोकतांत्रिक सरकार भारत, अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देशों में है।	वहीं गैर लोकतांत्रिक सरकारें म्यानमार, चीन, पाकिस्तान जैसे देश में है।

Jharkhandlab.com

अध्याय - 8 लोकतंत्र की चुनौतियाँ

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. लोकतंत्र की सबसे बड़ी चुनौतियाँ क्या है?

A. खाद्यान्न की व्यवस्था करना
B. उच्च शिक्षा की व्यवस्था करना
C. लोकतंत्र को सशक्त बनाना
D. जनसंख्या पर नियंत्रण

उत्तर - C. लोकतंत्र को सशक्त बनाना

२. लोकतांत्रिक देशों में फैसले और निर्णय किसके द्वारा लिए जाते हैं ?

A. दबाव समूह द्वारा B. जनप्रतिनिधियों द्वारा
C. पदाधिकारियों द्वारा D. राजनीतिक दलों द्वारा

उत्तर - B. जनप्रतिनिधियों द्वारा

3. जनरल पिनोशे का संबंध किस देश से है ?

A. चीले B. मैक्सिको
C. पोलैंड D. अमेरिका

उत्तर - A. चीले

4. भारत में लोकतांत्रिक सरकार के कितने अंग है?

A. दो B. तीन
C. चार D. पाँच

उत्तर - B. तीन

5. लोकतंत्र किस को बढ़ावा नहीं देता है ?

A. समानता की भावना को B. राष्ट्रीय एकता को
C. विशेषाधिकार को D. धर्मनिरपेक्षता को

उत्तर - C. विशेषाधिकार को

6. एनक्रुमा कहां के राष्ट्रपति थे ?

A. घाना B. चीले
C. चीन D. पोलैंड

उत्तर - A. घाना

7. रंगभेद के खिलाफ नेलसन मंडेला द्वारा किस देश में आंदोलन चलाया गया था?

A. दक्षिण अफ्रीका B. बोलिविया
C. युगोस्लाविया D. अमेरिका

उत्तर - A. दक्षिण अफ्रीका

8. किस देश में लिट्टे नामक आतंकवादी संगठन का गठन किया गया था?

A. नेपाल B. पाकिस्तान
C. श्रीलंका D. म्यांमार

उत्तर - C. श्रीलंका

9. चीन में कौन सी शासन प्रणाली है?

A. साम्यवाद B. लोकतंत्र
C. राजतंत्र D. सैनिकतंत्र

उत्तर - A. साम्यवाद

10. चुनाव का खर्च किसे वाहन करना चाहिए?

A. दबाव समूह को B. राजनीतिक दल को
C. सरकार को D. हित समूह को

उत्तर - C. सरकार को

11. इनमें से कौन सा देश गैर लोकतांत्रिक देश है?

A. भारत B. इंग्लैंड
C. नेपाल D. म्यानमार

उत्तर - D. म्यानमार

12. इनमें से किस देश में महिलाओं को वोट देने का अधिकार नहीं है?

A. भारत B. अमेरिका
C. इंग्लैंड D. सऊदी अरब

उत्तर - D. सऊदी अरब

13. चुनौतियाँ से लोकतांत्रिक व्यवस्था कैसी होती है?

A. कमजोर B. मजबूत
C. व्यवस्थित D. अव्यवस्थित

उत्तर - B. मजबूत

14. इनमें से किस देश में अप्रत्यक्ष लोकतंत्र है?

A. भारत B. अमेरिका
C. इंग्लैंड D. उपरोक्त सभी

उत्तर - D. उपरोक्त सभी

15. इनमें से कौन एक लोकतांत्रिक समस्या नहीं है?

A. क्षेत्रवाद B. आतंकवाद
C. तानाशाही D. राष्ट्रीय अखंडता

उत्तर - D. राष्ट्रीय अखंडता

16. इनमें से कौन विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है ?

A. फ्रांस B. भारत
C. अमेरिका D. इंग्लैंड

उत्तर - B. भारत

17. कौन सा कारक लोकतंत्र की चुनौती नहीं है?

A. देश प्रेम B. आतंकवाद
C. क्षेत्रवाद D. भ्रष्टाचार मुक्त

उत्तर - A. देश प्रेम

18. इनमें से कौन सा कदम लोकतांत्रिक सुधार का सूचक है?

A. शिक्षा B. सामाजिक समानता
C. पंचायती राज D. धर्मनिरपेक्षता

उत्तर - C. पंचायती राज

19. निम्नलिखित में से किस देश के समक्ष लोकतंत्र को माओवादियों की चुनौतियों का सामना करना पड़ा?

A. बांग्लादेश B. म्यानमार
C. श्रीलंका D. नेपाल

उत्तर - D. नेपाल

Jharkhandlab.com

20. वर्तमान में इनमें से किस देश में प्रत्यक्ष लोकतंत्र है?

A. स्विटजरलैंड B. जापान

C. अमेरिका D. फ्रांस

उत्तर – A. स्विटजरलैंड

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. चुनौती से आप क्या समझते हैं?

उत्तर - वैसी समस्या जो महत्वपूर्ण हो और जिससे छुटकारा पाया जा सकता है। जिसमें आगे बढ़ने के अवसर छुपे हों, उसे चुनौती कहते हैं।

2. अब्राहम लिंकन के द्वारा लोकतंत्र की क्या परिभाषा है ?

उत्तर - अब्राहम लिंकन के अनुसार लोकतंत्र "जनता का, जनता के लिए और जनता के द्वारा शासन व्यवस्था है।"

3. लोकतांत्रिक सुधार किसे कहते हैं ?

उत्तर – लोकतंत्र की विभिन्न चुनौतियों के बारे में दिए गए सभी सुझाव या प्रस्ताव लोकतांत्रिक सुधार कहे जाते हैं।

4. पाकिस्तान एक लोकतांत्रिक देश क्यों नहीं है? कारण बताएं?

उत्तर - पाकिस्तान में चुनाव अवश्य होते हैं परंतु सर्वोच्च सत्ता सेना के अधिकारियों के पास रहती है। लीगल फ्रेमवर्क ऑर्डर के अनुसार राष्ट्रपति जब चाहे राष्ट्रीय और प्रांतीय असेम्बली को भंग कर सकता है।

5. क्या सऊदी अरब एक प्रजातांत्रिक देश है ?कारण बताएं?

उत्तर - सऊदी अरब एक लोकतांत्रिक देश नहीं है क्योंकि सऊदी अरब के शाह, लोगों द्वारा शासक नहीं चुने जाते। वरन शाही परिवार में जन्म लेने के कारण उन्हें यह अधिकार वंशानुगत रूप में मिल जाता है। सऊदी अरब में महिलाओं को वोट देने का अधिकार भी नहीं है जो लोकतंत्र की समानता के नियमों की अवहेलना है।

6. क्या कानून बनाकर राजनीति को सुधारना ठीक है?

उत्तर - नहीं, केवल कानून बनाने से सुधार लाना लाभकारी नहीं है। कानून अवश्य सुधार कार्य में सहायक होते हैं। परंतु इसके साथ-साथ राजनीतिक दलों, आंदोलनों और जागरूक नागरिकों के प्रयत्न और सहयोग की भी आवश्यकता होती है।

7. क्या आप भारत को लोकतांत्रिक प्रशासन के योग्य समझते हैं?

उतर - भारत एक बड़ा देश है। जहां विभिन्न जाति समुदाय के लोग रहते हैं ।अतः सर्वसुरक्षा, सर्वहित के लिए भारत को लोकतांत्रिक होना चाहिए।

8. जनसामान्य ने की मूलभूत आवश्यकताएं क्या है?

उत्तर - भोजन, वस्त्र, आवास तथा शिक्षा जन सामान्य की मूलभूत आवश्यकताएं है।

9. जनता को राजनीतिक दल कैसे प्रभावित करते हैं?

उत्तर - विभिन्न प्रकार की जनहित योजनाएं एवं कार्यक्रम प्रस्तुत कर राजनीति दल जनता को प्रभावित करते हैं।

10. लोकतांत्रिक सुधारों के मुख्य बिंदु क्या होनी चाहिए?

उत्तर - लोकतांत्रिक सुधार के मुख्य बिंदु चुनौतियों का समाधान होना चाहिए।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. लोकतंत्र का प्रतिद्वंदी कौन है?

उत्तर – किसी क्षेत्र में सफलता प्राप्ति के लिए प्रतिद्वंदी उनका होना आवश्यक है ।लोकतंत्र एक विश्वव्यापी शासन प्रक्रिया है। पग-पग अनेक चुनौतियां जैसे आतंकवाद, क्षेत्रवाद, संप्रदायवाद, भाषावाद इत्यादि चुनौतियां प्रतिद्वंदी बनकर लोकतंत्र के सामने उपस्थित हो जाती है।

2. संप्रदायवाद लोकतंत्र के लिए एक बड़ी चुनौती है, कैसे?

उत्तर - संप्रदायवाद के कारण विभिन्न धर्मों के लोग परस्पर एक दूसरे के धर्म के प्रति द्वेष का भाव रखने लगते हैं ।जिसके परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को खतरा उत्पन्न हो जाता है। धार्मिक कट्टरता के परिणाम स्वरूप एक धर्म के लोग दूसरे धर्म के लोगों के साथ घृणा का भाव रखते है। यह स्थिति गृह युद्ध की स्थिति में तब्दील हो सकती है। अतः यह लोकतंत्र के लिए एक बड़ी चुनौती है।

3. लोकतंत्र की सफलता के लिए शिक्षा का प्रसार क्यों जरूरी है?

उत्तर – शिक्षा से लोगों के भीतर नई चेतना पैदा होती है। लोग अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक होते हैं। लोगों में यह जागरूकता सभी क्षेत्रों में दिखलाई पड़ती है, जैसे राजनीतिक क्षेत्र में। शिक्षित व्यक्ति अपने लिए योग्य प्रतिनिधि का चुनाव कर सकते हैं और शासन की प्रक्रिया में अपनी अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। शिक्षित व्यक्ति सत्ता पर आते हैं तो वे देश का संचालन सही तरीके से कर सकते हैं। लोगों के लिए सही निर्णय एवं कानूनों का निर्माण कर सकते हैं। देश को विकास के कगार पर आगे बढ़ा सकते हैं ।इसलिए लोकतंत्र की सफलता के लिए शिक्षा का प्रसार बहुत जरूरी है।

4. भारतीय लोकतंत्र में निरक्षरता का क्या प्रभाव है?

उत्तर – भारतीय लोकतंत्र में निरक्षरता का प्रभाव-:

1. अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के बारे में जागरूक नहीं हो पाते हैं।
2. अपने मतदान का सही उपयोग नहीं कर पाते हैं।
3. वे लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं विकास के लिए घातक है ।
4. वे सरकार की योजनाओं के बारे में न जानकर उसका लाभ नहीं ले पाते हैं।
5. देश के विकास कार्य में भागी नहीं होते हैं।
6. निरक्षरता के कारण गरीबी और पिछड़ापन जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

5. भारत में लोकतांत्रिक अधिकारों की चर्चा करें?

उत्तर - लोकतांत्रिक अधिकार का तात्पर्य उन व्यवस्थाओं से है जिनमें नागरिकों को शासन के कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होता है ।लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में अधिकारों का महत्व अधिक है। उनके प्रमुख लोकतांत्रिक अधिकार-:

1. मतदान का अधिकार
2. निर्वाचित होने का अधिकार
3. प्रार्थना पत्र देने का अधिकार
4. कानून के समक्ष समता का अधिकार
5. सरकार की आलोचना करने का अधिकार

6. लोकतंत्र को मजबूत करने में एक आम आदमी किस प्रकार की महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है? स्पष्ट करें?

उत्तर - विश्व के जिन देशों में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था है उसके सामने लोकतंत्र को मजबूत करना एक महत्वपूर्ण चुनौती है। इसमें लोकतांत्रिक संस्थाओं की कार्य पद्धति को सुधारना तथा मजबूत करना ताकि लोगों की भागीदारी और नियंत्रण में वृद्धि हो। कोई भी फैसला लेने की प्रक्रिया में अमीरों, बाहुबली,पूंजीपतियों या प्रभावशाली लोगों के नियंत्रण के प्रभाव को कम करने की जरूरत है। लोकतंत्र को मजबूत करने में चाहे अमीर हो या गरीब सभी व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण होती है । लोकतंत्र में एक व्यक्ति एक वोट की प्रणाली है, और एक व्यक्ति का वोट बहुत महत्वपूर्ण होता है। सरकार के निर्माण में सभी व्यक्तियों की भूमिका समान होती है।

jharkhandlabs.com

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. लोकतंत्र के समक्ष कौन-कौन सी चुनौतियां है?

उत्तर – लोकतंत्र के समक्ष चुनौतियां–:

1. **निरक्षरता–** अशिक्षित जनता कभी भी एक सशक्त लोकतंत्र बनाने में योगदान नहीं दे सकता है। यह समस्या देश के साथ आजादी के समय से है।
2. **गरीबी–** बढ़ती गरीबी की समस्या लोकतंत्र की सबसे बड़ी चुनौती है।आर्थिक विकास के लिए यह जरूरी है कि देश की जनता के बीच अमीरी और गरीबी की खाई कम से कम हो।
3. **संप्रदायिकता–** संप्रदायिकता एक ऐसी बाधा है,जिसके अनुसार समाज के कुछ लोग केवल अपने हितों को साधने के कारण लोकतंत्र की परवाह नहीं करते हैं । धार्मिक समुदाय के रूप में बंट जाते हैं।
4. **जातिवाद–** अनादि काल से भारत में जातिगत व्यवस्था रही है। जातिवाद के कारण तो समाज के लोग खुद को एक दूसरे से अलग मानते हैं और लोकतंत्र सशक्त नहीं हो पाता है।

   लोकतंत्र के समक्ष निरक्षरता, गरीबी, महिलाओं से भेदभाव, कट्टरता, जातिवाद, संप्रदायिकता आदि को खत्म करने की चुनौतियां है। गरीबी, स्वास्थ्य देखभाल, कम साक्षरता दर, अधिक जनसंख्या बेरोजगारी भारत के अधिकांश हिस्सों में व्याप्त है जो राष्ट्रीय प्रगति में बाधा है।भारतीय समाज में जाति और लैंगिक भेदभाव जारी है जिससे उन्नति और विकास धीमा हो रहा है।

2. लोकतंत्र की सफलता के लिए आवश्यक शर्तों का वर्णन करें?

उत्तर – लोकतंत्र की सफलता के लिए आवश्यक शर्त निम्नलिखित है –:

1. जनता में शिक्षा तथा जागरूकता लाकर एक लोकतंत्र को मजबूत बनाया जा सकता है। अतः जनता को जागरूक करने के लिए और शिक्षा के स्तर को बढ़ावा देने के लिए सरकार को विभिन्न अभियान चलाए जाने चाहिए।
2. आर्थिक तथा राजनीतिक समानता द्वारा भी श्रेष्ठ लोकतंत्र की नींव रखी जा सकती है।इसके लिए सभी तरह के नागरिकों को राजनीति में शामिल करने के लिए और राजनीतिक सिद्धांतों और निर्णय में पारदर्शिता लाई जा सकती है।
3. सामाजिक एकता और एकजुटता के द्वारा भी लोकतंत्र की सफलता प्राप्त की जा सकती है। इसमें सामाजिक एकता को बल दिया जा सकता है।जिससे सभी एक उद्देश्य के लिए कार्य करें।
4. स्वस्थ तथा जागरूकता राजनीतिक दल एक लोकतंत्र की सफलता के लिए बहुत ही आवश्यक है। इस तरह जागरूक राजनीतिक दल सकारात्मक रूप से अपनी जनता को भी जागरूक कर सकते हैं।
5. स्वतंत्र प्रेस तथा प्रचार के साधनों का प्रयोग करके भी लोकतंत्र की सफलता को सुनिश्चित किया जा सकता है।
6. शांति और व्यवस्था लोकतंत्र की सफलता के लिए बहुत जरूरी है।
7. अल्पसंख्यक समूह के हित में पर्याप्त महत्व देने की भी आवश्यकता है
8. लोकतांत्रिक अधिकार सिर्फ वोट देने, संगठन बनाने और चुनाव लड़ने तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि नागरिकों को कुछ सामाजिक तथा आर्थिक अधिकार मिलने चाहिए।

3. लोकतंत्र को अर्थपूर्ण बनाने के लिए नागरिकों को भली प्रकार अवगत होना और सामाजिक दृष्टि से उत्तरदायी होना क्यों आवश्यक है?

उत्तर - लोकतंत्र को अर्थपूर्ण बनाने के लिए नागरिकों को भली प्रकार अवगत होना और सामाजिक दृष्टि से उत्तरदायी होना बड़ा आवश्यक है इसके मुख्य कारण निम्नलिखित है–

1. **नागरिकों की प्रजातंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका–** लोकतंत्र जनता द्वारा निर्मित और लोगों के लिए शासन है। इससे स्पष्ट होता है कि लोकतंत्र में नागरिकों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है क्योंकि नागरिक ही देश के शासक का चुनाव करते हैं। इसलिए नागरिकों को उत्तरदायी सरकार का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी पड़ती है।
2. **मौलिक अधिकारों के संरक्षण–** लोकतंत्र के नागरिकों को मौलिक अधिकार दिया गया। ताकि लोकतंत्र में किसी के साथ भेदभाव ना हो। मौलिक अधिकारों के संरक्षण के लिए न्यायपालिका की भी व्यवस्था की गई है।
3. **एक स्वच्छ समाज का निर्माण–** समाज में विभिन्न बुराइयां है, जैसे दहेज प्रथा जाति प्रथा, स्त्रियों से दुर्व्यवहार इत्यादि। लोकतंत्र इससे ऊपर उठकर एक स्वस्थ समाज का निर्माण का उत्तरदायित्व अपने हाथों में लेता है क्योंकि देश का शासक बिना भेदभाव वाले कानूनों का निर्माणकर्ता होता है।

Jharkhandgyan.com

Jharkhandlab.com

अर्थशास्त्र
ECONOMICS

आर्थिक विकास की समझ

jharkhandlab.com

Jharkhandlab.com

अध्याय - 1 विकास

वस्तुनिष्ठ प्रश्न.-

1. सामान्यतः किसी देश का विकास किस आधार पर निर्धारित किया जा सकता है?

A. प्रति व्यक्ति आय B. औसत साक्षरता दर
C. लोगों की स्वास्थ्य स्थिति D. उपरोक्त सभी

उत्तर . **D.** उपरोक्त सभी

2. निम्नलिखित पड़ोसी देशों में से मानव विकास के लिहाज से किस देश की स्थिति भारत से बेहतर है है?

A. बांग्लादेश B. श्रीलंका
C. पाकिस्तान D. नेपाल नेपाल

उत्तर. B. श्रीलंका

3. मान लीजिए कि एक देश में 4 परिवार हैं? इन परिवारों की प्रति व्यक्ति आय 5000 रुपए हैं। अगर 3 परिवारों की आय क्रमशः 4000, 7000 और 3000 रुपए है तो चौथे परिवार की आय क्या है?

A. ₹ 7500 B. ₹ 3000
C. ₹ 2000 D. ₹ 6000

उत्तर . D. ₹ 6000

4. जिस देश की प्रति व्यक्ति आय अधिक होता है वह क्या कहलाता है?

A. विकसित देश B. विकासशील देश
C. अर्ध विकसित देश D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर. A. विकसित देश

5. भारत के किस राज्य की प्रति व्यक्ति आय कम है?

A. उड़ीसा उड़ीसा B. मध्य प्रदेश
C. बिहार D. केरल

उत्तर. C. बिहार

6. भारत में राष्ट्रीय आय का आकलन कौन करता है?

A. राष्ट्रीय प्रतिदर्श संगठन
B. केंद्रीय सांख्यिकी संगठन
C. राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान
D. इनमें से सभी

उत्तर . B. केंद्रीय सांख्यिकी संगठन

7. निम्न में से कौन हमारे रहन-सहन के स्तर को प्रभावित करता है?

A. स्वास्थ्य स्तर B. प्रति व्यक्ति आय
C. शैक्षिक स्तर D. जीवन प्रत्याशा

उत्तर. B. प्रति व्यक्ति आय

8. राष्ट्रीय आय के अंतर्गत क्या शामिल है?

A. वस्तुओं का मूल्य B. सेवाओं का मूल्य
C. वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य
D. इनमें सभी

उत्तर. C. वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य

9. निम्नलिखित पड़ोसी देशों में से मानव विकास के लिहाज से किस देश की स्थिति भारत से बेहतर है?

A. श्रीलंका B. पाकिस्तान
C. बांग्लादेश D. नेपाल

उत्तर. A. श्रीलंका

10. देश की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान होता है?

A. मानव क्रिया B. आर्थिक क्रिया
C. सामाजिक क्रिया D. उपरोक्त सभी

उत्तर. B. आर्थिक क्रिया

11. मानव विकास सूचकांक का संक्षिप्त नाम क्या है?

A. HDF B. HDI
C. HFC D. UNO

उत्तर. B. HDI

12. 1000 जीवित बच्चों में 1 वर्ष से कम आयु में मरने वाले बच्चों का अनुपात क्या कहलाता है?

A. जन्म दर B. मृत्यु दर
C. शिशु मृत्यु दर D. उपरोक्त सभी

उत्तर . C. शिशु मृत्यु दर

13. मानव विकास रिपोर्ट 2018 के अनुसार भारत में जन्म के समय संभावित आयु क्या थी?

A. 75.5 वर्ष वर्ष B. 68.8 वर्ष
C. 66.7 वर्ष D. 72.8 वर्ष

उत्तर. B. 68.8 वर्ष

14. मानव विकास रिपोर्ट 2018 के अनुसार भारत का मानव विकास रैंकिंग क्या है?

A. 76 B. 130
C. 148 D. 149

उत्तर . B. 130

15. मानव विकास का मुख्य उद्देश्य क्या है?

A. सामाजिक विकास B. जीवन स्तर में सुधार
C. आय में वृद्धि D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर. B. जीवन स्तर में सुधार

Jharkhandlab.com

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न1. विकास से क्या समझते हैं?

उत्तर. विकास एक निरंतर चलने वाली गतिशील प्रक्रिया है, जो जीवन के हर क्षेत्र में उच्च स्तर स्थिति को प्राप्त करने का लक्ष्य रखते हैं। विकास प्रत्येक व्यक्ति के लिए अलग अलग हो सकती है। किसी के लिए लाभदायक हो सकती है तो किसी के लिए विनाशकारी भी हो सकती है।

प्रश्न 2. प्रति व्यक्ति आय या औसत आय क्या होती है?

उत्तर. जब कुल राष्ट्रीय आय को कुल जनसंख्या से भाग देने पर जो राशि प्राप्त होती है उसे प्रति व्यक्ति आय कहते हैं।

प्रश्न 3. शिशु मृत्यु दर क्या है?

उत्तर. किसी वर्ष में पैदा हुए 1000 जीवित बच्चों में से 1 वर्ष की आयु से पहले मर जाने वाले बच्चों का अनुपात दर्शाती है।

प्रश्न 4. साक्षरता दर से आप क्या समझते हैं?

उत्तर. 7 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में साक्षर जनसंख्या का अनुपात को साक्षरता दर कहते हैं। निवल उपस्थिति अनुपात 6 से 10 वर्ष की आयु के स्कूल जाने वाले कुछ बच्चों का उस आयु वर्ग के कुल बच्चों के साथ प्रतिशत उपस्थिति अनुपात कहलाता है।

प्रश्न 5. मानव विकास सूचकांक से क्या समझते हैं?

उत्तर . मानव विकास सूचकांक एक सांख्यिकी तरीका है,जिसका उपयोग किसी देश में रहने वाले लोगों के सामाजिक और आर्थिक विकास को मापने में किया जाता है। यह एक देश की शिक्षा, स्वास्थ्य, और जीवन की स्थिति को बताता है।

प्रश्न 6. पंजाब से अधिक केरल को क्यों अधिक विकसित मानते हैं?

उत्तर. पंजाब से अधिक केरल को विकसित इसलिए माना जाता है क्योंकि केरल में साक्षरता दर और हाजिरी अनुपात अधिक है ।इसके अतिरिक्त केरल में प्रति हजार के पीछे शिशु मृत्यु दर भी कम है।

प्रश्न 7. सार्वजनिक सुविधाएं क्या है?

उत्तर. सार्वजनिक सुविधाएं बड़े पैमाने पर समुदाय के लिए आवश्यक सुविधाएं हैं और सरकार द्वारा प्रदान की जाती है।

प्रश्न 8. सार्वजनिक सुविधाएं क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर. सार्वजनिक सुविधाएं इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह शिक्षा ,स्वास्थ्य, परिवहन आदि जैसी कई सेवाएं हैं जो सामूहिक रूप से प्रदान की जाने पर सस्ती और सस्ती हो गई है ।उदाहरण के लिए रेल, सरकारी स्कूल आदि।

प्रश्न 9. उत्पादन क्या है?

उतर. किसी वस्तु में आर्थिक उपयोगिता का सृजन करना उत्पादन कहलाता है। अर्थात श्रम, तकनीक, बौद्धिक प्रक्रिया, कौशल आदि द्वारा किसी वस्तु के मूल्य में वृद्धि कर उसे उपयोगी बनाने की प्रक्रिया को उत्पादन कहते हैं।

प्रश्न 10. मानव विकास का उद्देश्य क्या है?

उतर. मानव विकास का उद्देश्य ऐसी परिस्थितियों का विकास करना है जिसमें व्यक्ति शारीरिक, सामाजिक, मानसिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से स्थिति को प्राप्त कर सके। इसका उद्देश्य मानव को एक सम्मानजनक जीवन के पथ पर अग्रसर करना है।

प्रश्न 11. उपभोग से क्या समझते हैं?

उतर. उपभोग आय का वह भाग होता है जो विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए खर्च किया जाता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न1. विश्व बैंक विभिन्न वर्गों का वर्गीकरण करने के लिए किस प्रमुख मापदंड का प्रयोग करता है? इस मापदंड की ,अगर कोई है, तो सीमाएं क्या है?

उत्तर. विभिन्न देशों का वर्गीकरण आय के आधार पर विश्व बैंक करता है। विश्व बैंक के अनुसार जिस देश कि आय अधिक होती है वह विकसित माना जाता है। जिस देश की आय कम है वह अविकसित माना जाता है ऐसा माना जाता है कि अधिकाय मतलब है मनुष्य की जरूरतों को प्रचुर मात्रा में उपलब्ध किया जा सकता है। विश्व बैंक की विश्व विकास रिपोर्ट 2006 में देशों का वर्गीकरण करने में इस मापदंड का प्रयोग किया गया है। देश-विदेश जिनकी 2004 में प्रति व्यक्ति आय $10,066 प्रति वर्ष या उससे अधिक है समृद्ध देश है और वेद देश चीन की प्रति व्यक्ति आय $825 प्रति वर्ष या उससे कम है उन्हें निम्न आय देश कहा गया है।

भारत निम्न आय के देशों के वर्ग में आता है क्योंकि उसकी प्रति व्यक्ति आय 2004 में केवल $620 प्रति वर्ष थी।

सीमाएं-.

विभिन्न देशों का वर्गीकरण करने के लिए किसी देश की राष्ट्रीय आय को सीमाएं नहीं माना जा सकता है क्योंकि विभिन्न देशों की जनसंख्या अलग-अलग होती है। कुल आय की तुलना करने से यह पता नहीं चल पाता कि औसत व्यक्ति क्या कमा सकता है। इससे हमें विभिन्न देशों के लोगों की स्थितियों का भी पता नहीं चल पाता है।

प्रश्न 2. विकास मापने का यूएनडीपी का मापदंड किन पहलुओं में विश्व बैंक के मापदंड से अलग है?

उत्तर. विश्व बैंक का मापदंड सिर्फ आय पर आधारित है। आय के अलावा भी कई और मापदंड है जो विकास के लिए आवश्यक होता है क्योंकि मनुष्य केवल आय के बारे में नहीं सोचता था कि वह अपनी सुरक्षा दूसरों से आदर और व्यवहार, आजादी जैसे अन्य लक्ष्यों के बारे में सोचता है।

'यूएनडीपी द्वारा प्रकाशित मानव विकास सूचकांक में विकास के तीन प्रकार के मापदंड अपनाए हैं. -

(i) **लोगों का स्वास्थ्य**-मानव विकास का प्रमुख मापदंड लंबी दीर्घायु है। विभिन्न देशों के लोगों के जीवन प्रत्याशा जितनी अधिक होगी वह देश उतना ही अधिक विकसित माना जाएगा।

(ii) **शैक्षिक स्तर**. -जिस देश की शैक्षिक स्तर जितना अधिक होगा वह देश उतना विकसित माना

Jharkhandlab.com

जाता है और जिस देश की शैक्षिक स्तर कम है वह अल्पविकसित माना जाता है।

(iii). **प्रति व्यक्ति आय**-जिस देश की प्रति व्यक्ति आय अधिक होगी वह विकसित माना जाएगा क्योंकि आय अधिक होने से लोगों का जीवन स्तर ऊंचा होता है।

प्रश्न 3. प्रति व्यक्ति आय कम होने पर भी केरल का मानव विकास क्रमांक हरियाणा से ऊंचा है इसलिए प्रति व्यक्ति आय उपयोगी बिल्कुल नहीं है और राज्यों की तुलना के लिए इसका उपयोग नहीं करना चाहिए क्या आप सहमत हैं? चर्चा कीजिए?

उत्तर. - हरियाणा की तुलना में केरल में लोगों की आय कम है। तथापि हरियाणा की तुलना में केरल, स्वास्थ्य और शिक्षा दोनों के मामले में अधिक विकसित है।। इसलिए प्रति व्यक्ति आय कम होने के बावजूद राज्य में बेहतर विकास और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हैं।

इससे पता चलता है कि किसी भी क्षेत्र के समग्र विकास को मापने के लिए प्रति व्यक्ति आय अकेले उपयोगी नहीं है। प्रति व्यक्ति आय में सुधार, सुरक्षित, स्वास्थ और शैक्षिक सुविधाओं के लिए धन प्रदान करता है। लेकिन ऐसे बहुत से मामले हैं जहां लोग अच्छी संपत्ति होने के बावजूद स्वास्थ्य शिक्षा पर ध्यान नहीं देते हैं। उसी प्रकार से प्रति व्यक्ति आय माप के लिए एक उपयोगी मापदंड है लेकिन इसमें इन दोनों कारको्.स्वास्थ्य और शिक्षा को भी शामिल किया जाना चाहिए ।यूएनडीपी के अनुसार विकास को मापने के लिए तीन कारकों प्रति व्यक्ति आय, स्वास्थ्य और शिक्षा को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

प्रश्न 4. भारत के लोगों द्वारा ऊर्जा के किन स्रोतों का प्रयोग किया जाता है? ज्ञात कीजिए अब से 50 वर्ष पश्चात क्या संभावनाएं हो सकती हैं?

उत्तर. -भारत के लोगों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे वर्ष के वर्तमान स्रोत निम्नलिखित हैं. -

(i) **कोयला** - कोयले का प्रयोग ईंधन के रूप में तथा उद्योगों में कच्चे माल के रूप में किया जाता है। वाष्प इंजन जिसमें कोयले का प्रयोग होता है।

(ii) **खनिज तेल** - खनिज तेल का प्रयोग सड़क परिवहन, जहाजों, वायुयानों आदि में किया जाता है। तेल को परिष्कृत करके डीजल, मिट्टी का तेल, पेट्रोल आदि प्राप्त किए जाते हैं।

(iii) **प्राकृतिक गैस.** - प्राकृतिक गैस का भी अब शक्ति के साधन के रूप में बहुत प्रयोग किया जाने लगा है। गैस को पाइपों के सहारे दूर-दूर के स्थानों पर पहुंचाया जाता है। इससे अनेक औद्योगिक इकाइयां चल रही हैं।

(iv) **जल विद्युत** - यह ऊर्जा का नवीकरणीय संसाधन है। अब तक ज्ञात सभी संसाधनों में यह सबसे सस्ता है। इसका प्रयोग घरों, दफ्तरों तथा औद्योगिक इकाइयों में बड़े पैमाने पर किया जाता है।

(V) **ऊर्जा के अन्य स्रोत** - ऊर्जा के कुछ ऐसे स्रोत भी हैं जिनका प्रयोग अभी कुछ समय पूर्व से ही किया जाने लगा है। जैसे पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा, बायोगैस, भूतापीय ऊर्जा आदि।

ऊर्जा के अधिकांश परंपरागत साधनों का प्रयोग लंबे समय से हो रहा है। यह सभी स्रोत अनवीकरनीय है मतलब एक बार प्रयोग करने पर समाप्त हो जाते हैं। इनकी पुनः पूर्ति संभव नहीं है। आने वाले 50 वर्षों में यह संसाधन यदि इसी तरह इस्तेमाल किए जाते रहे तो यह जल्दी समाप्त हो जाएंगे। हमें इन संसाधनों को बचाना है तभी ऊर्जा के नए और नवीकरणीय संसाधनों को खोज कर उनका आधिकारिक प्रयोग करना होगा।

प्रश्न 5. धारणीयता का विषय विकास के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर विकास का मतलब केवल वर्तमान को खुशहाल बनाना ही नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर भविष्य बनाना भी है। धारणीयता का मतलब होता है ऐसा विकास करना जो आने वाले कई वर्षों तक सतत चलता रहे। यह तभी संभव होता है जब हम संसाधनों का दोहन करने के बजाय उनका विवेकपूर्ण इस्तेमाल करते हैं। पिछली सदी में दुनिया की तेजी से औद्योगिकीकरण से स्थाई विकास का मुद्दा उभरा है। यह महसूस किया जाता है कि बहुत आर्थिक विकास और औद्योगिकीकरण ने प्राकृतिक संसाधनों का बहुत शोषण किया है।

यदि हम उन्हें आर्थिक रूप से इस्तेमाल करते हैं तो विकास के लिए हमारे वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए धरती में पर्याप्त संसाधन हैं। लेकिन यदि हम तेजी से आर्थिक विकास के लालच में उनका प्रयोग करते हैं तो हमारी दुनिया एक विशाल बर्बाद भूमि बन सकते हैं।

प्रश्न 6. पर्यावरण में गिरावट के कुछ ऐसे उदाहरण की सूची बनाएं जो अपने आसपास देखे हों।

उत्तर. -कूड़े- कचरे और अवांछित गंदगी से जल, वायु और भूमि का दूषित होना पर्यावरण प्रदूषण कहलाता है। पर्यावरण में गिरावट के बहुत से उदाहरण है जिनमें से कुछ निम्नलिखित हैं-

(क) जल प्रदूषण - नदियों, झीलों और समुद्रों में बहाए गए कूड़े -कचरे औद्योगिक अपशिष्ट जल को प्रदूषित करते हैं। इससे जल में ऑक्सीजन की मात्रा कम होने से जलीय जीव मर जाते हैं। जहाजों से रिसनेवाले तेल से समुद्री जीवों को हानि होती है।

(ख) वायु प्रदूषण - कारखानों के धुंए तथा मोटर वाहनों के धुंए वायु को प्रदूषित करते हैं। इससे मानव स्वास्थ्य और वन्य जीवन दोनों को ही हानि होती है।

(ग) भूमि प्रदूषण - भूमि पर कारखानों द्वारा घरों या अन्य स्रोतों द्वारा कचरा आदि फेंकने से पर्यावरणीय समस्याएं उत्पन्न होती है। कृषि क्षेत्रों में अधिक उर्वरकों का प्रयोग करने से भूमि की उपजाऊ शक्ति खत्म होती है तथा यह उर्वरक भूमि को प्रदुषित करते हैं।

बढ़ती हुई जनसंख्या संसाधनों का दुरुपयोग अधिक मात्रा में पेड़ों को काटने के कारण पर्यावरण में गिरावट बहुत तेजी से हो रही है और इसके बहुत से उदाहरण हमारे आसपास है।

प्रश्न 7. दो वर्गों के विकास के लक्ष्य किस प्रकार परस्पर विरोधी हो सकते हैं?

उत्तर. -प्रत्येक व्यक्ति या समूह के विकास के लक्ष्य भिन्न-भिन्न हो सकते हैं और कई बार इनकी प्रकृति परस्पर विपरीत भी

Jharkhandlab.com

हो सकती है एक के लिए विकास का लक्ष्य दूसरे के लिए विनाश का कारण भी बन सकता है।

उदाहरण - नदी पर बांध बनाना, वहां के किसानों के विस्थापन का कारण बन सकता है तो वही एक बांध निर्माणकर्ता के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है इसलिए विकास और लक्ष्य प्रत्येक मनुष्य के लिए अलग हो सकता है।

कई बार इसके कारण विवाद भी उत्पन्न हो जाता है जो किसी देश या नागरिकों के लिए विनाशकारी सिद्ध हो सकता है।

प्रश्न 8. आय के अतिरिक्त और कौन से अन्य कारक हैं जो हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं?

उत्तर. -प्रत्येक व्यक्ति के लिए सिर्फ आय ही कारक नहीं हो सकता है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जिसका समाज में कई कारकों के द्वारा महत्वपूर्ण माना जाता है।

आय के अतिरिक्त बेहतर जीवन के लिए परिवार रोजगार, मित्रता, सुरक्षा व समानता की भावना, शांतिपूर्ण माहौल आदि भी महत्वपूर्ण है क्योंकि मुद्रा से केवल भौतिक वस्तुएं (भोजन, कपड़ा, गाड़ी) ही खरीदी जा सकती है।

प्रश्न 9. आर्थिक विकास के लिए साक्षरता की अनिवार्यता क्यों हैं?

उत्तर. -आर्थिक विकास के लिए साक्षरता की अनिवार्यता है-

(क) इससे ज्ञान व दक्षता प्राप्त होती है।
(ख) रोजगार का स्तर बढ़ता है।
(ग) नई तकनीकों के प्रयोग का स्तर बढ़ता है।
(घ) लोगों में स्वास्थ्य, पर्यावरण आदि के प्रति जागरूकता बढ़ती है।
(च) नए नए उद्योगों को स्थापित करने की क्षमता बढ़ती है।

प्रश्न 10. विकसित देश तथा विकासशील देश में क्या अंतर है?

उत्तर- विकसित तथा विकासशील देशों में निम्नलिखित अंतर है-

विकसित देश-

(क) नई तकनीक व विकसित उद्योग।
(ख) उच्च स्तरीय रहन-सहन।
(ग) उच्च प्रति व्यक्ति आय।
(घ) साक्षरता दर उच्च।
(च) लोगों की स्वास्थ्य स्थिति बेहतर (जन्म दर ,मृत्यु दर पर नियंत्रण)।

विकासशील देश. -

(क) औद्योगिक रूप से पिछड़े हुए क्षेत्र।
(ख) निम्न प्रति व्यक्ति आय।
(ग) साक्षरता दर में कमी।
(घ) सामान्य रहन-सहन।
(च) बेहतर स्वास्थ्य का अभाव (अधिक मृत्यु दर)।

प्रश्न 11. मानव विकास सूचकांक में भारत का क्या स्थान है?

उत्तर. -मानव विकास सूचकांक की गणना में भारत का 136 वां स्थान है।

प्रश्न 12.विकास की धारणीयता की क्या-क्या विशेषताएं हैं?

उत्तर. -विकास की धारणीयता की विशेषताएं-

(क) संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग।
(ख) नवीकरणीय संसाधनों का अधिकतम उपयोग।
(ग) वैकल्पिक संसाधनों को ढूंढने में मदद।
(घ) संसाधनों के पुनः उपयोग व चक्रीय प्रक्रिया को बढ़ावा।

प्रश्न 13.नवीकरणीय संसाधन तथा गैर नवीकरणीय संसाधन से क्या समझते हैं?

उत्तर. - नवीकरणीय संसाधन- भूमिगत जल नवीकरणीय संसाधन का उदाहरण है। फसल और पौधों की तरह इन साधनों की पुनः पूर्ति प्रकृति करती है लेकिन यहां भी हम इन साधनों का उचित उपयोग कर सकते हैं।

उदाहरण. -भूमिगत जल का यदि बरसात द्वारा हो रही पुनः पूर्ति से अधिक प्रयोग करते हैं तो हम इस साधन का अति उपयोग कर रहे होंगे।

गैर नवीकरणीय साधन-गैर नवीकरणीय साधन वह है जो कुछ ही वर्षों के प्रयोग के बाद समाप्त हो जाते हैं। इन संसाधनों का धरती पर एक निश्चित भंडार है और इनकी पुनः पूर्ति नहीं हो सकती।

उदाहरण. -कोयले का अति उपयोग करने से यह जल्द ही समाप्त हो जाएंगे। कोयले के पुन. चक्रण के लिए बहुत वर्षों का समय लग जाता है ।

प्रश्न 14.राष्ट्रीय विकास क्या है? राष्ट्रीय विकास के अंतर्गत किन पक्षों को लिया गया है ?

उतर राष्ट्रीय विकास का अर्थ है किसी देश के नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाएं, सामाजिक सुविधाएं, शिक्षा स्तर, प्रति व्यक्ति आय आदि में सुधार और विकास, जिन देशों में यह सभी चीजें जितनी अधिक विकसित होती हैं उसे विकसित देश कहा जाता है और जिनमें कम विकसित होता है तो उन्हें अल्पविकसित देश कहा जाता है।

इसके अंतर्गत विभिन्न पक्षों को लिया गया है-

(i) निजी विकास के अंतर्गत एक व्यक्ति के विकास पर जोर दिया जाता है जबकि राष्ट्रीय विकास के अंतर्गत सरकार यह निर्णय लेती है कि कौन सा मार्ग सही है।
(ii) राष्ट्रीय विकास के अंतर्गत हमें यह भी सोचना होगा कि क्या करने का कोई बेहतर तरीका है।
(iii) राष्ट्रीय विकास के अंतर्गत केवल उन्हीं कार्यक्रमों को लागू किया जाता है जिन से अधिकतम लोगों को लाभ होता है।
(iv) राष्ट्रीय विकास के अंतर्गत विचारों की भिन्नता तथा उनके समाधान के बारे में निर्णय लेना बहुत आवश्यक है।

Jharkhandlab.com

अध्याय - 2 भारतीय अर्थव्यवस्था का क्षेत्रक

वस्तुनिष्ठ प्रश्न:

1. भारतीय अर्थव्यवस्था को कितने क्षेत्रों में बांटा गया है:_

A. (1) B. (2)
C. (3) घ (4)

उत्तर- C. (3)

2. किस क्षेत्र में सर्वाधिक श्रमिक कार्यरत है?

A. तृतीयक B. द्वितीयक
C. प्राथमिक D. उपरोक्त सभी

उत्तर: C. प्राथमिक

3. छिपी हुई बेरोजगारी अधिकतर किस क्षेत्र में पाई जाती है:

A. कृषि क्षेत्र B. औद्योगिक क्षेत्र
C. सेवा क्षेत्र D. उपरोक्त सभी

उत्तर: A. कृषि क्षेत्र

4. कौन सी गतिविधि द्वितीय क्षेत्र से संबंधित है?

क . बैंक सेवाएं B. कपास की खेती
C. डेयरी D. भवनों का निर्माण

उत्तर: D. भवनों का निर्माण

5. अध्यापक वर्ग किस क्षेत्र से संबंधित है?

A. असंगठित B. तृतीयक
C. प्राथमिक D. द्वितीयक

उत्तर: B. तृतीयक

6. रोजगार गारंटी अधिनियम कब लागू किया गया?

A. .2005 B. 2004
C. 2003 D. 2006

उत्तर: A. 2005

7. किस कार्य क्षेत्र में श्रमिक कार्य सुरक्षा का आनंद उठाते हैं?

A. प्राथमिक B. संगठित
C. गैर संगठित D. उपरोक्त सभी

उत्तर: B. संगठित

8. इनमें से कौन सार्वजनिक क्षेत्र का उदाहरण है?

A. रेलवे B. बीएसएनल
C. डाकघर D. उपरोक्त सभी

उत्तर: D. उपरोक्त सभी

9. सार्वजनिक और निजी क्षेत्रक आधार पर विभाजित है?

A. रोजगार की शर्तों
B. आर्थिक गतिविधि के स्वभाव
C. उद्यमों का स्वामित्व
घ . उद्यम में नियोजित श्रमिकों की संख्या

उत्तर: C. उद्यमों के स्वामित्व

10 . एक वस्तु का अधिकांशत: प्राकृतिक प्रक्रिया से उत्पादन किस क्षेत्र की गतिविधि है?

A. प्राथमिक
B. द्वितीयक
C. तृतीयक
D. सूचना औद्योगिकी

उत्तर: A. प्राथमिक

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें:

1. कपास एक ..... उत्पाद है; और कपड़ा एक.....उत्पाद है (प्राकृतिक/विनिर्मित)

उत्तर: प्राकृतिक, विनिर्मित

2. एक वस्तु का अधिकांशत प्राकृतिक प्रक्रिया से उत् पादन.....क्षेत्र से गतिविधि है! (प्राथमिक, द्वितीयक)

उत्तर: प्राथमिक

3. क्षेत्र के अधिकांश श्रमिकों को रोजगार सुरक्षा प्राप्त होती है!(संगठित/असंगठित)

उत्तर: संगठित

5. प्राथमिक, द्वितीयक, और तृतीय क्षेत्र की गतिविधि यां..... है! (स्वतंत्र/परस्पर निर्भर)

उत्तर: परस्पर निर्भर

6. सेवा क्षेत्र में रोजगार में उत्पादन के समान अनुपात में वृद्धि.....! (हुई है, नहीं हुई है)!

उत्तर: नहीं हुई है!

7. भारत में..... संख्या में श्रमिक असंगठित क्षेत्र में काम कर रहे हैं! (बड़ी/छोटी)

उत्तर: बड़ी

8. क्षेत्र के श्रमिकों वस्तुओं का उत्पादन नहीं करते है! (तृतीयक/कृषि)

उत्तर: तृतीयक

Jharkhandlab.com

9. एक वस्तु का अधिकांशत प्राकृतिक प्रक्रिया से उत् पादन..... क्षेत्र की गतिविधि है! (प्राथमिक, द्वितीयक)

उत्तर: प्राथमिक

10. किसी विशेष वर्ष में उत्पादित..... के मूल्य के कुल योग फल को जीडीपी कहते हैं(सभी वस्तुओं और सेवाओं, सभी अंतिम वस्तु और सेवाओं)

उत्तर: सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं

11. द्वितीय क्षेत्र को..... क्षेत्रक भी कहा जाता है! (सेवा, औद्योगिक)

उत्तर: सेवा

लघु उत्तरीय प्रश्न:

1. प्राथमिक क्षेत्र किसे कहते हैं?

उत्तर: ऐसी गतिविधियां जहां प्रकृति द्वारा प्रदान की गई वस्तुओं को प्रयोग में लाया जाता है, तो उन्हें हम प्राथमिक क्षेत्र की गतिविधियां कहते हैं!

2. प्राथमिक क्षेत्र से संबंधित कुछ गतिविधियों के उदाहरण दें!

उत्तर: खनन, लकड़ी काटना, मछली पालन, कृषि, पशुपालन, डेयरी, इत्यादि।

3. द्वितीय क्षेत्र किसे कहते हैं?

उत्तर: ऐसी गतिविधियां जो कच्चा माल अथवा प्राकृतिक उत्पादों को उपयोगी वस्तुओं में बदल देती है ,उन्हें द्वितीय क्षेत्र की गतिविधियां कहा जाता है।

4. द्वितीय क्षेत्र से संबंधित कुछ गतिविधियों के उदाहरण दें।

उत्तर: चीनी बनाना, कागज बनाना, कपड़ा तैयार करना, ईट बनाना, भवन निर्माण इत्यादि।

5. तृतीय क्षेत्र किसे कहते हैं?

उत्तर: तृतीय क्षेत्र का संबंधवस्तुओं के उत्पादन से नहीं होता वरन् सेवाओं के निर्माण से होता है।

6. तृतीय क्षेत्र के कुछ उदाहरण लिखें।

उत्तर: वकालत, शिक्षक, डॉक्टर, बैंक, यातायात, संचार इत्यादि।

7. सकल घरेलू उत्पाद से क्या तात्पर्य है?

उत्तर: तीनों क्षेत्र को(प्राथमिक,द्वितीयक, और तृतीयक) के उत्पादों के योगफल को देश का सकल घरेलू उत्पाद कहा जाता है।

8. प्रच्छन्न बेरोजगारी किसे कहते हैं?

उत्तर: जब एक विशेष कार्य को करने के लिए आवश्यकता से अधिक लोग काम करते हैं, तो उनकी पूरी रोजी-रोटी नहीं चलती ऐसे में वह जिस बेरोजगारी का शिकार होते हैं ,उसे प्रच्छन्न बेरोजगारी कहते हैं।

9. बेरोजगारी किसे कहते हैं?

उत्तर: जब किसी व्यक्ति को उसकी योग्यता, क्षमता और इच्छा के अनुसार काम ना मिले तो उसे हम बेरोजगारी कहते हैं।

10. MNREGA (मनरेगा) का पूरा नाम लिखें।

उत्तर: महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम(Mahatma Gandhi National rural employment guarantee act)।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

1. मनरेगा (2005) के उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर: केंद्र सरकार(2005) इसवी ने भारत के 200 जिलों में काम का अधिकार लागू करने के लिए एक कानून बनाया, वही कानून मनरेगा कहलाया।

मनरेगा के निम्नलिखित उद्देश्य हैं जो इस प्रकार हैं:

क. इस अधिनियम के अंतर्गत उन सभी लोगों जो काम करने में सक्षम है ,और जिन्हें काम की जरूरत है उन लोगों को सरकार द्वारा वर्ष में 100 दिनों की रोजगार की गारंटी देना।

ख. प्रस्तावित रोजगार का एक तिहाई भाग महिलाओं के लिए आरक्षित करना।

ग. रोजगार नहीं उपलब्ध करा सकने में लोगों को बेरोजगारी भत्ता देना।

घ. गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की आय में वृद्धि कर उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाना।

च. भविष्य में भूमि से उत्पादन बढ़ाने वाले कामों को वरीयता देना।

ट. 5 किलोमीटर के दायरे में लोगों को काम उपलब्ध कराना।

प्रश्न 2. व्याख्या कीजिए कि किसी देश के आर्थिक विकास में सार्वजनिक क्षेत्र कैसे योगदान करता है?

उत्तर: किसी देश के आर्थिक विकास में सार्वजनिक क्षेत्र निम्न प्रकार से योगदान करता है:

1. यह बुनियादी संरचना के निर्माण एवं विस्तार द्वारा पूर्व आर्थिक विकास को प्रेरित करता है ,जिससे यह रोजगार के अवसर पैदा करता है।
2. यह विकास के लिए वित्तीय संसाधन जुटा ता है ,और उन संसाधनों का प्रयोग सार्वजनिक कार्यों में किया जाता है।
3. यह लोगों के बीच आय एवं संपत्ति की समानता लाता है अर्थात आय के असमान वितरण को दूर करता है।
4. लघु एवं कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहित करता है।
5. यह संतुलित क्षेत्रीय विकास को प्रोत्साहित करता है।
6. सस्ती दरों पर आसानी से वस्तुओं की उपलब्धता को सुनिश्चित करता है।
7. यह निजी एकाधिकार को नियंत्रित करके आम व्यक्ति को भी समान अवसर प्रदान करने में सहायक है।

Jharkhandlab.com

प्रश्न3. सार्वजनिक क्षेत्र की गतिविधियों के कुछ उदाहरण दीजिए और व्याख्या कीजिए कि सरकार द्वारा इन गतिविधियों का कार्यान्वयन क्यों किया जाता है?

उत्तर: यह गतिविधियां निम्न हो सकती है:

1. **रेलवे: सरकार द्वारा इसका कार्यान्वयन निम्न कारणों से किया जाता है:**

क. केवल सरकार ही उन सार्वजनिक परियोजनाओं पर बड़ी मात्रा में पैसा निवेश कर सकती है जिनसे निवेश की रकम वापस प्राप्त होने में काफी समय लगता है।

ख. सरकार परिवहन की सस्ती और आसान उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए इसका कार्यान्वयन करती है।

ग. यह योजना गत रूप में महत्वपूर्ण क्षेत्रों की उपकरण और संस्थाओं को पूरा करने के लिए किया जाता है।

2. **AIIMS (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान):** सरकार द्वारा इसके कार्यान्वयन का मुख्य उद्देश्य सस्ती दरों पर गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है।

4. **नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड:यहां तक कि वास्तविक लागत से कम लागत पर भी लोगों को बिजली प्रदान करना सरकार द्वारा इसके कार्यान्वयन का मुख्य उद्देश्य है ऐसा निजी क्षेत्र विशेषकर लघु उद्योगों को संरक्षण और प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से किया जाता है।**

4. असंगठित क्षेत्र में श्रमिकों का शोषण किया जाता है, क्या आप इस विचार से सहमत हैं ?अपने उत्तर के समर्थन में कारण दीजिए।

उत्तर: असंगठित क्षेत्र में श्रमिकों का शोषण किया जाता है ,इस बात से मैं सहमत हूं इसे निम्नलिखित तथ्यों से समझा जा सकता है जो इस प्रकार है:

क. यहां काम के निश्चित घंटे नहीं होते श्रमिकों को सामान्यता दिन में 10 से 12 घंटे काम करना पड़ता है उन्हें अतिरिक्त घंटे काम के लिए कोई भुगतान भी नहीं किया जाता है लोगों को दैनिक मजदूरी के अलावा कोई भत्ता नहीं मिलता है।

ख. श्रमिकों के संरक्षण के लिए बनाए गए सरकारी नियमों एवं विनियमों ओं का यहां पालन नहीं होता है।

ग. यहां रोजगार सुरक्षा भी नहीं होती है नियोक्ता द्वारा श्रमिकों को अकारण किसी भी समय काम छोड़ने के लिए कहा जा सकता है इससे वह किसी भी समय बेरोजगार हो सकते हैं

घ. श्रमिकों को मजदूरी भी कम मिलती है इससे क्षेत्र में श्रमिक सामान्यता अन्य अशिक्षित अनभिज्ञ एवं असंगठित होते हैं ।

ड़. क्षेत्रक में श्रमिकों का शोषण किया जाता है उन्हें नियोक्ता कम मजदूरी के लिए विवश करते हैं।

प्रश्न4. आर्थिक गतिविधियां रोजगार की परिस्थितियों के आधार पर कैसे वर्गीकृत की जाती है या संगठित और असंगठित क्षेत्र को कि रोजगार परिस्थितियों की तुलना करें।

उत्तर: संगठित क्षेत्र: संगठित क्षेत्र में वे उद्यम अथवा कार्यस्थल आते हैं जहां रोजगार की अवधि नियमित होती है, वह सभी उद्यम सरकार द्वारा पंजीकृत होते हैं, और उन्हें सरकारी नियम एवं विनियम का अनुपालन करना पड़ता है ।उदाहरण के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड।

असंगठित क्षेत्र: क्षेत्र के अंतर्गत वे छोटी-छोटी और बिक्री इकाइयां शामिल होते हैं जो अधिकांशत सरकारी नियंत्रण से बाहर होती है, यद्यपि इस क्षेत्र में नियम और विनियम तो होते हैं, परंतु उनका पालन नहीं होता है ।उदाहरण के लिए भूमिहीन खेतिहर मजदूर निर्माण व्यापार एवं परिवहन आदि में लगे अनियमित श्रमिक।

प्रश्न5. प्रच्छन्न बेरोजगारी से आप क्या समझते हैं? शहरी एवं ग्रामीणक्षेत्रों का उदाहरण देकर व्याख्या कीजिए।

उत्तर: प्रच्छन्न बेरोजगारी के अंतर्गत लोग नियोजित प्रतीत होते हैं, परंतु वास्तव में वह बेरोजगार होते हैं , इसके अंतर्गत किसी काम में लोग आवश्यकता से अधिक संख्या में लगे होते हैं, यदि कुछ लोगों को कार्य से हटा दिया जाए तो भी उत्पादन में कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

ग्रामीण क्षेत्रों मेंप्रच्छन्न बेरोजगारी:

इस प्रकार की बेरोजगारी प्राय:कृषि क्षेत्र में पाई जाती है उदाहरण के लिए 13 लोगों का एक परिवार के पास एक खेत योग्य भूखंड है जहां वे सभी काम करते हैं यदि इनमें से 7 लोग को हटा दिया जाए तो भी उत्पादन में कोई कमी नहीं होती है, इसलिए यह सातअतिरिक्त लोगएक प्रच्छन्न रूप से नियोजित होते हैं।

शहरी क्षेत्रों में प्रच्छन्न बेरोजगारी: इस प्रकार की बेरोजगारी शहरी क्षेत्रों में छोटे-मोटे दुकानों एवं व्यवसाय में लगे परिवार की स्थिति में भी पाई जाती है।

प्रश्न6. तृतीय क्षेत्र अन्य क्षेत्रसे भिन्न कैसे है ?सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

उत्तर: तृतीय क्षेत्र अन्य दो क्षेत्र से भिन्न है इसका कारण है कि अन्य दो क्षेत्रक वस्तुएं उत्पादित करते हैं जबकि यह क्षेत्र अपने आपवस्तु उत्पादित नहीं करता है, बल्कि इस क्षेत्रक में शामिल क्रियाएं प्राथमिक एवं द्वितीयक क्षेत्र को के विकास में सहायक होती है अर्थात यह क्रियाएं उत्पादन प्रक्रिया में मदद करती हैं उदाहरण के लिए परिवहन भंडारण संचार बैंकिंग बीमा एवं व्यापार क्रियाएं। जो वस्तुएं अन्य क्षेत्र को में उत्पादित की गई है उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के लिए ट्रैक्टर ट्रक या रेलगाड़ी की आवश्यकता होती है इन वस्तुओं को गोदाम या शीतगृह में भंडारण की भी आवश्यकता होती है इस संदर्भ में हमें कई लोगों से बातें भी करनी पड़ती हैं एवं बैंक से पैसा भी उधार लेना पड़ता है, इस प्रकार परिवहन भंडारण संचार एवं बैंकिंग प्राथमिक एवं द्वितीयक क्षेत्र के विकास में सहायक होता है, इसलिए यह क्षेत्र अन्य क्षेत्रसे अलग है और उत्पादन नहीं वरन सेवाओं का निर्माण करता है।

7. खुली बेरोजगारी और प्रच्छन्न बेरोजगारी में अंतर लिखें।

उत्तर: <u>खुली बेरोजगारी:</u>

1. इसके अंतर्गत वे लोग आते हैं जो काम करने के योग्य हैं लेकिन उन्हें काम नहीं मिलता है।
2. इस प्रकार की बेरोजगारी औद्योगिक क्षेत्रों में पाई जाती है।

3. इसके अंतर्गत एक भी व्यक्ति को काम उपलब्ध नहीं होता है।
4. इस प्रकार के बेरोजगार लोगों की गणना स्पष्ट रुप से की जा सकती है।
5. इस प्रकार की बेरोजगारी के अंतर्गत लोग पूर्णता बेरोजगार होते हैं

प्रच्छन्न बेरोजगारी:

1. इसके अंतर्गत वे लोग आते हैं जो काम तो कर रहे हैं लेकिन यदि उन्हें हटा दिया जाए तो भी उत्पादन में कोई कमी नहीं आती है।
2. प्रच्छन्न बेरोजगारी कृषि क्षेत्र में पाई जाती है।
3. इसके अंतर्गत किसी काम में लो आवश्यकता से अधिक संख्या में लगे होते हैं।
4. इस प्रकार के लोगों की गणना स्पष्ट रुप से नहीं की जा सकती है।
5. इसके अंतर्गत लोग नियोजित प्रतीत होते हैं लेकिन वास्तव में वह बेरोजगार होते हैं।

प्र8. शहरी क्षेत्रों में रोजगार में वृद्धि कैसे की जा सकती है?

उत्तरः शहरी क्षेत्रों में रोजगार में वृद्धि निम्न प्रकार से की जा सकती है:-

क. उत्पादन की श्रम कहां तकनीकों को अपनाया जाना चाहिए, अर्थात श्रम प्रधान उद्योगों को लगाया जाए।

ख. लघु एवं कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जिससे लोगों को अपने ही क्षेत्र में रोजगार मिल सके।

ग. हमारी शिक्षा प्रणाली को रोजगार उन्मुख बनाया जाना चाहिए। व्यवसायिक शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

ध. लक्षित रोजगार सृजन कार्यक्रम को पूर्ण लगन एवं ईमानदारी से लागू किया जाना चाहिए।

च. सरकार को चाहिए कि वह ऋण प्रशिक्षण विपणन जैसी सुविधाएं प्रदान कर स्वरोजगार को प्रोत्साहित करें।

ड़. विद्युत आपूर्ति कच्चे माल और यातायात से संबंधित समस्याओं को दूर किया जाना चाहिए, जिससे जो उद्योग क्षमता से कम उत्पादन कर रहे हैं, वे अपने उत्पादन पूर्ण क्षमता का उपयोग कर सकें।

प्रश्न9. सार्वजनिक क्षेत्र एवं निजी क्षेत्रक में अंतर लिखें।

उत्तरः **सार्वजनिक क्षेत्र:**

1. सार्वजनिक क्षेत्र की अधिकांश परिसंपत्तियों पर सरकार का स्वामित्व होता है, और सरकार ही सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराती हैं, जैसे भारतीय रेलवे या सेल इत्यादि।
2. सार्वजनिक क्षेत्र का उद्देश्य सामाजिक कल्याण में वृद्धि करना होता है।
3. सरकार समाज के लिए आवश्यक सार्वजनिक परियोजनाओं में बहुत अधिक पैसे निवेश करती है, जैसे सड़क पुल बंदरगाह आदि के निर्माण पर निवेश।
4. कई क्रियाओं को पूरा करना सरकार का प्राथमिक दायित्व होता है, जैसे शिक्षा स्वास्थ्य बिजली इत्यादि।

निजी क्षेत्र:

1. निजी क्षेत्र की परिसंपत्तियों पर स्वामित्व और सेवाओं के वितरण की जिम्मेदारी व्यक्ति या कंपनी के हाथों में होता है ।जैसे डाबर इंडिया लिमिटेड हीरो साइकिल्स लिमिटेड इत्यादि।
2. निजी क्षेत्र की गतिविधियों का उद्देश्य केवल लाभ अर्जित करना होता है।
3. निजी क्षेत्रअपने लाभ उद्देश्य के कारण ऐसे लंबी एवं बड़ी पूंजी वाली परियोजनाओं में निवेश नहीं करती है।
4. निजी क्षेत्र का ऐसा कोई दायित्व नहीं होता है यदि वह ऐसी सेवाएं प्रदान करता है तो इसके लिए काफी पैसा लेता है । जैसे प्राइवेट स्कूल , प्राइवेट अस्पताल इत्यादि।

प्रश्न10. मौसमी बेरोजगारी एवं छिपी हुई बेरोजगारी में अंतर लिखें।

उत्तरः **मौसमी बेरोजगारी:**

1. जब लोगों को वर्ष के कुछ महीनों में रोजगार उपलब्ध नहीं होता है ,तो उसे मौसमी बेरोजगारी कहते हैं
2. कृषि पर आश्रित लोग इस तरह की समस्या से जूझते हैं।
3. जब कृषि कार्य होता है जैसे बुवाई ,कटाईके समय काम मिलता है बाकी समय काम नहीं मिल पाता।

छिपी हुई बेरोजगारी:

1. किसी काम को करने के लिए 5 लोगों की आवश्यकता होती है लेकिन वहां 8 लोग काम करते हैं जो 3 लोग अतिरिक्त हैं ऐसी स्थिति को छिपी हुई बेरोजगारी कहा जाता है।
2. अतिरिक्त श्रमिकों के काम ना करने से उत्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।
3. ग्रामीण क्षेत्र में अन्य रोजगार उपलब्ध ना होने के कारण सभी लोग अपने खेतों पर काम करते हैं।

प्रश्न11. उत्पादन में तृतीय क्षेत्र का बढ़ता महत्व के बारे में वर्णन करें।

उत्तरः उत्पादन में तृतीय क्षेत्र का बढ़ता महत्व निम्नलिखित हैं:

1. सरकार द्वारा बुनियादी सेवाएं जैसे अस्पताल शिक्षा संस्थाएं डाक बैंक परिवहन बीमा को बढ़ावा देना।
2. कृषि एवं उद्योग के विकास में व्यापार परिवहन भंडार आदि क्षेत्र की भूमिका।
3. जैसे जैसे लोगों की आय बढ़ी लोगों ने विभिन्न प्रकार की सेवाओं का अधिक प्रयोग किया।
4. सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के आधार पर नवीन सेवाओं में तीव्र वृद्धि।
5. तृतीय क्षेत्र की जीडीपी मेंबढ़ती महत्वता।
6. लोगों का तृतीय क्षेत्र में हस्तांतरण।

प्रश्न12. अर्थव्यवस्था की संरचना से आप क्या समझते हैं इन्हें कितने भागों में बांटा गया है?

उत्तरः अर्थव्यवस्था की संरचना या ढांचा का अर्थ विभिन्न उत्पादन के क्षेत्रों में अर्थव्यवस्था के विभाजन से है किसी भी

jharkhandguru.com

अर्थव्यवस्था में विभिन्न प्रकार की आर्थिक क्रियाएं जैसे कृषि उद्योग परिवहन बैंकिंग आदेश संपादित होती है इन्हीं क्रियाओं के आधार पर भारतीय अर्थव्यवस्था को तीन भागों में विभाजित किया गया है:

क. प्राथमिक क्षेत्र: प्राथमिक क्षेत्र को कृषि क्षेत्र भी कहा जाता है इसके अंतर्गत कृषि ,पशु पालन ,मछली पालन ,जंगल से लकड़ी प्राप्त करना इत्यादि ।आर्थिक क्रियाएं आते हैं।

ख. द्वितीय क्षेत्र;-द्वितीय क्षेत्र को औद्योगिक क्षेत्र भी कहा जाता है इसके अंतर्गत उद्योग धंधे खनिज व्यवसाय निर्माण कार्य आदि आर्थिक क्रियाएं आते हैं।

ग. तृतीय क्षेत्र: तृतीय क्षेत्र को सेवा क्षेत्र भी कहा जाता है, इसके अंतर्गत बैंकिंग एवं बीमा परिवहन संचार एवं व्यापार आदि आर्थिक क्रियाएं आते हैं।

प्रश्न13. असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को निम्नलिखित मुद्दों पर संरक्षण की आवश्यकता है मजदूरी, सुरक्षा ,और स्वास्थ्य उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

उत्तर: असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को मजदूरी सुरक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर संरक्षण की काफी आवश्यकता है इसके निम्नलिखित कारण है जो इस प्रकार हैं: -

<u>मजदूरी:</u>

1. क्षेत्र के श्रमिकों से बंधुआ मजदूरों की तरह व्यवहार किया जाता है, उन्हें अतिरिक्त घंटे के लिए भुगतान के बिना ही दिन में 12 घंटे से भी अधिक काम करना पड़ता है, उन्हें दैनिक मजदूरी के अतिरिक्त कोई अन्य भत्ता नहीं दिया जाता है।
2. उन्हें रोजगार सुरक्षा प्राप्त नहीं होती है उन्हें अकारण किसी भी समय काम छोड़ने के लिए कहा जा सकता, है रोजगार में मजदूरी बहुत कम मिलती है।
3. वे ऋणग्रस्त होते हैं इसलिए वे कम मजदूरी लेने के लिए विवश होते हैं।

<u>सुरक्षा:</u>

चूकि वह सामान्यता एक खदान पटाखे जैसे कई जोखिम भरे उद्योगों से काम करते हैं इसलिए उन्हें संरक्षण की अति आवश्यकता है उपरोक्त कार्य में जान जाने का खतरा होता है इसलिए उनकी सुरक्षा को महत्व दिया जाना चाहिए।

<u>स्वास्थ्य:</u>

जैसा कि हम जानते हैं उन्हें बहुत कम मजदूरी मिलती है इसलिए वह पौष्टिक भोजन नहीं ले पाते हैं, परिणाम स्वरूप उनकी स्वास्थ्य स्थिति बहुत कमजोर होती है, इस प्रकार की स्थिति में उनकी औसत आयु घट जाती है। अतः उन्हें संरक्षण की सख्त आवश्यकता है।

प्रश्न14. आर्थिक गतिविधियों का प्राथमिक द्वितीय एवं तृतीय क्षेत्र में विभाजन की क्या उपयोगिता है ?व्याख्या कीजिए।

उत्तर: आर्थिक गतिविधियों का प्राथमिक द्वितीयक एवं तृतीय क्षेत्र में विभाजन की उपयोगिता है इसकी उपयोगिता को निम्नलिखित कारणों से स्पष्ट किया जा सकता है । जो इस प्रकार है:

1. भूमि और जल से संबंधित क्षेत्र: प्राथमिक क्षेत्र के अंतर्गत हुई गतिविधियां शामिल होती हैं जो प्राकृतिक संसाधनों के प्रत्यक्ष उपयोग पर आधारित होती है । उदाहरण के लिए धान गेहूं आदि की खेती।
2. विनिर्माण उद्योग से संबंधित क्षेत्र: द्वितीय क्षेत्र में हुई गतिविधियां शामिल होती हैं, जिसमें प्राकृतिक या प्राथमिक उत्पादों को विनिर्माण प्रक्रिया के माध्यम से अन्य रूपों में परिवर्तित किया जाता है।

उदाहरण के लिए कपास से कपड़ों का निर्माण।

सेवा कार्यों से जुड़ा क्षेत्रक: तृतीय क्षेत्र के अंतर्गत वे गतिविधियांशामिल होती हैं। जो प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रके विकास में मदद करती है। उदाहरण के लिए बैंकिंग, बीमा ,परिवहन आदि।

Jharkhandlab.com

अध्याय - 3 मुद्रा और साख

वस्तु निष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1: व्यापारिक बैंक के क्या कार्य हैं?

A. साख निर्माण B. ऋण देना
C. जमा स्वीकार करना D. उपरोक्त सभी

उत्तर: D. उपरोक्त सभी

प्रश्न 2: ऋण के अनियमित स्रोत कौन-कौन है?

A. व्यापारी तथा साहूकार
B. बैंक तथा संबंधी
C. साहूकार तथा बैंक
D. सहकारी संस्थाएं तथा बैंक

उत्तर: A. व्यापारी तथा साहूकार

प्रश्न 3: भारत के समस्त व्यापारिक बैंकों की कार्यप्रणाली के निरीक्षण का कार्य कौन करता है?

A. विश्व बैंक B. भारत सरकार
C. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया D. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

उत्तर: C. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया

प्रश्न4: करेंसी मुद्रा का कौन सा रूप है?

A. आधुनिक B. प्राचीन
C. आधुनिक तथा प्राचीन D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: A. आधुनिक

प्रश्न 5: मुद्रा में सम्मिलित होते हैं-

A. सिक्के, कागज के नोट तथा वस्तुएं और सेवाएं
B. कागज के नोट, सिक्के तथा मांग जमा पूंजी
C. कागज के नोट, चेक तथा बैंक जमा पूंजी
D. सावधि जमा पूंजी, कागज के नोट तथा संचार में मुद्रा

उत्तर: B. कागज के नोट, सिक्के तथा मांग जमा पूंजी

प्रश्न 6: कागज से बनी मुद्रा क्या कहलाती है?

A. पत्र मुद्रा B. मुद्रा
C. धातु मुद्रा D. साख मुद्रा

उत्तर: A. पत्र मुद्रा

प्रश्न 7: बैंकों की आय का प्रमुख स्रोत क्या है?

A. निकासी B. ऋण
C. जमा
D. उधार लेने तथा देने की दर में अंतर

उत्तर: B. ऋण

प्रश्न 8: स्वयं सहायता समूह में बचत और ऋण संबंधित अधिकतर निर्णय लिए जाते हैं -

A. बैंक द्वारा B. सदस्यों द्वारा
C. गैर सरकारी संस्था द्वारा D. नियोक्ता

उत्तर: B. सदस्यों द्वारा

प्रश्न 9: बैंक निम्नलिखित में से किस खाते पर अधिक ब्याज दर प्रदान करते हैं?

A. बचत खाता
B. करंट खाता
C. लंबी अवधि के लिए सावधि जमा
D. बहुत कम समय के लिए सावधि जमा

उत्तर: C. लंबी अवधि के लिए सावधि जमा

प्रश्न 10: किस सरकारी संगठन ने भारत में सरकार की ओर से मुद्रा नोट जारी कीए?

A. नीति आयोग B. राज्य सरकार
C. स्थानी सरकारें D. भारतीय रिजर्व बैंक

उत्तर: D. भारतीय रिजर्व बैंक

प्रश्न 11: वर्तमान में कागज के पैसे के अलावा किस रूप में धन का उपयोग बढ़ता जा रहा है?

A. वस्तु के पैसे B. धातु पैसे
C. प्लास्टिक मनी D. उपरोक्त सभी

उत्तर: C. प्लास्टिक मनी

प्रश्न 12: क्रेडिट साख इन में समझाते किसके बीच होता है?

A. ऋणदाता और उधार कर्ता
B. उपभोक्ता और निर्माता
C. सरकार और करदाता
D. उपरोक्त सभी

उत्तर: A. ऋण दाता और उधार कर्ता

प्रश्न 13: सिक्कों में प्रयोग से पहले निम्नलिखित में से कौन सी वस्तु का मुद्रा के रूप में प्रयोग किया जाता था?

A. अनाज B. मकान
C. खेत D. दुकान

उत्तर: A. अनाज

प्रश्न 14: अमीर परिवारों के लिए साख का कौन सा मुख्य स्रोत है?

A. अनौपचारिक क्षेत्र B. औपचारिक क्षेत्र
C. अनौपचारिक तथा औपचारिक क्षेत्र
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: B. औपचारिक क्षेत्र

jharkhandiab.com

प्रश्न 15: कुल जमा का वह हिस्सा जो एक बैंक अपने पास नकद में रखता है?

A. शून्य B. एक छोटा अनुपात
C. एक बड़ा अनुपात D. 100 प्रतिशत

उत्तर: B. एक छोटा अनुपात

प्रश्न 16: धन के आधुनिक रूप हैं।

A. मुद्रा B. प्लास्टिक मनी
C. डिमांड डिपॉजिट D. सभी

उत्तर: D. सभी

प्रश्न 17: भारत में मुद्रा जारी कौन करता है?

A. वाणिज्यिक बैंकों द्वारा B. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
C. राष्ट्रीय कृत बैंक D. भारतीय रिजर्व बैंक

उत्तर: D. भारतीय रिजर्व बैंक

प्रश्न 18: क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना कब हुई?

A. 1969 B. 1979
C. 1989 D. 1999

उत्तर: A. 1969

प्रश्न 19:निम्नलिखित में साहूकार उधार राशि पर ब्याज लेता है।

A. बहुत अधिक B. बहुत कम
C. सामान्य D. कुछ नहीं

उत्तर: A. बहुत अधिक

प्रश्न 20: बैंक किसे ऋण नहीं देते हैं?

A. छोटे किसानों को
B. हाशिये के किसानों को
C. उद्योगों को
D. बिना कोई उचित दस्तावेजों की

उत्तर: D. बिना कोई उचित दस्तावेजों की

प्रश्न 21:भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना कब हुई?

A. 5 अप्रैल 1935 B. 1 अप्रैल 1935
C. 15 अगस्त 1948 D. 20 नवंबर 1980

उत्तर: B. 1 अप्रैल 1935

प्रश्न 22: भारतीय रिजर्व बैंक के वर्तमान गवर्नर कौन है?

A. रघुराम राजन
B. शशिकांत दास
C. रघुराम राजन तथा शशिकांत दास
D. इनमें सभी

उत्तर: B. शशिकांत दास

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें

1: ..... परिवारों की ऋण अधिकांश जरूरतें अनौपचारिक स्रोतों से पूरी होती है।

2: ..... ऋण की लागत ऋण का बोझ पढ़ाती है।

3: .....केंद्रीय सरकार की ओर से करेंसी नोट जारी करता है।

4: बैंक.....पर देने वाले ब्याज से ऋण पर अधिक ब्याज लेते हैं।

उत्तर :

1: ग्रामीण 2: ऋणफंदा
3: भारतीय रिजर्व बैंक 4: जमा

अति लघु उत्तरीय प्रश्न-

प्रश्न1: मुद्रा की परिभाषा क्या है?

उतर: मुद्रा पैसे या धन के उस रूप को कहते हैं जिससे दैनिक जीवन में क्रय और विक्रय होती है। इसमें सिक्के और कागज के नोट दोनों आते हैं।

प्रश्न 2: ऋण से क्या समझते हैं?

उतर: आसान भाषा में ऋण का अर्थ है साख या क़र्ज़ जो कुछ शर्तो पर जरूरतमंद लोगों को दिया जाता है, ताकि वे अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकें।

प्रश्न 3: वस्तु विनिमय क्या है?

उतर: जब चीजों का लेनदेन बिना मुद्रा के प्रयोग से आपस में ही हो जाता है तो ऐसी व्यवस्था को वस्तु विनिमय कहा जाता है।

प्रश्न 4: साख से क्या समझते हैं?

उत्तर: साख एक ऐसा समझौता है जिसके तहत ऋण दाता उधार कर्ता को धनराशि वस्तु एवं सेवाएं इस आश्वासन पर उधार देता है कि वह भविष्य में उसका भुगतान कर देगा।

प्रश्न 5: चेक से आपका क्या तात्पर्य है?

उतर: चेक एक ऐसा कागज है जो जमाकर्ता के खाते से चेक पर किसी अन्य व्यक्ति को एक विशेष रकम का भुगतान करने का आदेश देता है।

प्रश्न 6: ऋण की शर्तों से क्या समझते हैं?

उतर: ब्याज दर, संपत्ति और कागजात की मांग भुगतान के तरीके आदि को मिलाकर इन शब्दों का नाम दिया जाता है।

प्रश्न 7: औपचारिक ऋण क्या है?

उतर: बैंकों और सहकारी समितियों से लिए गए ऋण औपचारिक ऋण कहलाते हैं।

Jharkhandlab.com

प्रश्न 8: अनौपचारिक ऋण किसे कहते हैं?

उतर: व्यापारियों, साहूकारों, मालिकों, रिश्तेदारों और मित्रों से लिए गए ऋण को अनौपचारिक ऋण कहते हैं।

प्रश्न 9: मुद्रा देश के कल्याण में मदद कैसे करती है?

उत्तर -चूंकी मुद्रा द्वारा किसी देश की राष्ट्रीय आय से प्रति व्यक्ति आय की माप होती है इस तरह मुद्रा कल्याण में मदद करती हैं।

प्रश्न 10: मुद्रा के दो दोषों को बतावे।

उत्तर- मुद्रा के दो प्रमुख दोष-

(i) मुद्रा के मूल्य में अस्थिरता।

(ii) प्रलोभन को बढ़ावा।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1: मुद्रा के दो प्रयोग बताएं।

उतर: मुद्रा के दो प्रयोग-

(i) मुद्रा का प्रयोग विभिन्न प्रकार की चीजें खरीदने और बेचने में किया जाता है।

(ii) मुद्रा का प्रयोग विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्राप्त करने में भी किया जा सकता है। जैसे: डॉक्टर की सलाह लेने में वकील की सलाह लेने आदि।

प्रश्न 2: उधारदाता उधार देते समय समर्थन ऋणाधार की मांग क्यों करता है?

उत्तर: उधार दाता ऋण के विरुद्ध सुरक्षा के रूप में समर्थक ऋणाधार की मांग करते हैं यदि कर्जदार उधार लौटा नहीं पाता तो उधार दाता को भुगतान प्राप्ति के लिए समर्थक ऋणाधार बेचने का अधिकार होता है।

प्रश्न 3: हमारे देश की एक बहुत बड़ी आबादी निर्धन है। क्या यह उनके कर्ज लेने की क्षमता को प्रभावित करती हैं?

उतर: निर्धनता कर्ज लेने की उनकी क्षमता को प्रभावित करती है। इसका कारण यह है कि कर्ज लेने के लिए लोगों को गारंटी रूप में समर्थक ऋणाधार देनी पड़ती है। निर्धनों के पास उन संपत्तियों का अभाव होता है जो कर्ज लेने के लिए आवश्यक मानी जाती है। इसके बिना उनको कर्ज मिलना कठिन होता है।

प्रश्न 4: मान लीजिए सलीम को व्यापारियों से ऑर्डर मिलते रहते हैं। 6 साल बाद उसकी स्थिति क्या होगी?

उतर: यदि सलीम को व्यापारियों से आर्डर मिलते रहते हैं तो वह अच्छा कमाएगा और 6 साल बाद बहुत बड़ा जुता निर्माता कंपनी के रूप में स्थापित हो जाएगा।

प्रश्न 5: ऋण के औपचारिक स्रोत क्या है?

उतर- ऋण के औपचारिक स्रोत:

(i) सरकार द्वारा नियंत्रित: इसके अंतर्गत ऋण के वे स्रोत शामिल होते हैं जो सरकार द्वारा पंजीकृत होते हैं। इन्हें सरकारी नियमों तथा विनियमो का पालन करना पड़ता है। जैसे: बैंक एवं सहकारी समितियां।

(ii) निरीक्षक उपलब्ध-भारतीय रिजर्व बैंक ऋण के औपचारिक स्रोतों के कामकाज पर नजर रखता है।

(iii) कम ब्याज दर: यह सामान्य ऋण के अनौपचारिक स्रोतों की अपेक्षा ब्याज दर कम लेते हैं।

(iv) यह कोई अनुचित शर्त नहीं लगाते हैं तथा इनका उद्देश्य लाभ के साथ-साथ सामाजिक कल्याण भी है।

प्रश्न 6: ऋण के अनौपचारिक स्रोत क्या है?

उतर- ऋण के निम्नलिखित अनौपचारिक स्रोत है-

(i) अनौपचारिक क्षेत्र में ऐसा कोई संगठन नहीं है जो ऋण दाताओं की ऋण क्रियाओं का निरीक्षण करता हो।

(ii) इसका एकमात्र उद्देश्य लाभ कमाना है इसमें सामाजिक कल्याण का कोई महत्व नहीं रहता है।

(iii) यह औपचारिक स्रोतों की अपेक्षा अधिक ब्याज लेते हैं।

(iv) यह ऊंची ब्याज दरों के अतिरिक्त अन्य कई कठोर शर्ते लगाते हैं।

(V) इसके अंतर्गत वे छोटी और छिट-पुट इकाइयां शामिल होती है जो सरकार के नियंत्रण से बाहर होती है।

प्रश्न 7: समर्थक ऋणाधार क्या है ?उदाहरण सहित बताएं।

उतर: उधार दाता, उधार प्राप्तकर्ता से समर्थक ऋणाधार के रूप में परिसंपत्तियों की मांग करता है जिन्हें बेचकर वह अपनी ऋण राशि की ऐसी वसूली कर सके। यह परिसंपत्तियां ही समर्थक ऋणाधार कहलाती है। उदाहरण: कृषि, भूमि, जेवर, मकान, पशुधन, बैंकआदि।

प्रश्न 8: केंद्रीय बैंक से क्या अभिप्राय है? हमारे देश के केंद्रीय बैंक का नाम लिखें।

उतर: देश की मौद्रिक व्यवस्था के शीर्ष पर स्थित बैंक को केंद्रीय बैंक कहा जाता है, इसका मुख्य कार्य देश की मौद्रिक नीतियों की रचना, संचालन, नियमन, निर्देशन और नियंत्रण होता है। हमारे देश के केंद्रीय बैंक का नाम -"रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया" है।

प्रश्न 9: व्यावसायिक अथवा व्यापारिक बैंक किसे कहते हैं?

उतर- व्यवसायिक बैंक वह संस्था है जो सिर्फ लाभ के उद्देश्य से मुद्रा के जमा, लेन-देन तथा ऋण की सेवाएं प्रदान करता है। इसके लिए वह जनता, फर्मों, तथा सरकार से जमा स्वीकार करता है। उनके आदेश पर भुगतान करता है। जमा का प्रयोग ऋण या निवेश के लिए करता है।

प्रश्न 10: प्लास्टिक मुद्रा क्या है?

उत्तर - यह मुद्रा का आधुनिकतम रूप है जिसके माध्यम से महानगरों में खरीदारी की जाती है अथवा ए.टी.एम से पैसे की निकासी की जाती है। इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि ढेर सारी कागजी मुद्रा ढोने की जरूरत नहीं पड़ती जरूरत के हिसाब से इसका प्रयोग कर भुगतान किया जा सकता है एवं वस्तुओं का क्रय किया जा सकता है। छोटे शहरों में भी इसका प्रचलन तेजी से बढ़ा है, (ATM) ए.टी.एम. कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि इसी के उदाहरण है।

Jharkhandlab.com

प्रश्न 11: वस्तु मुद्रा क्या है?

उत्तर - प्राचीनतम काल में जब आधुनिक मुद्रा अर्थात कागजी मुद्रा, धातु के मुद्रा का आगमन नहीं हुआ था तब पशुओं, खाद्यान्न इत्यादि को विनिमय का माध्यम बनाया जाता था जिसे वस्तु मुद्रा कहा जाता था।

प्रश्न 12: धात्विक मुद्रा से आप क्या समझते हैं?

उत्तर - वे मुद्राएं जिनके निर्माण के लिए विभिन्न प्रकार के धातु का प्रयोग किया जाता है धात्विक मुद्रा कहलाती है। प्राचीन काल में सोने एवं चांदी से बनी धात्विक मुद्रा का प्रचलन सबसे अधिक था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-

प्रश्न 1: जोखिम वाली परिस्थितियों में ऋण कर्जदार के लिए और समस्याएं खड़ी कर सकता है।स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: इस कथन में कोई भी अतिशयोक्ति नहीं कि अधिक जोखिम वाली परिस्थितियों में ऋण कर्जदार के लिए एक बड़ी समस्या बन सकता है। उदाहरण के लिए यदि कोई छोटा किसान स्वप्ना की भांति किसी साहूकार से कर्ज में धन लेता है ताकि वह खेती के खर्चों को पूरा कर सके, इस आशा में की फसल अच्छी हो जाने पर वह कर्ज भी उतार देगा और अपने लिए भी कुछ बचा लेगा परंतु यदि किसी कारण वर्षा के ना होने या वर्षा के अधिक होने के कारण या फिर कीड़े: मकोड़ों के कारण उसकी फसल खराब हो जाए या इसके विपरीत बहुत कम हो तो और कर्ज उतारने योग्य नहीं रहेगा। ऐसी अवस्था में उसका क़र्ज़ बढ़ता हुआ एक बड़ी रकम बन जाएगा, जिसे उसे चुकाना कठिन हो जाएगा। यदि अगले वर्ष फसल ठीक भी हो जाए तो उसके लिए पिछला सारा कर्ज चुकाना कठिन हो जाएगा क्योंकि उसे अपने निर्वाह के लिए भी कुछ रखना पड़ेगा ऐसे में कर्जदार को अपनी कुछ भूमि बेचनी पड़ सकती है जो उसकी आय को और कम कर देगी इसलिए यह ठीक ही कहा गया है कि अधिक जोखिम वाली परिस्थितियों में ऋण कर्जदार के लिए और समस्याएं पैदा कर सकता है।

प्रश्न 2: मुद्रा आवश्यकता के दोहरे संयोग की समस्या को किस तरह से सुलझाती है? अपनी ओर से उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर: जिस व्यक्ति के पास मुद्रा है, वह उसका विनिमय किसी भी वस्तु या सेवा खरीदने के लिए आसानी से कर सकता है। आवश्यकताओं का दोहरा संयोग विनिमय प्रणाली की एक अनिवार्य विशेषता है। जहां मुद्रा का उपयोग किए बिना वस्तुओं का विनिमय होता है। इसकी तुलना में ऐसी अर्थव्यवस्था जहां मुद्रा का प्रयोग होता, मुद्रा महत्वपूर्ण मध्यवर्ती भूमिका प्रदान करके आवश्यकताओं के दोहरे संयोग की जरूरत को खत्म कर देती है।

उदाहरण-जूता निर्माता के लिए जरूरी नहीं रह जाता कि वे ऐसे किसान को ढूंढे, जो न केवल उसके जूते खरीदे बल्किसाथ साथ उसको गेहूं भी बेचे। उसे केवल अपने जूते के लिए खरीददार ढूंढना है। एक बार उसने जूते, मुद्रा में बदल लिए तो बाजार में गेहूं या अन्य कोई वस्तु खरीद सकता है।

प्रश्न 3: अतिरिक्त मुद्रा वाले लोगों और जरूरतमंद लोगों के बीच बैंक किस तरह मध्यस्थता करते हैं?

उत्तर: अतिरिक्त मुद्रा वाले व्यक्ति अपनी मुद्रा को बैंकों में अपने नाम से खाता खोलकर कर जमा कर देते हैं। बैंक में निक्षेप स्वीकार करते हैं और इस पर छूट भी देते हैं। इस तरह लोगों की मुद्रा बैंकों के पास सुरक्षित रहती है और इस पर छूट भी मिलता है। लोगों को इसमें से जब चाहे मुद्रा निकालने की सुविधा भी प्रदान की जाती है। बैंक जमा राशि का केवल 15% हिस्सा नकद के रूप में अपने पास रखते हैं। बैंक जमा राशि के प्रमुख भाग को कर्ज देने के लिए इस्तेमाल करते हैं। विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के लिए कर्ज की बहुत मांग रहती है। बैंक लोगों को कर्ज देता है और उन पर ब्याज लगाता है। इस प्रकार बैंक दो गुटों के बीच मध्यस्थता का काम करते हैं।

प्रश्न 4: ₹ 10 के नोट को देखिए। उसके ऊपर क्या लिखा है? क्या आप इस कथन की व्याख्या कर सकते हैं।

उत्तर: यदि ₹ 10 के नोट को देखे तो उसके ऊपर यहस्पष्ट लिखा होता है भारतीय रिजर्व बैंक केंद्रीय सरकार द्वारा प्रत्याभूत "मैं धारक को ₹10 अदा करने का वचन देता हूं"। इस कथन का तात्पर्य यह है कि भारतीय रिजर्व बैंक को भारत में केंद्रीय सरकार की ओर से करेंसी नोट जारी करने का अधिकार है। इस पर भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के हस्ताक्षर होते हैं।

करेंसी केंद्रीय सरकार द्वारा प्रत्याभूत है अर्थात भारतीय कानून भुगतान के माध्यम के रूप में ₹10 के प्रयोग को वैध बनाता है जिसे भारत में लेनदेन की व्यवस्था पनो में इंकार नहीं किया जा सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक ₹10 के नोट के धारक प्रत्येक परिस्थिति में ₹10 देने का वायदा करता है। इससे लोगों में विश्वसनीयता पैदा होती है।

प्रश्न 5: हमें भारत में ऋण के औपचारिक स्रोतों को बढ़ाने की क्यों जरूरत है?

उत्तर: हमें भारत में ऋण के औपचारिक स्रोतों को कई कारणों से बढ़ाने की जरूरत है-

(i) ब्याज दर नियंत्रित करने के लिए : औपचारिक ऋण दाताओं की तुलना में अधिकांश अनौपचारिक ऋण दाता ऋणों पर अधिक ऊंची ब्याज मांगते हैं।

(ii) शर्त मुक्त ऋण : ऊंची ब्याज दर के अतिरिक्त, अनौपचारिक ऋणदाता ऋण पर कई अन्य कठिन शर्त भी लगाते हैं।

(iii) व्यावहारिक परिवर्तन : अनौपचारिक ऋणदाता कर्जदारों से अच्छी तरह व्यवहार नहीं करते हैं। दूसरी ओर औपचारिक क्षेत्र में ऐसी कोई स्थिति नहीं होती है।

(iv) ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए : भारत में ऋण के औपचारिक स्रोत आज भी ग्रामीण लोगों की कुल ऋण आवश्यकताओं का केवल 50% ही पूरा करते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि ऋण के औपचारिक स्रोतों का विशेषकर गांव में विस्तार किया जाए। इससे ऋण के अनौपचारिक स्रोतों पर निर्भरता कम होगी।

jharkhandlab.com

प्रश्न 6: गरीबों के लिए स्वयं सहायता समूह के संगठनों के पीछे मूल विचार क्या है? अपने शब्दों में व्याख्या करें।

उतरः गरीबों के लिए स्वयं सहायता समूह के संगठनों के पीछे मूल विचार ग्रामीण गरीब, विशेषकर महिलाओं को स्वयं सहायता समूह में संगठित करने और उनकी बचतों को एकत्रित करना है। इसके पीछे निम्न उद्देश्य है-

(i) ग्रामीण गरीबों, विशेषकर महिलाओं को छोटेस्वयं सहायता समूह में संगठित करना और उनको लाभ पहुंचाना।

(ii) अपने सदस्यों की बचते एकत्रित करना और फिर उनके लिए ही उनका इस्तेमाल करना।

(iii) समर्थक ऋणाधार के बिना ऋण प्रदान करना अर्थात शर्त मुक्त ऋण उपलब्ध कराना।

(iv) विविध उद्देश्यों के लिए उचित समय पर ऋण प्रदान करना।

(V) उचित ब्याज दर पर ऋण प्रदान करना भी इस समूह की विशेषता है।

(Vi) शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, घरेलू मारपीट जैसे कई सामाजिक मुद्दों पर चर्चा और कार्यवाही का एक मंच प्रदान करना और उसको मजबूती प्रदान करना।

प्रश्न 7: क्या कारण है कि बैंक कुछ कर्जदारों को कर्ज देने के लिए तैयार नहीं होते हैं?

उतरः बैंक कुछ कर्जदारों को निम्नलिखित कारणों से कर्ज देने के लिए तैयार नहीं होते-

(i) बैंक उन गरीबों को ऋण देना नहीं चाहते जिनके पास समर्थक ऋणाधार नहीं होते हैं। बैंक ऋण के लिए उचित कागजात और ऋणों के विरुद्ध गारंटी के रूप में समर्थक ऋणाधार की आवश्यकता है। इसका कारण है कि बैंक ऋणियों को व्यक्तिगत रुप से नहीं जानते। यदि ऋणी ऋण नहीं चुका पाता है तो ऋण दाता को भुगतान प्राप्त करने के लिए समर्थक ऋणाधार को बेचने का अधिकार होता है।

(ii) जिनकर्जदारों ने अपने पुराने कर्ज का भुगतान नहीं किया है, बैंक उन्हें पुनः कर्ज देने के लिए तैयार नहीं होते।

(iii) बैंक उन उद्यमियों को कर्ज देने के लिए तैयार नहीं होते जो अधिक जोखिम वाले व्यवसाय में निवेश करना चाहते हैं।

(iv) बैंक का मुख्य उद्देश अधिक लाभ कमाना होता है। उसे भी अन्य कंपनियों की तरह निगम पर, शेयरधारकों को लाभांश, कर्मचारियों को वेतन और अन्य खर्चों लोगों पर भुगतान करना पड़ता है। इस उद्देश्य के लिए उन्हें न्याय संगत ऋण एवं निवेश संबंधी नीतियां बनानी पड़ती हैं जो निधियों पर पर्याप्त और स्थाई प्रतिफल सुनिश्चित करती है।

प्रश्न 8: भारतीय रिजर्व बैंक अन्य बैंकों की गतिविधियों पर किस तरह नजर रखता है यह जरूरी क्यों है?

उतरः रिजर्व बैंक ने बैंकों की आर्थिक गतिविधियों पर निम्नलिखित तरीके से नजर रखता है-

(i) हर बैंक अपने पास जमा पूंजी की एक न्यूनतम राशि रखता है। रिजर्व बैंक इस बात का ध्यान रखता है कि प्रत्येक बैंक ने वह न्यूनतम राशि अपने पास रखती है या नहीं।

(ii) रिजर्व बैंक इस बात पर भी नजर रखता है कि बैंक केवल लाभ कमाने वाली इकाइयों और व्यापारियों को ही तो ऋण नहीं दे रहे हैं, बल्कि वे छोटे किसानों, छोटे उद्योग चलाने वालों और छोटे ऋण प्राप्त करने वालों को भी ऋण दें ताकि जनसाधारण का कल्याण हो सके।

(iii) रिजर्व बैंक विभिन्न बैंकों से यह भी निरंतर जानकारी प्राप्त करता रहता है कि वह किन किन को कर्ज दे रहे हैं और यह किस दर से दे रहे हैं।यह किसी के साथअन्याय न कर सकें और कोईठगा नजाए।

प्रश्न 9: विकास में ऋण की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

उतरः विकास में ऋण की भूमिका निम्नलिखित है-

(i) ऋण सामान्य रूप से दो स्रोतों से उपलब्ध होता है यह औपचारिक स्रोतों और अनौपचारिक स्रोत हो सकते हैं।

(ii) औपचारिक और अनौपचारिक उधार दाताओं के बीच ऋण की शर्ते काफी हद तक भिन्न होती हैं। वर्तमान में अमीर परिवार हैं जो औपचारिक स्रोतों से ऋण प्राप्त करते हैं जबकि गरीबों को अनौपचारिक स्रोतों पर निर्भर होना पड़ता है। यह अनिवार्य की औपचारिक क्षेत्र के कुल ऋण में वृद्धि हो, ताकि महंगे अनौपचारिक ऋण पर से निर्भरता कम हो। साथ ही बैंकों और सहकारी समितियों इत्यादि से गरीबों को मिलने वाले औपचारिक ऋण का हिस्सा बढ़ाना चाहिए।

(iii) प्रचलित स्थितियों में यदि गरीब लोगों को सही और उचित शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराया जा सकता है, तो लाखों छोटे लोग अपनी लाखों छोटी-छोटी गतिविधियों के जरिए विकास का सबसे बड़ा चमत्कार कर सकते हैं।

प्रश्न 10: मानव को एक छोटा व्यवसाय करने के लिए ऋण की जरूरत है। मानव किस आधार पर यह निश्चित करेगा कि उसे यह ऋण बैंक से लेना चाहिए यासाहूकार से? चर्चा कीजिए।

उतरः मानव निम्नलिखित आधार में निश्चित करेगा कि उसे ऋण बैंक से लेना चाहिए या साहूकार से-

(i) ब्याज की दर : किसकी ब्याज दर कम है साहूकार की या बैंक की। मानव को कम ब्याज दर पर ऋण लेना पड़ता है ताकि उसकी आय में ज्यादा कमी ना आए और वह आसानी से ऋण उतार सके।

(ii) कम ऋणाधारः जो स्रोत कम ऋणाधार की मांग करें उस से ऋण लेना चाहिए।

(iii) भुगतान की शर्तें: मानव भुगतान की शर्तों की भी जांच करेगा और जिस स्रोत की शर्ते आसान होंगी उसी से ऋण लेगा। उदाहरणके लिएआजकल आवास ऋण का भुगतान 20 से 25 वर्ष में भी किया जा सकता है

jharkhandlab.com

इससे ऋण की किस्त कम हो जाती है और ऋण दाता आसानी से भुगतान करता रहता है।

प्रश्न 11: कौन से कारण है जो पाठ में वर्णित स्वप्ना की स्थिति को जोखिम भरा बनाते हैं? निम्नलिखित कारकों की चर्चा करें।

उतर- फसलों पर कीटों का प्रभाव, साहूकारों द्वारा शोषण और मानसून का अभाव ही वे कारण हैजो स्वप्ना की स्थिति को जोखिम भरा बनाते हैं। यह कारक स्वप्ना की स्थिति को निम्नलिखित प्रकार से जोखिम भरा बनाते हैं:

(i) कीटनाशक दवाइयां: फसल पर कीटों के प्रभाव को कीटनाशक दवाइयों द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है और जो पूंजी की उपलब्धता पर निर्भर था।

(ii) साहूकारों की भूमिका: साहूकार किसानों को ऊंची दर पर ऋण उपलब्ध करवाते हैं जिसके कारण ऋण चुकाना कठिन होता है।

(iii) मौसम: हमारी कृषि भूमि क्षेत्र का लगभग 60% भाग अभी भीअसिंचित हैं। हमारे किसान वर्षा पर अत्यधिक निर्भर रहते हैं इसलिए मौसम कृषि में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। कृत्रिम सिंचाई के बिना फसल उत्पादन जोखिम भरा कार्य होता है।

प्रश्न 12: बांग्लादेश के ग्रामीण बैंक पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उत्तर: बांग्लादेश ग्रामीण बैंक का 1970 में छोटे पैमाने पर प्रारंभ हुआ था। वर्तमान में इस बैंकके 60 लाख क़र्ज़ दारहैं जो बांग्लादेश के लगभग 40000 गांव में फैले हुए हैं। इससे ऋण लेने वाले में अधिकांश महिलाएं हैं जिनका संबंध समाज के निर्धन वर्ग से है इन कर्जदारों ने यह सिद्ध कर दिया है कि निर्धन महिलाएं केवल विश्वस्त कर्जदार ही नहीं, वरन छोटी आय वाली विभिन्न प्रकार की आर्थिक गतिविधियों को चलाने में भी सक्षम है। बांग्लादेश ग्रामीण बैंक उचित ब्याज दरों पर निर्धन परिवारों की ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने का एक अभूतपूर्व उदाहरण है। इस बैंक के संस्थापक प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस है जिन्हें 2006 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इनके अनुसार यदि निर्धन व्यक्तियों को सही और उचित शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराया जाए तो लाखों छोटे लोग अपनी छोटी-छोटी गतिविधियों द्वारा विकास का महान चमत्कार कर सकते हैं।

jharkhandlab.com

अध्याय - 4 वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. निम्न में से किस को वैश्वीकरण में सबसे कम लाभ हुआ है?

A. कृषि क्षेत्र B. सेवा क्षेत्र
C. द्वितीय क्षेत्र D. उद्योग

उत्तर: A. कृषि क्षेत्र

2. घरेलू अर्थव्यवस्था और विश्व अर्थव्यवस्था को जोड़ना कहलाता है:

A. वैश्वीकरण B. राष्ट्रीयकरण
C. उदारीकरण D. निजीकरण

उत्तर: A. वैश्वीकरण

3. वैश्वीकरण ने जीवन स्तर के सुधार में सहायता पहुंचाई है:

A. सभी लोगों को
B. विकसित देश के लोगों को
C. विकासशील देशों के श्रमिकों को
D. उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: B. विकसित देश के लोगों को

4. वैश्वीकरण और इसकी निराशापुस्तक के लेखक कौन हैं?

A. अमर्त्य सेन B. डॉ मनमोहन सिंह
C. जोजेफ स्टिग्लिटज D. उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: C. जोजेफ स्टिग्लिटज

4. टेलीकम्युनिकेशन का भाग इनमें से कौन सा है?

A. टेलीग्राम B. Fax
C. टेलीफोन D. उपरोक्त सभी

उत्तर: D. उपरोक्त सभी

6. अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का हिस्सा कितना है?

A. 4% B. 2%
C. 20% D. 1%

उत्तर: D. 1%

7. भारत में फोर्ड मोटर कंपनी कब आई?

a. 1998 b. 1995
c. 1990 d. 1996

उत्तर : B. 1995

8. वैश्वीकरण ने लोगों के जीवन स्तर में सुधार में मदद की है:

A. विकासशील देशों के श्रमिकों के जीवन स्तर
B. विकसित देशों के लोगों के जीवन स्तर
C. सभी देशों के सभी लोगों के जीवन स्तर
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: B. विकसित देशों के लोगों के जीवन स्तर

9. वैश्वीकरण ने प्रोत्साहित किया है:

A. पूंजी प्रवाह
B. विश्व बाजार में भारतीय श्रमिक प्रवाह
C. पूंजी प्रवाह एवं श्रम प्रवाह
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: A. पूंजी प्रवाह

10. वैश्वीकरण की शुरुआत किस वित्त मंत्री द्वारा किया गया:

A. डॉ मनमोहन सिंह B. पी चिदंबरम
C. यशवंत सिन्हा D. जसवंत सिंह

उत्तर: A. डॉ मनमोहन सिंह

11. वैश्वीकरण के विगत दो दशकों में द्रुत आवागमन देखा गया है:

A. देशों के बीच वस्तुओं सेवाओं और लोगों का
B. देशों के बीच वस्तुओं सेवाओं और निवेश का
C. देशों के बीच वस्तुओं निवेश और लोगों का
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: B. देशों के बीच वस्तुओं सेवाओं और निवेश का

12. विश्व के देशों में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा निवेश का सबसे अधिक सामान्य मार्ग है:

A. नए कारखानों की स्थापना
B. स्थानीय कंपनियों को खरीद लेना
C. स्थानीय कंपनियों से साझेदारी करना
D. इनमें से सभी

उत्तर: B. स्थानीय कंपनियों को खरीद लेना।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. उदारीकरण से आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तर: सरकार द्वारा प्रतिबंधों को हटाने की प्रक्रिया को उदारीकरण कहा जाता है।

Jharkhandlab.com

2. निवेश किसे कहते हैं?

उत्तर: भूमि ,भवन ,मशीनें और अन्य उपकरणों आदि परिसंपत्तियों की खरीद में व्यय की गई मुद्रा को निवेश कहते हैं।

3 . वैश्वीकरण का क्या अर्थ है?

उत्तर: हमारी अर्थव्यवस्था और विश्व अर्थव्यवस्था में सामंजस्य स्थापित करना है, वैश्वीकरण कहलाता है।

4. विदेश व्यापार के उदारीकरण से आप क्या समझते हैं?

उत्तर: विदेशी व्यापार और विदेशी निवेश पर सरकार द्वारा निर्धारितप्रतिबंधों को हटाने की प्रक्रिया है, विदेश व्यापार का उदारीकरण कहलाता है।

5. बहुराष्ट्रीय कंपनियां किन्हे कहा जाता है?

उत्तर: बहुराष्ट्रीय कंपनियां वह है जो 1 से अधिक देशों में उत्पादन पर स्वामित्व या नियंत्रण रखती है ।

6. इंटरनेट से क्या लाभ हो रहा है?

उत्तर: इंटरनेट द्वारा आप सभी प्रकार की जानकारियां जिन्हें आप जानना चाहते हैं ,आप एकदम प्राप्त कर सकते हैं।

7. व्यापार अवरोधक से क्या लाभ है?

उत्तर: इसके द्वारा कोई भी सरकार अपने नव विकसित उद्योगों को विश्व की प्रतिस्पर्धा से बचा सकती है।

8. व्यापार और उदारीकरण से आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तर: व्यापार और उदारीकरण सरकार के हाथ में एक हथकंडा होता है ,जिसका प्रयोग करके वह आयात और निर्यात में संतुलन बनाए रख सकती है।

9. कंटेनरों से क्या लाभ हो रहा है?

उत्तर: कंटेनर के कारण जहां ढुलाई लागत में भारी बचत हुई है वही माल को बाजारों तक पहुंचाने की गति में भी काफी वृद्धि हुई है।

10. विश्व व्यापार संगठन के दो उद्देश्य लिखें

उत्तर: विश्व व्यापार संगठन के दो उद्देश्य:

अ. विश्व व्यापार संगठन की स्थापना में संयुक्त राष्ट्र संगठन द्वारा अंतरराष्ट्रीय व्यापार को प्रोत्साहन देने के लिए की गई है इसका मुख्यालय स्विट्जरलैंड जेनेवा में है।

ब. विश्व व्यापार संगठन देशों के बीच व्यापार के समान रूप से विकास में मदद करता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

प्रश्न1. वैश्वीकरण से आप क्या समझते हैं? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: वैश्वीकरण वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा संपूर्ण विश्व एकल बाजार बन जाता है इसे बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा विदेशी निवेश और विदेशी व्यापार के माध्यम से विभिन्न देशों के बीच तीव्र एकीकरण या परस्पर संबंध के रूप में परिभाषित किया जा सकता है:

क . इस प्रक्रिया में हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक रूप से वर्ष पर निर्भर हो जाते हैं।

ब. देश के बाहर के उत्पादक भारत में अपने वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन और बिक्री कर सकते हैं।

स. हम भी अन्य देशों में अपने वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन और बिक्री कर सकते हैं।

द. श्रमिक भी एक देश से दूसरे देश आवागमन कर सकते हैं।

ज. विश्व के विभिन्न देशों के बीच श्रम का मुक्त प्रवाह।

ह. टेक्नोलॉजी का मुक्त प्रवाह

ट. विदेशी निवेश अथवा पूंजी का मुक्त प्रवाह

1991 ईस्वी की नई आर्थिक नीति के बनने के बाद भारत में वैश्वीकरण को प्रोत्साहन मिला है।

प्रश्न2. श्रम कानूनों में लचीलापन कंपनियों को कैसे मदद करेगा।

उत्तर: श्रम कानूनों में लचीलापन कंपनियों को निम्न प्रकार से मदद करेगा:

अ. अस्थाई रोजगार: कंपनियां श्रमिकों को अस्थाई रूप से रोजगार में लगाएगी ताकि उन्हें श्रमिकों को पूरे वर्ष भुगतान न करना पड़े इससे उनकी लागत कम होगी

ब. अवकाश का अवसर नहीं: वे श्रमिकों से आधे घंटे और व्यस्त मौसम में नियमित रूप से रात में भी काम कराएगी इस प्रकार से श्रम लागतो में कटौती कर अधिक लाभ कमाएंगी।

स. अधिककाम कम वेतन: वे अधिक लाभ कमाने के लिए श्रमिकों को कम मजदूरी देगी और अतिरिक्त घंटे काम करने के लिए बाध्य करेगी ,क्योंकि श्रमिक के पास काम करने के अतिरिक्त कोई उपाय नहीं है।

द. सुविधाओं की कमी: उन्हें प्रोविडेंट फंड, छुट्टी के दिन का भुगतान, स्वास्थ्य, बीमा, पेंशन अतिरिक्त घंटों का दोगुनी भुगतान नहीं करना पड़ेगा।

इस प्रकार कंपनियां श्रम लागतो में कटौती कर अधिक लाभ कमाएंगी।

प्रश्न3. वैश्वीकरण प्रक्रिया में बहुराष्ट्रीय कंपनियों की क्या भूमिका है?

उत्तर:

क. बहुराष्ट्रीय कंपनियांविश्व में ऐसे स्थानों की तलाश में रहती है ,जहां उनके उत्पादन की लागत कम हो, और अधिक से अधिक लाभ कमाया जा सके।

ख. विभिन्न देशों में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के निवेश में लगातार वृद्धि हो रही है ,इसके साथ ही विभिन्न देशों के बीच विदेश व्यापार में भी वृद्धि हुए हैं।

ग. विदेश व्यापार का एक बड़ा भाग बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा नियंत्रित एवं संचालित होता है।

घ. इस प्रकार बहुराष्ट्रीय कंपनियां विभिन्न देशों के बीच

Jharkhandjan.com

संबंधों को तेजी से बढ़ा रही है, साथ ही विभिन्न देशों के बाजारों एवं उत्पादन में काफी तेजी से एकीकरण हो रहा है।

कहा जा सकता है कि बहुराष्ट्रीय कंपनियां वैश्वीकरण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है ,और साथ ही नई और उन्नत प्रौद्योगिकी लाती है।

प्रश्न4. दूसरे देशों में बहुराष्ट्रीय कंपनियां किस प्रकार उत्पादन या उत्पादन पर नियंत्रण स्थापित करती है?

उत्तर: बहुराष्ट्रीय कंपनियां दूसरे देशों में निम्न प्रकार से उत्पादन उत्पादन पर नियंत्रण स्थापित करती है:

1. बहुराष्ट्रीय कंपनियां उत्पादन वहां प्रारंभ करती है जहां:

क. मंडिया नजदीक है जहां उत्पाद बिक सके।

ख. सस्ता व कुशल श्रमिक उपलब्ध हो।

ग . उत्पादन के अन्य कारकों की उपलब्धता सुनिश्चित हो।

घ. सरकारी नीतियां उदारीकरण के पक्ष में हो।

2. बहुराष्ट्रीय कंपनियां दूसरे देशों के कुछ स्थानीय कंपनियों के साथ संयुक्त रूप से अर्थात साझेदारी से उत्पादन प्रारंभ करती है इससे उन्हें वहां के देसी बाजार में पहचान मिलती है।

3. वे आपूर्ति के लिए स्थानीय कंपनियों का उपयोग करती है ,आगे यह वस्तुएं अपने ब्रांड के अंतर्गत उपभोक्ताओं को बेच देती है, वह अपने नाम के साथ स्थानीय कंपनियों का भी नाम रखती है।

4. यह स्थानीय कंपनियों से निकट प्रतिस्पर्धा करती है।

प्रश्न5: वैश्वीकरण का प्रभाव एक समान नहीं है इस कथन की व्याख्या अपने शब्दों में कीजिए।उपभोक्ता उत्पादों एवं श्रमिकों पर वैश्वीकरण का प्रभाव समान नहीं है ,इसके कुछ प्रभाव धनात्मक हैं ,तथा कुछ ऋणात्मक है।

धनात्मक प्रभाव:

क. शहरी क्षेत्रों के उपभोक्ताओं पर इसका प्रभाव लाभप्रद होता है।

ख. कुशल एवं प्रशिक्षित श्रमिकों पर भी इसका प्रभाव धनात्मक होता है

ग. बहुराष्ट्रीय कंपनियों को कच्चे माल की आपूर्ति करने से स्थानीय कंपनियां समृद्ध हुए हैं।

घ. सूचना प्रौद्योगिकी डाटा एंट्री लेखांकन प्रशासनिक कार्य और इंजीनियरिंग सेवाएं इससे लाभान्वित हुई है।

ड. वैश्वीकरण ने कुछ बड़ी कंपनियों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों के रूप में उभरने में सक्षम बनाया है।

ऋणात्मक प्रभाव:

क. छोटे निर्माताओं पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

ख. कई छोटी इकाइयां बंद हो गई है, जिससे वहां काम करने वाले बहुत से श्रमिक बेरोजगार हो गए हैं।

ग. छोटे एवं कुटीर उद्योग धंधों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हुए हैं।

प्रश्न 6. विदेशी व्यापार विभिन्न देशों के बाजारों के एकीकरण में किस प्रकार मदद करता है ?व्याख्या कीजिए।

उत्तर: विदेशी व्यापार विभिन्न देशों के बाजारों के एकीकरण में निम्न प्रकार से मदद करता है:

क . व्यापार का अवसर: यह उत्पादकों को अपने देश से बाहर के बाजारों में भी अपने वस्तुएं एवं सेवाएं बेचने का अवसर प्रदान करता है।

ख. चुनाव का अवसर: यह क्रेताओं के लिए भी वस्तुओं एवं सेवाओं के चुनाव का विस्तार एवं आयातित वस्तुओं जिन वस्तुओं का उत्पादन देश से बाहर हुआ है ,सिर्फ चुनाव का अवसर उपलब्ध कराता है।

ग. अंतरराष्ट्रीय कीमत: -दो दूरस्थ देशों के बाजारों में समान वस्तुओं की कीमतें बराबर होती है।

घ. प्रतियोगी भावना: 2 देशों के उत्पादक एक दूसरे से निकट प्रतिस्पर्धा करते हैं।

ड . गुणवत्ता को वरीयता: विदेश व्यापार के उदारीकरण के फल स्वरुप विदेशी कार निर्माता भारतीय बाजार में भारतीय और विदेशी कारों के बीच प्रतिस्पर्धा में विदेशी कार बेहतर साबित हुए इसलिए भारतीय कर्ताओं को कम कीमतों पर कारों के व्यापक चुनाव अवसर मिला है।

प्रश्न 7 विदेशी व्यापार का क्या लाभ होता है?

उत्तर: इस बात में कोई भी शक नहीं है कि विदेशी व्यापार विभिन्न देशों के बाजारों के एकीकरण में बड़ी मदद करता है यह निम्नांकित ढंग से होता है: -

क . विदेशी व्यापार के कारण एक देश का उत्पादक वर्ग अपना माल दूर-दूर के देशों में बिक्री के लिए भेज सकता है।

ख. यदि उनका माल अच्छा और सस्ता हो तो विश्व के बाजार में उनके माल की मांग कई गुना बढ़ सकती है और उनके नाम में भी चार चांद लग जाते हैं।

ग. विदेशी व्यापार के परिणाम स्वरूप ब्लैक मार्केट या काला बाजार का डर नहीं रहता क्योंकि विश्व के बाजार में चीजें खुलेआम मिलने लगती है।

घ. ग्राहकों को विदेशी व्यापार के कारण सबसे अधिक लाभ होता है अब उन्हें विभिन्न प्रकार की चीजें उनके अपने देश में ही उपलब्ध होने लगती है, तो उन्हें माल अच्छा और सस्ता मिलने लगता है।

ड . विदेशी व्यापार के कारण बाजारों का विस्तार हो जाता है, जिससे अतिरिक्त उत्पादन को विदेशी मंडियों से आसानी से बेचा जा सकता है।

प्रश्न 8. भारत सरकार द्वारा विदेश व्यापार एवं विदेशी निवेश पर आरोप लगाने के क्या कारण थे ?इन अवरोधों को को

सरकार क्यों हटाना चाहती थी?

उत्तरः प्रारंभ में घरेलू उत्पादों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से संरक्षित करने की आवश्यकता महसूस की गई थी। भारतीय उद्योग 1950 एवं 1960 के दशक में अपनी प्रारंभिक अवस्था में था। इस अवस्था में आयातों से प्रतिस्पर्धा इन उद्योगों को विकसित नहीं होने देती यही कारण है कि भारत सरकार में आया तो को केवल मशीनरी उर्वरक पेट्रोलियम जैसी आवश्यक वस्तुओं तक ही सीमित रखा और विदेशी व्यापार एवं विदेशी निवेश पर अवरोधक लगाया।

इन अवरोधकों को सरकार इसलिए हटाना चाहती थी, क्योंकि कुछ समय उपरांत भारतीय उत्पादक विश्व के उत्पादकों से प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हो गए थे, अब यह महसूस किया जाने लगा था कि प्रतिस्पर्धा से घरेलू उत्पादकों के कामकाज में सुधार होगा क्योंकि उन्हें अपनी गुणवत्ता में सुधार करना आवश्यक होगा।

प्रश्न 9. व्यापार और निवेश नीतियों का उदारीकरण वैश्वीकरण प्रक्रिया में कैसे सहायता पहुंचाती है?

उत्तरः विदेशी निवेश और विदेशी व्यापार में व्यापार में और निवेश नीतियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके कारण विदेशी व्यापार निवेश में अत्यधिक वृद्धि हुई है। आगे इससे विभिन्न देशों में उत्पादन और बाजारों के एकीकरण में वृद्धि हुई है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां वैश्वीकरण प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है। अधिकाधिक वस्तुओं एवं सेवाओं निवेश और प्रौद्योगिकी का एक देश से दूसरे देश में आवागमन हो रहे हैं।

इस प्रकार व्यापार एवं निवेश नीतियों का उदारीकरण वैश्वीकरण प्रक्रिया में निम्न प्रकार से मदद की हैः

क. एक देश से दूसरे देश को वस्तुओं एवं सेवाओं का आवागमन सरल हो गया है।

ख. विदेशी निवेश में वृद्धि से रोजगार के अवसर बढ़े हैं।

ग. नई एवं उन्नत प्रौद्योगिकी का आवागमन से गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

घ. बेहतर आय बेहतर रोजगार या बेहतर शिक्षा की खोज में विभिन्न देशों के बीच लोगों का आवागमन शुरू हुआ है।

प्रश्न10. विदेश व्यापार तथा विदेशी निवेश में अंतर स्पष्ट करें।

उत्तरः बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा परिसंपत्तियों जैसे भूमि भवन मशीन तथा अन्य उपकरणों की खरीदव्यय में की गई मुद्रा को विदेशी निवेश कहा जाता है। सरकार अपने देश में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा निवेश को प्रोत्साहित करती है, क्योंकि इससे देश की आय एवं रोजगार में वृद्धि होती है। इसके विपरीत विदेशी व्यापार वह प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत उत्पादित माल को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिक्री के लिए पहुंचाया जाता है।

इसके अंतर्गत आयात एवं निर्यात दोनों ही होता है। किसी भी देश का यह प्रयास होता है कि विदेशी व्यापार के अंतर्गत निर्यात बड़े और आयात कम हो। इससे विदेशी मुद्रा में वृद्धि होती है।

प्रश्न11. बहुराष्ट्रीय कंपनियां अन्य कंपनियों से किस प्रकार अलग है?

उत्तरः बहुराष्ट्रीय कंपनी किस अन्य कंपनी से निम्न प्रकार से भिन्न होती हैः

बहुराष्ट्रीय कंपनी:

क. यहएक से अधिक देशों में उत्पादन का स्वामित्व या नियंत्रण रखती है।

ख. यह उन देशों में उत्पादन हेतु कारखानों या कार्यालय स्थापित करती है, जहां इसे श्रम एवं अन्य संसाधन सस्ते मिलते हैं।

ग. चूंकि बहुराष्ट्रीय कंपनी के लिए उत्पादन की लागत कम होती है, इसलिए यह अधिक लाभ कमाती है।

अन्य कंपनी:

क. यह एक देश के भीतर ही उत्पादन का स्वामित्व या नियंत्रण रखती है।

ख. इसके पास ऐसा कोई विकल्प नहीं होता है।

ग. इसके पास अधिक लाभ कमाने के लिए ऐसी कोई संभावना नहीं होती है।

प्रश्न12. व्यापार और निवेश नीतियां का उदारीकरण वैश्वीकरण प्रक्रिया में कैसे सहायता पहुंचाती है?

उत्तरः विदेशी निवेश और विदेशी व्यापार में और विदेशी नीतियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके कारण विदेशी निवेश और विदेशी व्यापार में अत्यधिक वृद्धि हुई है। आगे इससे विभिन्न देशों में उत्पादन और बाजारों के एकीकरण में भी वृद्धि हुई है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां वैश्वीकरण प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है। अधिकाधिक वस्तुओं एवं सेवाओं निवेश और प्रौद्योगिकी का एक देश से दूसरे देश में आवागमन हो रहे हैं।

इस प्रकार व्यापार एवं निवेश नीतियों का उदारीकरण वैश्वीकरण प्रक्रिया में निम्न प्रकार से मदद की हैः

1. एक देश से दूसरे देश को वस्तुओं एवं सेवाओं का आवागमन सरल हो गया है।
2. विदेशी निवेश में वृद्धि से रोजगार के अवसर बढ़े हैं।
3. नई एवं उन्नत प्रौद्योगिकी का आवागमन से गुणवत्ता में सुधार हुआ है।
4. बेहतर से बेहतर रोजगार या बेहतर शिक्षा की खोज में विभिन्न देशों के बीच लोगों का आवागमन शुरू हुआ है।

प्रश्न13. विश्व व्यापार संगठन क्या है ?इसके मुख्य उद्देश्य क्या है?

उतरः यह एक संस्था है जो विभिन्न देशों के बीच व्यापार के नियमों को उदार बनाती है, इसे बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली भी कहते हैं विश्व व्यापार संगठन का प्रमुख उद्देश्य विश्व को बढ़ावा देना है ।

इसकी स्थापना 1 जनवरी 1995 को हुई थी। 1947 से 1994 तक GATT व्यापार समझौते करने की एक जनसभा थी। 1995 के बादGATT विश्व व्यापार संगठन बना ।

Jharkhandlab.com

विश्व व्यापार संगठन का उद्देश्य:

क. इसका मुख्य उद्देश्य विश्व के देशों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार को इस प्रकार संचालित करना है कि उस में समानता हो खुलापन हो और वह बिना किसी भेदभाव के हो।

ख . विश्व व्यापार संगठन व्यापार के झगड़ों को निपटाता है।

ग. विश्व व्यापार संगठन विकसित तथा अल्प विकसित देशों को प्रशिक्षण तथा तकनीकी सहायता प्रदान करता है।

घ . यह कुछ नियम व शर्ते बनाता है जिन्हें सभी सदस्यों को अपनाना पड़ता है।

प्रश्न 14. उदारीकरण एवं निजी करण में अंतर लिखें।

उत्तर: **उदारीकरण:**

क. उदारीकरण एक व्यापक अवधारणा है।

ख. उदारीकरण विकास के हर क्षेत्र में लागू की जा सकती है।

ग . उदारीकरण निजीकरण का अंग नहीं है।

घ. उदारीकरण में शासकीय नियंत्रण के अधीन उद्योगों को पूर्णरूपेण विकसित करने का अवसर प्रदान किया जाता है।

च. उदारीकरण में औद्योगिक विकास सार्वजनिक लाभ की भावनाओं को ध्यान में रखकर अपनाया जाता है।

छ. उदारीकरण उद्योगों के समय आधुनिकीकरण एवं विस्तार सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

निजीकरण:

क. निजी करण एक संकुचित अवधारणा है।

ख . निजी करण विकास के हर क्षेत्र में आसानी से नहीं अपनाया जा सकता है।

ग. निजी करण उदारीकरण का अंग है।

घ. निजी करण में पूर्ण स्वामित्व एवं नियंत्रण हेतु व्यक्ति पूर्णतया स्वतंत्र होता है तथा लाभ हानि स्वयं वहन करता है

च. निजी करण में औद्योगिक विकास के साथ-साथ व्यक्तिगत लाभ की भावना प्रमुख होती है।

छ. उद्योगों काआधुनिकीकरण एवं विस्तार तो निजी करण के द्वारा ही संभव है।

प्रश्न15 .उदारीकरण का क्या आशय है? आर्थिक सुधारों के अधीन अर्थव्यवस्था के उदारीकरण हेतु कौन से उपाय अपनाए गए हैं ?वर्णन करें।

उत्तर: उदारीकरण का आशय नियमों एवं प्रतिबंधों में ढील देने या बरतने से है। जब सरकार औद्योगिक नीति श्रम नीति, आयात निर्यात नीति ,कर नीति इत्यादि के माध्यम से अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में विनियोग उत्पादन तथा वितरण में प्रतिबंध को हटाती है ,तो उसे उदारीकरण की नीति कहा जाता है।

आर्थिक सुधारों के अधीन अर्थव्यवस्था के उदारीकरण हेतु निम्नांकित उपाय अपनाए गए हैं:

1. लाइसेंस तथा पंजीकरण की समाप्ति।
2. एकाधिकारी कानून में छूट।
3. विस्तार एवं उत्पादन की स्वतंत्रता।
4. लघु उद्योगों की निवेश सीमा में वृद्धि।
5. पूंजीगत पदार्थों के आयात की स्वतंत्रता।
6. टेक्नोलॉजी आयात की छूट।
7 ब्याज दरों का स्वतंत्र निर्धारण।
8. करारोपण में सुधार।

प्रश्न16. निजीकरण से आप क्या समझते हैं ?एवं उसके उद्देश्यों का वर्णन करें।

उत्तर: निजी करण से आशय ऐसी औद्योगिक इकाइयों के स्वामित्व को निजी क्षेत्र के हस्तांतरित कर देना जो अभी तक सरकारी स्वामित्व तथा नियंत्रण में थी।

निजी क्षेत्र के निम्नांकित उद्देश्य हैं:

क. अर्थव्यवस्था की विभिन्न आवश्यकताओं हेतु वित्तीय संसाधनों को जुटाना।

ख . प्रबंधकीययोग्यता एवं दक्षता प्रदान करना

ग. राष्ट्रीय आवश्यकता एवं प्राथमिकताओं के अनुरूप निजी क्षेत्र की क्रियाओं को सार्वजनिक क्षेत्र के साथ समन्वित करना।

घ. नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित करना तथा आयात प्रतिस्थापन क्रिया को बल देना।

च. समुचित तकनीकी के प्रचार अर्थव्यवस्था के आधुनिकीकरण तथा उद्योगों के विकेंद्रीकरण हेतु औद्योगिक शोध व विकास कार्यक्रमों का विस्तार करना।

छ. विदेशी ऋण को घटाना।

ज . प्रतिस्पर्धा में वृद्धि करना।

झ. उत्पादकता में वृद्धि करना।

प्रश्न17. भारत में वैश्वीकरण को प्रोत्साहन करने वाले कारकों की व्याख्या करें।

उत्तर: भारत में वैश्वीकरण को इसलिए प्रोत्साहित किया गया क्योंकि:

क. वैश्वीकरण से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रोत्साहित होता है जिसके कारण भारत जैसे विकासशील देश बिना विदेशी ऋण ग्रस्तहुए अपने विकास हेतु पूंजी प्राप्त कर सकते हैं।

ख. वैश्वीकरण से भारत जैसे विकासशील देश को उन्नत देशों द्वारा विकसित की गई टेक्नोलॉजी के प्रयोग में सहायता प्रदान की जा सकती है।

Jharkhandlab.com

ग. वैश्वीकरण भारत जैसे विकासशील देशों को विकसित देशों में अपनी उपज का निर्यात करने की पहुंच का विस्तार कर सकता है।

घ. वैश्वीकरण से ज्ञान की तेजी से प्रचार होता है जिसके कारण भारत सहित विकासशील देशों में अपने उत्पादन और उत्पादकता के स्तर को उन्नत कर सकते हैं।

च. वैश्वीकरण उत्पादकता को अंतरराष्ट्रीय स्तर प्राप्त करने के लिए गति प्रदान कर सकता है।

छ. वैश्वीकरण से सूचना प्रौद्योगिकी की तीव्र प्रगति हो सकती है।

ज. वैश्वीकरण को विकास हेतु टेक्नोलॉजी प्रगति एवं उत्पादकता में वृद्धि का इंजन माना जा सकता है।

झ. वैश्वीकरण से परिवहन एवं संचार लागते कम हो जाती है।

प्रश्न18. आर्थिक सुधार की प्रक्रिया या नयी आर्थिक नीति में कौन से रणनीतियां अपनायी गई हैं ?वर्णन करें।

उत्तर: आर्थिक सुधार की प्रक्रिया या नई आर्थिक नीति में निम्नांकित रणनीतियां अपनाई गई :

1. नियंत्रित अर्थव्यवस्था की जगह आर्थिक उदारता की नीति अपनाई गई।
2. कठोर लाइसेंस व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया।
3. छः उद्योगों को छोड़कर शेष सभी उद्योगों के लाइसेंस को समाप्त कर दिया गया। केवल शराब सिगरेट रक्षा उपकरण खतरनाक रसायन औद्योगिक विस्फोट एवं औषधियां ही लाइसेंस के क्षेत्र में छोड़ दी गई।
4. उद्योगों को अपना विस्तार या उत्पादन करने की स्वतंत्रता दे दी गई जिसके लिए उन्हें किसी पूर्व सरकारी स्वीकृति की आवश्यकता नहीं रही।
5. एमआरटीपी एक्ट के अंतर्गत आने वाली कंपनियों को भारी छूट दी गई तथा निर्धारित पूंजी निवेश सीमा ही समाप्त कर दी गई।
6. आधुनिकीकरण को प्रोत्साहन दिया गया तथा इसके लिए उच्च तकनीकी के प्रयोग पर बल दिया गया।
7. बैंकों को स्वयं ही ब्याज दर निर्धारित करने की आजादी दे दी गई जिससे अब भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श एवं अनुमति की जरूरत नहीं रही।
8. भारी घाटे में चल रहे सार्वजनिक उद्यमों के स्वामित्व पर सरकारी ना होकर निजी क्षेत्र के हाथों में सौंप दिया गया।

jharkhandlab.com

अध्याय - 5 उपभोक्ता अधिकार

वस्तुनिष्ट प्रश्न

निम्न में से सही विकल्पों का चुनाव करें।

1 उपभोक्ता आंदोलन कब प्रारम्भ हुआ?

A. 1950 B. 1951
C. 1960 D. 1965

उत्तर: C. 1960

2 सूचना का अधिकार अधिनियम कब पारित किया गया?

A. अक्टूबर 2005 B. जनवरी 2006
C. मार्च 2006 D. जुलाई 2007

उत्तर: A. अक्टूबर 2005

3 खाद्य पदार्थों कि गुणवत्ता हेतु किस निशान का प्रयोग किया जाता है?

A. WCF B. ISI
C. ISO D. एगमार्क

उत्तर: D. एगमार्क

4 MRP का पूर्ण अर्थ है?

A. न्यूनतम खुदरा मूल्य B. अधिकतम खुदरा मूल्य
C. A और Bदोनों D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: B. अधिकतम खुदरा मूल्य

5 उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम COPRA कब बनाया गया?

A. 1985 B. 1986
C. 1987 D. 1990

उत्तर: B. 1986

6. राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस कब मनाया जाता है?

A. 24 जनवरी B. 15 जुलाई
C. 24 दिसम्बर D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर= C. 24 दिसम्बर

7 जिलास्तर कि अदालतों मे कितनी राशि तक के मुकदमों कि सुनवाई होती है?

A. 10 लाख रूपये B. 20 लाख रूपये
C. 50 लाख रूपये D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: B. 20 लाख रूपये

8 एक मेडिकल शॉप ने रमेश को एक्सपायरी डेट कि दवा बेच दी जिसके तहत वह उपभोक्ता अदालत मेसंपर्क कर सकता है?

A. सुरक्षा का अधिकार B. शिक्षा का अधिकार
C. समानता का अधिकार D. निवारण का अधिकार

उत्तर: A. सुरक्षा का अधिकार

9 सामान खरीदने समय हमें प्राप्त करना है?

A. गारंटी कार्ड B. वारंटी कार्ड
C. रसीद D. उपरोक्त तीनो

उत्तर: D. उपरोक्त तीनो

10. जागो ग्राहक जागो एक नारा है?

A. उपभोक्ता जागरण B. व्यवसाय जागरण
C. कृषि जागरण D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: A. उपभोक्ता जागरण

11 उपभोक्ता को जानकारी लेना चाहिए किसी वस्तु के.....

A. गुण का B. मात्रा का
C. निर्माण सामग्री का D. उपरोक्त तीनों

उत्तर: D. उपरोक्त तीनों

12 राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग से असंतुष्ट उपभोक्ता आदेश के कितने दिनों के अंदर उच्चतम न्यायालय में अपील कर सकता है?

A. 10 दिन B. 20 दिन
C. 30 दिन D. 45 दिन

उत्तर: C. 30 दिन

13 उपभोक्ता अधिकारों की घोषणा सर्वप्रथम किस देश में हुई?

A. जर्मनी B. रूस
C. इंग्लैंड D. संयुक्त राज्य अमेरिका

उत्तर: D. संयुक्त राज्य अमेरिका

14 उपभोक्ता द्वारा शिकायत करने के लिए आवेदन शुल्क कितना लगता है?

A. ₹ 50 B. ₹ 70
C. ₹ 10 D. शुल्क नहीं लगता

उत्तर: D. शुल्क नहीं लगता

15 वह प्रक्रिया जिसमें किसी खाद्यपदार्थ की गुणवत्ता को किसी अन्य पदार्थ की मिलावट के माध्यम से कम किया जाता है?

A. मिलावट B. दो पदार्थों का मिश्रण
C. Aऔर Bदोनों D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: A. मिलावट

16. बाजार में उपभोक्ता का शोषण किन रूप में होता है?

A. अनुचित व्यापार B. कम वजन
C. शुल्कों का जोड़ D. उपरोक्त सभी

Jharkhandlab.com

उत्तर: D. उपरोक्त सभी

17 क्या बिल प्राप्त करना उपभोक्ता का अधिकार है?

A. हां B. नहीं
C. कोई नहीं D. उपरोक्त दोनों

उत्तर: A. हां

18. उपभोक्ता संरक्षण में क्या नहीं आता है?

A. काला बाजार B. मिलावट
C. अधिक मूल वसूलना D. कम मूल्य वसूलना

उत्तर: D. कम मूल्य वसूलना

19 अंतर्राष्ट्रीय खाद्य सामग्री के मानक निर्धारक संस्था की स्थापना कब हुई?

A. 1963 B. 1960
C. 1986 D. 1954

उत्तर: A. 1963

20. हॉलमार्क लोगो किस वस्तु पर लगाया जाता है?

A. सोने का आभूषण B. खाद्य वस्तुएं
C. पेट्रोलियम पदार्थ D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: A. सोने का आभूषण

21. निम्नलिखित में से कौन सा भारत में मानकीकरण प्रमाण पत्र प्रदान नहीं करता है?

A. आई एस आई B. एगमार्क
C. हॉलमार्क D. कोपरा

उतर: D. कोपरा

22. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत कौन शिकायत कर सकता है?

A. उपभोक्ता B. विक्रेता
C. विदेशी व्यक्ति D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: A. उपभोक्ता

23. क्या उपभोक्ता को आयोग में अपने मामले का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक वकील की आवश्यकता है?

A. नहीं B. हां
C. शायद D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: A. नहीं

24. निम्नलिखित में से कौन सी उपभोक्ता विवाद निवारण एजेंसियां है?

A. पंचायत आयोग B. नगर पंचायत
C. राज्य आयोग D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: C. राज्य आयोग

25. हमारे देश में कितने उपभोक्ता संगठन है?

A. 700से अधिक B. 500 से अधिक
C. 300 से कम D. 400 से कम

उत्तर: A. 700 से अधिक

26. उपभोक्ता आंदोलन से क्या अभिप्राय है?

A. समझदार उपभोक्ता के रूप में जागरूक होना
B. नई दिशा प्रदान करना
C. सक्रिय भागीदारी
D. यह सभी

उत्तर: D. यह सभी

27. जागरूक उपभोक्ता बनने के लिए किन बातों की आवश्यकता होती है?

A. सक्षम होना B. निपुणता
C. ज्ञान व सचेत D. उपरोक्त सभी

उत्तर: D. उपरोक्त सभी

28 निम्नलिखित में से कौन सार्वजनिक सेवाओं के अंतर्गत आता है?

A. डाक सेवाएं B. मोबाइल सेवाएं
C. वाशिंग मशीन के बिक्री के बाद सेवाएं
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: A. डाक सेवाएं

29 पैकेट पर दी गई जानकारी किस प्रकार कीहोती है?

A. निर्माण की तिथि B. एक्सपायरी डेट
C. मूल्य D. यह सभी

उत्तर: D. यह सभी

30. उपभोक्ता अधिकार क्या है?

A. अपने अधिकार प्राप्त करना
B. अन्याय को रोकना
C. सुरक्षा
D. व्यापारियों की मनमानी को रोकना

उत्तर: A. अपना अधिकार प्राप्त करना

*निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में दें।

31. रेजी मैथ्यू ने उपभोक्ता निवारण समिति मैं कितनी मुआवजे की राशि का दावा की?

उत्तर - 500000

32. प्रकाश ने अपनी शिकायत कहां दर्ज कराया?

उत्तर - प्रकाश ने अपनी शिकायत उपभोक्ता फोरम में दर्ज कराया

33. उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिए कौन सा नारा दिया गया।

उत्तर - जागो ग्राहक जागो।

34. भारत सरकार ने उपभोक्ताओं को न्याय दिलाने के लिए किस प्रणाली का गठन किया?

Jharkhandlab.com

उत्तर - त्रिस्तरीय प्रणाली का जिला मंच राज्य आयोग और राष्ट्रीय आयोग।

35 . बाजार में नियम एवं विनियम क्यों बनाया गया?

उत्तर- बाजार में नियम एवं विनियम उपभोक्ता की सुरक्षा के लिए बनाया गया।

36. RTI का पूर्ण रूप क्या है?

उत्तर - RIGHT TO INFORMATION

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

37. उपभोक्ता किसे कहते हैं?

उत्तरः कोई भी व्यक्ति जो अंतिम वस्तुओं का उपयोग करता हैउसे उपभोक्ता कहते हैं ।

38. उपभोक्ता के शोषण के दो मुख्य कारण बताएं?

उत्तरः उपभोक्ताओं को सूचना का अभाव।

उपभोक्ता वर्ग का अशिक्षित होना।

39. बाजार का क्या अर्थ है?

उत्तर- किसी भी स्थान पर विक्रेता एवं क्रेता के द्वारा क्रय विक्रय किया जाता है उसे बाजार कहते हैं।

40. उपभोक्ता सुरक्षा कानून 1986 क्यों बनाया गया?

उतर उपभोक्ताओं को संरक्षण उपभोक्ताओं को जागरूक करने एवं शोषण से मुक्ति दिलाने के लिए उपभोक्ता सुरक्षा कानून 1986 बनाया गया।

41. वस्तुओं की गुणवत्ता का निर्धारण किस प्रकार किया जाता है?

उत्तर - भारत में वस्तुओं की गुणवत्ता का निर्धारण विभिन्न वस्तुओं में विभिन्न प्रकार के मार्क का प्रयोग करके किया जाता है जैसे आई एस आई , एगमार्क , हॉलमार्क इत्यादि।

42. रेजी मैथ्यू ने अपनी शिकायत कहां दर्ज कराई?

उत्तरः रेजी मैथ्यू ने अपनी शिकायत उपभोक्ता शिकायत केंद्र में दर्ज कराई और अपना अधिकार लिया।

43. रमेश एक बिस्किट का पैकेट खरीदता है रमेश को क्या ध्यान रखना चाहिए?

उत्तर रमेश जब बिस्किट का पैकेट खरीदेगा तो वह निर्माण की तिथि, एक्सपायरी डेट, एवं एग्मार्क का चिन्ह पर ध्यान देगा।

लघु उत्तरीय प्रश्न

44. सूचना के अधिकार से आप क्या समझते है?

उत्तर - सूचना के अधिकार का अर्थ है -कोई भी व्यक्ति अभिलेख , ईमेल द्वारा निर्गत आदेश ,दस्तावेज, नमूने और इलेक्ट्रॉनिक आंकड़ों, इत्यादि के रूप में ऐसी सूचना प्राप्त कर सकता है जिसकी उसे आवश्यकता है यह वर्ष 2005 में एक कानून के तहत पूरे देश में लागू किया गया।

सूचना अधिकार के तहत कोई भी व्यक्ति अपना आवेदन दे सकता है और आवेदन के 30 दिनों के अंदर व्यक्ति को सूचना उपलब्ध कराई जाती है।

यह आम जनता के हाथों में एक बड़ी शक्ति है।

45. आप उपभोक्ता के रूप मेंअपने कुछ कर्तव्य का वर्णन करें ?

उत्तरः उपभोक्ताअपने कर्तव्यों का निर्वहन जागरूक होकर एवं वस्तुओं के बारे में सही सूचना प्राप्त कर अपने कर्तव्यों का पालन कर सकता है जो निम्न है:-

उपभोक्ताओं को वस्तु खरीदते समय रसीद जरूर लेने चाहिए।

उपभोक्ताओं को वस्तु खरीदते समय वस्तु की गुणवत्ता एवं मात्रा की जांच कर लेनी चाहिए।

वस्तु की गुणवत्ता का चिन्ह जैसे आई एस आई, एगमार्क की जांच कर लेनी चाहिए।

वस्तु की गारंटी एवं वारंटी के साथ एक्सपायरी डेट की जांच कर लेनी चाहिए।

उपभोक्ताओं कोउपभोक्ता संगठन बनाना चाहिएजिससे उपभोक्ताअपने अधिकार की मांगकर सकते हैं।

हमें उपभोक्ता के रूप मेंअपने अधिकारों कीजानकारी रखनी चाहिएऔर समय आने परमांग भी करनी चाहिए ।

इस प्रकार हम उपभोक्ता के रूप मेंअपने कर्तव्य का निर्वहन कर सकते हैं।

46. उपभोक्ता का शोषण किन- किन कारणों के द्वारा होता है?

उत्तर - आज के इस आधुनिक बाजार में उपभोक्ताओं का शोषण कई प्रकार से किया जाता है जिनमें से कुछ कारण निम्न है:-

(i) दुकानदार के द्वारामिलावटी वस्तुओं कीआपूर्ति करके।

(ii) नकली वस्तुओं का उत्पादन।

(iii) एमआरपी से अधिक कीमत वसूल करके।

(iv) विक्रेता द्वारावस्तुओं कामाप-तोल में कमी करके।

(v) विक्रेताओं द्वारा वस्तुओं का विक्रेताओं को सही जानकारी नहीं देना।

(vi) वस्तुओं में सुरक्षा उपकरण की कमी करके।

इन प्रक्रियाओं के द्वारा उपभोक्ताओं का शोषण लगातार बढ़ता ही जा रहा है जिससे कम करने की आवश्यकता है।

47. भारत में किन कारणों से उपभोक्ता जागरूकता आंदोलन का प्रारंभ हुआ? संक्षेप में वर्णन करें?

उत्तरः आधुनिक भारत में उपभोक्ताओं के शोषण एक पुरानी

Jharkhandlab.com

समस्या है भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण और व्यापार के विस्तार के साथ समस्या और भी बढ़ गई है उत्पादन प्रक्रिया से सरकार ने अपना नियंत्रण लगभग हटा दिया है।

भारत में उपभोक्ता शोषण और भी गंभीर होती जा रही है जिसके कारण उपभोक्ता जागरूकता आंदोलन प्रारंभ हुआ भारतीय संसद में 24 दिसंबर 1986 को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम पारित किया जिसे उपभोक्ता दिवस के रूप में मनाया जाता है और उपभोक्ता जागरूकता को विस्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

(i) भारत में उदारीकरण के कारण उत्पादन प्रक्रिया में अत्याधिक विस्तार हुआ इसके कारण नकली वस्तुओं का निर्माण होने लगा

(ii) भारत में सूचना तकनीकी की कमी के कारण उपभोक्ता तक सही सूचना नहीं पहुंच पाती है और शोषण होता है ।

(iii) विक्रेताओं द्वारा उपभोक्ताओं को वस्तुओं के बारे में सही जानकारी नहीं दिया जाता जिससे उपभोक्ता गलत चुनाव कर लेते हैं।

(iv) भारत में विक्रेताओं द्वारा वस्तु बिक्री के बाद की सेवाएं प्रदान नहीं की जाती है।

(V) भारत में बहुतसे उपभोक्ता उपभोक्ता शिकायत केंद्र तक नहीं पहुंच पाते हैं और शोषण का शिकार होते हैं।

इन सब कारणों के कारण भारत में उपभोक्ता जागरूकता आंदोलन की शुरुआत हुई और यह आंदोलन धीरे-धीरे पूरे भारत में फैल रही है जिससे उपभोक्ताओं में जागरूकता का विस्तार हो रहा है।

48. उपभोक्ता सुरक्षा कानून 1986 में उपभोक्ताओं के अधिकारों का वर्णन करें?

उत्तर: भारत में उपभोक्ता सुरक्षा कानून 24 दिसंबर 1986 को भारतीय संसद के द्वारा पारित किया गया जिसके अंतर्गत उपभोक्ताओं को कई प्रकार के अधिकार दिए गए जो निम्न है:-

(i) चुनने का अधिकार- उपभोक्ता विभिन्न वस्तुओं की जांच परख कर खरीदने हेतु स्वतंत्र है वे किसी भी वस्तु का चुनाव कर सकते हैं।

(ii) सूचना का अधिकार: उपभोक्ता सूचना के अधिकार के अंतर्गत वस्तुओं की गुणवत्ता ,मात्रा ,एवं शुद्धता का स्तर और मूल्य की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

(iii) सुरक्षा का अधिकार- उपभोक्ताओं को यह अधिकार है कि कि वे उन वस्तुओं के बिक्री से अपना बचाव कर सकते हैं जो उनके जीवन और संपत्ति के लिए खतरनाक है

(iv) शिकायतें निपटाने का अधिकार -उपभोक्ताओं के शोषण एवं अनुचित व्यापारिक क्रियाओं के विरुद्ध निदान और शिकायतों को सही प्रकार से निपटाए जाने का अधिकार प्राप्त है।

(v) सुनवाई का अधिकार -भारत में लगभग 700 से अधिक उपभोक्ता शिकायत केंद्र हैं जहां उपभोक्ता के हितों से जुड़े शिकायतों का निवारण किया जाता है।

(Vi) उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार- 1986 के कानून में प्रावधान है कि उपभोक्ताओं को शिक्षित एवं जागरूक करने के लिए अधिकार दिए गए हैं।

इस प्रकार से उपभोक्ता सुरक्षा कानून 1986 में उपभोक्ताओं को विभिन्न प्रकार के अधिकार दिए गए हैं जिसके अंतर्गत उपभोक्ताओं को बहुत हद तक सुरक्षा प्रदान हो रहा है

49. उपभोक्ता जागरूकता क्यों आवश्यक है?

उत्तर - वैश्वीकरण एवं उदारीकरण देश के इस युग में उपभोक्ता जागरूकता की विशेष आवश्यकता है क्योंकि उत्पादन की होड़ में वस्तुओं की गुणवत्ता मात्रा एवं मूल्य से संबंधित दोष उत्पन्न हो रहे हैं जिसका सीधा प्रभाव उपभोक्ता पर पड़ रहा है।

(i) उपभोक्ता की सुरक्षा के लिए नियम एवं विनियम का निर्माण काफी नहीं है इन नियमों के प्रति उपभोक्ता को जागरूक रहना चाहिए जिससे उसकी सुरक्षा हो सकती है।

(ii) उपभोक्ता जागरूकता से उत्पादकों एवं विक्रेताओं द्वारा उपभोक्ताओं के शोषण पर लगाम लगाई जा सकती है। माप तौल में गड़बड़ी गलत सामान या गलत सूचना देकर सामान बेचने पर उपभोक्ता अपने यथोचित अधिकारों का प्रयोग कर सकते हैं।

(iii) उपभोक्ताओं के जागरूक होने से उपभोक्ता सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा तथा विक्रेताओं के अनैतिक एवं अनुचित व्यवस्थापर रोक लगेगी।

(iv) उपभोक्ता जागरूक होने से वह गुणवत्तापूर्ण वस्तु एवं उचित मूल्य पर क्रय कर सकता है।

(v) जागरूकता ही बचाव का उपाय है।

इस प्रकार से उपभोक्ता जागरूक होकर अपने जीवन शैली को सुधार सकता है इसलिए उपभोक्ता जागरूकता आवश्यक है।

50 . उपभोक्ता अदालत एवं उपभोक्ता संरक्षण परिषद में अंतर स्पष्ट करें?

उत्तर - उपभोक्ता अदालत एवं उपभोक्ता संरक्षण परिषद में अंतर निम्न है:-

उपभोक्ता अदालत- भारत सरकार ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 के अंतर्गत त्रिस्तरीय न्याय तंत्र स्थापित किया है जिन्हें जिला मंच ,राज्य आयोग ,एवं राष्ट्रीय आयोग अदालतों का निर्माण किया गया है जहां उपभोक्ता की शिकायतों का निवारण होता है एवं उपभोक्ताओं को न्याय प्राप्त होता है।

उपभोक्ता संरक्षण परिषद -भारत में लगभग 700 से अधिक उपभोक्ता संगठन है भारत में उपभोक्ता आंदोलन ने विभिन्न ऐच्छिक संगठनों का निर्माण हुआ है जिन्हें उपभोक्ता फोरम या उपभोक्ता संरक्षण परिषद के नाम से जाना जाता है यह एक प्रकार का कानूनी उपाय है जो भारत सरकार के 1986 अधिनियम के द्वारा अपनाया गया है।

51. उपभोक्ता अपने एकजुटता का प्रदर्शन कैसे करते हैं?

उत्तर - उपभोक्ता अपनी एकजुटता को दर्शाने के लिए निम्न माध्यमों को अपनाते हैं:-

Jharkhandlab.com

आपसी सहयोग -उपभोक्ता संगठन उपभोक्ताओं को अदालत में मुकदमा दायर करने के संबंध में दिशा निर्देश देते हैं और सहायता करते हैं यह संगठन व्यक्तिगत उपभोक्ता के लिये उपभोक्ता अदालत में प्रतिनिधित्व भी करते हैं और न्याय दिलाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

संगठन निर्माण के द्वारा -उपभोक्ताओं के द्वारा आपस में मिलकर एक संगठन का निर्माण किया जाता हैं जिसमें अध्यक्ष,सदस्य ,एवं अन्य व्यक्ति सम्मिलित होते हैं जब भी कोई आंदोलन करना होता है तो ये संगठन आम व्यक्तियों का नेतृत्व करते हैं इन्हें उपभोक्ता मंच या उपभोक्ता संरक्षण परिषद के नाम से भी जाना जाता है इस तरह से संगठन का निर्माण करते हैं

उपरोक्त माध्यम के द्वारा उपभोक्ता अपनी एकजुटता का प्रदर्शन करते हैं।

52. बाजार में नियम एवं विनियम की आवश्यकता क्यों पड़ती है ? कुछ उदाहरण देकर समझाएं।

उत्तर- बाजार में विभिन्न प्रकार की वस्तुएं बिक्री के लिए होती हैं जैसे खाने की वस्तुएं, कपड़े, जूते, इलेक्ट्रॉनिक सामान, रसोई के सामान इत्यादि।

विभिन्न प्रकार के सामान की जानकारी उपभोक्ताओं को पूरी तरह से नहीं मिल पाती है इसलिए बाजार में सुरक्षा अति आवश्यक है इन कारणों से बाजार में नियम एवं विनियम की आवश्यकता पड़ती है।

(i) **सीमित सूचना**- सीमितसूचना ने बाजार में उपभोक्ताओं की सुरक्षा को आवश्यक बना दिया है।

सीमित सूचना- आधुनिक युग में सूचना के माध्यम बहुत है जैसे -रेडियो, टेलीविजन, समाचार, पत्र के द्वारा कंपनियां वस्तुओं की गुणों को अति बढ़ा चढ़ाकर उपभोक्ताओं को बताते हैं जिससे उपभोक्ता उस वस्तु की ओर आकर्षित हो जाते हैं और कंपनियां मनमाने मूल्य वसूलते है इस प्रकार उपभोक्ता ठगे जाते हैं कहावत है "हर चमकने वाली वस्तु सोना नहीं होती"।

(ii) **सीमित प्रतिस्पर्धा**- प्राय देखा जाता है कि कि कुछ वस्तुओं के उत्पादन में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं होती यदि होती है तो बहुत कम ऐसे में एक उत्पादक वस्तु के उत्पादन एवं वितरण में अपना एकाधिकार स्थापित कर लेता है जैसे- दवाइयां ,डॉक्टर उपकरण ,वाहन ,मकान इत्यादि जिनके वितरण में उत्पादक एवं विक्रेता अपनी मनमानी करने लगते हैं और उपभोक्ताओं को ऊंचे मूल्य चुकाने पड़ते हैं कभी-कभी ऐसी भी संभावना होती है कि उन्हें उत्तम प्रकार की सामग्री या वस्तु ना मिले

इन सभी कारणों के कारण बाजार में नियम एवं विनियम की आवश्यकता पड़ती है।

53 निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए?

1 एक उत्पाद के घटकों का विवरण
2 एगमार्क
3. स्कूटर में खराब इंजन के कारण हुई दुर्घटना
4. जिला उपभोक्ता अदालत विकसित करने वाली एजेंसी
5. उपभोक्ता इंटरनेशनल
6. भारतीय मानक ब्यूरो

(क) सुरक्षा का अधिकार
(ख) उपभोक्ता मामलों से संबंध
(ग) अनाजों और खाद्य तेल का प्रमाण
(घ) उपभोक्ता कल्याण संगठन की अंतर्राष्ट्रीय संस्था
(ड) सूचना का अधिकार
(च) वस्तुओं और सेवाओं के लिए

उत्तर- (1)-(ड), (2)-(ग), (3)-(क), (4)-(ख), (5)-(घ), (6)-(च)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

54 उपभोक्ता दलों द्वारा कौन-कौन से उपाय अपनाए जा सकते हैं समझाएं?

उत्तर - भारत में उपभोक्ता दलों द्वारा विभिन्न प्रकार के उपाय अपनाकर उपभोक्ताओं को जागरूक करते हैं जिससे उनका संरक्षण हो सके बाजार में मूल्य नियंत्रण हो सके गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं का उत्पादन हो सके जागरूकता फैलाकर -उपभोक्ता जब कोई सामान खरीदता है तो उसे वस्तुओं की गुणवत्ता पर, मूल्यपर ध्यान देना चाहिए।

नाटक का प्रयोग - उपभोक्ता दलों द्वारा जगह जगह पर नाटकों का प्रयोग करके उपभोक्ताओं को जागरूक करने का कारण किया जाता है।

कानूनों का पालन - उपभोक्ता संगठनों द्वारा उपभोक्ताओं के हितों के लिए अनुचित व्यवस्थाको सुधारने के लिए व्यवसायिक कंपनियों और सरकार पर दबाव बनाते हैं।

मीडिया का प्रयोग- उपभोक्ता दोनों द्वारा मीडिया का प्रयोग करके उपभोक्ताओं को जागरूक करते हैं उत्पादकों की कार्यशैली पर प्रश्न करते हैं सरकार पर दबाव बनाते हैं एवं समाचार पत्रों के द्वारा उपभोक्ताओं के कर्तव्य का प्रकाशन करते हैं जिससे जागरूकता मे वृद्धि होती हैं और उपभोक्ता सुरक्षित होते हैं।

संचार माध्यमों का प्रयोग - उपभोक्ता संगठन संचार के माध्यमों का प्रयोग करके उपभोक्ताओं को जागरूक करते हैं उनके कर्तव्य को दर्शाते हैं जिससे उपभोक्ता जागरूक होते हैं जैसे "जागो ग्राहक जागो" इत्यादि।

बाजार नियमों का पालन - उपभोक्तादल का मुख्य कार्य है कि यह देखा जाए कि बाजार में क्रय विक्रय में बाजार नियमों का पालन किया जा रहा है या नहीं जैसे स्टॉक रजिस्टर वस्तुओं की गुणवत्ता की जांच वस्तुओं के क्रय के बाद की सेवाएं उपभोक्ताओं को दी जा रही है या नहीं।

इस प्रकार से उपभोक्ता संगठन उपभोक्ताओं के संरक्षण के लिए उपयुक्त कार्यशैली को अपनाकर उत्पादक वर्गों पर दबाव बनाते हैं सरकार पर दबाव बनाते हैं जिससे उत्पादित वस्तुओं की गुणवत्ता में वृद्धि होती है और उपभोक्ताओं तक शुद्ध वस्तुएं पहुंच पाती है।

55 उपभोक्ताओं के सशक्तिकरण लिए भारत सरकार के द्वारा किन कानूनी मापदंडों को लागू किया गया है। समझाएं?

Jharkhandlab.com

उत्तर - वैश्वीकरण एवं उदारीकरण के इस युग में उपभोक्ताओं को समर्थ बनाने के लिए भारत सरकार ने कई मापदंडों को लागू किया जैसे कानूनी प्रशासनिक एवं तकनीक मापदंड।

(i) उपभोक्ता के अधिकारों संबंधी कानून- भारत सरकार ने 24 दिसंबर 1986 को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम लागू किया जिसमें उपभोक्ता के संरक्षण के लिए कई प्रावधान है ।

सर्वप्रथम राष्ट्रीय राज्य एवं जिला स्तर पर तीन स्तरीय उपभोक्ता अदालतों का निर्माण किया गया है राष्ट्रीय स्तर पर इसे राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग कहा जाता है राज्य स्तर पर राज्य आयोग और जिला स्तर पर जिला मंच कहा जाता है इन संस्थाओं पर उपभोक्ता के द्वारा शिकायत करने पर जल्द कार्यवाही शुरू कर दी जाती है यदि शिकायत सही है तो उपभोक्ता को क्षतिपूर्ति भी प्रदान की जाती है।

(क) विक्रेता को निर्देश दिया जाता है की वस्तु में पाए जाने वाले त्रुटि को ठीक करें।

(ख) खराब वस्तु के बदले नई वस्तु ग्राहक को दिया जाए

(ग) विक्रेता के द्वारा उपभोक्ता को होने वाली हानि की पूर्ति की जाए।

(घ) भविष्य में खराब वस्तु नहीं बेचने की हिदायत दी जाती है

(ड) कंपनी पर जुर्माना भी लगाया जाता है।

(ii) प्रशासनिक मापदंड- सरकार ने कालाबाजारी एवं अधिक मूल्य वसूली को रोकने के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकान के द्वारा रोक लगाने का प्रयास किया गया है।

(iii) तकनीकी मापदंड- तकनीकी मापदंड के अंतर्गत विभिन्न वस्तुओं का मानकीकरण करना है वस्तुओं की गुणवत्ता की जांच करके एगमार्क, आई एस आई इत्यादि की मुहर लगाई जाती है खाद्य वस्तुओं के लिए एगमार्क चिन्हका प्रयोग किया जाता है यह चिन्ह प्रमाण देते हैं की वस्तु शुद्ध है।

इस प्रकार से भारत सरकार के द्वारा उपभोक्ताओं को समर्थ बनाने के लिए विशेष मापदंड अपनाए गए जिनसे उपभोक्ता सुरक्षा में बहुत सुधार हुआ है।

56 उपभोक्ता शोषण का क्या अर्थ है, उपभोक्ताओं के शोषण के उत्तरदायी कारणों का वर्णन करें?

उत्तर - उपभोक्ता शोषण का अर्थ है कि किसी उपभोक्ता को विक्रेता द्वारा वस्तु की मात्रा में कमी, नकली वस्तु ,मिलावटी वस्तुएं ,एवं वस्तुओं के बारे में गलत जानकारी देने से है।

अर्थात जब कोई क्रेता विक्रेता से कोई सामान खरीदता है तो विक्रेता के द्वारा गलत सम्मान दिया जाना उपभोक्ताओं का शोषण कहलाता है।

उपभोक्ता का शोषण कई प्रकार से किया जाता है जिनमें से कुछ निम्न है:-

(i) आकर्षक विज्ञापन- संचार के माध्यमों से कंपनियां अपनी वस्तुओं की गुणवत्ता को बढ़ा चढ़ा कर बताते हैं जिससे उपभोक्ता आकर्षित हो जाते हैं औरशोषण का शिकार हो जाते हैं।

(ii) सूचना का अभाव -उपभोक्ताओं तक सही सूचना नहीं पहुंच पाती है उपभोक्ताओं को क्रय संबंधी नियम की जानकारी नहीं हो पाती है औरगलत वस्तुओं का क्रय कर लेते हैं।

(iii) वस्तु की आपूर्ति में कमी -विक्रेताओं द्वारा कभी-कभी कालाबाजारी एवं जमाखोरी की जाती है जिसके कारण बाजार में वस्तुओं में कमी आ जाती है और विक्रेता मनमाना मूल्य वसूली करते हैं।

(iv) अशिक्षा -आज भी भारत में एक बड़ी जनसंख्या अशिक्षित है अशिक्षित व्यक्ति क्रय के नियमको नहीं जान पाते हैं वे दुकानदार के कहे अनुसार वस्तु का क्रय करते हैं।

(V) एकाधिकार की स्थिति-कभी देखा जाता है की कुछ वस्तुओं में किसी कंपनी का एकाधिकार हो जाता है और वह वस्तुओं का मूल्य अपने अनुसार तय करता है जिससे वस्तुओं का मूल्य में वृद्धि हो जाती है जैसे दवाइयां ,मेडिकल उपकरण इत्यादि।

उपरोक्त कारण के द्वारा भारत में आज भी उपभोक्ताओं का शोषण किया जा रहा है भारत सरकार ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 के द्वारा एवं उपभोक्ता जागरण के द्वारा उपभोक्ताओं का शोषण में कमी नजर आ रही है।

57 नियम एवं कानून होने के बावजूद उनका अनुपालन नहीं होता है क्यों वर्णन कीजिए?

उत्तर - भारत में उपभोक्ता की सुरक्षा के लिए नियम एवं कानून बने हुए हैं जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 है नियम एवं कानून होने के बावजूद भी उनका अनुपालन सही ढंग से नहीं हो पा रहा है जिसके कुछ कारण निम्न है।

(i) कर्मचारियों का नैतिक पतन -नियम एवं कानून का लागू होने के बावजूद अनुपालन नहीं होना अर्थात इसमें कर्मचारियों का नैतिक पतनशामिल है क्योंकि वह भ्रष्ट व्यापारियों एवं दुकानदारों से मिले हुए होते हैं और उन्हें बच निकलने का अवसर प्रदान करते हैं।

(ii) राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था में भ्रष्टाचार -बड़े व्यापारियों ,राजनेता एवं प्रशासनिक अधिकारी भी मिले हुए होते हैं जिससे नियमों का अनुपालन नहीं हो पाता है।

(iii) उपभोक्ता की अज्ञानता -अर्थशास्त्र में उपभोक्ता को विवेकशील माना जाता है परंतु हमारे देश में आज भी एक बड़ी जनसंख्या अशिक्षित है जिसके कारण उन्हें नियमों का पता नहीं होता है।

(iv) मांग एवं पूर्ति में असंतुलन -अर्थशास्त्र में मांग एवं पूर्ति में संतुलन करके कीमत का निर्धारण किया जाता है परंतु व्यापारियों द्वारा मांग एवं पूर्ति को असंतुलित कर दिया जाता है और वस्तुओं की कीमत को बढ़ा दिया जाता है जिससे उत्पादक को लाभ प्राप्त होता है।

(V) प्रतियोगिता -कभी-कभी बाजार में प्रतियोगिता का अभाव पाया जाता है किसी वस्तु में किसी व्यापारी के द्वारा एकाधिकार प्राप्त कर लिया जाता है और नियमों को ताक में रखकर वस्तु का मूल्य निर्धारण किया जाता है जिसमें व्यापारियों के साथ-साथ अधिकारियों की भी मिलीभगत होती है।

Jharkhandlab.com

उपरोक्त तथ्यों के द्वारा नियम एवं विनियम के होते हुए भीउनका अनुपालननहीं किया जाता हैऔर उपभोक्ताओं को शोषण का शिकार बनाया जाता हैजिसे सरकार के द्वारा रोकने के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम1986 बनाया गया जिससे काफी हद तक सुधार हुआ है

58 भारत में उपभोक्ता आंदोलन की प्रगति का वर्णन करें?

उत्तर - भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात खाधान्न की अत्यधिक कमी होने के कारण जमाखोरी और कालाबाजारी बहुत बढ़ गई थी।

अत्यधिक लाभ कमाने के लालच में उत्पादक एवं विक्रेता खाद्य पदार्थों की एवं खाद्य तेल जैसी वस्तुओं में मिलावट करने लगे थे इसके विरोध में हमारे देश में उपभोक्ता आंदोलन एक संगठित रूप में प्रारंभ हुआ हमारे देश में उपभोक्ता आंदोलन 1960 ईस्वी के दशक में प्रारंभ हुआ उस समय सार्वजनिक वितरण प्रणाली का संचालन बहुत दोषपूर्ण था राशन दुकानों के विक्रेता प्रायउपभोक्ताओं को निर्धारित मात्रा में तथा उचित समय पर वस्तुओं की पूर्ति नहीं करते थे, और मनमानी करते थे उपभोक्ता संगठनों ने इन पर निगरानी रखना शुरू किया और अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज कराने लगे यह संगठन सार्वजनिक सेवाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार का विरोध करने लगे उपभोक्ता संगठनों में वृद्धि होने लगी और उपभोक्ता जागरूक होने लगे ।

उपभोक्ता आंदोलन को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार ने कई उपाय किए सरकार द्वारा 1986 में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम पारित किया गया या एक अत्यंत प्रगतिशील एवं व्यापक कानून है जहां उपभोक्ताओं की हितों की रक्षा के लिए उपभोक्ता फोरम से लेकर न्यायालय तक स्थापित किए गए अभी देश में 700 से भी अधिक और सरकारी एवं गैर सरकारी उपभोक्ता संगठन है सरकार इन्हें संगठित करने में प्रयासरत है।

इस प्रकार से भारत में उपभोक्ता आंदोलन के प्रयास से उपभोक्ता जागरूक होने लगे और अपने अधिकार के प्रति सचेत होनेलगे जिससे भारत में कालाबाजारी एवं जमाखोरी में कमी होने लगी आज भारत में उपभोक्ता आंदोलन को जन जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है। भारत में उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता जोर शोर से विकास पर है।

59. उपभोक्ता संरक्षण हेतु सरकार द्वारा गठित न्यायिक प्रणाली(त्रिस्तारीय) को विस्तार से समझाएं?

उत्तर - भारत में उपभोक्ता संरक्षण हेतु सरकार ने 24 दिसंबर 1986 को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम पारित किया जिसमें सरकार के द्वारा न्यायिक प्रणाली को तीन स्तरों में बाटा गया जिसका वर्णन निम्न है

(i) राष्ट्रीय आयोग -यह राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करती है अर्थात पूरे देश के लिए कार्य करते हैं उन मामलों पर सीधी सुनवाई करती है जो एक करोड़ से अधिक का हो राष्ट्रीय आयोग में पूरे देश के लोग अपने शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

(ii) राज्य स्तरीय आयोग -यह प्रत्येक राज्य में स्थित होता है इस आयोग के अंतर्गत 2000000 से एक करोड़ तक की राशि के दावा की सीधी सुनवाई करती है राज्य स्तरीय आयोग पूरे राज्य के लिए कार्य करते हैं।

(iii) जिला स्तर पर जिला मंच फोरम -इसकी प्रत्येक व्यवस्था प्रत्येक जिले में की गई है या 2000000 रुपए से कम मामलों की सुनवाई करती है ।जिला फोरम पूरे जिले के लिए कार्य करते हैं उस जिले के कोई भी व्यक्ति अपनी शिकायत यहां दर्ज करा सकता है यदि किसी स्थिति में कोई उपभोक्ता राष्ट्रीय फोरम के फैसले से असंतुष्ट होता है तो वह राष्ट्रीय आयोग के फैसले के 30 दिनों के भीतर सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकता है।

भारत सरकार ने उपभोक्ता संरक्षण के लिए जिला स्तर पर राज्य स्तर पर एवं राष्ट्रीय स्तर पर अर्थात त्रिस्तरीय न्यायिक प्रणाली का गठन किया है जिससे उपभोक्ता संरक्षण में उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण किया जाता है।

60. एक उपभोक्ता अपने शिकायत किस प्रकार दर्ज करा सकता है समझाएं?

उत्तर- भारत में उपभोक्ता के शिकायत के लिए त्रिस्तरीय न्याय प्रणाली गठित की गई है जिसमें उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है प्रत्येक उपभोक्ता को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 के अंतर्गत अपनी शिकायत को उपभोक्ता फोरम मे रखने का अधिकार प्रदान किया गया है

इसके अनुसार उपभोक्ता अपनी शिकायत को एक सादे कागज पर विस्तृत विवरण जिनमें निम्नलिखित बातों का उल्लेख प्रस्तुत करना होता है।

(i) शिकायतकर्ता एवं विपरीत पार्टी का नाम तथा पता
(ii) शिकायत से संबंधित कारण एवं विवरण
(iii) शिकायत हेतु आरोपों के समर्थन में दस्तावेज
(iv) शिकायत पर आवेदक अथवा उसके प्राधिकृत एजेंट के हस्ताक्षर

शिकायतकर्ता उपयुक्त तथ्यों के आधार पर उपभोक्ता शिकायत केंद्र पर जाकर आवेदन दे सकता है

उपभोक्ता के पास शिकायत हेतु दस्तावेज में जैसे रसीद और वस्तुओं का गारंटी या वारंटी कार्ड और दुकानदार का पूरा पता दोषपूर्ण वस्तुओं का साक्ष्य होना चाहिए उपभोक्ता अपने केस की पैरवी के लिए सक्षम हो तो खुद या कोई वकील भी रख सकता है और शिकायतकर्ता विपरीत पार्टी के खिलाफ अपनी बातों को साक्ष्य के साथ फोरम में रख सकता है यदि उसके साक्ष्य सही पाए जाते हैं तो शिकायतकर्ता को विपरीत पार्टी से क्षतिपूर्ति प्रदान कराई जाती है एवं विपरीत पार्टी को आदेश दिया जाता है कि वह भविष्य में उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी ना करें।

उपभोक्ता शिकायत केंद्र में शिकायत दर्ज कराने की बहुत ही आसान प्रक्रिया को अपनाया गया है जिससे अधिक से अधिक उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज करा सके शिकायत दर्ज कराने के पश्चात सुनवाई की प्रक्रिया को भी आसान बनाया गया है

jharkhandlab.com

मॉडल सेट (प्रश्न पत्र प्रारुप)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प का चुनाव करें?

1. वह राज्य जहां के राजनीतिक सत्ता उसके सांस्कृतिक सता से मिलकर बनती है उसे कहते हैं-

A. कल्याणकारी राज्य B. राष्ट्र राज्य
C. गणराज्य D. राजतंत्र

उत्तर - A. राष्ट्र राज्य

2: रक्त और लौह की नीति का अवलंबन किसने किया?

A. मेजिनी B. हिटलर
C. बिस्मार्क D. काबूर

उत्तर - C. बिस्मार्क

3. हिंद स्वराज नामक पुस्तक की रचना किसने की थी?

A. महात्मा गांधी B. पंडित जवाहरलाल नेहरू
C. बाल गंगाधर तिलक D. डॉक्टर अंबेडकर

उत्तर - A. महात्मा गांधी

4. प्रथम गोलमेज सम्मेलन का आयोजन कब हुआ?

A. 1928 B. 1931
C. 1932 D. 1930

उत्तर - D. 1930

5. बृहद उत्पादन व्यवस्था किस देश में आरंभ की गई।

A. ब्रिटेन B. रुस
C. अमेरिका D. जर्मनी

उत्तर - C. अमेरिका

6. एशिया को यूरोप और उत्तरी अफ्रीका से जोड़ने वाले मार्ग को क्या कहा जाता है?

A. सूती मार्ग. B. सिल्क मार्ग
C. उत्तरापथ D. दक्षिणापन

उत्तर - B . सिल्क मार्ग

7. भारत में पहली जूट मिल कहां स्थापित की गई थी?

A. बंगाल B. मुंबई
C. मद्रास D. बिहार

उत्तर - A. बंगाल

8. विश्व का सबसे बड़ा उद्योग कौन सा है?

A. सूती वस्त्र उद्योग B. रसायन उद्योग
C. चीनी उद्योग D. लौह इस्पात उद्योग

उत्तर - D. लौह इस्पात उद्योग

9. भारत में पहला प्रिंटिंग प्रेस किन लोगों के द्वारा लाया गया?

A. पुर्तगालियों द्वारा B. डचो द्वारा
C. फ्रांसीसीयो द्वारा D. अंग्रेजों द्वारा

उत्तर - A. पुर्तगालियों द्वारा

10. जापान की सबसे पुरानी मुद्रित पुस्तक का क्या नाम था?

A. बाइबिल B. उकियाओ
C. कुराण D. डायमंड सूत्र

उत्तर - D. डायमंड सूत्र

11. बेल्जियम में मुख्य रूप से कौन सी भाषा बोली जाती है?

A. जर्मन B. डच
C. फ्रेंच D. जर्मन डच तथा फ्रेंच

उत्तर - D. जर्मन डच तथा फ्रेंच

12. संघात्मक सरकार किस देश में है?

A. चीन B. भारत
C. फ्रांस D. जापान

उत्तर - B. भारत

13. उत्तरी आयरलैंड और नीदरलैंड देश हैं।

A. ईसाई बहुल B. हिंदू बहुल
C. इस्लाम बहुल D. सिख बहुल

उत्तर - A. ईसाई बहुल

14. राज्य के विधानसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व कितना है?

A. 4 फ़ीसदी से कम B. 5 फ़ीसदी से कम
C. 7 फ़ीसदी से कम D. 10 फीसदी से कम

उत्तर - B. 5 फ़ीसदी से कम

15. भारत के संविधान के अनुसार भारत कैसा देश है?

A. धर्म प्रधान B. हिंदू
C. मुस्लिम D. धर्मनिरपेक्ष

उत्तर - D. धर्मनिरपेक्ष

16. किस प्रकार की सरकार सबसे बेहतर मानी जाती है?

A. राजतंत्र B. लोकतंत्र
C. सैनिक तंत्र D. तानाशाही सरकार

उत्तर - B. लोकतंत्र

17. भारत में लोकतांत्रिक सरकार के कितने अंग हैं?

A. दो B. तीन
C. चार D. पांच

उत्तर - B. तीन

18. भारतीय जनता पार्टी का मुख्य प्रेरक सिद्धांत क्या है?

A. बहुजन समाज B. क्रांतिकारी आंदोलन
C. सांस्कृतिक राष्ट्रवाद D. आधुनिकता

उत्तर - C. सांस्कृतिक राष्ट्रवाद

19. 22 भाषाओं को भारतीय संविधान की किस अनुसूची में रखा गया है?

A. आठवीं अनुसूची B. नवीं अनुसूची
C. दसवीं अनुसूची D. ग्यारहवीं अनुसूची

उत्तर - A. आठवीं अनुसूची

20. धार्मिक आधार पर..... सांप्रदायिकता का दूसरा रूप है।

A. धार्मिक B. राजनीतिक
C. आर्थिक D. सामाजिक

उत्तर - B. राजनीतिक

21. सूचना का अधिकार अधिनियम कब पारित किया गया।

A. अक्टूबर 2005 B. जनवरी 2006
C. मार्च 2006 D. जुलाई 2007

उत्तर - A. अक्टूबर 2005

22. राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस कब मनाया जाता है।

A. 24 जनवरी B. 15 जुलाई
C. 24 दिसंबर D. इनमें कोई नहीं

उत्तर - C. 24 दिसंबर

23. जिस देश की प्रति व्यक्ति आय अधिक होती है वह क्या कहलाता है?

A. विकसित देश B. अविकसित देश
C. अर्ध विकसित देश D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - A. विकसित देश

Jharkhandlab.com

24. तृतीयक क्षेत्र का दूसरा नाम क्या है?

A. कृषि B. औद्योगिक
C. सेवा D. प्राथमिक

उत्तर - C. सेवा

25. समान्यतः किसी देश का विकास किस आधार पर निर्धारित किया जा सकता है।

A. प्रति व्यक्ति आय B. औसत साक्षरता दर
C. लोगों का स्वास्थ्य स्तर D. उपरोक्त सभी

उत्तर - D. उपरोक्त सभी

26. क्षेत्र कितने प्रकार के होते हैं।

A. चार B. पांच
C. तीन D. दो

उत्तर - C. तीन

27. ऋण के अनियमित स्रोत कौन-कौन हैं।

A. व्यापारी तथा साहूकार B. बैंक तथा संबंधी
C. साहूकार तथा बैंक D. सहकारी संस्थाएं तथा बैंक

उत्तर - A. व्यापारी तथा साहूकार

28. भारत में मुद्रा जारी कौन करता है।

A. वाणिज्यिक बैंकों द्वारा B. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों द्वारा
C. राष्ट्रीय कृत बैंक द्वारा D. भारतीय रिजर्व बैंक

उत्तर - D. भारतीय रिजर्व बैंक

29. निम्न में से किस को वैश्वीकरण में सबसे कम लाभ हुआ है।

A. कृषि क्षेत्र B. सेवा क्षेत्र
C. द्वितीय क्षेत्र D. उद्योग

उत्तर - A. कृषि क्षेत्र

30. घरेलू अर्थव्यवस्था और विश्व अर्थव्यवस्था को जोड़ना क्या कहलाता है।

A. वैश्वीकरण B. राष्ट्रीयकरण
C. उदारीकरण D. निजीकरण

उत्तर - A. वैश्वीकरण

31. काली मृदा को किस नाम से जाना जाता है

A. जलोढ़ मृदा B. खादर
C. रेगड़ D. बांगर

उत्तर - C. रेगड़

32. भारत के कुल क्षेत्रफल का कितने प्रतिशत क्षेत्रफल पठारी भाग हैं?

A. 43% B. 27%
C. 30% D. 40%

उत्तर - B. 27%

33. मध्य अमेरिका में झूम कृषि को किस नाम से जाना जाता है?

A. रे B. रोका
C. मिल्पा D . इनमें से कोई नहीं

उत्तर - C. मिल्पा

34. सुनहरा रेशा किस फसल को कहा जाता है?

A. रबड़ B. जूट
C. कपास D. कहवा

उत्तर - B. जूट

35. किसने कहा है कि "बांध आधुनिक भारत के मंदिर" हैं?

A. सुभाष चंद्र बोस B. भीमराव अंबेडकर
C. महात्मा गांधी D. पंडित जवाहरलाल नेहरू

उत्तर - D. पंडित जवाहरलाल नेहरू

36. भारत का सबसे बड़ा बॉक्साइट उत्पादक राज्य है।

A. मध्य प्रदेश B. झारखंड
C. उड़ीसा D. उत्तराखंड

उत्तर - C. उड़ीसा

37. भारत में जूट उत्पादन में किस राज्य का महत्वपूर्ण स्थान है?

A. जम्मू कश्मीर B. पश्चिम बंगाल
C. उत्तर प्रदेश D. महाराष्ट्र

उत्तर - B. पश्चिम बंगाल

38. सरिस्का वन्य जीव अभ्यारण किस राज्य में स्थित है?

A. राजस्थान B. उत्तर प्रदेश
C. गुजरात D. पश्चिम बंगाल

उत्तर - A. राजस्थान

39. निम्न में से परिवहन के प्रकार कौन-कौन हैं?

A. स्थल परिवहन B. जल परिवहन
C. वायु परिवहन D. उपरोक्त सभी

उत्तर - D. उपरोक्त सभी

40. सीमा सड़क संगठन कब बनाया गया था?

A. 1960 B. 1961
C. 1962 D. 1963

उत्तर - A. 1960

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

निम्न में से किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर दें

प्रश्न 1: पिकेटिंग क्या है?

उत्तर- प्रदर्शन या विरोध का एक ऐसा स्वरूप जिसमें लोग किसी दुकान, फैक्ट्री या दफ्तर के भीतर जाने का रास्ता रोक लेते हैं।

प्रश्न 2: मेटरनिख युग क्या है?

उत्तर - मेटरनिख ऑस्ट्रिया का चांसलर था जो घोर प्रतिक्रियावादी था। वह अपने राज्य में किसी भी प्रकार के सुधार के पक्ष में नहीं था , उसकी नीति थी कि शासन करो लेकिन कोई परिवर्तन नहीं होने दो। 1815 से 1848 तक का काल यूरोप के इतिहास में मेटरनिख युग के नाम से जाना जाता है।

प्रश्न 3: सत्ता की साझेदारी से आप क्या समझते हैं?

उत्तरः शासन की व्यवस्था में समाज के प्रत्येक समूह और समुदाय की समान भागीदारी होती है उसे सत्ता की साझेदारी कहते हैं।

प्रश्न 4: दबाव समूह किसे कहते हैं?

उत्तरः दबाव समूह एक ऐसा संगठन है जिसमें कुछ लोगों द्वारा अपनी विशेष उद्देश्य की पूर्ति के लिए बनाया जाता है। इनका राजनीति पर प्रत्यक्ष भागीदारी नहीं होती है, परंतु यह अपनी नीतियों से राजनीति को प्रभावित करते हैं।

प्रश्न 5: गहन कृषि क्या है?

उत्तरः- गहन कृषि या सघन कृषि जीविका कृषि का एक प्रकार है जिसे भूमि पर अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्रों में किया जाता है। श्रम साध्य कृषि है जहां उत्पादन को बढ़ाने के लिए अधिक मात्रा में जैव -रासायनिक निवेशों और सिंचाई का प्रयोग किया जाता है।

प्रश्न 6: भारत में कृषि पर आधारित प्रमुख उद्योग कौन-कौन से हैं?

उत्तरः- कृषि आधारित उद्योग एक तरह का ऐसा उद्योग है जिससे कच्चा माल किसानों के खेतों से आता है। कृषि पर आधारित प्रमुख उद्योग-

1. चीनी उद्योग।
2. सूती वस्त्र उद्योग।
3. वनस्पति तेल उद्योग।
4. रबर उद्योग।
5. दुग्ध व्यवसाय।
6. खाद बीज उत्पादन उद्योग।
7. पशु आहार उद्योग।

Jharkhandlab.com

प्रश्न 7: औसत आय से आप क्या समझते हैं?

उत्तर:- जब देश की कुल आय को कुल जनसंख्या से भाग करते हैं तो उस प्राप्त राशि को औसत आय कहते हैं।

औसत आय =देश की कुल आय /कुल जनसंख्या

प्रश्न 8: प्राथमिक क्षेत्र किसे कहते हैं?

उत्तर:- ऐसी गतिविधियां जहां प्रकृति द्वारा प्रदान की गई वस्तुओं को प्रयोग में लाया जाता है तो उन्हें हम प्राथमिक क्षेत्र की गतिविधियां कहते हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

निम्न में से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दें

प्रश्न 1: सूरत बंदरगाह 18 वीं सदी के अंत तक हाशिए पर पहुंच गया था व्याख्या करें?

उत्तर- 18 वीं सदी के अंत से पूर्व तक गुजरात सूरत बंदरगाह बंगाल की खाड़ी तथा लाल सागर बंदरगाहों से जुड़ा हुआ था। 1750 के दशक के पश्चात इस बंदरगाह पर भारतीय सौदागरों का नियंत्रण ढीला पड़ता गया, जिसके कारण भारत में यूरोपीय कंपनियों के प्रभाव में निरंतर वृद्धि होती जा रही थी। यूरोपीय कंपनियों द्वारा व्यापार पर इजारेदारी अधिकार हासिल कर लेने से सूरत व हुगली दोनों बंदरगाह कमजोर पड़ गए, जिससे इन पर होने वाले व्यापार में नाटकीय ढंग से कमी आई। 1740 के दशक में इस बंदरगाह पर होने वाला व्यापार 16 करोड़ से गिरकर केवल 30लाख रह गया दूसरी और बंबई नये बंदरगाह के रूप में उभर आए थे।

प्रश्न 2: कॉर्न लॉ के समाप्त करने के बारे में ब्रिटिश सरकार के प्रभावों की व्याख्या करते हुए संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उत्तर - ब्रिटिश संसद ने 19वीं शताब्दी में जो कानून अपने भू स्वामियों के हितों की रक्षा के लिए पास किए उन्हें कॉर्न लॉ कहा जाता है। इन कानून द्वारा विदेशों से आने वाली मक्का के आयात पर पाबंदी लगा दी गई परिणाम स्वरूप जब खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमतों से परेशान लोगों ने हाहाकार मचा दी तो ब्रिटिश सरकार ने कार्न लऑ को फौरन समाप्त कर दिया।

इस कानून को हटाने के बहुत महत्वपूर्ण प्रभाव पड़े

1 खाद्य सामग्री सस्ती हो गई जिससे साधारण और गरीब जनता को खूब लाभ रहा।

2 जब खाद्य पदार्थ सस्ते दामों में ब्रिटेन आने लगे तो वहां के भूस्वामी बर्बाद हो गए।

3 खेती करने वाले बहुत से किसान बेरोजगार हो गए और लोग नौकरी की तलाश में शहरों की ओर जाने लगे।

प्रश्न 3: भारत की संघीय व्यवस्था में बेल्जियम से मिलती-जुलती एक विशेषता और उससे अलग एक विशेषता को बताएं?

उत्तर: **भारत की संघीय व्यवस्था में बेल्जियम से मिलती-जुलती एक विशेषता-** भारत के संविधान में मौलिक रूप से दो स्तरीय शासन व्यवस्था का प्रावधान है- संघ सरकार और राज्य सरकार। पूरे देश की शासन व्यवस्था का संचालन केंद्रीय सरकार और अलग-अलग राज्यों का संचालन के लिए राज्य सरकार का प्रावधान किया गया है। शक्तियों का बंटवारा भी केंद्र और राज्यों के बीच संविधान में विषयों की तीन सूचियों के अंतर्गत कर दिया गया है।बेल्जियम में केंद्र और राज्य स्तरों की सरकारें हैं और दोनों सरकारें अपने-अपने क्षेत्रों में स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं।

भारत की संघीय व्यवस्था में बेल्जियम से अलग एक विशेषता:- भारत और बेल्जियम दोनों देशों में तीसरे स्तर की सरकार है। परंतु भारत में बेल्जियम की भांति कोई सामुदायिक सरकार नहीं है जो अलग-अलग जातियों, सांस्कृतिक, शैक्षणिक और भाषाई हितों की रक्षा करती है।

प्रश्न 4: सामाजिक विभाजन किस तरह राजनीति को प्रभावित करती है?

उत्तर :_ सामाजिक विभाजन हर छोटे बड़े देशों में विद्यमान हैं। यदि सामाजिक विभाजन राजनीतिक विभाजन बन जाए तो उनका परिणाम बड़ा भयानक हो सकता है।राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा होती है। जब भी राजनीतिक दल कुछ सामाजिक विभाजन को अपना समर्थन देते हैं तब इससे राजनीतिक विभाजन होने की संभावना रहती है, साथ ही यदि यह सामाजिक विभाजन या उनसे जुड़ी राजनीतिक पार्टियां संविधान की मर्यादा में न रहते हुए कार्य करें तो यहां सामाजिक विभाजन सदा ही हानिकारक साबित होते हैं।

उदाहरण:- उत्तरी आयरलैंड का धार्मिक विभाजन जातीय राजनीतिक संघर्ष को जन्म दिया आयरलैंड में ईसाई धर्म के दो प्रमुख समुदाय हैं प्रोटेस्टेन्ट और कैथोलिक। उत्तरी भाग में 53% प्रोटेस्टेंट और 44% रोमन कैथोलिक निवास करते हैं।काफी समय से इन दोनों गुटों के बीच झगड़ा चल रहा था।कैथोलिक उतरी आयरलैंड को आयरलैंड गणराज्य में शामिल करना चाहते थे और प्रोटेस्टेंट ब्रिटेन के साथ रहना चाहते थे। इसके कारण वर्षों तक हिंसा हुई और हजारों लोग मारे गए। अंत में दोनों पक्षों ने 1998 में एक शांति संधि पर हस्ताक्षर किए और संघर्ष विराम की घोषणा की।

प्रश्न 5: भारत सरकार द्वारा कृषि उत्पादन में वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए कौन-कौन से उपाय अपनाए गए हैं?। समझाइए।

उत्तर:- विश्व में जनसंख्या के आधार पर भारत का स्थान दूसरा नंबर पर आता है। इतनी बड़ी जनसंख्या को भोजन उपलब्ध कराने हेतु कृषि क्षेत्र में विस्तार के लिए सरकार के द्वारा विशेष कार्य किए गए हैं जो निम्न है,

1. **जमीदारी प्रथा का उन्मूलन-**

   कृषि में उत्पाद में वृद्धि के लिए सरकार ने सबसे पहला कार्य जमीदारी प्रथा का उन्मूलन किया क्योंकि भारत के लिए यह अभिशाप था। इस योजना के अंतर्गत जमींदारों से जमीन लेकर भूमिहीन किसानों को दे दी गई जमीन के न्याय संगत और सामान वितरण को सुनिश्चित बनाने के लिए जोतों की सीमा निश्चित की गई।

2. **खेतों की चकबंदी-**

   भारत में अधिकतर किसानों के पास जोतों का बहुत छोटा आकार है और बिखरे हुए हैं ,सरकार ने इसे चकबंदी के जरिए बड़ा करने का प्रयास किया है।

3. **हाइब्रिड बीजों का प्रयोग-**

   कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए सरकार के द्वारा आधुनिक बीजों के विकास के लिए कई संस्थाएं बनाए गए हैं जिसमें बीजों को विकसित किया गया और हाइब्रिड बनाया गया। उससे गेहूं के उत्पादन में काफी वृद्धि हुईं।

4. **खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग-**

   भारतीय कृषि में अब रासायनिक खाद प्रयोग होने लगा है। जिससे उपज शक्ति में वृद्धि हो रही है। सरकार ने उर्वरकों के निर्माण के लिए कई उद्योगों का निर्माण भी किया है।

5. **कीटनाशकों का प्रयोग-**

   फसलों में अत्याधिक कीड़े मकोड़े लग जाते हैं। बीमारियां हो जाती है जिसे बचाने के लिए कीटनाशकों का प्रयोग होने लगा है।

6. **कृषि में आधुनिक तकनीक का प्रयोग-**

   भारत सरकार के द्वारा कृषि यंत्रों के निर्माण में जोर दिया गया है। और आधुनिक कृषि यंत्र बनाए गए जैसे ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, थ्रेसर जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई।इन उपकरणों के जरिए किसानों के समय में बचत हुई, और फसल भी सुरक्षित होने लगा।

jharkhandlab.com

इस तरह से भारत सरकार ने कई योजनाओं को अपनाकर कृषि के विकास में अपना अहम योगदान दिया। जिससे आज भारतीय कृषि का वैश्वीकरण हो चुका है। भारत खाद्य के मामले में आत्मनिर्भर बन चुका है। और निर्यात में अहम योगदान दे रहा है।

प्रश्न 6: सड़क परिवहन के तीन गुण बताएं।

उत्तर:- सड़क परिवहन के 3 गुण-

1. सड़कों के लिए रेलवे की अपेक्षा पूंजी निवेश की आवश्यकता कम होती है। इनका निर्माण बहुत ऊंचे स्थानों या किसी भी स्थान पर किया जा सकता है।
2. सड़क परिवहन सुविधाजनक तथा साधारण व्यक्ति की पहुंच के अंदर होता है। तथा 24 घंटे उपलब्ध होता है।
3. शीघ्र नष्ट होने वाली वस्तुओं, जैसे दूध और सब्जियों आदि को विभिन्न क्षेत्रों में ढोने की सुविधा प्रदान करती है। इससे उत्पादन में बढ़ोतरी होती है तथा साथ ही किसानों का ज्ञान भी बढ़ता है।

प्रश्न 7: वस्तु विनिमय प्रणाली से क्या समझते हैं?

उत्तर:-वह प्रणाली जिसमें मुद्रा का उपयोग किए बिना लोग अपनी आवश्यकताओं की वस्तुओं की पूर्ति वस्तुओं के विनिमय के माध्यम से करते हैं, वस्तु विनिमय प्रणाली कहा जाता है।

प्रश्न 8: आप उपभोक्ता के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कैसे करेंगे?

उत्तर- उपभोक्ता के रूप में हमारे निम्न कर्तव्य है-

1. जागरूकता का परिचय-

   हमें वस्तु की कीमत, गुणवत्ता, गारंटी और सेवाओं का ध्यान देना चाहिए ।
2. हमें खरीदी गई वस्तुओं की नकद रसीद मांगनी चाहिए , ताकि भविष्य में तथ्यों के तौर पर इसका प्रयोग किया जा सके।
3. हमें अपनी उचित शिकायतों को अवश्य दर्ज कराना चाहिए। जिससे अन्य लोगों को प्रोत्साहन मिले।
4. हमें अपनी शिकायतों पर क्षतिपूर्ति के लिए उपभोक्ता संगठनों की सहायता लेनी चाहिए और समय-समय पर उनका सहयोग भी करना चाहिए।
5. हमें अपने अधिकारों की जानकारी अवश्य होनी चाहिए। साथ ही इन अधिकारों का प्रयोग भी करना चाहिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:-

निम्न में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दें

प्रश्न 1: मुद्रण संस्कृति ने भारत में राष्ट्रवाद के विकास में किस प्रकार मदद की?

उत्तर- भारत में राष्ट्रवाद की भावना को फैलाने में मुद्रण संस्कृति ने बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान दिया जो इस प्रकार है-

क) अंग्रेजी काल में ब्रिटिश लेखकों ने अनेक ऐसी पुस्तकों की रचना की जो राष्ट्रीय भावनाओं से ओतप्रोत थी।

क) बंकिम चंद्र चटर्जी के उपन्यास आनंदमठ ने लोगों में देश प्रेम की भावना का संचार किया वंदे मातरम गीत भारत के कोने कोने में गूंजने लगा।

ग) भारतीय समाचार पत्रों ने भी राष्ट्रीय आंदोलन के लिए उचित वातावरण तैयार किया । अमृत बाजार पत्रिका, केसरी, मराठा, हिंदू तथा मुंबई समाचार पत्रों में छपने वाले लेख राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत होते थे।

घ) भारतीय देसी भाषाओं में छपी सामग्री से भारतीय लोगों में आधुनिक वित्तीय, सामाजिक और राजनीतिक विचारों का प्रचार प्रसार किया और संपूर्ण भारत में जागृति पैदा की।

ङ) मुद्रण संस्कृति के माध्यम से अंग्रेजी प्रशासन की शोषण पूर्ण गलत नीतियों और उनके दावों को उजागर करने में सहायता मिली।

च) मुद्रण संस्कृति ने भारत के एक कोने में रह रहे लोगों से संबंधित खबरों को दूसरे क्षेत्र में रह रहे लोगों तक पहुंचाया और सर्व भारत की पहचान को विकसित किया।

छ) प्रेस के माध्यम से राष्ट्रवादियों के लिए अपने विचारों को जन-जन तक पहुंचाना आसान हो गया।

ज) यह एक शक्तिशाली माध्यम बन गया , जिससे राष्ट्रवादी भारतीय देशभक्ति की भावना का प्रसार आधुनिक आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक विचारों का प्रचार तथा जनसाधारण में जागृत करने में मदद की।

प्रश्न 2: भारतीय संघीय शासन प्रणाली की विशेषताओं का वर्णन करें?

उत्तर: भारत की संघीय व्यवस्था की विशेषता:_

1. **सविधान की सर्वोच्चता** : भारत का संविधान देश का सर्वोच्च कानून है। भारत की संसद और विधान मंडल अपनी शक्तियां संविधान से ही प्राप्त करते हैं और अपने अधिकारों एवं कार्यों का प्रयोग कानून के आधार पर ही करते हैं।
2. **लिखित संविधान:** लिखित संविधान का होना संघात्मक शासन की प्रमुख शर्तें है। लिखित संविधान होने से संघ एवं राज्य में मतभेद की संभावना कम रहती है। इसमें संघ एवं राज्य के क्षेत्राधिकार निश्चित होते हैं। अन्य संविधान की भांति भारत का संविधान की विस्तृत और लिखित संविधान है।
3. **कठोर और लचीला संविधान** : संघात्मक संविधान कठोर होते हैं। जिसमें उसमें परिवर्तन सरलता से नहीं किए जा सकते हैं।
4. **शक्तियों का विभाजन:** भारत के संविधान द्वारा महत्वपूर्ण विषय केंद्रीय तथा स्थानीय महत्त्व के विषय राज्य को दिए गए हैं ।शक्तियों का विभाजन तीन सूचियों के आधार पर किया गया है _संघ सूची ,राज्य सूची और समवर्ती सूची। केंद्र और राज्य की सरकार बिना दबाव के अपने-अपने विषयों पर कानून का निर्माण करती है।
5. **न्यायपालिका की सर्वोच्चता :** भारत के संविधान में स्वतंत्र और निष्पक्ष उच्चतम न्यायालय की व्यवस्था की गई है । उच्चतम न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय को संविधान की व्याख्या एवं रक्षा करने का अधिकार दिया गया है ।भारत की न्यायपालिका अपने कार्यों का निष्पादन स्वतंत्र रूप से करती है ,जिसमें विधायिका एवं कार्यपालिका का कोई दबाव नहीं होता है।
6. **इकहरी नागरिकता :** भारत में दोहरी शासन व्यवस्था होते हुए भी नागरिकों को इकहरी नागरिकता दी गई है। इसमें संघ एवं राज्यों की पृथक नागरिकता नहीं है। भारत के नागरिकों को केवल भारत की नागरिकता दी गई है।

प्रश्न 3: मुद्रा आवश्यकताओं के दोहरे संयोग की समस्या का कैसे समाधान करती है? उदाहरण सहित समझाएं।

उत्तर:- वस्तु विनिमय व्यवस्था में चीजों का आदान-प्रदान चीजों से होता है और उसमें मुद्रा के प्रयोग कि कोई आवश्यकता नहीं पड़ती। परंतु ऐसा करना कितना कठिन है यह एक उदाहरण से स्पष्ट हो जाएगा।

एक जूता बेचने वाला गेहूं खरीदना चाहता है पहले तो उसे जूता खरीदने वाला व्यक्ति खोजना पड़ेगा और फिर उसे देखना पड़ेगा कि ऐसा व्यक्ति कहां है, जो एक तरफ तो जूता खरीदना चाहता

Jharkhandlive.com

है। और दूसरी तरफ गेहूं बेचना चाहता है। इस प्रकार इस लेनदेन में संयोगो की आवश्यकता पड़ती है। पहले तो जूता खरीदने वाला व्यक्ति खोजा जाए और दूसरे वह गेहूं बेचने के लिए तैयार हो।

परंतु मुद्रा के प्रयोग से जूता बनाने वाला किसी को भी अपना जूता बेचकर मुद्रा प्राप्त कर सकता है और इस मुद्रा से वह जहां से चाहे गेहूं खरीद सकता है ।ऐसे में मुद्रा द्वारा दोहरे संयोग की समस्या पैदा नहीं होती और वह अपने आप हल हो जाती है।

प्रश्न 4: उद्योग पर्यावरण को कैसे प्रदूषित करते हैं? व्याख्या करे।

उत्तर:-

1. उद्योगों ने चार प्रकार के प्रदूषण को जन्म दिया है-

क. वायु प्रदूषण

ख. जल प्रदूषण

ग. भूमि प्रदूषण

घ. ध्वनि प्रदूषण

2. उद्योगों से निकलने वाला धुआं वायु तथा जल दोनों को प्रदूषित करता है। वायु में कार्बन मोनोऑक्साइड तथा सल्फर डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ जाने से अवांछनीय गैसों की मात्रा बढ़ जाती है। तथा वायु प्रदूषित हो जाती है।
3. वायु में धूल, धुआं तथा धुंध मिले रहते हैं। इससे वायुमंडल प्रभावित होता है।
4. उद्योगों से निकला कचरा विषाक्त होता है और भूमि तथा मिट्टी को प्रदूषित करता है।
5. जिस समय पर्यावरण के विभिन्न तत्व प्रदूषित हो जाते हैं तो पूरा पर्यावरण क्षति हो जाता है।

Jharkhandlab.com

JAC वार्षिक माध्यमिक परीक्षा - 2023

विषय - सामाजिक विज्ञान

बहुवैकल्पिक प्रश्नोत्तर

1. 19 वी सदी के दौरान कौन ऐसी ताकत बनकर उभरा जिसमें यूरोप के राजनीतिक और मानसिक जगत में भारी परिवर्तन ला दिया?

1. उदारवाद 2. साम्यवाद
3. राष्ट्रवाद 4. निरंकुशवाद

उत्तरः- 3. राष्ट्रवाद

2. फ्रांस में प्रथम विद्रोह कब हुआ था?

1. जुलाई 1801 2. जुलाई 1804
3. जुलाई 1815 4. जुलाई 1830

उत्तरः- 4. जुलाई 1830

3. 1804 की नागरिक संहिता जिसे आमतौर पर नेपोलियन की संहिता के नाम से भी जाना जाता है, उसने फ्रांस में सुधार के लिए क्या कदम उठाया?

(1.) जन्म पर आधारित विशेषाधिकार समाप्त कर दिया
(2.) कानून के समक्ष बराबरी और संपत्ति के अधिकारों को सुरक्षित बनाया
(3.) प्रशासनिक विभाजनों को सरल बनाया
(4.) इनमें से सभी

उत्तरः- 4. इनमें से सभी

4. 1917 में गांधी जी ने खेड़ा जिले के किसानों की मदद के लिए सत्याग्रह का आयोजन किया था। खेड़ा भारत के किस राज्य में स्थित है?

1. गुजरात 2. मध्य प्रदेश
3. राजस्थान 4. महाराष्ट्र

उत्तरः- 1. गुजरात

5. साइमन कमीशन भारत क्यों आया?

1. नई शिक्षा नीति लागू करने
2. लगान संबंधित नए कानून बनाने
3. संवैधानिक व्यवस्था की कार्यशैली का अध्ययन करने
4. व्यापार संबंधित कानून बनाने

उत्तर- 3. संवैधानिक व्यवस्था की कार्यशैली का अध्ययन करने।

6. 1840 के दशक के मध्य में आयरलैंड में किसी बीमारी के कारण निम्न में से कौन सा फसल खराब हो गया जिससे लाखों लोग भुखमरी के कारण मौत के मुंह में चले गए?

1. चावल 2. आलू
3. मक्का 4. मूंगफली

उत्तर- 2. आलू

7. प्रथम विश्वयुद्ध खत्म होने के केवल दो दशक बाद दूसरा विश्वयुद्ध शुरू हो गया जिसमें एक गुट में धूरी शक्तियां मुख्य रूप से नात्सी, जर्मनी, जापान और इटली थी तो दूसरा खेमा जो मित्र राष्ट्रों के नाम से जाना जाता था उनमें कौन-कौन से देश थे?

1. ब्रिटेन, सोवियत संघ, फ्रांस और भारत
2. ब्रिटेन, फ्रांस, अमेरिका, और भारत
3. ब्रिटेन, सोवियत संघ, फ्रांस, और अमेरिका
4. ब्रिटेन, सोवियत संघ, अमेरिका और भारत

उत्तर- 3. ब्रिटेन, सोवियत संघ, फ्रांस, और अमेरिका

8. 1929 आर्थिक मंदी के कारण दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में निम्न में से किसकी भयानक गिरावट दर्ज की गई?

1. उत्पादन 2. रोजगार
3. आय और व्यापार 4. इनमें से सभी

उत्तर- 4. इनमें से सभी

9. बुनकरों को कच्ची कपास की समस्या का सामना क्यों करना पड़ा?

1. कच्चे कपास के निर्यात में वृद्धि हुई
2. कपास की फसल नष्ट हो गई
3. स्थानीय बाजार सिकुड़ गए
4. निर्यात बाजार गिर गया

उत्तर. 1. कच्चे कपास के निर्यात में वृद्धि हुई

10. 19वीं शताब्दी के दौरान ब्रिटेन में सर्वाधिक गतिशील उद्योग कौन से थे?

1. धातु और चीनी 2. कपास और चीनी
3. कपास और धातु 4. कपास और पेट्रोलियम

उत्तर. 3. कपास और धातु

11. मुद्रण तकनीक सबसे पहले कहां विकसित हुई?

1. भारत 2. चीन
3. फ्रांस 4. यूरोप

उत्तर. 2. चीन

12. निम्न -जातीय आंदोलनों के मराठी प्रणेता कौन थे ,जिन्होंने अपनी पुस्तक गुलामगिरी में जाति प्रथा के अत्याचारों पर लिखा है?

1. ज्योतिबा फुले 2. राजा राममोहन राय
3. बंकिम चंद्र 4. बाल गंगाधर तिलक

उत्तर. 1. ज्योतिबा फुले

13. समाप्यता के आधार पर संसाधनों को दो भागों में बांटा जाता है, उनके नाम हैं

1. जैव एवं अजैव संसाधन
2. नवीकरणीय एवं अनवीकरणीय संसाधन
3. विकसित एवं संचित संसाधन
4. राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संसाधन

उत्तर. 2. नवीकरणीय एवं अनवीकरणीय संसाधन

14. संसाधनों के अंधाधुंध शोषण से किस प्रकार का वैश्विक परिस्थितिकी संकट पैदा हो गया है?

1. भूमंडलीय तापन 2. ओजोन परत अवक्षय
3. पर्यावरण प्रदूषण 4. इनमें से सभी

उत्तर. 4. इनमें से सभी

Jharkhandlab.com

15. वनों और वन्य जीवन का संरक्षण करना आवश्यक है-क्योंकि इससे

1. पारिस्थितिकी विविधता बनी रहती है
2. जीवन साध्य संसाधन-जल, वायु और मृदा बनी रहती है
3. बेहतर जनन के लिए वनस्पति और पशुओं में जीनी विविधता को संरक्षित करती है
4. इनमें से सभी

उत्तर - 4. इनमें से सभी

16. वन और वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए किस प्रकार के वनों को सर्वाधिक मूल्यवान माना जाता है?

1. अवर्गीकृत वन
2. आरक्षित वन
3. कांटेदार वन
4. रक्षित वन

उत्तर. 4. रक्षित वन

17. प्रचुर मात्रा में जल उपलब्ध होने के बावजूद जल किन कारणों से प्रदूषित और मानव उपयोग के लिए खतरनाक बनते जा रहे हैं?

1. घरेलू और औद्योगिक अपशिष्टों के मिलने से
2. रसायनों के अधिक प्रयोग से
3. कीटनाशकों और कृषि में प्रयुक्त उर्वरकों के प्रयोग से
4. इनमें से सभी

उत्तर. 4. इनमें से सभी

18. मानसून के आगमन के साथ जो फसलें बोई जाती है, वे किस फसल के अंतर्गत आती है?

1. खरीफ
2. रबी
3. जायद
4. इनमें से कोई नहीं

उत्तर. 1. खरीफ

19. पवन और सौर ऊर्जा संसाधनों की बहुतायत भारत के किस राज्य में अधिक पाई जाती है?

1. उत्तर प्रदेश
2. झारखंड
3. राजस्थान
4. मध्य प्रदेश

उत्तर. 3. राजस्थान

20. जल उर्वरकों के अधिक और अविवेकपूर्ण प्रयोग से किस प्रकार की समस्याएं पैदा हो गई है?

1. जलाक्रांत्ता
2. लवणता
3. सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी
4. इनमें से सभी

उत्तर. 4. इनमे से सभी

21. औद्योगिक विकास की रीढ़ के रूप में किस खनिज को महत्वपूर्ण माना जाता है?

1. कोयला
2. लौह अयस्क
3. पेट्रोलियम
4. बॉक्साइट

उत्तर. 2. लौह अयस्क

22. निम्न में से किस प्रकार के खनिजों का प्रयोग आणविक ऊर्जा के उत्पादन में किया जाता है?

1. यूरेनियम और थोरियम
2. यूरेनियम और जिप्सम
3. यूरेनियम और अलमुनियम
4. यूरेनियम और मैग्नीशियम

उत्तर. 1. यूरेनियम और थोरियम

23. वायु प्रदूषण निम्न में से किस पर अपना दुष्प्रभाव डालता है?

1. मानव स्वास्थ्य पर
2. पशुओं पर
3. पौधों पर
4. इनमें से सभी

उत्तर. 4. इनमें से सभी

24. बेल्जियम में अल्पसंख्यक के रूप में किस भाषा के बोलने वाले लोग तुलनात्मक रूप से ज्यादा समृद्ध और ताकतवर रहे हैं?

1. फ्रेंच
2. डच
3. जर्मन
4. सिंहली

उत्तर. 1. फ्रेंच

25. जब 1956 में श्रीलंका में कानून बनाया गया तो उसमें किन-किन बातों को जोड़ा गया?

1. सिंहली को एकमात्र राजभाषा घोषित कर दिया गया
2. सरकारी नौकरियों में सिंहलियों को प्राथमिकता दी गई
3. बौद्ध मत को संरक्षण और बढ़ावा दिया गया
4. इनमें से सभी

उत्तर. 4. इनमें से सभी

26. निम्न में से कौन कार्यपालिका और विधायिका द्वारा बनाए गए कानूनों पर अंकुश रखता है?

1. संसद
2. राष्ट्रपति
3. न्यायपालिका
4. प्रधानमंत्री

उत्तर. 3. न्यायपालिका

27. पोखरण जहां भारत में 1998 में अपने परमाणु परीक्षण किए, वह भारत के किस राज्य में स्थित है?

1. राजस्थान
2. गुजरात
3. उत्तर प्रदेश
4. महाराष्ट्र

उत्तर. 1. राजस्थान

28. सामाजिक विभाजन अधिकांशतः आधारित होता है

1. मृत्यु पर
2. विवाह पर
3. जन्म पर
4. शिक्षा पर

उत्तर. 3. जन्म पर

29. सांप्रदायिक राजनीति सोच पर आधारित होती है कि धर्म ही सामाजिक समुदाय का निर्माण करता है। इस मान्यता के अनुकूल सोचना क्या कहलाता है?

1. धर्मनिरपेक्षता
2. सांप्रदायिकता
3. आत्मनिर्भरता
4. जातिवाद

उत्तर. 2. सांप्रदायिकता

30. निम्नांकित में से किस राज्य में शिशु मृत्यु दर सबसे कम है?

1. पंजाब
2. बिहार
3. केरल
4. छत्तीसगढ़

उत्तर. 3. केरल

31. निम्नांकित में से किसे औसत आय भी कहा जाता है?

1. राष्ट्रीय आय
2. प्रति व्यक्ति आय
3. कुल आय
4. इनमें से सभी

उत्तर. 2. प्रति व्यक्ति आय

32. सार्वजनिक और निजी क्षेत्र किस आधार पर विभाजित है?

1. रोजगार की शर्तों के आधार पर
2. उद्यमों के स्वामित्व के आधार पर
3. आर्थिक गतिविधियों के आधार पर
4. उद्यमों में नियोजित श्रमिकों के आधार पर

उत्तर. 2. उद्यमों के स्वामित्व के आधार पर

Jharkhandjac.com

33. कौन सा क्षेत्र भारत में सबसे बड़े रोजगार उत्पादक क्षेत्र के रूप में जाना जाता है?

1. तृतीय क्षेत्र
2. द्वितीय क्षेत्र
3. विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र
4. प्राथमिक क्षेत्र

उत्तर. 4. प्राथमिक क्षेत्र

34. निम्न में से कौन मध्यवर्ती भूमिका प्रदान करके आवश्यकताओं के दोहरे संयोग की जरूरत को खत्म कर देती है?

1. मुद्रा
2. विदेश व्यापार
3. निर्यात
4. विकास

उत्तर. 1. मुद्रा

35. सामान्यता बहुराष्ट्रीय कंपनियां उसी स्थान पर उत्पादन इकाई स्थापित करती है जहां

1. बाजार नजदीक हो
2. कम लागत पर श्रमिक उपलब्ध हो
3. उत्पादन के अन्य कारक उपलब्ध हो
4. इनमें से सभी

उत्तर. 4. इनमें से सभी

36. विभिन्न देशों के बाजारों को जोड़ने या एकीकरण में निम्न में से कौन सहायक होता है?

1. बैंक
2. विदेशी व्यापार
3. उद्योग
4. कृषि

उत्तर. 2. विदेशी व्यापार

37. 1960 के दशक में व्यवस्थित रूप में उपभोक्ता आंदोलन का उदय निम्न में से किन कारणों से हुआ?

1. अत्यधिक खाद्य की कमी
2. खाद्यान्नों की जमाखोरी
3. खाद्य पदार्थों एवं खाद्य तेलों में मिलावट
4. इनमें से सभी

उत्तर. 4. इनमें से सभी

38. संविधान में संशोधन करके लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था के तीसरे स्तर को किस प्रकार बनाया गया है?

1. शक्तिशाली और प्रभावी
2. शक्तिशाली और अप्रभावी
3. संवैधानिक और अप्रभावी
4. स्वतंत्र और अप्रभावी

उत्तर. 1. शक्तिशाली और प्रभावी

39. अन्य जाति -समूहों से भेदभाव और उन्हें अपने से अलग मानने की धारणानिम्न में से किस व्यवस्था पर आधारित है?

1. शासन व्यवस्था
2. राजनीतिक व्यवस्था
3. वर्ण व्यवस्था
4. दलीय व्यवस्था

उत्तर. 3. वर्ण व्यवस्था

40. लोकतांत्रिक व्यवस्था में हित समूहों या दबाव समूहों के मुख्य उपयोगिताएं निम्न में से क्या है?

1. सरकार को सजग बनाए रखना
2. आंदोलन को सफल बनाना
3. राजनीतिक दलों पर प्रभाव डालना
4. इनमें से सभी

उत्तर. 4. इनमें से सभी

Jharkhandlab.com

JAC वार्षिक माध्यमिक परीक्षा - 2023

विषय - सामाजिक विज्ञान

विषयनिष्ठ प्रश्नोत्तर

Jharkhandlab.com

खण्ड - A

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. मारीआन और जर्मेनिया कौन थे?

उत्तरः- मारीआन फ्रांस राष्ट्र की नारी रूपक थी जिसे स्वतंत्रता और गणतंत्र के प्रतीक लाल टोपी, तिरंगा कलगी के साथ दर्शाया गया और उसकी प्रतिमाएं सार्वजनिक चौकों पर लगाई गई। मारीआन की छवि सिक्को और डाक टिकटों पर अंकित की गई। इसी तरह जर्मेनिया जर्मन राष्ट्र का रूपक बन गई। जर्मेनिया बलूत वृक्ष के पत्तों के मुकुट से सजाया गया क्योंकि जर्मनी में बलूत को वीरता का प्रतीक माना जाता है।

2. सत्याग्रह के विचार का क्या मतलब है?

उत्तरः- सत्याग्रह एक ऐसा विचार है जिसमें सत्य की शक्ति पर आग्रह और सत्य की खोज पर जोर दिया जाता है। इसका अभिप्राय यह है कि यदि आप का उद्देश्य सच्चा है यदि आपका संघर्ष अन्याय के विरुद्ध है तो उत्पीड़क का मुकाबला करने के लिए आपको किसी शारीरिक बल कीआवश्यकता नहीं है।

3. मानव के लिए संसाधन क्यों आवश्यक है?

उत्तरः- मानव के लिए संसाधन बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह किसी भी देश की अर्थव्यवस्था में रीढ की हड्डी का काम करते हैं। यह अर्थव्यवस्था की मजबूती तथा लोगों की समृद्धि का आधार है। उदाहरण के लिए आरंभिक मानव अपने भोजन के लिए प्रत्यक्ष रूप से पौधों एवं जानवरों पर निर्भर था। बाद में उसने औजारों के प्रयोग तकनीकी, एवं कार्य कुशलता से वातावरण में सामंजस्य स्थापित किया। उसने यह भी अनुभव किया कि उसके लिए क्या-क्या चीज उपयोगी है।

इस प्रकार उसके लिए प्रकृति से प्राप्त पदार्थ प्राकृतिक संसाधन बन गया। इन संसाधनों ने मानव की अर्थव्यवस्था के विकास में आधार का काम किया। अतः हम कह सकते हैं कि मानव के लिए संसाधन बहुत आवश्यक है।

4. नदियों में बांध क्यों बनाए जाते हैं?

उत्तरः- नदियों पर बांध इसलिए बनते हैं क्योंकि बांध देश की समग्र बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बांध मनोरंजन, बाढ़ नियंत्रण, जल आपूर्ति, जल विद्युत शक्ति, अपशिष्ट प्रबंधन, नदी निविगेशन और वन्यजीव आवास सहित कई प्रकार के आर्थिक पर्यावरणीय और सामाजिक लाभ प्रदान करते हैं।

5. सरकार के प्रमुख अंग कौन-कौन हैं?

उत्तरः- सरकार के प्रमुख तीन अंग हैः-

1. विधायिका
2. कार्यपालिका
3. न्यायपालिका

6. लोकतंत्र के लिए राजनीतिक दल क्यों आवश्यक है?

उत्तरः-
1. राजनीतिक दल को लोकतंत्र का प्राण कहा जाता है।
2. यदि राजनीतिक दल नहीं होगा तो सभी उम्मीदवार निर्दलीय होंगे।
3. राजनीतिक दल जनता और सरकार के बीच कड़ी का काम करता है।

इस प्रकार सरकार बनाने जनता का प्रतिनिधित्व करने एवं देश के लिए कानून बनाने के लिए राजनीतिक दलों की आवश्यकता होती है।

7. वस्तु विनिमय प्रणाली में मुख्य कठिनाई क्या थी?

उत्तरः- वस्तु विनिमय प्रणाली की सबसे बड़ी कठिनाई दोहरे संयोग का अभाव था। इस प्रणाली में व्यक्तियों को ऐसे व्यक्ति की खोज में भटकना पड़ता है, जिसके पास उसकी आवश्यकता की वस्तु हो, और वह व्यक्ति अपनी वस्तु के बदले में स्वयं उस मनुष्य की वस्तु लेने को तैयार हो। ऐसा संयोग मिलना कठिन होता है।

खण्ड - B

लघु उत्तरीय प्रश्नः-

प्रश्न 8. उदार वादियों की 1848 की क्रांति का क्या अर्थ लगाया जाता है?

उत्तरः- 1848 में जब अनेक यूरोपीय देशों गरीबी बेरोजगारी और भुखमरी से ग्रस्त किसान मजदूर विद्रोह कर रहे थे, तब उसके समांतर पढ़े-लिखे मध्यवर्ग उनकी भी एक क्रांति हो रही थी। उदार वादियों की क्रांति का मतलब था कि वे स्वतंत्र राष्ट्र राज्य की स्थापना करना चाहते थे। जहां क्रांति की स्वतंत्रता और सभी लोगों के लिए समान कानून और स्वतंत्रता हो। उदार वादियों ने राष्ट्रीय विचार के निर्माण की मांगों को आगे बढ़ाया। यह राष्ट्र राज्य संविधान प्रेस की स्वतंत्रता और संगठन बनाने की आजादी जैसे संसदीय सिद्धांतों पर आधारित था। वे सभी नागरिक को सामाजिक समानता दिलाने के पक्षधर थे।

प्रश्न9. पहले विश्व युद्ध के समय भारत का औद्योगिक उत्पादन क्यों बढ़ा?

उत्तरः- पहले विश्व युद्ध के समय भारत के औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि हुई जिसके कई कारण थे-

क. प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटेन ऐसे उलझ गया कि इसका ध्यान अपने बचाव में लग गया। अब वह भारत में अपने माल को निर्यात ना कर सका, जिसके कारण भारत के उद्योगों को पनपने का सुअवसर प्राप्त हो गया।

ख. इंग्लैंड के सब कारखाने निर्यात की विभिन्न चीजें बनाने की बजाय सैनिक सामग्री बनाने में लग गये। इसलिए भारतीय उद्योगों को रातों-रात एक विशाल देसी बाजार मिल गया।

ग. एक विशाल देसी बाजार मिलने के अतिरिक्त भारतीय उद्योगों को जब सरकार द्वारा भी अनेक चीजें जैसे फौज के लिए वर्दियां, बूट आदि बनाने, टेंट बनाने, घोड़ों के लिए अनेक प्रकार का सामान आदि के आर्डर मिल गए तो उनमें नई जान आ गई। जैसे-जैसे युद्ध आगे बढ़ता गया भारतीय उद्योगों की भी प्रगति होती गई।

प्रश्न 10. भारत की सबसे बड़ी नदी घाटी परियोजना कौन है और यह किस नदी पर है? इससे किस क्षेत्र को आर्थिक विकास में मदद मिली है?

उत्तरः- भारत की सबसे बड़ी नदी घाटी परियोजना भाखड़ा नांगल परियोजना है। यह सतलज नदी पर बनाई गई है। इस परियोजना से पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हिमाचल

प्रदेश, राजस्थान और जम्मू कश्मीर राज्यों को मिला है। इससे कृषि और उद्योगों में क्रांतिकारी परिवर्तन आए हैं। इस परियोजना से 15 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई कर देश में हरित क्रांति लाने में मदद मिली है। जल विद्युत उत्पादन के द्वारा उन राज्यों में लघु एवं कुटीर उद्योग का जाल बिछ गया है।

प्रश्न 11. कृषि की परिभाषा दीजिए? भारत में कृषि के लिए कौन-सी भौगोलिक सुविधाएं प्राप्त हैं?

उत्तरः- जमीन को जोड़कर कोई भी फसल उगाने की क्रिया को कृषि कहते हैं।

भारत में कृषि के लिए निम्नलिखित भौगोलिक सुविधाएं हैं:-

1. भारत एक उष्णकटिबंधीय देश है यहां सालों भर तापमान उच्च रहता है, यदि सिंचाई की सुविधा उपलब्ध करा दी जाए तो सालों भर फसल उगाई जा सकती है।
2. भारत के अधिकतर भागों में जलोढ़ मृदा पाई जाती है, जो कि कृषि के दृष्टिकोण से सबसे अधिक उपजाऊ और उपयुक्त मृदा है।
3. भारत में सभी प्रकार की जलवायु (शीत वर्षा एवं ग्रीष्म) पाई जाती है, जो कि विभिन्न प्रकार के फसलों फलों के उत्पादन के लिए उपयुक्त भौगोलिक दशा प्रदान करती है।

प्रश्न.12 समवर्ती सूची से क्या तात्पर्य है? इसमें कौन-कौन से विषय सम्मिलित हैं?

उत्तरः- विषयों की ऐसी सूची जिस पर कानून बनाने का अधिकार राज्य तथा केंद्र सरकार दोनों को प्राप्त होता है। परंतु दोनों सरकारों में टकराव होने की स्थिति में केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए कानून ही मान्य होते हैं। उसे समवर्ती सूची कहते हैं।

समवर्ती सूची में कुल 47 विषय शामिल किए गए हैं। जैसेः- शिक्षा, वन, श्रम, पारिवारिक, कानून इत्यादि।

प्रश्न13. लोकतंत्र सामाजिक विविधताओं में किस प्रकार सामंजस्य लाता है?

उत्तरः- लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं अनेक तरह से सामाजिक विभाजन को संभालती है। इससे इनके बीच टकराव का विस्फोटक या हिंसक रूप लेने का अंदेशा थोड़ा कम हो जाता है। कोई भी समाज अपने विभिन्न समूह के बीच के टकराव को स्थाई तौर पर खत्म नहीं कर सकता। इनके बीच बातचीत से सामंजस्य बैठाने का तरीका विकसित कर सकते हैं। सामाजिक अंतर विभाजन और टकराव को संभालना निश्चित रूप से लोकतांत्रिक व्यवस्था का एक बड़ा गुण है। इसके लिए लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को कुछ शर्तों को पूरा करना होता है।

लोकतंत्र का अर्थ बहुमत की राय से शासन करना नहीं है परंतु बहुमत को सदा ही अल्पमत का ध्यान रखना होता है।उस के साथ मिलकर काम करने की जरूरत होती है तभी सरकार जनता की इच्छा के अनुसार प्रतिनिधित्व कर सकती है।

प्रश्न 14. विदेशी व्यापार एवं विदेशी निवेश में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः- विदेशी व्यापार एवं विदेशी निवेश में निम्नलिखित अंतर हैः-

विदेशी व्यापारः-

क. एक देश के उत्पादों या सेवाओं का दूसरे देश के उत्पादों या सेवाओं के साथ आदान प्रदान किया जाता है।

ख. यह दुनिया के विभिन्न बाजारों को जोड़ता है।

ग . यह लाभ कमाने और वैश्विक बाजारों में प्रवेश पर जोर देता है।

घ. इसमें आयात निर्यात शामिल है।

विदेशी निवेशः-

क. यह एक विदेशी कंपनी द्वारा दूसरे देश में स्थित कंपनी में किए गए निवेश को संदर्भित करता है।

ख. इसके परिणाम स्वरूप पूंजी प्रौद्योगिकी और अन्य संसाधनों के रूप में निवेश होता है।

ग. यह पूंजी को एक देश से दूसरे देश में ले जाने में मदद करता है।

घ. इसका मुख्य उद्देश्य लंबी अवधि के लिए आय उत्पन्न करना है।

खण्ड - C

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः-

प्रश्न15. महामंदी के कारणों की व्याख्या कीजिए।

उत्तरः- 1929 में आर्थिक महामंदी की शुरुआत हुई इस मंदी के प्रमुख कारण निम्नलिखित थे-

1. औद्योगिक क्रांति के कारण अमेरिका तथा ब्रिटेन में बड़े पैमाने पर उत्पादन कार्य होने लगा था। 1930 तक तैयार माल का इतना बड़ा भंडार एकत्र हो गया कि इनका कोई खरीदार ना रहा।
2. कृषि क्षेत्र में अति उत्पादन के कारण कृषि उत्पादों की कीमतें गिरने लगी। किसानों ने अपनी घटती आय को बढ़ाने के लिए अधिक उत्पादन करना शुरू कर दिया। किंतु इससे कीमतें और गिरने लगी।
3. संकट से पूर्व बहुत से देशों ने अमेरिका से कर्ज लिया था जो घटकर केवल चौथाई रह गया था। जो देश अमेरिकी कर्ज पर सबसे ज्यादा निर्भर थे उसके सामने गहरा संकट खड़ा हो गया।

प्रश्न16. भारत में पाई जाने वाली विभिन्न प्रकार की सड़कों का विस्तृत विवरण दें।

उत्तरः- भारत में पाई जाने वाली विभिन्न प्रकार की सड़कें निम्नलिखित हैं:-

1. राष्ट्रीय राजमार्गः- यह देश के विभिन्न राज्यों को आपस में जोड़ने का काम करता है। इस दृष्टि से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 7 देश का सबसे लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग है। यह 2369 किलोमीटर की लंबाई में वाराणसी, जबलपुर, नागपुर, हैदराबाद, बेंगलुरु एवं भदूरै होते हुए कन्याकुमारी तक जाती है। इसकी देख रेख का दायित्व केंद्र सरकार पर है।
2. राज्य राजमार्गः- यह राजमार्ग राज्यों की राजधानियों को विभिन्न जिला मुख्यालयों को जोड़ने का काम करती है। इसका दायित्व राज्य सरकार पर होती है।
3. जिला सड़केः- जिला सड़के राज्यों के विभिन्न जिला मुख्यालय को जोड़ती है देश में कुल 14% जिला सड़के हैं।
4. ग्रामीण सड़केंः- यह सड़कें विभिन्न गांवों को एक दूसरे से जोड़ती है देश की कुल सड़कों में इनका हिस्सा 14% है।

प्रश्न 17. लोकतंत्र की सफलता की किन्ही चार आवश्यक शर्तों का वर्णन कीजिए

उत्तरः- लोकतंत्र की सफलता के लिए आवश्यक शर्तें निम्नलिखित हैं:-

1. जनता में शिक्षा तथा जागरूकता लाकर एक लोकतंत्र को मजबूत बनाया जा सकता है। अतः जनता को जागरूक करने के लिए शिक्षा के स्तर को बढ़ावा देने के लिए सरकार को विभिन्न अभियान चलाए जाने चाहिए।
2. आर्थिक तथा राजनीतिक समानता द्वारा भी श्रेष्ठ लोकतंत्र की नींव रखी जा सकती है। इसके लिए सभी तरह के नागरिकों को राजनीति में शामिल करने के लिए और राजनीतिक सिद्धांतों और निर्णय में पारदर्शिता लाई जा सकती है।

Jharkhandlab.com

3. सामाजिक एकता और एकजुटता के द्वारा भी लोकतंत्र की सफलता प्राप्त की जा सकती है। इसमें सामाजिक एकता को बल दिया जा सकता है। जिससे सभी एक उद्देश्य के लिए कार्य करें।

4. शांति और व्यवस्था लोकतंत्र की सफलता के लिए बहुत जरूरी है।

प्रश्न 18. बहुराष्ट्रीय कंपनियां किस प्रकार दूसरे देशों में उत्पाद या अपने उत्पादन पर नियंत्रण स्थापित करती है?

उत्तरः- दूसरे देशों में बहुराष्ट्रीय कंपनियां निम्न प्रकार से उत्पादन या उत्पाद पर नियंत्रण स्थापित करती है-

1. बहुराष्ट्रीय कंपनियां दूसरे देशों में उत्पादन इकाई स्थापित करती है। विशेष रूप से जहां पर बाजार नजदीक हो और कम लागत पर कुशल और अकुशल श्रम आदि उपलब्ध हो।
2. बहुराष्ट्रीय कंपनियां उत्पादन के लिए कार्यालयों और कारखानों की स्थापना करती है।
3. बहुराष्ट्रीय कंपनियां विभिन्न देशों की स्थानीय कंपनियों के साथ संयुक्त रूप से उत्पादन करती है। कई बार वह स्थानीय कंपनियों को खरीद कर उत्पादन का प्रसार करती है।
4. बहुराष्ट्रीय कंपनियां छोटे उत्पादकों को उत्पादन का ऑर्डर देती है और जिन्हें अपने ब्रांड के नाम से बेचती है।

प्रश्न 19. दिए गए भारत के रेखा मानचित्र पर कोयला निक्षेप के तीन प्रमुख क्षेत्रों को दर्शाएँ-

उत्तरः-

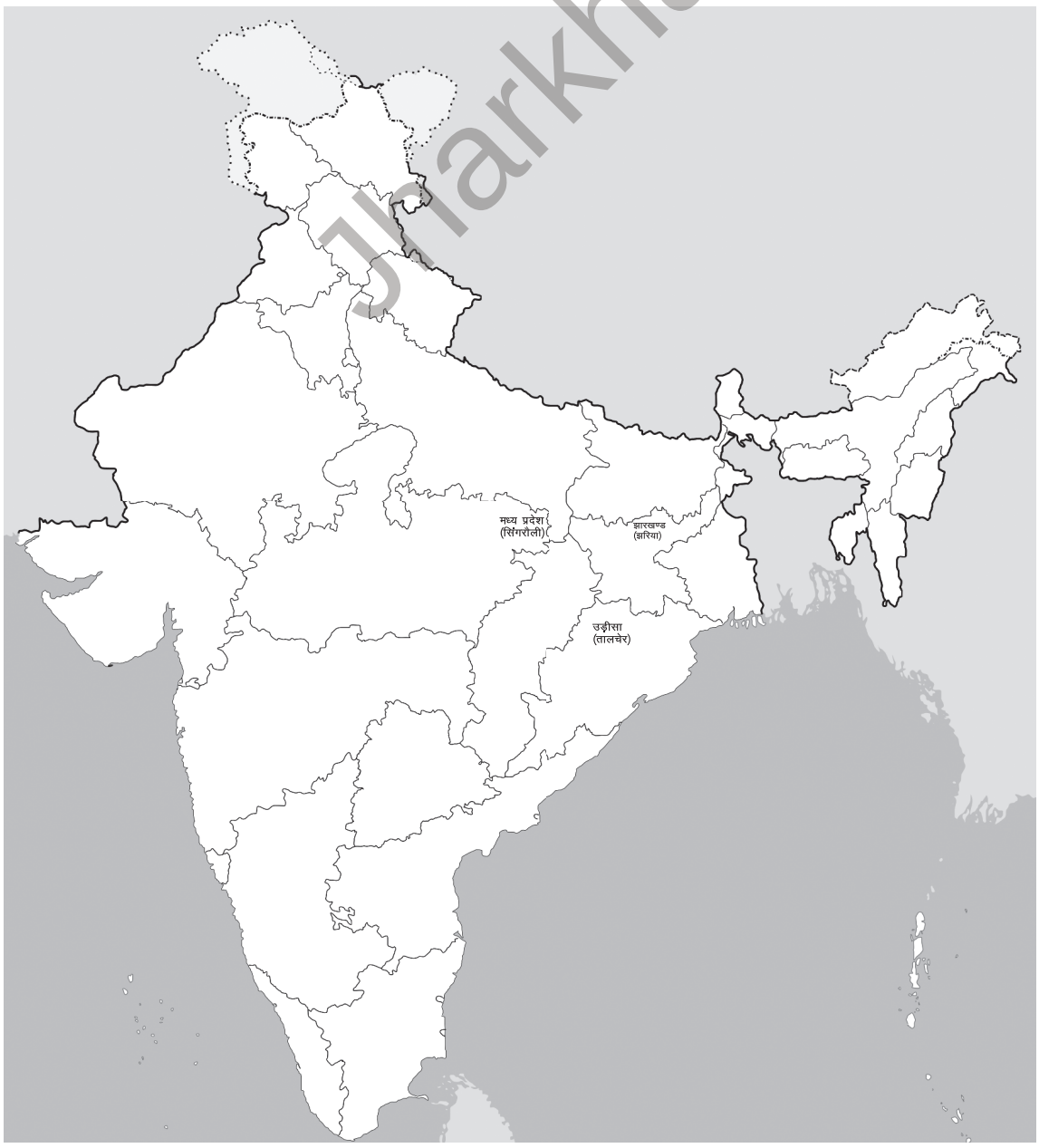

Jharkhandlab.com

jharkhandlab.com

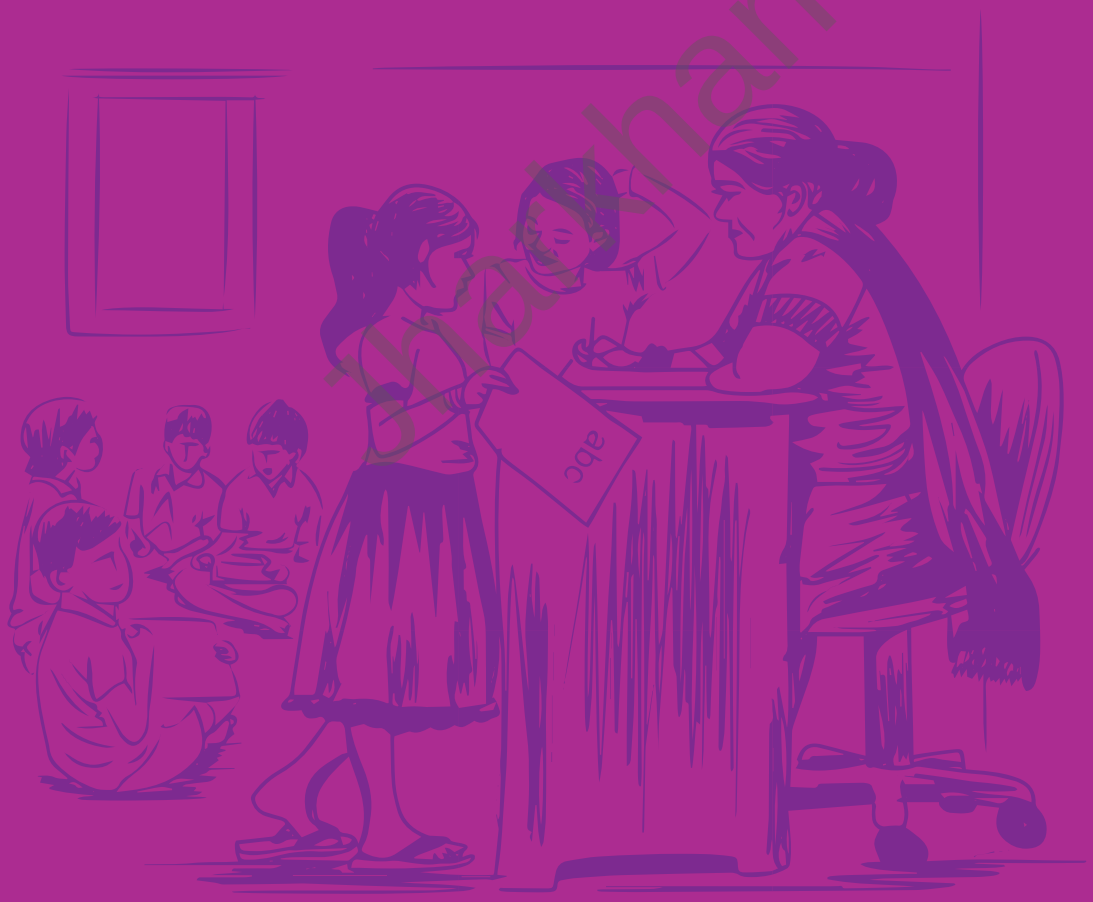

झारखण्ड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची
Jharkhand Council of Educational Research and Training, Ranchi